



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 30, 1987/जैष्ठ 9, 1989

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 30, 1987/JAISTHA 9, 1989

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जल्द संकलन को रूप में  
रखा जा सके  
Separate Page is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

गृह मंत्रालय  
(आंतरिक सुरक्षा विभाग)  
(पुनर्वासि प्रभाग)

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1987

the Rehabilitation Division of Ministry of Home Affairs, as Managing Officer, in addition to his own duties, for the purpose of performing the functions assigned to a Managing Officer by or under the said Act, with immediate effect.

[No. 1(4)/Spl. Cell/87-SS. II(A)]

का. प्रा. 1313.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वासि) अधिनियम 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा गृह मंत्रालय आंतरिक सुरक्षा विभाग, पुनर्वासि प्रभाग के अधीन (बंशोद्भव विंग) में सहायक बंशोद्भव अधिकारी श्री मांगे राम को उनके अपने कार्यभार के प्रतिरूप उक्त अधिनियम के अधीन प्रयत्न उसके द्वारा प्रबंध अधिकारी को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए तत्काल प्रभाव से प्रबंध अधिकारी नियुक्त करती है।

[संख्या 1 (4)/87-विशेष सेल/एस. एस. II(क)]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(Department of Internal Security)  
(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 23rd April, 1987

S.O. 1313.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954) the Central Government hereby appoints Shri Mange Ram, Assistant Settlement Officer in the Settlement Wing under

का. प्रा. 1314.—निष्कांत संपत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा गृह मंत्रालय, आंतरिक सुरक्षा विभाग के अधीन बंशोद्भव विंग में सहायक बंशोद्भव अधिकारी श्री मांगे राम को उनके अपने कार्यभार के उक्त अधिनियम के द्वारा प्रयत्न उसके अस्तित्व दिल्ली में निष्कांत संपत्ति के सहायक अभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के प्रयोजन से तत्काल प्रभाव से सहायक अभिरक्षक नियुक्त करती है।

[संख्या 1 (4)/विशेष सेल/87-एस. एस. II-(ब)]

S.O. 1314.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Shri Mange Ram Asstt. Settlement Officer in the Settlement Wing under the Rehabilitation Division of Ministry of Home Affairs as the Assistant Custodian in respect of Evacuee Properties in Delhi, in addition to his own duties, for the purpose of performing the functions assigned to a Assistant Custodian by or under the said Act, with immediate effect.

[No. 1(4)/Spl. Cell/87-SS. II(B)]

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1987

का. प्र. 1315.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उत्तर प्रदेश राज्य के सभी उप मण्डल अधिकारियों को उनके उपमण्डल अधिकारियों के रूप में अपने कार्य के प्रतिरिक्त उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रबन्ध अधिकारियों को सौंपे गए कार्य करने के लिए प्रबन्ध अधिकारी नियुक्त करती है।

2. इसके द्वारा दिनांक 13-5-63 की अधिसूचना सं. 15(23)/प्रतिकर तथा संगति/62-वीं का प्रतिक्रमण किया जाता है।

[सं. 1(10)/वि.सेल/85-एच.एस.-II]

New Delhi, the 27th April, 1987

S.O. 1315.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (C&R) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoint all the Sub-Divisional Officers in the State of Uttar Pradesh, as Managing Officers, in addition to their own duties as Sub-Divisional Officers, for the purpose of a performing the functions assigned to a Managing Officer by or under the said Act, with immediate effect.

2. This supersedes the erstwhile Ministry of Works, Housing and Rehabilitation (Deptt. of Rehabilitation's) Notification No. 15(23)/Comp. & Prop/62-B dated 13-5-63.

[No. 1(10)/Spl. Cell/85-SS.II]

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1987

का. प्र. 1316.—निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा गृह मंत्रालय, आंतरिक सुरक्षा विभाग, पुनर्वास प्रभाग के अधीन बंबोबस्त विन में सहायक बंबोबस्त प्रायुक्त श्री के. जी. नायर को पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर-प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिल नाडु, और केरल के लिए उक्त अधिनियम के द्वारा प्रयत्न उनके अंतर्गत अभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों को पूरा करने के उद्देश्य से एकमुस्त करारों प्रयत्न ब्रह्मसैनिक और द्वितीय व्यवस्थाओं के अन्तर्गत अस्तित्व इन राज्यों की अचल निष्कांत सम्पत्तियों/भूमि को छोड़कर निष्कांत सम्पत्ति का प्रतिरिक्त अभिरक्षक नियुक्त करती है।

[सं. 1(1)/वि.सेल/87-एच.एस.-II]

New Delhi, the 30th April, 1987

S.O. 1316.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Shri K. G. Nair, Assistant Settlement Commissioner in the Rehabilitation Division of Ministry of Home Affairs as the Additional Custodian of Evacuee Property for Punjab, Haryana, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh, Bihar, West Bengal, Orissa, Andhra Pradesh, Madhya Pradesh, Rajasthan, Gujarat, Maharashtra, Karnataka, Tamil Nadu and Kerala for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian by or under the said Act, barring immovable exacuee properties/lands situated in these States transferred under Package deals or Administrative and financial arrangements.

[No. 1(1)/Spl. Cell/87-SS.II]

का. प्र. 1317.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वास प्रभाग, गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव, श्री गुरुप्रताप सिंह साही को 27-4-1987 से उक्त अधिनियम के द्वारा प्रयत्न उसके अधीन मुख्य बंबोबस्त प्रायुक्त को सौंपे गए कार्यों के निष्पादन हेतु मुख्य बंबोबस्त प्रायुक्त नियुक्त करती है।

2. इसके द्वारा दिनांक 14-4-1987 की अधिसूचना संख्या 1(3)/वि.सेल/87-एच.एस.-II(ए) का प्रतिक्रमण किया जाता है।

[संख्या-1(3)/वि.सेल/87-एच.एस.-II(ए)]

S.O. 1317.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (No. 44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri Gurpratap Singh Sahi, Joint Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as Chief Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such Chief Settlement Commissioner by or under the said Act with effect from 27th April, 1987.

2. This supersedes Notification No. 1(3)/Spl. Cell/87-SS.II (A), dated the 14th April, 1987.

[No. 1(3)/Spl. Cell/87-SS.II(A)]

का. प्र. 1318.—निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार गृह मंत्रालय (पुनर्वास प्रभाग) में संयुक्त सचिव श्री गुरुप्रताप सिंह साही को 27-4-1987 से उक्त अधिनियम के द्वारा प्रयत्न उसके अधीन महाभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों के निष्पादन हेतु महाभिरक्षक, निष्कांत सम्पत्ति, नियुक्त करती है।

2. इसके द्वारा दिनांक 14-4-1987 की अधिसूचना संख्या-1(3)/(3) वि.सेल/87-एच.एस.-II (बी) का प्रतिक्रमण किया जाता है।

[संख्या-1(3)/वि.सेल/87-एच.एस.-II(बी)]

गृहमंत्र प्रसलम, उप सचिव

S.O. 1318.—In exercise of the power conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government appoints Shri Gurpratap Singh Sahi, Joint Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as the Custodian General of Evacuee Property for the purpose of performing functions assigned to such Custodian General by or under the said Act with effect from 27th April, 1987.

2. This supersedes Notification No. 1(3)/Spl. Cell/87-SS-II(B) dated the 14th April, 1987.

[No. 1(3)/Spl. Cell/87-SS.II(B)]

M. ASLAM, Dy. Secy.

## कार्मिक और लोक निकाय तथा पेंशन संज्ञासय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 11 मई, 1987

का. प्र. 1319.—केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री एम. बी. देवराज, अधिवक्ता, बंगलूर को विशेष और प्रधान निहित नैशन ग्यायाधीश बंगलूर के न्यायालय में श्री आर. रघुपति, भूतपद सचिव और प्रबन्ध निदेशक, मिडिकेट बैंक बंगलूर के निरुद्ध विनो विनो पुस्ति स्थापना के मायसे सं. प्रार. सी 1/83

जी. आई. यू.-1 में अभियोजन संचालित करने के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/1/87-ए.पी.सी. (II)]

## MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. &amp; PENSIONS

(Department of Personnel &amp; Training)

New Delhi, the 11th May, 1987.

S.O. 1319.—In exercise of the powers conferred by sub-section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri M. V. Devaraju, Advocate, Bangalore, as Special Public Prosecutor for conducting prosecution in Delhi Special Police Establishment Case No. RC-1/83-CIU.I against Shri R. Raghupati, former Chairman and Managing Director, Syndicate Bank, Bangalore, in the Court of Special and Principal Civil Session Judge, Bangalore.

[No. 225/1/87-AVD.II]

नई दिल्ली, 15 मई, 1987

## आदेश

क्र.आ. 1320—केन्द्रीय सरकार दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 5 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्वायत्त क्षेत्रों और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (1985 का 61) की धारा 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30 और 32 के अधीन दंडनीय अपराधों के अन्वेषण के लिए हुरियाणा और मध्य प्रदेश सरकारों की सहमति से दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार संपूर्ण हुरियाणा और मध्य प्रदेश राज्यों पर करती है।

[संख्या 228/30/85-ए.पी.सी. (II)]

जी. सीतारामन, अवर सचिव,

New Delhi, the 15th May, 1987

## ORDER

S.O. 1320.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Governments of Haryana and Madhya Pradesh hereby extends the powers and jurisdiction of the members of Delhi Special Police Establishment to the whole of the States of Haryana and Madhya Pradesh for the investigation of offences punishable under sections 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30 and 32 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (61 of 1985).

[No. 228/30/85-AVD.II]

G. SITARAMAN, Under Secy.

## विस्तार संचालन

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1987

## आयकर

क्र.आ. 1321—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (III) के अनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 14-10-86 की अधिसूचना सं. 6965 [फा. सं. 398/13/86-आ.क.(ब.)] में अधिक संशोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री के. एल. पोरवाल को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अंतर्गत श्री बी. सी. गुप्ता के

स्थान पर, कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करते हुए कार्योपरांत प्राधिकृत करती है।

यह अधिसूचना श्री के. एल. पोरवाल द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख 4-12-86 से लागू होगी।

[सं. 7190 (फा. सं. 398/32/85-आ.क.(ब))]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 18th March, 1987

## INCOME-TAX

S.O. 1321.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in partial modification of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 6965 [F. No. 398/13/86-IT(B)] dated the 14-10-86, the Central Government hereby authorises ex-post-facto Shri K. L. Porwal, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act, in place of Shri D. C. Gupta.

2. This Notification shall be effective from 4-12-86 the date on which Shri K. L. Porwal took over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 7190 (F. No. 398/32/85-IT(B))]

क्र.आ. 1322—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) के अनुसरण में तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 7132, दिनांक 12-2-87 का अधिनियम करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री यू. बी. माथुर को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अंतर्गत दिनांक 31-7-1985 से कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु कार्योपरांत प्राधिकृत करती है।

[सं. 7192 (फा. सं. 398/32/85-आ. क.(ब))]

बी. ई. एलेक्जेंडर, अवर सचिव

S.O. 1322.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 7132 dated 12-2-1987, the Central Government authorises ex-post-facto Shri U. B. Mathur, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act, with effect from 31-7-1985.

[No. 7192 (F. No. 398/32/85-IT(B))  
B. E. ALEXANDER, Under Secy]

नई दिल्ली, 11 मई, 1987

## प्रदेश

## स्टाम्प

क्र.आ. 1323—गांतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्ति

का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा रेमण्ड वूलन मिल्स, लिमिटेड, बम्बई को मात्र सात लाख सत्तासी हजार रुपये के उस समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी करने की अनुमति देती है जो उक्त कम्पनी द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र उन्नीस करोड़ बीस लाख रुपये के धकित मूल्य के क्रम संख्या 000001 से 480000 तक के 13.5% (कर-योग्य) भारभित सम्परिवर्तनीय ऋणपत्रों पर, स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाव्य है।

[सं. 21/87—स्टाम्प फा. सं. 33/16/87—बि. क.]

New Delhi, the 11th May, 1987

#### ORDER

#### STAMPS

S.O. 1323.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits The Raymond Woollen Mills, Limited, Bombay to pay consolidated stamp duty of fourteen lakhs and forty thousand rupees only, chargeable on account of the stamp duty on 13.5 per cent (taxable) secured convertible debenture bearing serial Nos. 000001 to 480000 of the face value of rupees Nineteen crores and twenty lakhs only to be issued by the said company.

[No. 21/87-Stamp F. No. 33/16/87-ST]

भादेश

स्टाम्प

का.भा. 1324.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा रेमण्ड वूलन मिल्स लिमिटेड, बम्बई को मात्र सात लाख सत्तासी हजार पांच सौ रुपये के उस समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी करने की अनुमति देती है जो उक्त कम्पनी द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र दस करोड़ पचास लाख रुपये के धकित मूल्य के क्रम संख्या 750001 से 18,00,000 तक वाले 16 प्रतिशत असम्परिवर्तनीय ऋणपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाव्य है।

[संख्या 22/87—स्टाम्प-फा. सं. 33/17/87—बि.क.]

#### ORDER

#### STAMPS

S.O. 1324.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits The Raymond Woollen Mills Limited, Bombay, to pay consolidated stamp duty of rupees seven lakhs eighty seven thousand and five hundred only, chargeable on account of the stamp duty on 15 per cent non-convertible debentures bearing serial Nos 750001 to 18,00,000 of the face value of rupees ten crores and fifty lakhs only to be issued by the said company.

[No. 22/87-Stamp-F. No. 33/17/87-ST]

भादेश

स्टाम्प

का. भा. 1325.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा रेमण्ड वूलन मिल्स लिमिटेड, बम्बई को केवल दो लाख पन्चीस हजार रुपये के उस समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी करने की अनुमति देती है जो उक्त कम्पनी द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र तीन करोड़ रुपये के धकित मूल्य

के क्रम संख्या 450001 से 75,00,00 तक वाले 15 प्रतिशत असम्परिवर्तनीय ऋणपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाव्य है।

[सं. 23/87—स्टाम्प फा. सं. 33/18/87—बि.क.]

#### ORDER

#### STAMPS

S.O. 1325.—In exercise of the powers conferred by clause (b), of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Raymond Woollen Mills Ltd. Bombay to pay consolidated stamp duty of rupees two lakhs and twenty five thousand only, chargeable on account of the stamp duty on 15 per cent Non-Convertible debentures bearing serial Nos. 450001 to 75,00,00 of the face value of rupees three crores only to be issued by the said company.

[No. 23/87 Stamps F. No. 33/18/87-ST]

भादेश

स्टाम्प

का. भा. 1326.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत पंजाब वित्तीय निगम, चंडीगढ़ द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र दो सौ बीस लाख रुपये के मूल्य के ऋणपत्रों के स्वरूप के ऋणपत्रों (32वीं श्रृंखला) पर प्रभाव्य है।

[सं. 24/87—स्टाम्प फा. सं. 33/9/87 बि. क.]

बी. आर. मेहमी, प्रवर सचिव

#### ORDER

#### STAMPS

S.O. 1326.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures (32nd series) of the value of rupees two hundred and twenty lakhs only to be issued by the Punjab Financial Corporation, Chandigarh are chargeable under the said Act.

[No. 24/87-Stamp-F. No. 33/19/87-ST]

B. R. MEHMI, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(वैकिंग प्रमाण)

नई दिल्ली, 4 मई, 1987

का.भा. 1327.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम 1970 के खण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसार में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री जे. एस. सटगागर को 11 मई, 1987 से प्रारम्भ होने वाली और 28 दिसम्बर, 1988 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए यूनिवर्सल बैंक घाफ इंडिया के प्रबंध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[संख्या एफ. 9/14/87—जी. पी. I(1)]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 4th May, 1987

S.O. 1327.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks



(Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby, re-appoints Shri J. S. Bhatnagar as the Managing Director of Union Bank of India for a period commencing on May 11, 1987 and ending with December 28, 1988.

[No. F. 9/14/87-BO.I(1)]

का.पा. 1328.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री जे.एस. भटनगर को, जिन्हें 11 मई, 1987 से यूनियन बैंक आफ इंडिया के प्रबंध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से यूनियन बैंक आफ इंडिया के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एक 9/14/87—बी.ओ. (2)]

S.O. 1328.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby, appoints Shri J. S. Bhatnagar, who has been re-appointed as Managing Director of Union Bank of India with effect from May 11, 1987 to be the Chairman of the Board of Directors of Union Bank of India with effect from the same date.

[No. F. 9/14/87-BO.I(2)]

नई दिल्ली 7 मई, 1987

का.पा. 1329.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड (1) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री के. सदानन्द शेट्टी का 8 जून, 1987 से प्रारम्भ होने वाली और 7 जून, 1992 की समाप्त होने वाली अवधि के लिए विजया बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[संख्या एक 9/16/87—बी.ओ. 1(1)]

New Delhi, the 7th May, 1987

S.O. 1329.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby re-appoints Shri K. Sadananda Shetty as the Managing Director of Vijaya Bank for a period commencing on June 8, 1987 and ending with June, 7, 1992.

[No. F. 9/16/87-BO.I (1)]

का.पा. 1330.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) के खंड 7 के साथ पठित खंड 5 के उपखंड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री के. सदानन्द शेट्टी को, जिन्हें 8 जून, 1987 से विजया बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से विजया बैंक के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एक. 9/16/87—बी.ओ. 1(2)]

एस.एस. हसूरकर, निदेशक

S.O. 1330.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby, appoints Shri K. Sadananda Shetty who has been re-appointed as Managing Director of Vijaya Bank with effect from June 8, 1987 to be the Chairman of the Board of Directors of Vijaya Bank with effect from the same date.

[No. F. 9/16/87-BO.I(2)]  
S. S. HASURKAR, Director

नई दिल्ली, 7 मई, 1987

का.पा. 1331.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम 1970 की धारा 9 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (ख) (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री सी. एच. वेंकटाचलम, विशेष सहायक, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, गैर व्यापार कार्यालय, 15, दूसरी बीच लाइन मद्रास को दिनांक 7 मई, 1987 से 6 मई, 1990 तक सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एक. 15/5/82—मार्ड/भार]

सतपाल भाटिया, भवर सचिव

New Delhi, the 7th May, 1987

S.O. 1331.—In pursuance of sub-clause (b)(i) of clause 3, read with sub-clause (2) of clause 9, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri C. H. Venkatachalam, Special Assistant, Central Bank of India, Non-Business Office, 15, 2nd Line Beach, Madras as a Director on the Board of Directors of Central Bank of India with effect from 7th May, 1987 to 6th May, 1990.

[No. F. 15/5/82-IR]

S. P. BHATIA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मई, 1987

का.पा. 1332.—राष्ट्रीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक अधिनियम, 1984 (1984 का 62) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के उपखंड (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री ए. वी. गणेशन, भवर सचिव, उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग, नई दिल्ली की भी पी. मुरारी के स्थान पर भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[सं. एक. 7/3/86—बी.ओ. 1]

New Delhi, the 11th May, 1987

S.O. 1332.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984) the Central Government hereby nominates Shri A. V. Ganesan, Additional Secretary, Ministry of Industry, Department of Industrial Development, New Delhi as a Director of the Industrial Reconstruction Bank of India vice Shri P. Murari.

[No. F. 7/3/86-BO.I]

नई दिल्ली, 12 मई, 1987

का.पा. 1333.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 50 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित चार्टर्ड लेखाकारों की फर्मों को वर्ष 1988-87 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक लेखा परीक्षक नियुक्त करती है, अर्थात्:—

1. मैसर्स सी.सी. चोक्सी एंड कंपनी,  
चार्टर्ड लेखाकार, मकतलास हाउस, वेक्वे रिकलेमेशन, बम्बई-400020
2. मैसर्स हिगोरोमी एम. एंड कंपनी, चार्टर्ड लेखाकार,  
35, मेता जी भुषाव मार्ग वरियानज नई दिल्ली।
3. मैसर्स ब्रह्मसैया एंड कंपनी, चार्टर्ड लेखाकार,  
आन्ध्र इन्व्हेस्टिंग बिल्डिंग, 156, पम्पू चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-600001
4. मैसर्स एस. आर. बाटलोनाय एंड कंपनी,  
चार्टर्ड लेखाकार, 35, गणेश चण्ड एवेन्यू, कलकत्ता-700013
5. मैसर्स वेब एंड कंपनी, चार्टर्ड लेखाकार  
अजंता बिल्डिंग जी. टी. रोड, गजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
6. मैसर्स दास गुप्ता एंड कंपनी, चार्टर्ड लेखाकार,  
122-124, माकल मस्ती, नई दिल्ली-110005

[संख्या 1(7)/87-लेखा]

New Delhi, the 12th May, 1987

S.O. 1333.—In exercise of the powers conferred by Section 50 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby appoint the following firms of Chartered Accountants as Auditors of the Reserve Bank of India for the year 1986-87, namely :—

1. M/s. C. C. Chokshi & Co., Chartered Accountants, Mafatlal House, Backbay Reclamation, BOMBAY-400020.
2. M/s. Hingorani M. & Co., Chartered Accountants, 35, Netaji Subhas Marg, Daryaganj, NEW DELHI.
3. M/s. Brahmayya & Co., Chartered Accountants, Andhra Insurance Building, 156, Thambu Chetty Street, MADRAS-600001.
4. M/s. S. R. Batliboi & Co., Chartered Accountants, 36, Ganesh Chandra Avenue, CALCUTTA-700013.
5. M/s. Ved & Co., Chartered Accountants, Ajanta Building, G.T. Road, GHAZIABAD (U.P.).
6. M/s. Dass Gupta & Co., Chartered Accountants, 122-124, Model Basti, NEW DELHI-110005.

[No. 1(7)/87/Accts.]

नई दिल्ली, 14 मई, 1987

क्र.सं. 1334.—भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपखंड (i) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री ए. बी. गोखले, सचिव (ई. आर.) विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली को श्री एन. पी. जैन ने स्थान पर भारतीय निर्यात-आयात बैंक के निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में मनोनित करती है।

[सं. 7/3/87-बी.ओ. I(1)]

New Delhi, the 14th May, 1987

S.O. 1334.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government hereby nominates Shri A. B. Gokhale, Secretary (ER), Ministry of External Affairs, New Delhi as a Director of the Board of Directors of the Export-Import Bank of India vice Shri N. P. Jain.

[No. 7/3/87-BO.I(1)]

क्र.सं. 1335.—भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उपधारा (i) के खंड (क) के उपखंड (ii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एस. पद्मनाभन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इंडियन ओवरसीज बैंक, मद्रास को भारतीय निर्यात-आयात बैंक के निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में मनोनित करती है।

[सं. एक 7/3/87-बी.ओ. 1(2)]

एम. एस. सीथारामन, अवर सचिव

S.O. 1335.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government hereby nominates Shri S. Padmanabhan, Chairman and Managing Director, Indian Overseas Bank, Madras as a Director of the Board of Directors of the Export-Import Bank of India.

[No. F 7/3/87-BO.I(2)]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy:

नई दिल्ली, 20 मई, 1987

क्र.सं. 1336.—केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 18) की धारा 21 की उपधारा (2) के अनुसरण में भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक बोर्ड की सिफारिश पर उक्त नियम द्वारा 27 मई 1987 को जारी किए जाने वाले धोर 27 मई, 20002 को परिपक्व होने वाले बांडों पर देय ब्याज की दर एतद्वारा 11% (ग्यारह प्रतिशत) वार्षिक निर्धारित करती है।

[फा. सं. 6(5)/87-आई.एफ-1]

पी. के. मल्होत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 20th May, 1987

S.O. 1336.—In pursuance of Sub-section 2 of Section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government, on the recommendation of the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India, hereby fixes 11 per cent (Eleven percent) per annum as the rate of interest payable on the bonds to be issued by the said Corporation on 27th May, 1987 and maturing on 27th May, 2002.

[F. No. 6(5)87-IF-I]

P. K. MALHOTRA, Under Secy.

### केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समारोह का कार्यालय

गुटूर, 27 मार्च, 1987

अधिसूचना सं. 1/87

क्र.सं. 1337.—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के अधीन प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं नीचे दिए गए नियम के अधीन, मुझमें विहित शक्तियों को, कॉलम 3 में प्रस्तावित अधिकारियों को, समारोहलय में उनके अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में प्रयोग करने के लिए प्रत्यायोजित करता हूँ।

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियम	प्रत्यायोजित की गई शक्ति का स्वरूप	अधिकारी जिसे प्रत्यायोजित की गई है	सीमाएं
नियम 173-जी(1)	समेकित पी.एल. का दूसरा परतुक	मुख्य लेखा अधिकारी ए. के. रत्नराज के लिए अनुमति की शक्ति	---

1	2	3	4
नियम 173-जी(1)	समेकित पी.एल. का दूसरा परतुक	मुख्य लेखा अधिकारी ए. के. रत्नराज के लिए अनुमति की शक्ति	---

2. यह दिनांक 10-10-86 को प्रयुक्त 1983 को रद्द करता है।

[फा.सं. 4/16/21/86 एम. पी./2]

ए. डी. मागपाल, समारोह

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Gutur, the 27th March, 1987

NOTIFICATION NO.1/87

S.O. 1337.—In exercise of the powers conferred on me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I delegate the powers vested in me under the rule detailed below to

the officer designated in Column 3 to be exercised within the jurisdiction of the Collectorate.

Central Excise Rule	Nature of power delegated	Officer to whom delegated	Limitations
1	2	3	4

Second Proviso to Rule 173-G(1).	Power to Permit for maintenance of consolidated P.L.A.	Chief Accounts Officer	
----------------------------------	--	------------------------	--

2. This cancels this office Notification No. 4/86, dated 10-10-1986.

[C.No. IV/16/21/86—M.P.2]

A.D. NAGPAUL, Collector

### उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 11 मई, 1987

का.मा. 1338.—एकाधिकार तथा प्रबोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स हरीसम्स मलयालम लिमिटेड, (पहले की मलयालम प्लांटेशन (इंडिया) लिमिटेड) जिसका संयुक्त कार्यालय ब्रिस्टो रोड, विलिंगडन आइलैंड, कोचीन-682003 है, के पंजीकरण का निरस्तकरण कथित अधिनियम के अन्तर्गत अधिसूचित करती है (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 1611/82)।

[सं. 16/12/86-एम-3]

एस. सी. गोयल, अवर सचिव

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 11th May, 1987

S.O. 1338.—In pursuance of Sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Harrisons Malayalam Limited (Formerly Malayalam Plantations (India) Limited) having its registered office at Bristow Road, Willingdon Island Cochin-682003 under the said Act (Certificate of Registration No. 1611/82).

[No. 16/12/86-M.III]

L. C. GOYAL, Under Secy.

### पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 मई, 1987

का.मा. 1339.—यत् पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.मा.सं. 622 तारीख 24-2-87 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों की बिछाने के लिए अर्जित करने का अग्रता प्राप्ति घोषित कर दिया था ;

और यत् मन्त्र प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यत् केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्णय किया है ;

अब, यत् उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तब और प्राकृतिक गैस प्रायोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

### अनुसूची

बी. एस. एच. जे. से बलो जे. जी. एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : ब. तालुका : मेहसाना

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	घर	सेंटीयर
बलो	760	0	09	60
	768	0	10	08
	767	0	00	48
	762/1	0	07	20
	672/2	0	07	32
	764	0	08	52

[सं. O-12016/9/87-प्रो एन जी-डी-4]

### MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delh., the 8th May, 1987

S.O. 1339.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 622 dated 24-2-87 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of powers conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from BLHJ of BALOL GGS.

State : Gujarat		District & Taluka : Mehsana		
Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centi-are
BALOL	760	0	09	60
	768	0	10	08
	767	0	00	48
	762/1	0	07	20
	762/2	0	07	32
	764	0	08	52

[No. O-12016/9/87-ONG-D4]

का. घा. 1340.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.घा.सं. 624 तारीख 24-2-87 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और प्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और प्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

## अनुसूची

एन.के.जी.के. से एन.के.ई.एल.के. पुराने धार.ओ.यू. से सी.टी.एफ. तक पाइप बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : मेहसाणा तालुका : कडो

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	घार	सेंटीघार
सुरज	731	0	02	40
	730	0	07	20
	722 और 723	0	12	24
	719	0	10	56
	718	0	10	32
	716	0	07	44

[सं. O-12016/11/87-ओ.एन.जी.-डी.-4]

S.O. 1340.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 624 dated 24-2-87 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands, specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from NKGK to OLDROU of NKEI to CTF.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centi-are
SURAJ	731	0	02	40
	730	0	07	20
	722 & 723	0	12	24
	719	0	10	56
	718	0	10	32
	716	0	07	44

[No. O-12016/11/87-ONG-D4]

का.घा. 1341.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.घा.सं. 625 तारीख 24-2-87 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और प्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और प्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ;

## धनुसूची

एन.के.सी. इन्फ्यू. (एन.के.-142) से एन.के. जी.जी.एस.-3 तक राष्ट्र वाहन विछाने के लिए

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेंटीयर
धनपुरा	523	0	15	72
	कार्ट ट्रैक	0	02	16
	503	0	19	80
	कार्ट ट्रैक	0	01	32
	500	0	03	60

(सक्षम प्राधिकारी)

कृते गुजरात राज्य एरिया

[नं. O-12016/12/87-प्रो एन जी डी-5]

पी. के. राजगोपालन, डेस्क अधिकारी

S.O. 1341.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 625 dated 24-2-87 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from NKOW (NK-142) to NK GGS—III.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi-are
DHANPURA	523	0	15	72
	Cart track	0	02	16
	503	0	19	80
	Cart track	0	01	32
	500	0	03	60

[No. O-12016/12/87-ONG-D4]

P.K. RAJA GOPALAN, Desk Officer

New Delhi, the 14th May, 1987

## ERRATUM

S. O. 1342.—For the words and figures appearing in the Corrigendum to the Notification under section 6 (i) issued under Govt. of India's Notification No. O/12016/29/82-Prod.-I under S.O. No. 3542 dated, 11-10-1986 (Published in Govt. of India Gazette—Part II—Section 3 (ii) pages 4150 to 4154 dated 11-10-1986).

(i) Village—Poyanje

For			Read		
S. No.	H. No.	Area	S. No.	H. No.	Area
141	2	0-01-00	141	2	0-11-00

[No. O-12016/29/82-Prod.]

## ERRATUM

S. O. 1343.—For the words and figures appearing in the Corrigendum to the Notification under Section 6 (i) issued under Govt. of India's Notification No. O/12016/29/82-Prod. under S.O. No. 123 dated 17-01-87 (published in Govt. of India Gazette Part II—section 3 (ii) page Nos. 133 to 135 dated 17-01-1987).

(i) Village Pali-Devad

For			Read		
S. No.	H. No.	Area	S. No.	H. No.	Area
21	A/1(i)	0-03-00	21	A/1(i)	0-03-50
21	A/A(2)	0-19-75	21	A/1(2)	0-19-75

(ii) Village Chikhale

For			Read		
S. No.	H. No.	Area	S. No.	H. No.	Area
5	2A	0-06-00	75	2/A	0-06-00
131	2	9-08-00	131	2	0-08-00

## (iii) Village—Borle

For			Read		
S. No.	H. No.	Area	S. No.	H. No.	Area
91	3	0-00-75	91	3	0-07-75
130	Part	0-06-00	137	Part	0-06-00
	5	0-03-75	157	5	0-03-75

## (iv) Village—Ajiwali

For			Read		
S. No.	H. No.	Area	S. No.	H. No.	Area
01	Part	0-0300	71	Part	0 03 00

[No. O-12016/29/82 Prod.]

## ERRATUM

S. O. 1311.—For the words and figures appearing in the Corrigendum to section 6 (i) Notification issued under Government of India's Notification No. O-12016-8-83-Prod-II under S. O. No. 3199 dated 20th September, 1986 (published in Govt. of India Gazette Part-II section 3 (ii) page No. 3630 dated 20.09.1986)

## (i) Village—Bhanwaj

For			Read		
S. No.	H. No.	Area	S. No.	H. No.	Area
34	1-A	00-20-20	34	1-A	00-02-25

(G. S. PARTE),  
Competent Authority  
Bombay-Pune Pipe Line Project, Pune

[No. O-12016/8/83 Prod.]

P. K. RAJA GOPALAN, Desk Officer

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 मई, 1987

का. प्रा. 1345.—केंद्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अनुसूची के भाग 1 में मैसूर विश्वविद्यालय से संबंधित क्रम संख्या 15 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

- (iii) "दंत शल्य-चिकित्सा (मुखीय शल्य चिकित्सा) मास्टर मैसूर  
दन्त शल्य चिकित्सा (मुखीय शल्य चिकित्सा) मास्टर मैसूर  
(कृत्रिम अंगस्थापन दन्त शल्य चिकित्सा) मास्टर मैसूर  
[संख्या बी. 12017/5/81-पी. एम. एस.]  
जी. जी. के. नायर, अपर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 8th May 1987

S. O. 1345.—Exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consulting the Dental

Council of India, hereby makes the following further amendment in the Schedule to the said Act, namely:—

In Part I of the said Schedule, against serial number 15 to the Mysore University, after the existing entry, the following entry shall be inserted, namely:—

2	3
"(iii) Master of Dental Surgery (Oral Surgery)	M.D.S. (Oral Surgery) Mysore
Master of Dental Surgery (Prosthetic Dental Surgery)	M.D.S. (Pros.) Mysore "

[No. V. 12017/5/81- PMS]  
G.G.K. NAIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मई, 1987

का. प्रा. 1346.—केंद्रीय सरकार ने भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अनुसरण में तथा उड़ीसा सरकार के परामर्श से इस अधियुक्तता के जारी होने की तारीख से प्रो. बी. रामचंद्र के स्थान पर उड़ीसा सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग में अपर सचिव, डा. पी. के. कार की भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के एक सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया है।

अतः अब केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960

की अधिसूचना सं. का. प्रा. 138 में निम्नलिखित और संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में धारा 3(1) (क) की अधीन "नामनिर्दिष्ट" शीर्ष के अधीन क्रम सं. 1. और उसके संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी :—

"डा. पी.के. कार,  
अपर सचिव, उड़ीसा सरकार,  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग,  
भुवनेश्वर"

[सं. सं. 11013/9/86—एम.ई. (पी.)]  
शिव दयाल, उप सचिव

New Delhi, the 11th May, 1987

S.O. 1346.—Whereas the Central Government in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), and in consultation with the Government of Orissa, have nominated Dr. P. K. Kar, Additional Secretary, Health and Family Welfare Department, Government of Orissa, to be a member of the Medical Council of India vice Prof. B. Rajguru with effect from the date of issue of this notification.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Ministry of Health No. S.O. 138, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading 'Nominated under section 3(1)(a)', for serial number 1 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

1. Dr. P. K. Kar,  
Additional Secretary to the  
Government of Orissa,  
Health and Family Welfare Department,  
Bhubaneswar.

[No V. 11013/9/86-ME(P)]

SHIV DAYAL, Dy. Secy.

### कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 9 दिसंबर, 1986

का. प्रा. 1347.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में एन.ए.आर. कृषि मंत्रालय (कृषि तथा सहकारिता विभाग) के निम्नलिखित कार्यालयों का अधिसूचित करती है, जिनके कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है :—

1. राष्ट्रीय सहकारी समाजक उत्पादक संघ, भानुपुर
2. भूमि संरक्षण समन्वयन एवं प्रशिक्षण केन्द्र पुर्णिया बिहार

[संख्या 3-24/86—हिन्दी नीति]

भगत सिंह, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

New Delhi, the 9th December, 1986

S.O. 1347.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Agriculture (Department of

Agriculture & Cooperation), the staff of which has acquired working knowledge of Hindi :—

1. National Co-operative Tobacco Growers Fed. Ltd., Anand.
2. Coll Conservation & Training Centre, Purnea (Bihar).

[No. 3-24/86-HN]

BHAGAT SINGH, Director (OI)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1987

का. प्रा. 1348.—बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1984 (1984 का. 51) की धारा 30 की उपधारा (1) के खंड (क) में यह उपबंध है कि किसी बहुराज्य सहकारी सोसाइटी के बोर्ड के सदस्यों के निर्वाचन, यदि कोई हो, उसके सदस्यों की साधारण बैठक में किए जाएंगे :

बहुराज्य सहकारी सोसाइटी (रजिस्ट्रीकरण, सदस्यता, निर्देश और प्रबंध, विवादों का निपटारा, अपील और पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 27 के खंड (1), नियम 28 और उनकी अनुसूची में किसी बहुराज्य सहकारी सोसाइटी में निर्वाचन के संचालन की प्रक्रिया के लिए उपबंध है :

और सेंट्रल बैंक ऑफ़ इन्डियन को-ऑपरेटिव प्रोडिक्ट सोसाइटी लिमिटेड, निम्नलिखित (जिसे बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1984 के अधीन एक रजिस्ट्रीकृत बहुराज्य सहकारी सोसाइटी समझा जाएगा), की उपधारा 43 और उपधारा 44 के अनुसार, सोसाइटी के कार्यक्षेत्र का प्रबंध, निदेशक बोर्ड में, जिसमें पदेन राज्या और 15 निर्वाचित निर्देशक होंगे। निहित होगा और अध्यक्ष, सदस्य रेल के निश्चिन्तापत्नी विवोजन का ज्येष्ठ सहायक अधिकारी होगा, जो भदने रेल के महाप्रबंधक द्वारा नामनिर्दिष्ट होगा :

और निम्नलिखित के निर्वाचन के प्रयोजनों के लिए, सोसाइटी की संयुक्त अधिकारिता पांच क्षेत्रों में विभाजित की गई है और प्रत्येक के लिए निदेशक, उस क्षेत्र के सदस्यों द्वारा उस क्षेत्र के सदस्यों में से निर्वाचित किए जाएंगे।

और सोसाइटी, पदेन, हेमियन में जाने अध्यक्ष के रूप में किसी रेल पदधारी का सहयोग और संबंधित क्षेत्रों द्वारा निम्नलिखित के निर्वाचनों की विद्यमान प्रवृत्ति को उपयोगी समझती है।

उक्त अब केन्द्रीय सरकार बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1984 (1984 का. 51) की धारा 99 की उपधारा (2) द्वारा प्रबंध प्रक्रियाओं का प्रयोग करने हुए सदस्य रेलवे एंजलाइज को-ऑपरेटिव प्रोडिक्ट सोसाइटी लिमिटेड निश्चिन्तापत्नी का उक्त अधिनियम की धारा 30 की उपधारा (1) के खंड (क) के और बहुराज्य सहकारी सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण, सदस्यता, निर्देश और प्रबंध विवादों का निपटारा, अपील और पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 27 के उपनियम (1), नियम 28 और उनकी अनुसूची के उपबंधों से छूट देती है जिससे कि उक्त सोसाइटी, के साधारण निकाय को आयोजन किए बिना (अपनी उपनिधियों में आधिकारिक रीति से मतदान द्वारा बोर्ड के सदस्यों के निर्वाचनों का संचालन करने में समर्थ हो सके और उक्त सोसाइटी, उक्त सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में रेल प्रशासन द्वारा किसी रेल पदधारी की नामनिर्दिष्ट कराने की विद्यमान प्रक्रिया को बनाए रखने में भी समर्थ हो सके।

[सं. एन. 11011/18/86—एल. एड. एम.]

एस. सीम, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 30th April, 1987

S.O. 1348.—Whereas clause (c) of sub-section (1) of Section 30 of the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984 (51 of 1984) provides that elections, if any, of the

members of the board of a multi-state co-operative society shall be held in the general meeting of its members;

And whereas sub-rule (1) of rule 27, rule 28 and the Schedule to the Multi-State Co-operative Societies (Registration, Membership, Direction and Management, Settlement of Disputes, Appeal and Revision) Rules, 1985, provide for the procedure for conduct of elections in a multi-state co-operative society;

And whereas, as per by-laws 43 and 44 of the bye-laws of the Southern Railway Employees' co-operative Credit Society Limited, Tiruchirapalli (a multi-state co-operative society deemed to be registered under the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984), the management of the affairs of the society shall vest in the Board of Directors consisting of the ex-officio Chairman and 15 elected directors and the Chairman shall be a Senior Accounts Officer of the Tiruchirapalli Division of the Southern Railway, nominated by the General Manager of the Southern Railway;

And whereas, for the purposes of election of directors, the entire jurisdiction of the society is divided into five regions and the directors for each region shall be elected from among the members of that region by the members of that region.

And whereas the society considers useful the association of a Railway official as its Chairman in an ex-officio capacity and the existing system of elections of the directors by the respective regions.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 99 of the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984 (51 of 1984), the Central Government hereby exempt the Southern Railway Employees' Co-operative Credit Society Limited, Tiruchirapalli, from the provisions of clause (e) of sub-section (1) of section 30 of the said Act and sub-rule (1) of rule 27, rule 28 and the schedule to the Multi-State Co-operative Societies (Registration, Membership, Direction and Management, Settlement of Disputes, Appeal and Revision) Rules, 1985, so as to enable the said by ballot in the manner laid down in its bye-laws without convening the general body of the society and also to enable the said society to continue the existing procedure of having a Railway official nominated by the Railway Administration as the Chairman of the said society.

[No. L-11011/18/86-L & M]

S. SOM, Jr. Secy.

### जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौचलन पत्र)

नई दिल्ली, 18 मई, 1987

(वाणिज्य पोत परिवहन)

क्रा. भा. 1349.—वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 79 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार तत्कालीन परिवहन एवं संचार मंत्रालय (परिवहन विभाग), भारत सरकार की अधिसूचना संख्या का. भा. 3138 दिनांक 17 दिसंबर, 1960 में इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के शिर्षक में "सक्षमता प्रमाण पत्रों के ग्रेड" शीर्षक के सहित—

(क) मद्र संख्या 1 के सामने दिए गए शब्दों "विदेशगामी जहाज के द्वितीय मेट" के बाद "विदेशगामी जहाज का अधिरिक्त मास्टर और नौचालन संबंधी निगरानी रखने वाला अधिकारी" शब्द जोड़े जाएंगे।

(ख) मद्र संख्या 1 के सामने दिए गए शब्दों "फिशिंग वेंसल के सेकंड मेट" के बाद "फिशिंग वेंसल के शिपर्स ग्रेड I, फिशिंग वेंसल का शिपर्स ग्रेड II और फिशिंग वेंसल का मेट" शब्द जोड़े जाएंगे।

[संख्या एस डब्ल्यू/5-एम एस भार(14)/82-एम ए]

### MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 18th May, 1987

(Merchant Shipping)

S.O. 1349.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 79 of the Merchant Shipping, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Transport and Communication (Department of Transport) No. S.O. 3138 dated the 17th December, 1960, with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette viz :—

In the Schedule to the said notification under the heading "grades of Certificates of Competency"—

(a) after the words "Second Mate of a foreign-going ship" occurring against item No. 1, the words "Extra Master of a foreign-going ship and Navigational Watch Keeping Officer" shall be inserted.

(b) after the words "Second Hand of a Fishing Vessel" occurring against item No. 1, the words "Skippers of Fishing Vessel Grade I Skippers of Fishing Vessel Grade II and Mate of Fishing Vessel" and be inserted.

[No. SW/5-MSR(14)/82-MA.]

क्रा. भा. 1350.—केन्द्रीय सरकार वाणिज्यिक नौचलन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 78, उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार प्रदान किए जाने वाले सक्षमता प्रमाण-पत्र के संबंध में निम्नलिखित अन्य श्रेणियां निर्दिष्ट करती है, अर्थात्:—

- (1) किसी विदेशगामी जहाज का एक्स्ट्रा मास्टर,
- (2) नेविगेशनल वाच कीपिंग आफिसर,
- (3) फिशिंग वेंसल का कप्तान ग्रेड I
- (4) फिशिंग वेंसल का कप्तान ग्रेड II,
- (5) किसी फिशिंग वेंसल का मेट I

[सं. एम डब्ल्यू/5-एम एस भार(14)/82-एम ए]

जे. सी. पन्त, अधर सचिव

S.O. 1350.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (3) of Section 78 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby specifies the following other grades in respect of which Certificates of Competency shall be granted in accordance with the provisions of the said Act, viz :—

- (1) Extra Master of foreign-going ships.
- (2) Navigational Watch Keeping Officer.
- (3) Skipper of Fishing Vessel Grade I.
- (4) Skipper of Fishing Vessel Grade II.
- (5) Mate of Fishing Vessel.

[No. SW/5-MSR(14)/82-MA]

J. C. PANT, Under Secy.



(सड़क विभाग)

नई दिल्ली, 19 मई, 1987

शुद्धिपत्र

का. आ. 1351.—भारत सरकार, तत्कालीन परिवहन मंत्रालय (अल-भूतल परिवहन विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 458 (ई) दिनांक 4 अगस्त, 1985 को जो भारत के राजपथ के असाधारण संस्करण के भाग II खंड 3 उप-खंड (ii) में दिनांक 4 अगस्त, 1986 को प्रकाशित हुई, की दूसरी लाइन में "और भाग 2 की उपधारा (3) के तहत जारी समसंख्यक और समान तैरौख की अधिसूचना के क्रम से" शब्दों को निकाल दिया जाए।

[फाइल नं. एन. एन. 14014(3)/86-पाई]

आर. एल. कौल, उप सचिव

(Roads Wing)

New Delhi, the 19th May, 1987

## CORRIGENDUM

S.O. 1351.—In the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Transport (Department of Surface Transport) No. S.O. 458(E), dated the 4th August, 1986 published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 4th August, 1986 in line 2 for "and in continuation of the notification of even number and date under section (3) of section 2 of" read "the".

[F. No. NH-14014(3)/86-Pt]

R. L. KOUL, Dy. Secy.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 6 मई, 1987

का. आ. 1352.—चलचित्र (प्रमाणीकरण) नियमावली, 1983 के नियम 9 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार क्षेत्रीय अधिकारी श्री पी. राघवन के 11 मई से 6 जून, 1987 तक प्रशिक्षण पर रहने के दौरान उनकी अनुपस्थिति में मंत्रालय स्थित केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी का कार्य अथवा क्षेत्रीय अधिकारी श्री के. एल. श्रीकृष्ण राव को सौंपती है।

[802/20/82-एफ. सी.]

एस. क. तुली, डेस्क अधिकारी (एफ.सी.)

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Culture)

New Delhi, the 6th May, 1987

S.O. 1352.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 9 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983, the Central Government Government is pleased to assign the work of Regional Officer, Central Board of Film Certification at Madras to Shri K. L. Srikrishna Das, Additional Regional Officer during the absence of Shri P. Raghavan Regional Officer on training from May 11 to June 6, 1987.

[No. 802/20/82-FC]

S. K. TULI, Desk Officer (FC)

## संचार मंत्रालय

(दूर संचार विभाग)

(दूर-संचार बोर्ड)

नई दिल्ली, 12 मई, 1987

का. आ. 1353.—केन्द्रीय विदित सेवा (प्रमाणिकरण, नियंत्रण और प्रयोग) नियमावली, 1965 के नियम 34 के साथ पठित नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) की धारा (ख), और नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संचार, भारत सरकार, संचार मंत्रालय (संचार) अधिसूचना नं. एम. आर. प्रो. 620, दिनांक 28 फरवरी, 1987 में निम्नानुसार और संशोधन करते हैं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'ग' के भाग-II में, "तार-परिचालन प्रभाग और तार कार्यालय" शीर्षक के तहत मीनू का प्रविष्टियों के साथ निम्नलिखित प्रविष्टियाँ जोड़ी जायेगी अर्थात्:—

1	2	3	4	5
"कनिष्ठ प्रशासनिक ब्रेड में मुख्य प्रबंधक के कार्यभार के अधीन कार्यालय"				
कनिष्ठ सेवा अधिकारी और कनिष्ठ सेवापाल	सदस्य, दूरसंचार बोर्ड	सदस्य, दूर संचार बोर्ड सचिव या अध्यक्ष मुख्य प्रबंधक (जी.ए.जी.)	सभी (1) से (4)	अतिरिक्त संचार सदस्य, दूरसंचार बोर्ड
कनिष्ठ अधिकारी	निदेशक, दूरसंचार/ उपमहाप्रबन्धक/मुख्य अधीक्षक (जे.ए.जी.)	निदेशक, दूरसंचार/उपमहाप्रबन्धक/ मुख्य अधीक्षक (जे.ए.जी.)	सभी	महाप्रबन्धक
		तार-परिचालन सेवा ग्रुप "क" का अधिकारी या तार-परिचालन सेवा ग्रुप "ख" का अधिकारी या महाप्रबन्धक मुख्य अधीक्षक	(1) से (4)	मुख्य अधीक्षक (जे.ए.जी.)

1	2	3	4	5	6
सहायक अधीक्षक (तार परियात) तार मास्टर, चयन ग्रेड तार मास्टर, चयन ग्रेड में लिपिक वर्गीय स्टाफ	मुख्य अधीक्षक (जे एजी)	मुख्य अधीक्षक (जे एजी)	सभी	महाप्रबन्धक	मुख्य अधीक्षक (जे एजी)
		टी.टी.एस. ग्रुप "क" और "ख" के अधिकारी, सहायक मुख्य अधीक्षक या सहायक अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल) (ए.एस. टी.टी. इंडोर इंजी.) के संबंध में	(1) से (4)		
दूरसंचार लेखा क्लर्क	उपमहाप्रबन्धक मुख्य अधीक्षक (जे. एजी)	मुख्य अधीक्षक (जे. एजी) लेखा अधिकारी	सभी (1) से (4)	महाप्रबन्धक मुख्य अधीक्षक (जे. एजी)	
वायरमैन और वर्कमैन	सहायक अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल)	सहायक अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल) कनिष्ठ अभियन्ता ए. एस. टी. टी.	सभी	मुख्य अधीक्षक (जे. एजी) या मंडल अभियन्ता सहायक अभियन्ता	
सभी अन्य पद	वरिष्ठ अधीक्षक तार परियात	ए.एस. टी. टी. या तार कार्यालयों के प्रभारी ग्रुप "क" अधिकारी टी. टी. एस. ग्रुप "ख" तार कार्यालयों के प्रभारी या ए. सी. एस. (सहायक अभियन्ता इलेक्ट्रिकल) (तकनिशियों के मामले में)	सभी (1) से (4)	मुख्य अधीक्षक (जे. एजी) या मंडल अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल) (इलेक्ट्रिशियनों के मामले में)	

[12-2/85-सतकंता-III]

श्रीमति मार्गी मुखर्जी, निदेशक (डी. ई.)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS  
(DEPARTMENT OF TELECOMMUNICATIONS)  
(Telecom Board)

New Delhi, the 12th May, 1987

**S. O. 1353:—**In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12, and sub-rule (1) of rule 34 read with rule 34 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts & Telegraphs) No. S. R. O. 620, dated 28th February, 1957, namely:

In the Schedule to the said notification, in part-II-General Central Services Group 'C', under the heading "Telegraph Traffic Divisions and Telegraph Offices", after the existing entries, the following entries shall be added namely:—

1	2	3	4	5
"Office under the charge of Chief Superintendent in Junior Administrative Grade"				
Junior Accounts Officers and Junior Accountants.	Member Telecom Board.	Member Telecom Board.	All	Director-General Telecom.
		Head of Circle, Chief Superintendent (JAG)	(i) to (v)	Member Telecom Board.
Junior Engineer	Director of Telecom/ Dy. G.M./Chief Super- intendent (JAG)	Director of Telecom/Dy. G.M./Chief Superintendent (JAG)	All	General Manager
		Officer of Telegraph Traffic Service Group 'A' or Officer of Telegraph Traffic Service Group 'B' or Asstt. Chief Suptt.	(i) to (iv)	Chief Superintendent (JAG)

1	2	3	4	5
Assistant Superintendent	Chief Superintendent (JAG)	Chief Superintendent (JAG)	All	General Manager
(Telegraph Traffic) Telegraph Masters, Selection Grade Telegraph Masters, Ministerial staff in selection grade.		Officer of TTS 'A' and 'B' (i) to (iv) Asstt. Chief Superintendent or A.E. (Elec.) in respect of ASIT (Indore) (Engg.)		Chief Superintendent (JAG)
Telecom Accounts Clerks.	Dy. General Manager, Chief Spdt. (JAG)	Chief Superintendent (JAG) Accounts Officer	All (i) to (iv)	General Manager Chief Superintendent (JAG)
Wiremen & Workmen	A.E. (Elec.)	A.E. (Elec.)	All	Chief Superintendent (JAG) or DE Electrical A.E., Electrical
All other Posts	Sr. Spdt. Telegraph Traffic.	Jr. Engineer A.S.T.T. Sr. Spdt. or Officer of Group 'A' incharge of Telegraph Offices. T.T.S. Group 'B' incharge of Telegraph offices or A.C.S. (A.E. Elect.) (in case of technicians)	All (i) to (iv)	Chief Superintendent (JAG) Chief Superintendent (JAG) or D.E. (Elect.) (in case of technicians).

[12-2/85-Vig. III]

MRS. GARGI MUKHERJEE, Director (DE)

नई दिल्ली, 19 मई, 1987

New Delhi, the 19th May, 1987

का. आ. 1354.—स्वाधी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने टोंक टेलीफोन क्षेत्र, राजस्थान, मंडल में दिनांक 05-6-1987 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5/6/87-पी.एच. बी.]

श्री श्रीनिवासन, महायुक्त महानिदेशक (पी.एच. बी.)

S.O. 1354.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 5-6-1987 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Tonk Telephone Exchange, Rajasthan Telecom, Circle.

[No. 5-6/87-PHB]

V. SRINIVASAN, Asstt. Director General (PHB)

### साथ और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)


भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1987

का.आ. 1355.—साथ तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग) (भारतीय मानक संस्था) की अनुमति संस्था एम. ओ. 2237 दिनांक 1984-06-18, जो भारत के राजपत्र भाग. 2, खंड 3, उपखंड (ii) में दिनांक 1984-07-14 को प्रकाशित हुई थी का आंशिक संशोधन करते हुए भारतीय मानक एन.डि.आर. अधिसूचित करती है कि अग्नि शमन के निम्ने सूत्रे पाउडर की मात्रा मुहर के डिजाईन में संगठन कर दिया गया है। मानक मुहर का संगठित डिजाईन इसके शाब्दिक विवरण संबंधित भारत मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है।

यह मानक मुहर भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन मुहर) अधिनियम, 1952 और उनके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के तमाम 1986-06-16 को लागू होगी।

## अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबंधी भारतीय मानक की संख्या एवं शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का शब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		अग्निशमन के लिये सूखा पाउडर	IS : 4308—1982 अग्निशमन के लिये सूखे पाउडर की विधि (पहला पुनरीक्षण)	“ISI” अक्षरों वाला भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम, जो स्तम्भ (2) में दिखाई गई निश्चित शैली और परस्पर सम्बद्ध अनुपात में बनाया गया हो, डिजाइन में दिखाये अनुसार मोनोग्राम के ऊपर भारतीय मानक संस्था अंकित हो।

[म. सी.एम.डी./13:9]

## MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)


## BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 28th April, 1987

S.O. 1355.—In partial modification of the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Civil Supplies) (Indian Standards Institution) notification number S.O. 2237, dated 1981-05-18 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1981-07-14, the Bureau of Indian Standards hereby, notifies that the design of the Standard Mark for dry powder for fire fighting has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule.

This Standard Mark for the purpose of the Bureau of Indian Standards (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1986-10-16:

## THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		Dry Powder for Fire Fighting	IS : 4308—1982 Specification for dry powder for fire fighting (first revision).	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being super-scribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. C.M.D./13:9]

का. आ. 1356.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिल्ड) विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे आशुकों में दिए गए हैं वे दिनांक 1985-09-30 को निर्धारित किये गये हैं।

## अनुसूची

क्र.सं.	निर्धारित भारतीय मानकों की पद संख्या एवं शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अधिसूचित भारतीय मानक या मानकों, यदि कोई हो, की पद संख्या एवं शीर्षक	अर्थ विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 633—1975 डी डी टी पावसनीय सांद्रित द्रव की विधि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 633—1975 डी डी टी पावसनीय सांद्रित द्रव की विधि	1985-07-31 को स्थापित किया गया
2.	IS : 781—1981 जल प्रदाय सेवा के लिये डले कॉपर एलॉय के बूझदार जल और स्टॉप वाल्व की विधि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 781—1971 जल प्रदाय सेवा के लिये डले कॉपर एलॉय के बूझदार जल और स्टॉप वाल्व की विधि (दूसरा पुनरीक्षण)	1985-03-31 को स्थापित किया गया

(1)	(2)	(3)	(4)
3	*IS : 1135-1984 मोटर गाड़ी प्रलंबन के लिये परतदार स्प्रिंग संयोजन की विधि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1135-1973 मोटर गाड़ी प्रलंबन के लिये परतदार स्प्रिंग की विधि (दूसरा पुनरीक्षण)	1985-08-31 को स्थापित किया गया
4	IS : 1394-1984 घातक डिब्बों में संबंधित गन्दाबकी (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1394-1973 घातक डिब्बा वाहक में सम्बंधित गन्दाबकी (दूसरा पुनरीक्षण)	1985-07-31 को स्थापित किया गया
5	IS : 1488-1985 2, 4- डी मोटरियम लक्षण तक नीकी की विधि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1488-1969 2, 4- डी मोटरियम लक्षण तक नीकी की विधि (पहला पुनरीक्षण)	1985-08-31 को स्थापित किया गया
6	IS : 1538 (भाग 4)-1984 जल, गैस और मलजल के दबाव पाइप के लिये छत्ते लोहे की फिटिंग की विधि: भाग 14 दोहरे माफिट टेपर को सुस्पष्ट अपेक्षाएं (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1538 (भाग 14)-1984 जल, गैस और मलजल के दबाव पाइप के लिये छत्ते लोहे की फिटिंग की विधि: भाग 14 दोहरे टेपर को सुस्पष्ट अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	1985-01-30 को स्थापित किया गया
7	IS : 1656-1985 दूध-अनाज आधारित दूध-छुड़ाई आहारों की विधि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1656-1969 संसाधित अनाज के दूध-छुड़ाई आहारों की विधि (पहला पुनरीक्षण)	1985-05-31 को स्थापित किया गया
8	IS : 1885 (भाग 61)-1985 विद्युत तकनीकी गन्दाबकी भाग 61 अग्र-नाभिक चिकित्सा विज्ञान उपकरण	--	--
9	IS : 2060-1984 पुरुषों के कमड़े के जूतों की विधि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2060-1962 पुरुषों के कमड़े के जूतों की विधि	19--
10	IS : 2216-1985 टेनिस गेंद की विधि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2216-1962 टेनिस की गेंद की विधि	--
11	**IS : 2508-1984 अल्प घनत्व की पार्थिवीय फ़िल्म की विधि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2508-1977 अल्प घनत्व की पार्थिवीय फ़िल्म की विधि (पहला पुनरीक्षण)	1984-04-30 को स्थापित किया गया
12	IS : 2708-1984 सामान्य इंजीनियर प्रयोग की 1, 5 प्रतिशत मैग्नीज इस्पात कार्बिड की विधि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2708-1973 1, 5 प्रतिशत मैग्नीज इस्पात कार्बिड की विधि (पहला पुनरीक्षण)	1985-05-31 को स्थापित किया गया
13	IS : 2720 (भाग 5)-1985 मृदा की परीक्षण विधियाँ भाग 5 तरल और प्लास्टिक सीमा (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2720 (भाग 5)-1970 मृदा की परीक्षण विधियाँ: भाग 5 तरल और प्लास्टिक सीमा (पहला पुनरीक्षण)	1985-08-31 को स्थापित किया गया
14	IS : 2881-1984 रासायनिक उद्योग और तेलकूप ड्रिलिंग के लिये बेराइड्रिल की विधि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2881-1978 रासायनिक उद्योग और तेलकूप ड्रिलिंग के लिये बेराइड्रिल की विधि (पहला पुनरीक्षण)	--
15	IS : 2911 (भाग 4)-1985 रोम तीव्र डिजाइन और निर्माण की रीति संहिता: भाग 4 रोम का भार परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2911 (भाग 1)-1964 रोम तीव्र डिजाइन और निर्माण की रीति संहिता: भाग 1 भार सहन वाली क्रीट रोम	--
16	IS : 3025 (भाग 2)-1983 जल और प्रदूषित जल का प्रतिचयन और परीक्षण विधियाँ (भौतिक और रासायनिक (: भाग 2) पी एच अंक (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3025-1961 जल की प्रतिचयन और परीक्षण विधियाँ (भौतिक और रासायनिक)	1985-08-31 को स्थापित किया गया
17	IS : 3025 (भाग 6)-1983 जल और प्रदूषित जल का प्रतिचयन और परीक्षण विधियाँ (भौतिक और रासायनिक (: भाग 6 गन्ध अवसीमा (पहला पुनरीक्षण)	--यथापरि--	--यथापरि--

\* आ मा संस्था प्रमाणन चिह्नंकन योजना के लिये IS : 1135-1984 1986-03-16 से लागू किया गया।

\*\*आ मा सं. प्रमाणन चिह्नंकन योजना के लिये IS : 2216-1985 1986-03-01 से लागू किया जाएगा।

(1)	(2)	(3)	(4)
18. IS : 3025 (भाग 14) - 1984 जल और प्रदूषित जल की प्रतिचयन और परीक्षण विधियाँ (भौतिक और रासायनिक) : भाग 14 सम्पूर्ण ज्ञानकल्प (स्कीटमेटोन प्रिज, चलिक्व सेल) (पहला पुनरीक्षण)	- यथापरि-	-	-
19. IS : 3025 (भाग 21) - 1983 जल और प्रदूषित जल की प्रतिचयन और परीक्षण विधियाँ (भौतिक और रासायनिक) : भाग 21 सम्पूर्ण कठोरता (पहला पुनरीक्षण)	- यथापरि-	-	-
20. IS : 3130 - 1985 माइक्रोट्रांसपेरेंसीज (माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिन) काँची डेलाइड) संभालने और भंडारण की रीति संहिता (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 3130 - 1972 माइक्रोट्रांसपेरेंसीज (माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिन) संभालने और भंडारण की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	-	-
21. IS : 3284 - 1984 आग्नेय मक्खुरियल गुल्फ वीज प्रति-सारण प्रतिपादनों की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3284 - 1965 आग्नेय मक्खुरियल गुल्फ वीज प्रसारण प्रतिपादनों की विनिष्टि	1984-12-31 को स्थापित किया गया	
22. *IS : 3735 - 1984 रबड़ सोल लेगे कैनवेस जूतों की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3735 - 1966 रबड़ सोल बाकि कैनवेस जूतों की विनिष्टि	1985-07-31 को स्थापित किया गया	
23. IS : 3843 - 1985 इस्पात के पीछे पल्लेदार कठकों की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3843 - 1966 इस्पात के पीछे पल्लेदार कठकों की विनिष्टि	-	
24. IS : 4336 - 1985 4-क्वैरैलिनीन की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4336 - 1967 पैरा-क्वैरैलिनीन की विनिष्टि	-	
25. †IS : 4366 (भाग 1) - 1985 कृषीय जोताई चक्रिका की विनिष्टि : भाग 1 अवतल किस्म की (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 4366 (भाग 1) - 1972 कृषीय जोताई चक्रिका की विनिष्टि : भाग 1 अवतल किस्म की (पहला पुनरीक्षण)	1985-08-31 को स्थापित किया गया	
26. **IS : 4366 (भाग 2) - 1985 कृषीय जोताई चक्रिका की विनिष्टि : भाग 2 समतल किस्म की (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 4366 (भाग 2) - 1972 कृषीय जोताई चक्रिका की विनिष्टि : भाग 2 समतल किस्म की (पहला पुनरीक्षण)	1985-08-31 को स्थापित किया गया	
27. IS : 4989 (भाग 2) - 1984 अग्नि शमन में यांत्रिक फेन बसाने के लिए फेन मात्राओं की विनिष्टि : भाग 2 जलीय मिश्रण बनाने वाले फेन (ए एफ. एफ. एफ.)	---	1985-01-31 को स्थापित किया गया	
28. IS : 5895 - 1985 इस्पात के रोलर वाहक की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5895 - 1970 इस्पात के रोलर वाहक की विनिष्टि	1985-08-31 को स्थापित किया गया	
29. IS : 6092 (भाग 1) - 1985 उर्वरकों की ज्वन और परीक्षण विधियाँ भाग 1 ज्वन (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6092 (भाग 1) - 1971 उर्वरकों की ज्वन और परीक्षण विधियाँ भाग 1 ज्वन	---	
30. IS : 6213 (भाग 20) - 1984 लुगदी की परीक्षण विधियाँ भाग 20 लुगदी की भार सहनशीलता निर्धारण	---	---	
31. IS : 6307 - 1985 अतम्य पीथीसी चादरों की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6307 - 1985 अतम्य पीथीसी चादरों की विनिष्टि	---	
32. IS : 6320 - 1985 हैमरमिल किस्म के पाँवर धोशर की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6320 - 1971 हैमरमिल किस्म के पाँवर धोशर के पाँवर धोशर की विनिष्टि	1985-08-31 को स्थापित किया गया	
33. SI : 6509 - 1985 कंक्रीट पट्टी में जोड़ लगाने की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6509 - 1972 कंक्रीट पट्टी में जोड़ लगाने की रीति संहिता	---	
34. IS : 6513 - 1985 आक्सीजन उपचार के लिए आक्सीजन सिपिडर में प्रयुक्त सूक्ष्म संमज्जन वाल्व की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6513 - 1972 आक्सीजन उपचार के लिए सूक्ष्म संमज्जन वाल्व की विनिष्टि	---	

\*भा. मा. सं. प्रमाणन चिह्निकन योजना के लिये IS : 3735 - 1984 1985-12-16 से लागू होगा।

†भा. मा. सं. प्रमाणन चिह्निकन योजना के लिये IS : 4366 (भाग 1) - 1985 1986-03-01 से लागू होगा।

\*भा. मा. सं. प्रमाणन चिह्निकन योजना के लिये IS : 4366 (भाग 1) - 1985 1986-03-01 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)
35. IS : 7133--1985 साइकिल और रिक्शे के लिए सूती टायर काइंड और वर्ग वाइडर की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 7133--1973 साइकिल और रिक्शे के लिए सूती टायर काइंड की विनिर्दिष्ट	--	--
36. IS : 7233--1985 2-4 डी इथाइल ऐस्टर की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 7233--1974 2-4 डी ऐस्टर की विनिर्दिष्ट	1985-07-31 को स्थापित किया गया	
37. IS : 7623--1985 औद्योगिक जंगलों के लिए नैथियम आधारित ग्रीज की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 7623--1974 नैथियम वायुन ग्रीज की विनिर्दिष्ट	1985-07-31 को स्थापित किया गया	
38. IS : 8029--1985 विद्युतवाहक बलून चूने की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 8029--1976 विद्युतवाहक बलून चूने की विनिर्दिष्ट	1985-07-31 को स्थापित किया गया	
39. IS : 8607 (भाग 8)--1985 आयुर्विज्ञान चिकित्सा में प्रयुक्त वैद्युत उपकरणों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं : भाग 8 आचरण और विश्वस्तता	--	--	--
40. IS : 8872 (भाग 4/खंड 5)--1984 परिवर्तनीय रेसिस्टर की विनिर्दिष्ट : भाग 4 पूर्वनिर्धारित : खंड-5 किस्म की और टी 5 पी	--	1984-04-30 को स्थापित किया गया	
41. IS : 90001 (भाग 17)--1985 पर्यावरणी परीक्षण मानक : भाग 17 संघात परीक्षण	--	--	--
42. IS : 9233 (भाग 1)--1985 कृत्रिम सूत्र कारखानों से नैसीय उत्सर्जनों की सीमाएं : भाग 1 नैसुलोजी सूत्र (पहला पुनरीक्षण)	IS : 9233 (भाग 1)--1976 कृत्रिम सूत्र कारखानों से नैसीय उत्सर्जनों की सीमाएं : भाग 1 नैसुलोजी सूत्र	--	--
43. IS : 9335 (भाग 3/खंड 1)--1984 वैद्युत प्रयोग के नैसुलोजी कागज की विनिर्दिष्ट : भाग 3 वैद्युत कागज की विनिर्दिष्ट : खंड 1 सामान्य उपयोग के वैद्युत कागज	--	1985-08-31 को स्थापित किया गया	
44. IS : 9920 (भाग 4)--1985 1000 बी से अधिक वाहता के लिए एसी स्विच की विनिर्दिष्ट भाग 4 प्रतिरूपी परीक्षण और नैतिक परीक्षण	--	1985-08-31 को स्थापित किया गया	
45. IS : 10733--1983 पैट्रोलियम पदार्थ प्रतिरोधी सड़क और रेलगाड़ी टैंकर के लिए रखे के वैद्युत बलूनी की विनिर्दिष्ट	--	1984-05-31 को स्थापित किया गया	
46. IS : 10967--1984 रुपांतरित रेखाचित्र बनाने की मार्ग-दर्शिका	--	--	--
47. IS : 11114 (भाग 1)--1985 मृदु खोदने की मशीनों के परिमाण और संकेत चिह्नों की परिभाषा भाग 1 प्रसंग प्रणाली	--	--	--
48. IS : 11115--1985 मृदु खोदने के मशीनों की खानकों के मानकीय भीतिक परिमाण और न्यूनतम खालक स्थान आवरण	--	--	--
49. IS : 11132--1985 एमोनिया बाल्य की विनिर्दिष्ट	--	1985-05-31 को स्थापित किया गया	
50. IS : 11162 (भाग 5)--1985 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के नैर-विद्युत रोधी अन्तस्थ टैंग के परिमाण : भाग 5 किस्म	--	1985-07-31 को स्थापित किया गया	
51. IS : 11162 (भाग 6)--1985 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के नैर-विद्युत रोधी अन्तस्थ टैंग के परिमाण : भाग 6 किस्म 6	--	--थोपरि--	
52. IS : 111621 (भाग 7)--1985 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के नैर-विद्युत रोधी अन्तस्थ टैंग के परिमाण : भाग 7 किस्म 7	--	--	--
53. IS : 11185--1984 मशीन टूल उद्योग के लिए हॉट रोल्ड और फोर्ड स्प्रिंग छड़ों की विनिर्दिष्ट और तकनीकी संभरण शर्तें	--	--	--
54. IS : 11186--1985 संश्लेषित पेपण तरल पदार्थ की विनिर्दिष्ट	--	--	--
55. IS : 11029--1985 मृदु की पारगम्यता निर्धारण के लिए सांचा संयोजन की विनिर्दिष्ट	--	--	--
56. IS : 11210--1984 बस्सों और कपड़ों के दाग धब्बे छुटाने की रीति संहिता	--	--	--
57. IS : 11211--1985 रॉक फास्केट बनाने की विधियां	--	--	--

(1)	(2)	(3)	(4)
58. IS: 11212--1985 सीधी करेंट रोधन बोल्ड ग्रनुपात बबसों की विशिष्टि	--	--	
59. IS: 11213--1985 तन्तु रिक्त लिस्टर की विशिष्टि	--	--	
60. IS: 11217--1984 बस्त्रोद्योग के लिए नील की विशिष्टि	--	--	
61. IS: 11221--1984 विद्युत् रोधी पदार्थों के सही निरावेशन से परिभूत होने के प्रापेक्षिक रोधन शक्ति मापने की सिफारिश परीक्षण विधियाँ	--	--	1985-08-31 को स्थापित किया गया
62. IS: 11225--1985 खानों और इस्पात कारखानों में स्त्री कामियों के लिए कमड़े के सुरक्षा जूतों की विशिष्टि	--	--	
63. IS: 11226--1985 सीधी संश्लिष्ट सोल वाले कमड़े के सुरक्षा जूतों की विशिष्टि	--	--	
64. IS: 11227--1985 कागज पिक्कन के लिए जिलेटिन की विशिष्टि	--	--	
65. IS: 11231--1985 दूध की बनी डबल रोटी की विशिष्टि	--	--	
66. IS: 11239 (भाग 1)--1985 अनम्य छिद्रित ऊष्मारोधी पदार्थों की परीक्षण विधियाँ : भाग 2 परिमाण घनत्व	--	--	
67. IS: 11239 (भाग 2)--1985 अनम्य छिद्रित ऊष्मारोधी पदार्थों की परीक्षण विधियाँ भाग 2 घमासी घनत्व	--	--	
68. IS: 11239 (भाग 3)--1985 अनम्य छिद्रित ऊष्मारोधी पदार्थों की परीक्षण विधियाँ : भाग 3 परिमापी स्थिरता	--	--	
69. IS: 11239 (भाग 4)--1985 अनम्य छिद्रित ऊष्मारोधी पदार्थों की परीक्षण विधियाँ : भाग 4 जल वाष्प पारगमन दर	--	--	
70. IS: 11239 (भाग 6)--1985 अनम्य छिद्रित ऊष्मारोधी पदार्थों की परीक्षण विधियाँ : भाग 6 ताप विकृति तापमान	--	--	
71. IS: 11239 (भाग 7)--1985 अनम्य छिद्रित ऊष्मारोधी पदार्थों की परीक्षण विधियाँ : भाग 7 अल्प तापमान पर रेखिक ऊष्मी विस्तार का गुणांक	--	--	
72. IS: 11239 (भाग 8)--1985 अनम्य छिद्रित ऊष्मारोधी पदार्थों की परीक्षण विधियाँ : भाग 8 अग्निशिखा ऊँचाई, ज्वलन समय और द्रव्यमान क्षति	--	--	
73. IS: 11246--1985 कांच तन्तु, प्रबलित पालीएस्टर रेजिन (जीप्रारपी) के बने टट्टी पैम की विशिष्टि	--	--	
74. IS: 11248--1985 बवियों के लिए पालीएस्टर मिश्रित सूट कपड़े की विशिष्टि	--	--	
75. IS: 11250--1985 कमान आकार के द्वारा फ्रेम की विशिष्टि	--	--	
76. IS: 11251--1985 कमान आकार के द्वारा फलक की विशिष्टि	--	--	
77. IS: 11253--1985 स्विंग डेरिकों की विशिष्टि	--	--	
78. IS: 11255 (भाग 4)--1986 स्थिर स्त्रोतों से निस्सरणों की मापन विधियाँ : हाइड्रोजन सल्फोइड और कार्बन डाइसल्फोइड	--	--	
79. IS: 11258--1985 जनस्पति की और भोज्य तेलों के लिए 10 और 20 किलों के बर्गाकार टिन की विशिष्टि	--	--	
80. IS: 11259--1986 धक लिखने की स्याही की विशिष्टि	--	--	

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ भारत मानक ब्यूरो 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालय : बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ और मद्रास तथा शाखा कार्यालय : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कामपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम से विक्री के लिए उपलब्ध हैं।



S.O. 1356—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard (s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1985-09-30

## SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)
1. IS : 633—1985 Specification for DDT emulsifiable Concentrates (Second Revision).	IS : 633—1975 Specification for DDT emulsifiable concentrates (first revision).	Established on 1985-07-31
2. IS : 781—1984 specification for cast copper alloy screw down bib taps and stop valves for water services. (third revision)	IS : 781—1977 Specification for cast copper alloy screw-down bib taps and stop valves for water services (second revision)	Established on 1985-07-31
3. *IS : 1135—1984 Specification for laminated springs assembly for automobile suspension (third revision)	IS : 1135—1973 Specification for leaf springs for automobile suspension (second revision)	Established on 1985-08-31 * For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 1135—1984 shall come into force with effect from 1986-03-16.
4. IS : 1394—1984 Glossary of terms relating to metal containers (third revision)	IS : 1394—1973 Glossary of terms relating to metal containers trade (second revision)	Established on 1985-07-31
5. IS : 1488—1985 Specification for 2, 4-D sodium salt, technical (second revision)	IS : 1488—1969 Specification for 2, 4-D-sodium, technical (first revision)	Established on 1985-08-31
6. IS : 1538 (Part 14)—1984 Specification for cast iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage; Part XIV Specific requirements for double socket tapers (third revision)	IS : 1538 (Part XIV)—1976 Specification for cast iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage; Part XIV Specific requirements for double socket tapers (second revision)	Established on 1985-04-30
7. IS : 1656—1985 Specification for milk-cereal based weaning foods (second revision)	IS : 1656—1969 Specification for processed cereal weaning foods (first revision)	Established on 1985-05-31
8. IS : 1885 (Part 61)—1985 Electrotechnical vocabulary Part 61 Nuclear medical instruments	—	—
9. IS : 2060—1984 Specification for Gents' leather shoes (first revision)	IS : 2060—1962 Specification for gents' leather shoes	—
10. *IS : 2216—1985 Specification for tennis ball (first revision)	IS : 2216—1962 Specification for tennis balls	* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2216—1985 shall come into force with effect from 1986-03-01.
11. IS : 2508—1984 Specification for low density polyethylene films (second revision)	IS : 2508—1977 Specification for low density polyethylene films (first revision)	Established on 1984-04-30
12. IS : 2708—1984 Specification for 1.5 percent manganese steel castings for general engineering purposes (second revision)	IS : 2708—1973 Specification for 1.5 percent manganese steel castings (first revision)	Established on 1985-05-31
13. IS : 2720 (Part 5)—1985 Method of test for soils; Part 5 Determination of liquid and Plastic limit (Second Revision)	IS : 2720 (Part V)—1970 Methods of test for soils; Part V Determination of liquid and plastic limits (first revision)	Established on 1985-08-31
14. IS : 2881—1984 Specification for barytes for chemical industry and oil-well drilling (second revision)	IS : 2881—1978 Specification for barytes for chemical industry and oil-well drilling (first revision)	—
15. IS : 2911 (Part 4)—1985 Code of practice for design and construction of pile foundations; Part 4 Load test on piles (first revision)	IS : 2911 (Part I)—1964 Code of practice for design and construction of pile foundations; Part I Load bearing concrete piles	—

1	2	3	4
16.	IS : 3025(Part II)—1983 Methods of sampling and test (physical and chemical) for water and waste water; Part II pH Value (first revision)	IS : 3025—1964 Methods of sampling and test (physical and chemical) for water used in	Established on 1985-08-31
17.	IS : 3025 (Part 6)—1983 Methods of sampling and test (physical and chemical) for water and waste water; Part 6 Odour threshold (first revision)	-do-	-dl-o
18.	IS : 3025 (Part 14)—1984 Methods of sampling and test (physical and chemical) for water and waste water; Part 14 Specific conductance (wheatstone bridge, conductance cell (first revision)	-do-	—
19.	IS : 3025 (Part 21)—1983 Methods of sampling and test (physical and chemical) for water and waste water; Part 21 Total hardness (first revision)	-do-	—
20.	3130—1985 Code of practice for handling and storage of microtransparencies (microfilm and microfiche) (silver halide) (second revision)	IS : 3130—1972 Code of practice for handling and storage of microtransparencies (microfilm and microfiche) (first revision)	—
21.	IS : 3284—1984 Specification for organo mercurial dry seed-dressing formulations (first revision)	IS : 3284—1965 Specification for organo mercurial dry seed-dressing formulations	Established on 1984-12-31
22.	*IS : 3735—1984 Specification for canvas shoes rubber sole (first revision)	IS : 3735—1966 Specification for canvas shoes, rubber sole.	Established on 1985-07-31 *For purposes of ISI Certifications Marks Scheme; IS : 3735—1984 shall come into force with effect from 1985-12-16
23.	IS : 3843—1985 Specification for steel back flap hinges (First revision)	IS : 3843—1966 Specification for steel back flap hinges	—
24.	IS : 4336—1985 Specification for 4-chloro-aniline (first revision)	IS : 4336—1967 Specification for P-chloro-aniline	—
25.	*IS : 4366 (Part I)—1985 Specification for agricultural tillage discs; Part I Concave type (second revision)	IS : 4366 (Part I)—1972 Specification for agricultural tillage discs; Part I Concave type (first revision)	Established on 1985-08-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 4366—(Part I)—1985 shall come into force with effect from 1986-03-01
26.	IS : 4366 (Part 2)—1985 Specification for agricultural tillage discs; Part 2 Flat type (second revision)	IS : 4366 (Part II)—1972 Specification for agricultural tillage discs; Part II Flat type (first revision)	Established on 1985-08-31
27.	IS : 4989 (Part 2)—1984 Specification for foam concentrate for producing mechanical foam for fire fighting; Part 2 Aqueous film forming foam (AFFF)	—	Established on 1985-04-30.
28.	IS : 5895—1985 Specification for steel roller conveyors (first revision)	IS : 5895—1970 Specification for steel roller conveyors	Established on 1985-08-31.
29.	IS : 6092 (Part I)—1985 Methods of sampling and test for fertilizers; Part I sampling (first revision)	IS : 6092 (Part I)—1971 Methods of sampling and test for fertilizers; Part I Sampling	—
30.	IS : 6213 (Part 20)—1984 Method of test for pulp; Part 20 Determination of alkali resistance of pulp	—	—
31.	IS : 6307—1985 Specification for rigid PVC sheets (first revision)	IS : 6307—1971 Specification for rigid PVC sheets	—

1	2	3	4
32.	IS : 6320—1985 Specification for power thresher hammer mill type (first revision)	IS : 6320—1971 Specification for wheat power thresher (hammer mill type)	Established on 1985-08-31.
33.	IS : 6509—1985 Code of practice for installation of joints in concrete pavements (first revision)	IS : 6509—1972 Code of practice for installation of joints in concrete pavements	—
34.	IS : 6513—1985 Specification for fine adjustment valves for use with oxygen cylinders for oxygen therapy (first revision)	IS : 6513—1972 Specification for valve, fine adjustment, for oxygen therapy	—
35.	IS : 7133—1985 Specification for cotton tyre cord and warp sheet for cycle and rickshaw (first revision)	IS : 7133—1973 Specification for cotton tyre cord for cycle and rickshaw	—
36.	IS : 7233—1985 Specification for 2, 4-D ethylesters (first revision)	IS : 7233—1974 Specification for 2, 4-D esters	Established on 1985-07-31
37.	IS : 7623—1985 Specification for lithium base grease for industrial purposes (first revision)	IS : 7623—1974 Specification for lithium soap greases	Established on 1985-07-31
38.	IS : 8029—1985 Specification for quinalphos dusting powders (first revision)	IS : 8029—1976 Specification for quinalphos dusting powders	Established on 1985-07-31.
39.	IS : 8637 (Part 8)—1985 General and safety requirements for electrical equipment used in medical practice; Part 8 Behaviour and reliability	—	—
40.	IS : 8872 (Part 4/Sec 5)—1984 Specification for variable resistors; (Part 4 Preset; Section 5 Type VRT 5P	—	Established on 1985-04-30
41.	IS : 9001 (Part 17)—1985 Guidance for environmental testing; Part 17 Impact test.	—	—
42.	IS : 9233 (Part I)—1985 Limits for gaseous emissions from man-made fibre plants; Part I Cellulosic fibre (first revision)	IS : 9233 (Part I)—1976 Limits for gaseous emissions from man-made fibre plants Part I Cellulosic fibres	—
43.	IS : 9335 (Part 3/Sec. 1)—1984 Specification for cellulosic papers for electrical purposes; Part 3 Specifications for individual materials; Section 1 General purpose electrical paper	—	Established on 1985-08-31
44.	IS : 9920 (Part 4)—1985 Specification for alternating current switches for voltages above 1 000 V; Part 4 Type tests and routine tests	—	Established on 1985-07-31
45.	IS : 10733—1983 Specification for electrically bonded road and rail tanker hose of rubber, resistant to petroleum products	—	Established on 1984-05-31
46.	IS : 10967—1984 Guide for the preparation of variant drawings	—	—
47.	IS : 11114 (Part I)—1985 Definitions of dimensions and symbols for earth-moving machinery; Part I Reference system	—	—
48.	IS : 11115—1985 Human physical dimensions of operators and minimum operator space envelope for earth moving machinery	—	—
49.	IS : 11132—1985 Specification for ammonia valves	—	Established on 1985-05-31
50.	IS : 11162 (Part 5)—1985 Dimensions of non-insulated terminal tags for electronic equipment; Part 5 type 5	—	Established on 1985-07-31
51.	IS : 11162 (Part 6)—1985 Dimensions of non-insulated terminal tags for electronic equipment; Part 6 Type 6	—	—
52.	IS : 11162 (Part 7)—1985 Dimensions of non-insulated terminal tags for electronic equipment; Part 7 Type 7	—	—

1	2	3	4
53.	IS : 11185—1984 Specification and technical supply conditions for hot-rolled and forged steel bars for use in machine tool industry	—	—
54.	IS : 11186—1985 Specification for synthetic grinding fluid	—	—
55.	IS : 11209—1985 Specification for mould assembly for determination of permeability of soils	—	—
56.	IS : 11210—1984 Code of practice for stains removal from textiles and clothing	—	—
57.	IS : 11211—1984 Methods of sampling rock phosphate	—	—
58.	IS : 11212—1985 Specification for direct current presistive volt ratio boxes	—	—
59.	IS : 11213—1985 Specification for defibrated linters	—	—
60.	IS : 11217—1984 Specification for ultra-marine blue for use in textile industry	—	Established on 1985-08-31
61.	IS : 11221—1984 Recommended test methods for determining the relative resistance of insulating materials to breakdown by surface discharges	—	—
62.	IS : 11225—1985 Specification for leather safety shoes for women workers in mines and steel plants	—	—
63.	IS : 11226—1985 Specification for leather safety footwear having direct moulded sole	—	—
64.	IS : 11227—1985 Specification for gelatin for sizing of paper	—	—
65.	IS : 11231—1985 Specification for milk bread	—	—
66.	IS : 11239 (Part 1)—1985 Methods of test for rigid cellular thermal insulation materials; Part 1 Dimensions	—	—
67.	IS : 11239 (Part 2)—1985 Methods of test for rigid cellular thermal insulation materials; Part 2 Apparent density	—	—
68.	IS : 11239 (Part 3)—1985 Methods of test for rigid cellular thermal insulation materials; Part 3 Dimensional stability	—	—
69.	IS : 11239 (Part 4)—1985 Methods of test for rigid cellular thermal insulation materials; Part 4 Water vapour transmission rate	—	—
70.	IS : 11239 (Part 6)—1985 Methods of test for rigid cellular thermal insulation materials; Part 6 Heat distortion temperature	—	—
71.	IS : 11239 (Part 7)—1985 Methods of test for rigid cellular thermal insulation materials; Part 7 Coefficient of linear thermal expansion at low temperatures	—	—
72.	IS : 11239 (Part 8)—1985 Methods of test for rigid cellular thermal insulation materials; Part 8 Flame height, time of burning and loss of mass	—	—
73.	IS : 11246—1985 Specification for glass fibre reinforced polyester resin (GRP) squatting pans	—	—
74.	IS : 11248—1985 Specification for polyester blend suitings for uniforms	—	—
75.	IS : 11250—1985 Specification for bow saw frames	—	—
76.	IS : 11251—1985 Specification for bow saw blades	—	—
77.	IS : 11253—1985 Specification for swing derricks	—	—

1	2	3	4
78. IS : 11255 (Part 4)—1985 Methods for measurement of emission from stationary sources; Part 4 Hydrogen sulphide and carbon disulphide			
79. IS : 11258—1985 Specification for 10 and 20 kg square tins for vanaspathi ghee and edible oils			
80. IS : 11259—1985 Specification for ink, numbering			

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards Manak Bhawan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices: Bombay, Calcutta, Chandigarh, and Madras also its branch office : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

का. आ. 1357.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संख्या (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम, 14 के उपविनियम (4) के अनुसार यह अधिसूचित किया जाता है कि जिन प्रमाण मुहर लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे उनके सामने दी गई तिथियों से गतावधि हो गए हैं अथवा उनका नवीकरण सम्पन्न कर दिया गया है:

अनुसूची					
क्रम	लाइसेंस नं.	लाइसेंस (सी एम/एल—)	नं.	उस राजपत्र की एस. ओ. सं. और तिथि जिसमें लाइसेंस स्वीकृति की अधिसूचना छपी थी	टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
लाइसेंस गतावधि					
1.	सी एम/एल—0066355 1964-06-07	मुकुन्द आयरन एंड स्टील वर्क्स, बम्बई—400070	IS : 226—1975	एस.ओ. 2173 दिनांक 1964-06-20	1982-12-15 से नवीकरण स्वयं हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
2.	सी एम/एल—0066636 1964-05-07	„	IS : 1977—1975	„	„
3.	सी एम/एल—0085438 1964-11-28	डेवडा बूथ एंड इंडस्ट्रीज लि., मानिकपुर	IS : 3790—1971	एस.ओ. 79 दिनांक 1965-01-02	1982-11-30 के बाद गतावधि है
4.	सी एम/एल—0085640 1964-11-28	चिबटे कं. लि., बज बज	IS : 2818 (भाग 2)— 1971	„	1982-11-30 के बाद गतावधि है
5.	सी एम/एल—0087139 1964-11-28	नविया मिल्ल कं. लि., नैहाटी	IS : 3790—1971	„	1982-11-30 के बाद गतावधि है
6.	सी एम/एल—0169946 1968-05-16	गोल्डेन स्टील कार्पांरेशन, हावड़ा	IS : 1977—1975	एस.ओ. 2426 दिनांक 1968-07-06	1982-11-15 के बाद गतावधि है
7.	सी एम/एल—0214625 1969-11-24	ट्रावन्कोर केमिकल्स एंड मैनुफैक्चरिंग कं. लि., एल्लूर उद्योगमंडल डोकियर (केरल)	IS : 561—1978	एस.ओ. 5045 दिनांक 1969-12-27	1982-12-31 के बाद गतावधि है
8.	सी एम/एल—0224022 1970-02-09	ए. जे. लोपेज एंड सन्स एनकुलम, फोर्बोन—682018 (केरल)	IS : 10 (भाग 3)— 1974	एस.ओ. 1235 दिनांक 1970-04-04	1982-06-15 से नवीकरण स्वयं हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
9.	सी एम/एल—0167242 1971-04-28	हावड़ा मिल्ल कंपनी लि., हावड़ा	IS : 4900—1969	एस.ओ. 3741 दिनांक 1971-10-09	1982-11-30 से गतावधि है
10.	सी एम/एल—0280739 1971-11-11	मिह इंडीनियरिंग वर्क्स प्रा. लि., कानपुर	IS : 226—1975	एस.ओ. 403 दिनांक 1972-02-26	1982-11-15 के बाद गतावधि है
11.	सी एम/एल—0285345 1971-12-23	वेंकटेश्वर एग्री केमिकल एंड फिनरल्स, मद्रास—600053	IS : 564—1975	एस.ओ. 2769 दिनांक 1972-10-07	1982-11-30 के बाद गतावधि है
12.	सी एम/एल—0286953 1972-01-14	शू सेट्टल जूट मिल्ल कं. लि., (—मिल्ल), बज बज	IS : 4900—1969	एस.ओ. 2777 दिनांक 1972-10-07	1982-11-30 से नवीकरण स्वयं हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
13.	सी एम/एल—0295146 1972-02-28	रेनसो मजिकल ट्रेडिंग मैन्यु कं., अहमदाबाद	IS : 863—1969	एस.ओ. 2801 दिनांक 1972-10-14	1982-03-31 से नवीकरण स्वयं हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।

1	2	(3)	(4)	(5)	(6)
14. सी एम/एल-0314629 1972-08-29	गुजरात मेटल बाक्स कं., अहमदाबाद-380002 (गुजरात)	IS: 916-1975	एस.ओ. 3471 दिनांक 1973-12-15	1982-08-31 के बाद गतावधि है	
15. सी एम/एल-0339746 1973-04-30	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा. लि. छिहार्ता	IS: 2062-1980	एस.ओ. 875 दिनांक 1975-03-22	1982-05-15 के बाद गतावधि है	
16. सी एम/एल-0340024 1973-04-30	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा. लि., छिहार्ता	IS: 432 (भाग 1)- 1966	एस.ओ. 875 दिनांक 1975-03-22	1983-01-15 के बाद गतावधि है	
17. सी एम/एल-0350835 1973-08-07	इंडीकेम, अहमदाबाद-380001	IS: 564-1975	एस.के. 1388 दिनांक 1985-03-03	1983-01-15 के बाद गतावधि है	
18. सी एम/एल-0354641 1973-09-19	रेनबो सजिकल ट्रेडिंग सेण्ट्र के., अहमदाबाद	IS: 758-1975	एस.ओ. 1389 1975-03-03	1982-03-31 के बाद गतावधि है	
19. सी एम/एल-0370336 1974-02-06	हिन्दुस्तान वायर्स लि., करीबाबाद (हरियाणा)	IS: 1785(भाग 1)- 1966, और IS: 1785(भाग 2)- 1967	एस.ओ. 2082 दिनांक 1975-07-05	1983-01-31 के बाद गतावधि है	
20. सी एम/एल-0395756 1974-09-19	असम वैसी प्लाईवुड प्रा. लि., तिनमुखिया (असम)	IS: 303-1975	एस.ओ. 1762 दिनांक 1976-03-29	1981-09-30 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
21. सी एम/एल-0414330 1975-01-13	एस एम पी प्रा. लि., बम्बई-400060	IS: 564-1975	एस.ओ. 2465 दिनांक 1976-07-10	1981-12-15 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
22. सी एम/एल-0428745 1975-04-03	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा. लि., बेहार्ता	IS: 6914-1978	एस.ओ. 3550 दिनांक 1976-10-09	1982-05-15 के बाद गतावधि है	
23. सी एम/एल-0428846 1975-04-15	-यथोपरि-	IS: 6915-1978	-यथोपरि-	1982-05-15 के बाद गतावधि है	
24. सी एम/एल-0434536 1975-01-25	जय किशन एग्रो इंडस्ट्रीज, इंदौर	IS: 2552-1979	एस.ओ. 3550 दिनांक 1976-10-09	1982-11-15 के बाद गतावधि है	
25. सी एम/एल-0434942 1975-04-25	प्रताप रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा. लि., बेहार्ता (उ. रेखवे)	IS: 3195-1975	-यथोपरि-	1982-05-15 के बाद गतावधि है	
26. सी एम/एल-0438749 1975-05-23	ओरियंटल मेटल प्रेसिंग वर्क्स प्रा. लि., बम्बई-4000018	IS: 4246-1976	एस.ओ. 3423 दिनांक 1976-10-16	1982-03-15 से नवीकरण स्थगित हो गया अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
27. सी एम/एल-0446949 1975-07-04	न्यू प्रेसिजन (इंडिया) लि., देवास (म.प्र.)	IS: 1601-1960	एस.ओ. 3914 दिनांक 1976-10-30	1981-07-15 के बाद गतावधि है	
28. सी एम/एल-0465650 1975-09-22	मिनरल माइनिंग कं. प्रा. लि., अनन्तपुर-515455 (आ.प्र.)	IS: 561-1978	एस.ओ. 832 दिनांक 1977-03-19	1982-10-15 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
29. सी एम/एल-0470340 1975-10-15	रोहतास इंडस्ट्रीज लि., डालमियानगर, जिला रोहतास (बिहार)	IS: 1848-1971	एस.ओ. 1148 दिनांक 1977-04-16	1982-11-15 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है	
30. सी एम/एल-0484250 1975-11-26	सिंह एलॉय एण्ड स्टील्स लि., कलकत्ता-700054	IS: 6914-1978	एस.ओ. 1147 दिनांक 1977-04-16	1981-11-30 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
31. सी एम/एल-0493049 1976-01-01	इणार एलॉय स्टील्स प्रा. लि., सुबर्णा, इंदौर (म. प्र.)	IS: 2879-1975	एस.ओ. 1312 दिनांक 1977-05-07	1983-01-31 के बाद गतावधि है।	
32. सी एम/एल-0485959 1976-01-15	ओयस्टर पैकेजिंग प्रा. लि., ? (बंगाल)	IS: 7406 (भाग 1)- 1974	एस.ओ. 1312 दिनांक 1977-05-07	1981-06-15 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
33. सी एम/एल-0496055 1976-01-15	नागाहीट फॉरेस्ट प्रोडक्ट्स लि., डाकघर तिलिज, बाया सोनारी जिला (मगालैंग)	IS: 10 (भाग 2)- 1976	-यथोपरि-	1982-09-30 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
34. सी एम/एल-0516742 1976-04-29	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा. लि., बेहाता (उ. रेलवे)	IS: 8053-1976	एम. ओ. 314 दिनांक 1979-01-27	1982-05-15 के बाद गतावधि है।	
35. सी एम/एल-0524034 1976-05-21	इंटरनेशनल पाइप वर्क्स, ह्यावड़ा	IS: 1239 (भाग 2)- 1969	एम. ओ. 954 दिनांक 1975-03-17	1982-05-31 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
36. सी एम/एल-0535241 1976-07-14	शाउन सजिकल ड्रेसिंग मैनु. कं., बम्बई-400070	IS: 863-1969	एम. ओ. 1226 दिनांक 1979-04-14	1982-07-15 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
37. सी एम/एल-0536445 1976-07-14	कृष्णा केमिकल इंडस्ट्रीज, भागलपुर-812002	IS: 1307-1973	एम. ओ. 1226 दिनांक 1979-04-14	1982-07-15 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
38. सी एम/एल-0542339 1976-08-09	—यथोपरि—	IS: 1308-1974	एस. ओ. 3548 दिनांक 1979-10-20	1982-07-15 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
39. सी एम/एल-0543442 1976-08-16	सी ए बी (इंडिया) प्रा. लि., मेरठ (उ. प्र.)	IS: 694-1977	—यथोपरि—	1982-03-31 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
40. सी एम/एल-0557150 1976-10-12	एगो प्रॉडक्ट्स, बड़ौदा-390002 (गुजरात)	IS: 564-1975	एम. ओ. 3550 दिनांक 1979-10-20	1982-12-15 के बाद गतावधि है।	
41. सी एम/एल-0560139 1976-10-29	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा. लि., प्रताप इस्टेट, बेहाता	IS: 7283-1974	—यथोपरि—	1982-05-16 के बाद गतावधि है।	
42. सी एम/एल-0560240 1976-10-29	—यथोपरि—	IS: 4432-1967	—यथोपरि—	1982-05-16 के बाद गतावधि है।	
43. एम सी/एल-0560341 1976-11-05	—यथोपरि—	IS: 2255-1977	—यथोपरि—	1982-05-15 के बाद गतावधि है।	
44. सी एम/एल-0561848 1976-11-05	—यथोपरि—	IS: 8055-1976	एम. ओ. 3761 दिनांक 1979-11-17	1985-05-16 के बाद गतावधि है।	
45. सी एम/एल-0561747 1976-11-05	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा. लि., प्रताप इस्टेट, छहर्दा	IS: 8051-1976	एम. ओ. 3761 दिनांक 1979-11-17	1982-05-16 के बाद स्थगित हो गया है।	
46. सी एम/एल-0568761 1976-12-10	—यथोपरि—	IS: 8051-1976	एम. ओ. 3762 दिनांक 1979-11-17	1982-05-15 के बाद गतावधि है।	
47. सी एम/एल-0613033 1977-05-27	ग्राहदरा इंडस्ट्रियल आयस स्पलायस पंड मैनुफैक्चरिंग प्रा. लि., लई दिल्ली-110056	IS: 1115-1973	एम. ओ. 283 दिनांक 1981-01-24	1981-12-31 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
48. सी एम/एल-0623642 1977-07-08	रामकृष्ण प्रसाद पेस्टिमाइड्स, कोप्पराबुस, निथर नाम्बर (आर० एम.) पिन-522508	IS: 565-1975	एम. ओ. 754 दिनांक 1981-03-07	1981-06-31 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
49. सी एम/एल-0625515 1977-07-20	—यथोपरि—	IS: 564-1975	—यथोपरि—	1981-06-30 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
50. सी एम/एल-063(251) 1977-08-31	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा. लि., बेहाता	IS: 4431-1978	एम. ओ. 755 दिनांक 1981-03-07	1982-05-15 के बाद गतावधि है।	
51. सी एम/एल-0639859 1977-09-14	जनरल एलुमिनियम कार्पोरेशन बंगलूर-560022	IS: 204-1974	एम. ओ. 910 दिनांक 1981-03-21	1982-10-31 के बाद गतावधि है।	
52. सी एम/एल-0645450 1977-10-12	प्रेमिडेंट इंडस्ट्रीज, भावनगर-364001	IS: 564-1975	एम. ओ. 921 दिनांक 1981-03-21	1983-02-13 के बाद गतावधि है।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53. सी एम/एल-0660850 1977-12-20	एग्रो इनपुट प्रा. लि., कुमारपट्टनम पोस्ट-561123, कवल्लेधु गांव, रामीबेन्नूर तालुक, धरवार जिला	IS-561-1978	एम. प्रो. 1222 दिनांक 1981-04-18	1981-12-31 से लाइसेंस स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
54. सी एम/एल-0660951 1977-12-20	एग्रो इनपुट प्रा. लि., कुमारपट्टनम पोस्ट, कवल्लेधु गांव, रामीबेन्नूर तालुक, धरवार जिला, हरिहर रेलवे स्टेशन के पास, (कर्नाटक)	IS-2568-1978	--यथोपरि--	1982-12-31 के बाद गतावधि है।	
55. सी एम/एल-0661218 1977-12-22	--यथोपरि--	IS-4323-1967	--यथोपरि--	1982-12-31 के बाद गतावधि है।	
56. सी एम/एल-0681353 1976-02-28	गुप्ता बालेकलाइट फैक्टरी बिल्डी-110007	IS-371-1979	एम. प्रो. 1661 दिनांक 1981-06-06	1981-08-31 से लाइसेंस स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
57. सी एम/एल-0681451 1978-02-28	शार्पज लिमिटेड, नई दिल्ली-110020	IS-7370-1974	एम. प्रो. 1661 तिथि 1981-06-06	1983-03-15 के बाद गतावधि हो गया है।	
58. सी एम/एल-0690556 1978-03-29	यूनिवर्सल स्टील एंड एलाय लि., फरीदाबाद	IS-8052-1976	एम. प्रो. 1664 तिथि 1981-06-06	1982-12-31 के बाद गतावधि है।	
59. सी एम/एल-0697973 1978-04-18	अरुणरामानुज उद्योग प्रा. लि., जयपुर 302012 (राजस्थान)	IS-285-1974	एम. प्रो. 1725 तिथि 1981-06-13	1982-11-15 के बाद गतावधि है।	
60. सी एम/एल-0706141 1978-06-19	ऑडीमन्स पेट्स एंड केमिकल लिमिटेड, भद्रास-600011 (तमिलनाडु)	IS-5418-1969	एम. प्रो. 2002 तिथि 1981-07-25	1982-06-30 से लाइसेंस स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
61. सी एम/एल-0713645 1978-07-28	साहसभारा इंडस्ट्रीज, गुडगांव	IS-4654-1974	एम. प्रो. 2176 तिथि 1981-08-15	1982-07-31 से लाइसेंस स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
62. सी एम/एल-0728858 1978-10-23	द्राफिकल एग्रीसिस्टन्स प्रा. लि., भद्रास-600058 (तमिलनाडु)	IS-2568-1978	एम. प्रो. 2218 तिथि 1981-08-22	1982-10-31 के बाद गतावधि है।	
63. सी एम/एल-0736150 1978-11-23	बाध्रा (इंडिया) प्रा. लि., गाजियाबाद (उ.प्र.)	IS-4654-1974	एम. प्रो. 2270 तिथि 1981-08-20	1981-05-31 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
64. सी एम/एल-0744755 1978-12-29	यू. पी. स्टेट लेदर डेवलपमेंट एंड मार्केटिंग को-ऑपरेशन लि., मदर माटी, आगरा (उ.प्र.)	IS-5834-1969	एम. प्रो. 2276 ति तिथि 1981-08-29	1982-12-31 के बाद गतावधि है।	
65. सी एम/एल-0777669 1979-03-24	कीशल मेटल एंड पेट्रोल इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली-110020	IS-5410-1969	एम. प्रो. 3147 तिथि 1981-11-21	1981-05-31 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
66. सी एम/एल-0792766 1979-08-16	मनुदेवस, तिरुपुर-038602	IS-4964-1980	एम. प्रो. 3146 तिथि 1981-12-26	1982-08-31 के बाद गतावधि है।	
67. सी एम/एल-0805951 1979-10-16	दिल्लान्ण बीडी सेंकटरी, हैदराबाद 500012	IS-1926-1974	एम. प्रो. 1771 तिथि 1982-06-15	1982-08-31 के बाद गतावधि है।	
68. सी एम/एल-0808553 1979-10-19	एक्सेसट मिटिंग क., तिरुपुर-638603	IS-4964-1980	एम. प्रो. 1771 तिथि 1982-05-15	1982-10-31 के बाद गतावधि है।	
69. सी एम/एल-0809959 1979-10-29	अर्वाडिया इंजीनियरिंग वर्क्स कोतपुर-208010	IS-226-1975	एम. प्रो. 1171 तिथि 1981-05-15	1982-11-13 के बाद गतावधि है।	
70. सी एम/एल-0810337 1979-10-29	जी. के. स्टील्स एंड इंडस्ट्रीज, कोयंबटूर-641017	IS-1977-1975	एम. प्रो. 1771 तिथि 1982-05-15	1981-11-15 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
71. सी एम/एल-0810439 1979-10-29	गोरेटरी एंड इंडस्ट्रियल केमिकल्स, भद्रास-600029 (तमिलनाडु)	IS-695-1975	--यथोपरि--	1982-11-15 के बाद गतावधि है।	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
72. सीएम/एल-0816047 1979-11-21	इंडियन पेट्रोलियम, दिल्ली 110052	IS: 4654-1974	एम.ओ. 1832 तिथि 1982-05-22	1982-03-31 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
73. सीएम/एल-0817150 1979-11-29	श्रीला बहम संस एंड क., कानपुर 208001 (उ.प्र.)	IS: 583-1969	एम.ओ. 1832 तिथि 1982-05-22	1982-12-15 के बाद गतावधि है।	
74. सीएम/एल-0818859 1979-11-30	सुपर इंडस्ट्रीज, नरोडा 382330, अहमदाबाद (गुजरात)	IS: 633-1975	--यथोपरि--	1982-12-15 के बाद गतावधि है।	
75. सीएम/एल-0819255 1979-11-30	स्टील ट्यूब्स आफ इंडिया लि., देवास 455001 (म.प्र.)	IS: 1239 (भाग 1) 1979	--यथोपरि--	1982-12-15 के बाद गतावधि है।	
76. सीएम/एल-0824854 1979-12-24	नदिया मिल्स क. लि., नैहाटी नैहाटी	(1) IS: 3660- 1966 (2) 3794-1966	एम.ओ. 2320 तिथि 1982-07-03	1982-11-30 के बाद गतावधि है।	
77. सीएम/एल-0825048 1979-12-24	हावड़ा मिल्स क. लि., हावड़ा	IS: 3794-1966	--यथोपरि--	1982-11-30 के बाद गतावधि है।	
78. सीएम/एल-0825149 1979-12-24	--यथोपरि--	IS: 2875-1964 IS: 3750-1966	--यथोपरि--	1982-11-30 के बाद गतावधि है।	
79. सीएम/एल-0834049 1980-01-25	नवाजी इंडस्ट्रियल वर्क्स, पो. आ. बेलगाँव, जिला बंकुरा ईस्ट बंगाल	IS: 226-1975	एम.ओ. 3104 तिथि 1982-09-04	1982-06-30 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
80. सीएम/एल-0843757 1980-02-29	सुभाष चन्द्र कश्मिरिया, नई दिल्ली 110015	IS: 4654-1974	एम.ओ. 3445 तिथि 1982-10-02	1982-01-30 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, अब इस तिथि से लाइ- सेंस गतावधि है।	
81. सीएम/एल-0873160 1980-06-05	भारत स्टील रोलिंगमिल्स, फरीदाबाद (हरियाणा)	IS: 226-1974	एम.ओ. 4459 तिथि 1983-12-10	1981-06-15 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
82. सीएम/एल-0881866 1980-07-23	वेस्ट एंड क्राम्पटन इंजीनियरिंग लि बगलोर 560011 (कर्नाटक)	IS: 325-1976 ओर IS: 1520-1972	एम.ओ. 4533 तिथि 1983-12-17	1982-07-31 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
83. सीएम/एल-0884266 1980-07-29	हिन्दुस्तान फलबराहजिंग मिल्स, बम्बई 400098	IS: 2507-1978	--यथोपरि--	1981-07-15 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
84. सीएम/एल-0884367 1980-07-29	हिन्दुस्तान फलबराहजिंग मिल्स, बम्बई 400098	IS: 633-1975	एम.ओ. 4533 तिथि 1983-12-17	1981-07-15 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
85. सीएम/एल-0892265 1980-08-22	कलापीरान स्टील रोलिंगमिल्स, कोयम्बटूर 611001	IS: 226-1975	एम.ओ. 4531 तिथि 1983-12-17	1981-08-31 से तर्फीकरण स्थगित हो गया इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
86. सीएम/एल-0894774 1980-08-30	मोर्टो पेन्ट एंड वाणिज्य वर्क्स, गोदीनगर, जिला गाजियाबाद	IS: 5410-1969	--यथोपरि--	1982-09-15 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
87. सीएम/एल-0899683 1980-09-18	हंप (इंडिया) लि. मिक्स स्टील डिजिटल, पो. आ. गाहगोल, जिला हुगली, प. बंगाल।	IS: 1875-1978	एम.ओ. 4814 तिथि 1983-12-24	1982-09-30 से तर्फीकरण स्थगित हो गया इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
88. सीएम/एल-0903345 1980-09-30	राम किशन मेटल वर्क्स, (बम्बई) थाने, महाराष्ट्र	IS: 5522-1978	--यथोपरि--	1981-10-15 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
89. सीएम/एल-0904347 1980-10-10	गुजरात एंडो इंडस्ट्रीज कार्पो लि., अहमदाबाद 383330 (गुजरात)	IS: 7122-1973	एम.ओ. 4613 तिथि 1983-12-24	1982-10-15 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
90. सीएम/एल-0907353 1980-10-21	इंडिकोम, अहमदाबाद 383445 अहमदाबाद 382445 (गुजरात)	IS: 2367-1978	--यथोपरि--	1981-10-31 से तर्फीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	

1	2	3	4	5	6
91	सीएम/एल-0909660 1980-10-25	गंगा स्टील रि-रोलिंग मिल्स, कुम्हेरी जिला दुर्ग (म.प्र.)	IS: 1786--1979	--यथोपरि--	1982-11-15 के बाद गतावधि है।
92	सीएम/एल-0911243 1980-10-31	प्रेम प्रॉडक्ट्स, अहमदाबाद 380025 (गुजरात)	IS: 1011--1968	--यथोपरि--	1982-11-15 के बाद गतावधि है।
93	सीएम/एल-091146 1980-11-10	नेशनल पेट सैन्थुफैक्टर्स, भरतपुर (राजस्थान)	IS: 327--1965	एम. प्रो. 644 तिथि 1984-03-03	1982-11-15 के बाद गतावधि है।
94	सीएम/एल-0916051 1980-11-21	सुनेजा टिम्बर, यमुनानगर	IS: 10 (भाग 3) 1974	--यथोपरि--	1982-11-30 के बाद गतावधि है।
95	सीएम/एल-0916152 1980-11-21	स्टील क्राफ्ट, पानीपत (हरियाणा)	IS: 1161--1979	--यथोपरि--	1981-11-30 से नवीकरण स्थगित हो गया अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
96	सीएम/एल-0921650 1980-12-09	महा गुजरात रोलिंग मिल्स उधव- 382410, जिला अहमदाबाद	IS: 1977--1975	एस. प्रो. 1591 तिथि 1984-05-12	1983-12-15 के बाद गतावधि है।
97	सीएम/एल-0926256 1980-12-24	मेटल ट्यूब्स प्रा. लि., पानीपत-132103 (हरियाणा)	IS: 1161--1979	यथोपरि--	1981-12-31 से नवीकरण स्थगित हो गया अब इसी तिथि से लाइ- सेंस गतावधि है।
98	सीएम/एल-0928563 1980-12-31	पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स मैनु. सोमायटी, बिड़लवाड़ी-364001 (गुजरात)	IS: 7401--1974	यथोपरि--	1983-01-15 के बाद गतावधि है।
99	सीएम/एल-0929365 1980-12-31	श्री रंगविलेस निमिग स्पनिंग एंड विबिंग मिल्स, कोयम्बरूर-641004	IS: 834--1975	यथोपरि--	1983-01-15 के बाद गतावधि है।
100	सीएम/एल-0935156 1981-01-27	बी. आर. स्टील प्रॉडक्ट्स प्रा. लि., बम्बई-400 037	SI: 280--1978	एम. प्रो. 1830 तिथि 1984-03-09	1982-02-15 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
101	सीएम/एल-0938364 1981-01-31	ग्लोब इंजीनियरिंग कं. नई दिल्ली- 110015	IS: 3793--1966	--यथोपरि--	1983-03-15 के बाद गतावधि है है।
102	सीएम/एल-0939669 1981-02-06	बिकटरी बेट्टन्स, चालकुवो, त्रिपुर जिला, (केरल)	IS: 10 (भाग)-- 1974	एम. प्रो. 4241 तिथि 1984-12-08	1982-02-15 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
103	सीएम/एल-0942860 1981-02-13	बीमा मैनुफैक्चर्स प्रा. लि., मद्रास- 600058 (त. ना.)	IS: 6595--1972 और IS 7538--1975	यथोपरि--	1982-02-26 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
104	सीएम/एल-0948266 1981-02-27	विमिन कुमार घोषराय एंड कं., यमुना- नगर-135001	IS: 10 (भाग 3)--1974	--यथोपरि--	1982-03-15 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
105	सीएम/एल-0961561 1981-04-03	अच्छिन्त स्टील एंड एलॉय लि., मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)	IS: 6914--1978	एम. प्रो. 323 तिथि 1985-01-26	1982-04-15 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
106	सीएम/एल-0961662 1984-04-03	--यथोपरि--	IS: 6915--1978	--यथोपरि--	1982-04-15 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
107	सीएम/एल-0965165 1981-04-25	पंकज टिम्बर इंडस्ट्रीज, यमुनानगर-13 135001	IS: 10 (भाग 3)-- 1974	--यथोपरि--	1982-04-30 के बाद गतावधि है।
108	सीएम/एल-0969678 1981-05-13	हिंदुस्तान इन्स्केटिमाइड्स लि, नई दिल्ली-110015	IS: 565--1975	एस. प्रो. 326 दि. 1985-01-26	1982-05-15 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
109	सीएम/एल-0980464 1981-07-07	श्री हनुमान इंडस्ट्रीज, पोस्ट-नीमपुरा, अररापुर	IS: 1786--1979	एस. प्रो. 749 तिथि 1985-02-23	1982-07-15 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
110	सीएम/एल-0983470 1981-07-23	सुमार्ला टेक्सटाइल कार्पो. अहमदाबाद	IS: 5405--1980	--यथोपरि--	1982-07-31 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
111	सीएम/एल-0992370 1981-08-31	मिनाजी इंडस्ट्रीज, बंकुरा (प. बं.)	IS: 1977--1975	एम. प्रो. 747 तिथि 1985-02-23	1982-09-15 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
112. सी.एम./एल- 0997481 1981-09-21	मोलैपिक स्पॉर्ट, मेरठ	IS : 417 (भाग 1 और 2 और 3)- 1974	एस.ओ. 1015 तिथि 1985-03-09	1982-09-30 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
113. सी.एम./एल- 1000207 1981-09-30	वेब/दयाल (सेल्स) प्रा लि., बम्बई	IS : 5279--1969	एस.ओ. 11015 तिथि 1980-03-09	1982-10-60 के बाद गतावधि है।	
114. सी.एम./एल- 1002615 1981-10-22	अराखली केमिकल लैबोरेटरीज (प्रा.) लि., जयपुर	IS : 4956--1977	एस.ओ. 1014 तिथि 1985-03-09	1982-10-31 के बाद गतावधि है।	
115. सी.एम./एल- 1003011 1981-10-22	ऑन इंडिया मेडिकल कार्पोरेशन, अहमदाबाद	IS : 1201--1975	-यथोपरि-	1982-10-31 के बाद गतावधि है।	
116. सी.एम./एल- 1007625 1981-11-10	इंडियन पेट्रोल कंट्रोल, भोपाल	IS : 7121--1973	एस.ओ. 1016 तिथि 1985-03-09	1982-11-15 के बाद गतावधि है।	
117. सी.एम./एल- 1009730 1981-11-17	सीमेंट केमिकल्स प्रा. लि., अहमदाबाद	IS : 2567--1978	-यथोपरि-	1982-11-30 से नवीकरण स्थगित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
118. सी.एम./एल- 1010311 1981-11-18	प्रभुराम मिन्स लि. कोटा (राजस्थान)	IS : 171--1973	-यथोपरि-	1982-11-30 के बाद गतावधि है।	
119. सी.एम./एल- 1010412 1981-11-18	कोटायम टेक्स्टाइल्स लि., कोटायम	IS : 171--1973	-यथोपरि-	1982-11-30 के बाद गतावधि है।	
120. सी.एम./एल- 1015220 1981-12-02	कपूर इलेक्ट्रॉनिक्स, नई दिल्ली	IS : 2548--1967	एस.ओ. 1021 तिथि 1985-03-09	1982-12-31 के बाद गतावधि है।	
121. सी.एम./एल- 1016525 1981-12-09	कीन पेस्टीसाइड्स प्रा. लि. एनकुलम	IS : 561--1978	-यथोपरि-	1982-11-30 के बाद गतावधि है।	
122. सी.एम./एल- 10233201 1981-12-29	देवीव्या (सेल्स) प्रा. लि., कलोल (पंचमहल)	IS : 565--1973	-यथोपरि-	1983-01-15 के बाद गतावधि है।	
123. सी.एम./एल- 1030418 1982-01-28	कनकनोरा कं. लि., पो. अ. कंकी रांग, जिला 24 परगना, (प. बं.)	IS : 3790--1971	एस.ओ. 1295 तिथि 1985-03-30	1983-11-30 से नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब इसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
124. सी.एम./एल- 1032824 1982-01-29	इंडियन कोटिंग एंड लेमिनेटिंग कार्पो- रेशन, कानपुर	IS : 7406 (भाग 2) 1980	-यथोपरि-	1983-03-15 के बाद गतावधि है।	
125. सी.एम./एल- 1032119 1982-01-29	एनेज इंजीनियरिंग वर्क्स, ओगापेकावी	IS : 4246--1978	एस.ओ. 1295 तिथि 1985-03-30	1983-02-15 के बाद गतावधि है।	
126. सी.एम./एल- 1071028 1982-01-20 लाइसेंस स्थगित	बी पी कागज उद्योग प्रा. लि., दिल्ली	IS : 9055--1979	एस.ओ. 1635 तिथि 1985-04-20	1983-02-28 के बाद गतावधि है। लाइसेंस स्थगित	
127. सी.एम./एल- 0036541 1961-12-12	डिज्ज इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) लि., दिल्ली-110007	IS : 368--1977	एस.ओ. 199 तिथि 1962-01-20	1983-12-31	
128. सी.एम./एल- 0086541 1964-11-28	नार्थब्रूक जूट कं. लि., बैराबटी	IS : 2818 (भाग 2)-- 1971 IS : 3790--1971	एस.ओ. 79 तिथि 1965-01-02	1982-13-31	
129. सी.एम./एल- 0086642 1964-11-26	-यथोपरि-	IS : 2566--1965 IS : 3667--1966	-यथोपरि-	1982-12-31	
130. सी.एम./एल- 0188145 1966-12-30	इएमसी संगम वर्क्स, इलाहाबाद (उ.प्र.)	IS : 398 (भाग 2)-- 1976	एस.ओ. 370 तिथि 1969-01-25	1982-12-31	
131. सी.एम./एल- 0200311 1969-06-30	श्री विष्णु रोलिंग मिन्स प्रा लि., कलकत्ता-700007	IS : 1029--1970	एस.ओ. 3018 तिथि 1969-07-26	1983-02-15	
132. सी.एम./एल- 0221925 1970-01-22	नेशनल इंडस्ट्रियल जिला बिबूर- 680307 (केरल)	IS : 10 (भाग 3)-- 1974	एस.ओ. 771 तिथि 1970-02-28	1983-01-31	
133. सी.एम./एल- 0224931 1970-02-10	नूट टिम्बर कं. लि., जिला लखीम- पूर (असम)	IS : 10 (भाग 2) --1976	एस.ओ. 1235 तिथि 1970-04-04	1983-02-15	
134. सी.एम./एल- 0255538 1971-02-19	नार्थब्रूक जूट लि., बैराबटी	IS : 4900-1969	एस.ओ. 5037 तिथि 1971-11-06	1982-12-31	
135. सी.एम./एल- 0274138 1971-08-18	हनुमान इंजीनियरिंग वर्क्स, लखनऊ-4	IS : 1783-1979	एस.ओ. 5030 तिथि 1971-11-06	1983-02-28	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
136. सी एम/एल-0286044 1971-12-31	रिमना कंडक्टर्स प्रा. लि., गाजियाबाद (उ. प्र.)	IS : 398(भाग 1) -1976	एम.ओ. 2769 तिथि 1972-10-07	1982-12-31	
137. सी एम/एल-0337439 1971-12-31	इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन गाजियाबाद (उ. प्र.)	IS : 398(भाग 1 और 2)-1976	एम.ओ. 955 तिथि 1975-03-29	1983-01-15	
138. सी एम/एल-0371641 1974-02-14	संदीप मैटल इंडस्ट्रीज अंधेरी (पूर्व) बम्बई	IS : 1660(भाग 1) -1967 IS : 1660(भाग 2) -1972 IS : 1660(भाग 3) -1972 IS : 1660(भाग 4) -1977	एम.ओ. 2082 तिथि 1975-07-05	1983-02-15	
139. सी एम/एल-0388961 1974-07-25	बायासु ब्रमनिया फाउन्डरी, कोयम्बतूर	IS : 325-1978	एम.ओ. 459 तिथि 1976-01-24	1982-12-15	
140. सीएम/एल-0421024 1975-02-12	रिंगल स्टीलवर्कर्स, कलकत्ता-700001	IS : 1186-1971 IS : 2784-1971 IS : 2910-1971	एम.ओ. 2473 तिथि 1976-07-10	1983-02-15	
141. सी एम/एल-0487761 1975-12-12	चैम्पियन निर्दिष्ट कं., तिरुपुर	IS : 4964-1975	एम.ओ. 3083 तिथि 1977-10-07	1982-12-15	
142. सी एम/एल-0500323 1976-02-26	वायर कंडक्टर्स दिल्ली प्रा. लि., गाजियाबाद-201001(उ. प्र.)	IS : 398(भाग 1 और 2)-1976	एम.ओ. 3441 तिथि 1978-12-02	1982-12-31	
143. सी एम/एल-0550136 1976-09-02	मोरघन ब्रॉस राठी स्टील प्रा. लि., दिल्ली-110032	IS : 1786-1979	एम.ओ. 3449 तिथि 1979-10-20	1982-12-31	
144. सी एम/एल-0568155 1976-12-10	कंट्रोल सिस्टम्स, कलकत्ता-700046	IS : 4989-1974	एम.ओ. 3762 तिथि 1979-11-17	1982-12-15	
145. सी एम/एल-0569258 1976-12-10	धनोक स्टील काम्पिंथस, हैदराबाद-501507 उन्नाव (म. प्र.)	IS : 774-1971	-यथोपरि-	1983-02-15	
146. सी एम/एल-0646152 1977-10-19	पोद्दार प्रोजेक्ट्स लि., हैदराबाद-501507	IS : 226-1975	एम.ओ. 921 तिथि 1981-03-21	1983-02-15	
147. सी एम/एल-0654653 1977-11-23	ट्रावनकोर निर्दिष्ट कं., तिरुपुर-638604	IS : 4964-1980	एम.ओ. 1223 तिथि 1981-04-18	1982-11-30	
148. सी एम/एल-0659865 1977-12-20	इंटरनेशनल एजेंसी (इंडिया) कलकत्ता-700061	IS : 1307-1973	एम.ओ. 1222 तिथि 1981-04-18	1982-12-31	
149. सी एम/एल-0660143 1977-12-20	बस्तीराम नारायणदास सारवा जिया नामिक (महाराष्ट्र)	IS : 1925-1974	एम.ओ. 1222 तिथि 1981-04-18	1982-12-31	
150. सी एम/एल-0660244 1977-12-20	आदाम्बिकार्ड निर्दिष्ट कं., तिरुपुर-638604	IS : 4964-1975	-यथोपरि-	1982-12-31	
151. सी एम/एल-0661549 1977-12-22	पीएम इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इलेक्ट्रिकल लि., धाने	IS : 2396-1964	-यथोपरि-	1982-12-31	
152. सी एम/एल-0666963 1978-01-16	द इंडियन टूल मैथ्यू फेकरिंग लि., नामिक-422007(महाराष्ट्र इस्टेट)	IS : 5444-1978	एम.ओ. 1615 तिथि 1981-05-30	1983-01-31	
153. सी एम/एल-0672352 1972-01-31	अजन्ता इलेक्ट्रिक इंडस्ट्रीज, शाहदरा, दिल्ली-110032	IS : 694-1977	एम.ओ. 1615 तिथि 1981-05-30	1983-02-15	
154. सी एम/एल-0678465 1978-02-27	रोट निर्दिष्ट मिन्स, तिरुपुर-638602	IS : 4964-1970	एम.ओ. 1661 तिथि 1981-06-06	1983-02-28	
155. सी एम/एल-0737351 1978-11-27	बसावी इंडस्ट्रीज, गन्तकसा-615801 (प्रा. प्र.)	IS : 694-1977	एम.ओ. 2230 तिथि 1981-08-21	1982-11-30	
156. सी एम/एल-0737758 1978-11-28	माइक्रोवे इंडिया कलकत्ता-700053	IS : 8268-1976	-यथोपरि-	1982-11-30	
157. सी एम/एल-0739459 1978-12-06	कॉर्पोरेशन सर्विस एजेंसी कलकत्ता-700001	IS : 1552-1978	एम.ओ. 2276 तिथि 1981-08-29	1982-12-15	
158. सी एम/एल-0741345 1978-12-13	ए.सी.एस. एंटेड प्लाईमर इंडस्ट्रीज, हावड़ा-711001	IS : 4984-1972	-यथोपरि-	1982-12-15	
159. सी एम/एल-0741547 1978-12-15	निमित्त रबर्स, कानपुर-208022 (उ. प्र.)	IS : 5676-1970	-यथोपरि-	1982-12-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
160. सी एम/एल-0742953 1978-12-20	पिरमाल इंडिया लि., बायस-401506	IS : 6915-1978	एस.ओ. 2276 तिथि 1984-08-29	1982-12-31	
161. सी एम/एल-0744856 1979-01-01	डायमंड इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन, रुड़की-247667 (उ.प्र.)	IS : 2287-1970	एस.ओ. 2277 तिथि 1981-06-29	1983-01-15	
162. सी एम/एल-0752956 1979-02-08	विट्ज ह्यूमिडिफिकेशन (इंडिया) लि. दिल्ली-110007	IS : 366-1976	एस.ओ. 2310 तिथि 1981-09-05	1983-02-28	
163. सी एम/एल-0753049 1979-02-08	-यथोपरि-	IS : 367-1977	-यथोपरि-	1983-02-28	
164. सी एम/एल-0757966 1978-02-28	स्वास्तिक केबल कं., ब्राप. जहांगीरपुरी, दिल्ली	IS : 434 (भाग 1) —1964	-यथोपरि-	1983-02-28	
165. सी एम/एल-0758261 1979-02-28	मैनस्फील्ड केबल्स, जिला गाजियाबाद (उ.प्र.)	IS : 694-1977	-यथोपरि-	1988-02-28	
166. सी एम/एल-0793889 1979-08-22	भार. एम. क्यूटिया एंड संस, नई दिल्ली-110015	IS : 4654-1974	एस.ओ. 3446 तिथि 1981-12-26	1983-03-15	
167. सी एम/एल-0820644 1979-12-11	विटमैन बलियान प्राइवेट्स, तिरुवर-638804	IS : 4964-1975	एस.ओ. 2320 तिथि 1982-07-03	1982-12-15	
168. सी एम/एल-0821040 1979-12-12	मेघालय निर्दिग मिल्स, तिरुवर-638804	IS : 4964-1975	-यथोपरि-	1982-12-15	
169. सी एम/एल-0821940 1979-12-15	बिन्नावन एलाय लि., बंगलौर-560058	IS : 1786-1979	एस.ओ. 2320 तिथि 1982-07-03	1982-12-15	
170. सी एम/एल-0823347 1979-12-20	पायनियर डिम्बर मिशनर्स प्रा. लि., डिब्रूगढ़ (असम)	IS : 10 (भाग 2) —1976	एस.ओ. 2320 तिथि 1982-07-03	1982-12-31	
171. सी एम/एल-0827860 1979-12-31	कालाभाई कारमन एंड संस बम्बई-400079 (महाराष्ट्र)	IS : 6555-1972	-यथोपरि-	1983-01-15	
172. सी एम/एल-0828357 1980-01-04	लालसंस, नई दिल्ली-110020	IS : 1705-1977	एस.ओ. 3104 तिथि 1982-09-03	1983-01-15	
173. सी एम/एल-0828458 1980-01-04	-यथोपरि-	IS : 8931-1978	-यथोपरि-	1983-01-15	
174. सी एम/एल-0828761 1980-01-04	-यथोपरि-	IS : 781-1977	-यथोपरि-	1983-01-15	
175. सी एम/एल-0828862 1980-01-04	-यथोपरि-	IS : 8934-1978	-यथोपरि-	1983-01-15	
176. सी एम/एल-0830243 1980-01-11	ठाकुर इंडस्ट्रीज, बम्बई-400093	IS : 1554 (भाग 1) —1976	-यथोपरि-	1983-01-15	
177. सी एम/एल-0830849 1980-01-14	इंडियन रोलिंग मिल्स, कानपुर- (उ.प्र.)	IS : 226-1975	एस.ओ. 3104 तिथि 1982-09-04	1983-01-15	
178. सी एम/एल-0832247 1980-01-18	प्रधान स्टील मिल्स कानपुर (उ.प्र.)	IS : 226-1975	-यथोपरि-	1983-01-31	
179. सी एम/एल-0832440 1980-01-18	मदरसंस, जिला गाजियाबाद	IS : 1554 (भाग 1) —1976	-यथोपरि-	1983-03-15	
180. सी एम/एल-0833249 1980-01-23	इंडिया जूट कं. लि., जिला हुगली (प.ब.)	IS : 1943-1964	-यथोपरि-	1982-11-30	
181. सी एम/एल-0834453 1980-01-28	नार्थवुड अंड कं. लि., जिला हुगली (प.ब.)	IS : 1943-1964	-यथोपरि-	1982-12-31	
182. सी एम/एल-0834554 1980-01-28	-यथोपरि-	IS : 2874-1964 और IS : 3751-1966	-यथोपरि-	1982-12-31	
183. सी एम/एल-0837661 1980-02-20	नर्मदी स्टील वर्क्स प्रा. लि., बंगलौर-560022	IS : 226-1974	एस.ओ. 3445 तिथि 1982-10-02	1983-02-28	
184. सी एम/एल-08142149 1980-02-20	जैराओ एंड कंपनी सोनीपत (हरियाणा)	IS : 4654-1974	-यथोपरि-	1983-03-15	
185. सी एम/एल-0887171 1980-07-31	सतीश एंड प्रा. लि., जिला गुरुदासपुर	IS : 458-1971	एस.ओ. 4533 तिथि 1973-12-17	1983-01-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
186. सी एम/एल-0914048 1980-11-20	बेल्सारी स्टील रोलिंग मिल्स, बेल्सारी	IS: 226-1975	एस. प्रो. 644 तिथि 1984 03 03	1982-11-30	
187. सी एम/एल-0914148 1980-11-20	-यथोपरि-	IS: 1786-1979	-यथोपरि-	1982-11-30	
188. सी एम/एल-0921145 1980-12-09	एशियन आयरन कंपनी बम्बई 400009	IS: 335-1972	एस. प्रो. 1591 तिथि 1984 05 12	1982-12-15	
189. सी एम/एल-0921246 1980-12-09	ट्रान्समिशन वायरस एंड एम्बेसीज, मैसूर-570002	IS: 398 (भाग 1)- 1976 IS: 398 (भाग 2)- 1976	-यथोपरि-	1982-12-15	
190. सी एम/एल-0922248 1980-12-10	एकमे सजिकल एंड ड्रेसिंग मरठ (उ. प्र.)	IS: 758-1975			-यथोपरि-
191. सी एम/एल-0923452 1980-12-15	इस्टर्न स्टील एंड एलाएस क. लि., जिला-गोयलपाड़ा, असम	IS: 226-1975	-यथोपरि-	1982-12-31	
192. सी एम/एल-0923553 1980-12-15	-यथोपरि-	IS: 1977-1975	-यथोपरि-	1982-12-31	
193. सी एम/एल-0924656 1980-12-18	एकमे सजिकल एंड ड्रेसिंग, मरठ (उ. प्र.)	IS: 863-1969	-यथोपरि-	1982-12-15	
194. सी एम/एल-0925153 1980-12-24	श्री लक्ष्मण रोलिंग मिल्स, कानपुर (उ. प्र.)	IS: 226-1975	एस. प्रो. 1591 तिथि 1984-05-12	1982-12-31	
195. सी एम/एल-0926458 1980-12-29	स्टैल्स केबल्स प्रा. लि., बगलौर जिला	IS: 1554 (भाग 1) - 1976	-यथोपरि-	1983-01-15	
196. सी एम/एल-0927965 1980-12-31	सरारे प्लास्टिक्स राय बरेली (उ. प्र.)	IS: 7834-1975	-यथोपरि-	1983-01-15	
197. सी एम/एल-0929464 1980-12-31	के.ए. ईलेक्ट्रिकल एंड एलायड इंजीं. कं. लि. कोबीन-682305	IS: 2208-1982	-यथोपरि-	1983-01-15	
198. सी एम/एल-0929868 1981-01-06	अधवाल स्टील इंड. बम्बई 400059	IS: 1786-1979	एस. प्रो. 1830 तिथि 1984-06-09	1983-01-15	
199. सी एम/एल-0930752 1981-01-08	व जयम गैर बक्स, जिवकाणी (तमिलनाडु)	IS: 2653-1964	-यथोपरि-	1983-01-15	
200. सी एम/एल-0932857 1981-01-20	प्रेसिजन गल्वानिजिंग वर्क्स, फरीदाबाद	IS: 280-1978	-यथोपरि-	1983-01-31	
201. सी एम/एल-0934356 1981-01-23	अनुसूया इन्फ्रामेंट इंजीनियर्स, सांगली 416416 (महाराष्ट्र)	IS: 6595-1972	-यथोपरि-	1983-01-31	
202. सी एम/एल-0937261 1981-01-31	वेब (इंडिया) प्रा. लि. 'आ. प्रो. सी. राय एवेन्स, दुर्गापुर-713201	IS: 814 (भाग 1 और 2) 1974	एस. प्रो. 1830 तिथि 1984-06-03	1983-02-15	
203. सी एम/एल-0937665 1981-01-31	प्रेसिजन स्टील एंड इंजीनियरिंग, वर्क्स, 40/4, मथुरा रोड, फरीदाबाद 121003	IS: 280-1978	-यथोपरि-	1983-01-31	
204. सी एम/एल-0939265 1981-02-05	भारत स्टील इंडस्ट. हैदराबाद	IS: 7452-1974	एस. प्रो. 4241 तिथि 1984 12 08	1983-02-15	
205. सी एम/एल-0939467 1981-02-08	अरुण इंजी. इंडस्ट्री (पी.) लि., बम्बई-400055	IS: 996-1964	-यथोपरि-	1983-02-15	
206. सी एम/एल-0940452 1981-02-09	एम. एम. इंडस्ट्री, हावड़ा	IS: 7406 (भाग 2) 1980	-यथोपरि-	1983-02-15	
207. सी एम/एल-0944359 1981-02-16	दिल्ली वेयर प्राइवेट्स क., नई दिल्ली-110037	IS: 9031-1979	-यथोपरि-	1983-02-28	
208. सी एम/एल-0944662 1981-02-16	रायल कोल्ड स्टील री रोलिंग मिल्स, कानपुर (उ. प्र.)	IS: 226-1975	-यथोपरि-	1983-02-28	
209. सी एम/एल-0945967 1981-02-22	इस्टर्न गैस ए-सायन्स कृष्णा (हरियाणा)	IS: 4246-1978	एस. प्रो. 4241 तिथि 1984-12-08	1983-02-28	
210. सी एम/एल-0947567 1981-02-27	हिमालायन इंडस्ट्रीज, त्रिपुरा	IS: 4948-1972	-यथोपरि-	1983-09-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
211. सी एम/एल-0948569 1981-02-27	इंडियन केबल्स, धियानी-125021	IS: 694-1977	एस.ओ. 4241 तिथि 1984-12-08	1983-02-28	
212. सी एम/एल-1014521 1981-11-30	लुना निटर्स, निरुपुर-638604 (त.ना.)	IS: 4964-1975	एस.ओ. 1016 तिथि 1985-03-09	1982-12-15	
213. सी एम/एल-1016222 1981-12-09	ए.पी. स्टेट एग्री इंडस्ट्री बयलपमेंट कार्पो., लि., करनूल (आ.प्र.)	IS: 7122-1975	एस.ओ. 1021 तिथि 1985-03-09	1982-12-15	
214. सी एम/एल-1017426 1981-12-10	सु.ता.आयर्न एंड स्टील कं. निलुहा, हावड़ा	IS: 1729-1979	-यथोपरि-	1982-12-15	
215. सी एम/एल-1017527 1981-12-10	नेशनल इंजी. कं. लि., मद्रास-600053	IS: 1786-1979	-यथोपरि-	1982-12-15	
216. सी एम/एल-1017931 1981-12-11	नेशनल आयर्न एंड स्टील कं., हावड़ा (प.ब.)	IS: 1875-1971	एस.ओ. 1021 तिथि 1985-03-09	1982-12-15	
217. सी एम/एल-1019531 1981-12-15	प्रिन्सिपल इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली-110028	IS: 2548-1967	-यथोपरि-	1982-12-31	
218. सी एम/एल-1022823 1981-12-24	देवदयाल (सेल्स) प्रा.लि., बम्बई-400010	IS: 5277-1978	-यथोपरि-	1982-12-31	
219. सी एम/एल-1024221 1981-12-30	जयश्री केबल्स एंड ईला. वर्क्स, सनेम जिला, तमिलनाडु	IS: 694-1977	-यथोपरि-	1983-01-15	
220. सी एम/एल-1025930 1982-01-07	बैक्स प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज, मलेम-636006	IS: 4654-1974	एस.ओ. 1295 तिथि 1985-03-30	1983-01-15	
221. सी एम/एल-1026225 1982-01-08	गान्धी रिकाइजरीज, आगरा-282006 (उ.प्र.)	IS: 4654-1974	-यथोपरि-	1983-01-15	
222. सी एम/एल-1026629 1982-01-08	यूनाइटेड बेनीयर मैस्यु. कं., कलकत्ता-700067	IS: 10 (भाग 2)- 1976	-यथोपरि-	1983-01-15	
223. सी एम/एल-1028128 1982-01-12	जयश्री केबल्स एंड इंजीनियरिंग वर्क्स मधुर डम-636403 (तमिलनाडु)	IS: 1554 (भाग 1)- 1976	एस.ओ. 1295 तिथि 1985-03-30	1983-01-31	
224. सी एम/एल-1028633 1982-01-12	स्टार ग्राइंडर वर्क्स प्रा.लि., हावड़ा	IS: 2486 (भाग 1) 1971	एस.ओ. 1295 तिथि 1985-03-31	1983-01-31	
225. सी एम/एल-1034325 1982-02-05	लापबाबा ट्यूब कं., हावड़ा कलकत्ता	IS: 1239 (भाग 1)- 1979	एस.ओ. 1397 तिथि 1985-04-06	1983-02-15	
226. सी एम/एल-1035024 1982-02-09	-यथोपरि-	IS: 1161-1979	-यथोपरि-	1983-02-15	
227. सी एम/एल-1035327 1982-02-09	न्यू मेन्ट्रल जूट मिल्स कं.लि., जिला 24-परगना	IS: 7407 (भाग 3)- 1980	-यथोपरि-	1983-02-15	
228. सी एम/एल-1035630 1982-02-09	इस्तेन मैनुफैक्चरिंग कं. लि., जिला 24-परगना, पश्चिमी बंगाल	IS: 1943-1964	-यथोपरि-	1983-02-15	
229. सी एम/एल-1036531 1982-02-10	जोहर सेल्स (इंडिया) दिल्ली-110051	IS: 863-1969	एस.ओ. 1397 तिथि 1985-04-06	1983-02-15	
230. सी एम/एल-1038838 1982-02-16	मार्थ बुक जूट कं. लि., जिला हुगली (पश्चिमी बंगाल)	IS: 3790-1971	एस.ओ. 1397- तिथि 1985-04-06	1982-12-31	

[सं. सी एम जी/ 13 : 14]

बी. एन. सिंह, अपर महानिदेशक

SO.1357— In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations mentioned in the 1955, as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Certification Marks Licences, details of which are following Schedule, have lapsed or their renewals deferred, effective from the dates shown in Column 6.

## THE SCHEDULE

Sl. Licence No. (CM/L— ) No.	Licencee	IS No.	S.O. No. & Date of the Gazette Notifying Grant of Licence.	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
<b>LICENCES LAPSE</b>				
1. CM/L 0066535 1964-05-07	Mukund Iron & Steel Works, Bombay—400070	IS:226-1975	S.O. 2173 dated 1964-06-20	Renewal was deferred after 1982-12-15; the licence now stands lapsed after that date.
2. CM/L 006636 1964 05 07	-do-	IS:1977-1975	-do-	-do-
3. CM/L 0085438 1964 11 28	Delta Jute & Industries Ltd., Manickpore	IS:3790-1971	S.O. 79 dated 1965-01-02	Lapsed after 1982-11-30
4. CM/L 0085640 1964 11 28	Chiviot Co. Ltd, Budge Budge	IS:2818(Part II) —1971	-do-	Lapsed after 1982-11-30
5. CM/L 0087139 1964 11 28	Naddeo mills Co. Ltd. Mathati	IS:3790-1971	-do-	Lapsed after 1982-11-30
6. CM/L 0169949 1968 05 16	Golden Steel Corporation, Howrah	IS:1977-1975	S.O. 2425 dated 1968-07-06	Lapsed after 1982-11-15
7. CM/L 0214625 1969 11 24	Travancore Chemical & Manu- facturing Co. Ltd., Elloor, Udyogmandal P.O. (Kerala)	IS:561-1978	S.O. 5045 dated 1969-12-27	Lapsed after 1982-12-31
8. CM/L 00224022 1970 02 09	A.J. Lopez & Sons, Ernakulam, Cochin-682018 (Kerala)	IS:10(Pt III) 1974	S.O. 1235 dated 1970-04-04	Renewal was deferred after 1982-06-15; the licence now stands lapsed after that date.
9. CM/L 0267242 1971 04 28	Howrah Mills Co. Ltd, Howrah	IS:4900-1969	S.O. 3741 dated 1971-10-09	Lapsed after 1982-11-30
10. CM/L 0280739 1971 11 11	Singh Engineering Works Pvt., Ltd, Kanpur	IS:226-1975	S.O. 403 dated 1972-02-27	Lapsed after 1982-11-15
11. CM/L 0285345 1971 12 23	Venkateswara Agro Chemicals and Minerals, Madras-600053	IS:564-1975	S.O. 2769 dated 1972-10-07	Lapsed after 1982-11-30
12. CM/L 0286953 1972 01 14	New Central Jute Mills Co. Ltd. (Albion Mills), Budge Budge	IS:4900-1969	S.O. 2777 dated 1972 10 07	Renewal was deferred after 1982-11-30; the Licence now stands lapsed after that date.
13. CM/L 0295146 1972 02 28	Rainbow Surgical Dressing Mfg. Co. Ahmedabad.	IS:863-1969	S.O. 2801 dated 1972-10-14	Renewals was deferred after 1982-02-31; the licence now stands for lapsed after that date.
14. CM/L 0314629 1972 08 29	Gujarat Metal Box Co., Ahmeda- bad-380002 (Gujarat)	IS:916-1975	S.O. 3471 dated 1973-12-15	Lapsed after 1982-08-31
15. CM/L 0339746 1973-04-30	Partap Steel Rolling Mills (Am- ritsar) Pvt. Ltd, Chheharta	IS:2062-1980	S.O. 875 dated 1975-03-32	Lapsed after 1982-05-15
16. CM/L 0340024 1973 04 30	Partap Steel Rolling Mills (Am- ritsar) Pvt. Ltd, Chheharta	IS:432(Part I) 1966	-do-	Lapsed after 1982-05-15
17. CM/L 0350835 1973-08-08	Indiohem, Ahmedabad-380001	IS:564-1975	S.O. 1333 dated 1975-03-03	Lapsed after 1983-10-15
18. CM/L 0354641 1973-09-19	Rainbow Surgical Dressing Mfg. Co., Ahmedabad.	IS:758 1975	S.O. 1389 dated 1975-03-03	Lapsed after 1982-03-31
19. CM/L-0370336 1974-02-06	Hindustan Wires Ltd, Faridabad (Haryana)	IS:1785(Pt-I) 1966 and IS:1785(Pt-II)- 1967	S.O. 2082 dated 1975-07-05	Lapsed after 1983-01-31
20. CM/L-0395756 1974-09-19	Assam Valley Plywood Pvt. Ltd. Tinsukia (Assam)	IS:303-1975	S.O. 1762 dated 1976-05-29	Renewal was deferred after 1981-09-30; the licence now stands lapsed after that date



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
21. CM/L-0414330 1975-10-13	SMP Pvt. Ltd., Bombay-400060	IS:564-1975	S.O. 2465 dated 1976-07-10	Renewal was deferred after 1981-12-15; the licence now stands lapsed after that date.	
22. CM/L-0428745 1975-04-03	Partap Steel Rolling Mills (Amritsar). Pvt. Ltd., Chheharta	IS:6914-1978	S.O. 3550 dated 1976-10-09	Lapsed after 1982-10-15	
23. CM/L-0428846 1975-04-03	-do-	IS:6915-1978	S.O. -do-	Lapsed after 1982-05-15	
24. CM/L-0434538 1975-04-25	Jai Kisan Agro Industries, Indore	IS:2052-1979	S.O. 3550 dated 1976-10-09	Lapsed after 1982-11-15	
25. CM/L-0434942 1975-04-25	Partap Rolling Mills (Amritsar) Pvt. Ltd., Chheharta (N. Rly)	IS:3195-1975	-do-	Lapsed after 1982-05-15	
26. CM/L-0438849 1975-04-23	Oriental Metal Pressing Works Pvt. Ltd., Bombay-400018	IS:4246-1978	S.O. 3523 dated 1976-10-16	Renewal was deferred after 1982-03-15 the licence now stands lapsed after that date.	
27. CM/L-0446949 1975-07-04	New Precision (India) Ltd., Dewas (MP)	IS:1601-1960	S.O. 3914 dated 1976-10-30	Lapsed after 1981-07-15	
28. CM/L-0464650 1975-09-22	Mitral Mining Co. Pvt. Ltd., Anantpur-513455 (A.P.)	IS:561-1978	S.O. 832 dated 1977-03-19	Renewal was deferred after 1982-10-15 the licence now stands lapsed after that date	
29. CM/L-0470340 1975-10-15	Rohtas Industries Ltd, Dalmia nagar, Distt. Rohtas (Bihar)	IS:1848-1971	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Renewal was deferred after 1982-11-15 the licence now stands lapsed after that date	
30. CM/L-0484250 1975-11-26	Singh Alloys & Steels Ltd, Calcutta 7000054	IS:6914-1978	S.O. 1147 dated 1977-04-16	Renewal was deferred after 1981-11-30 the licence now stands lapsed after that date.	
31. CM/L-049049 1976-01-01	Ishar Alloy Steels Pvt. Ltd., Sukhalia, Indore (M.P.)	IS:2879-1975	S.O. 1312 dated 1977-05-07	Lapsed after 1983-01-31	
32. CM/L-0495959 1976-01-15	Oyster Packers Pvt. Ltd., Howrah (W. Bengal)	IS:7506 (Pt I)- — 1974	S.O. 1312 dated 1077-05-07	Renewal was deferred after 1981-06-15; the licence now stands lapsed after that date.	
33. CM/L-0496055 1976-01-15	Nagaland Forest Products Ltd. P.O. Tijiit, Via Sonary Distt. Mon (Nagaland)	IS:10 (Part II)- 1976	-do-	Renewal was deferred after 1982-09-30; the licence now stands lapsed after that date.	
34. CM/L-0516742 1976-04-29	Partap Steel Rolling Mills, (Am- ritsar. Pvt. Ltd., Chheharta (N. Rly).	IS:8053-1976	S.O. 314 dated 1979-01-27	Lapsed after 1982-05-15	
35. CM/L-0524034 1976-05-21	International Pipe Works, Howrah	IS:1239 (Pt II)- 1969	S.O. 954 dated 1975-03-17	Renewal was deferred after 1982-05-31; the licence now stands lapsed after that date.	
36. CM/L-535241 1976-07-14	Crown Surgical Dressing Mfg. Co., Bombay-4000070	IS:863-1969	S.O. 1226 dated 1979-04-14	Renewal was deferred after 1982-07-15; the licence now stands lapsed after the date.	
37. CM/L-0536445 1976-07-14	Krishna Chemical Industries, Bhagalpur-812002	IS:1307-1973	S.O. 1226 dated 1979-04-14	Renewal was deferred after 1982-07-15; the licence now stands lapsed after that date.	
38. C/L-0542339 1976-08-09	-do-	IS:1308-1974	S.O. 3543 dated 1979-10-20	Renewal was deferred after 1982-07-15; the licence now stands lapsed after that date.	
39. CM/L-0543442 1976-08-16	PAB (India) Pvt. Ltd. Meerut, (U.P.)	IS:694-1977	-do-	Renewal was deferred after 1982-03-31; the licence Now stands lapsed after that date.	
40. CM/L-0557150 1976-10-15	Agro Products, Baroda-390009 (Gujarat)	IS:564-1975	S.O. 3550 dated 1979-10-20	Lapsed after 1982-12-15	
41. CM/L-0560139 1976-10-29	Partap Steel Rolling Mills. Amritsar. Pvt. Ltd., Partap Estate, Chheharta	IS:7283-1974	-do-	Lapsed after 1982-05-16	
42. CM/L-0560240 1976-10-29	Partap Steel Rolling Mills (Am- ritsar) Pvt. Ltd., Pratap Estate, Chheharta	IS:4432-1967	S.O. 3550 dated 1979-10-20	Lapsed after 1982-05-16	
43. CM/L-0560341 1976-11-05	-do-	IS:2255-1977	-do-	Lapsed after 1982-05-05	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
44. CM/L-0551843 1976-11-85	Partap Steel Rolling Mills (Amritsar) Pvt. Ltd., Partap Estate, Chheharta	IS : 8055—1976	S.O. 3761 dated 1979-11-17	Lapsed after 1982-05-16	
45. CM/L-0561747 1976-11-05	Partap Steel Rolling Mills (Amritsar) Pvt. Ltd., Partap Estate, Chheharta	IS : 8052—1976	S.O. 3761 dated 1979-11-17	Lapsed after 1982-05-16	
46. CM/L-0568761 1976-12-10	-do-	IS : 8051—1975	S.O. 3751 dated 1979-11-17	Lapsed after 1982-05-15	
47. CM/L-0613033 1977-03-27	Shahadara Industrial Oil Suppliers & Manufacturers Pvt. Ltd., New Delhi-110056	IS : 1115—1973	S.O. 283 dated 1981-01-24	Renewal was deferred after 1981-12-31 the licence now stands lapsed after that date	
48. CM/L-0623642 1977-07-08	Ramkrishna Prasad Pesticides, Koppuravuru, Near Nambur (R.S.) Pin-522508	IS : 565—1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	Renewal was deferred after 1981-06-30; the licence now stands lapsed after that date	
49. CM/L-0625545 1977-07-20	Ramkrishna Prasad Pesticides, Koppuravuru, Near Nambur (R.S.)-522508	IS : 564—1975	-do-	Renewal was deferred after 1981-06-30; the licence now stands lapsed after that date	
50. CM/L-0638251 1977-08-31	Partap Steel Rolling Mills, (Amritsar) Pvt. Ltd., Chheharta	IS : 4431—1978	S.O. 755 dated 1981-03-07	Lapsed after 1982-05-15	
51. CM/L-0639859 1977-09-14	General Aluminium Corporation, Bangalore-560022	IS : 204—1974	S.O. 920 dated 1981-03-21	Lapsed after 1982-10-31	
52. CM/L-0645450 1977-10-12	President Industries, Bhavnagar-364001	IS : 564—1975	S.O. 921 dated 1981-03-21	Lapsed after 1983-02-15	
53. CM/L-0660850 1977-12-20	Agro Input Pvt. Ltd., Kumarapattanam Post-581123, Kavalothu Village, Ranibenmur Taluk, Dharwar Distt	IS : 561—1978	S.O. 1222 dated 1981-04-18	Renewal was deferred after 1981-12-31; the licence now stands lapsed after that date	
54. CM/L-0660951 1977-12-20	Agro Inputs Pvt. Ltd., Kumarapattanam Post, Kavalottu Village, Ranibennur Taluk, Dharwar Dist. Near Harihar R.S. (Karnataka)	IS : 2568—1978	S.O. -do-	Lapsed after 1982-12-31	
55. CM/L-0661246 1977-12-22	-do-	IS : 4323—1967	-do-	Lapsed after 1982-12-31	
56. CM/L-0681353 1978-02-28	Gupta Bakelite Factory, Delhi-110007	IS : 371—1979	S.O. 1661 dated 1981-06-06	Renewal was deferred after 1981-08-31; the licence now stands lapsed after that date	
57. CM/L-0681454 1978-02-28	Sharpedge Limited, New Delhi-110010/020	IS : 7370—1974	-do-	Lapsed after 1983-03-15	
58. CM/L—0690556 1978-03-29	Universal Steel & Alloya Ltd., Faridabad	IS : 8052—1976	S.O. 1664 dated 1981-06-06	Lapsed after 1982-12-31	
59. CM/L—0697873 1978-04-18	Arun Sabun Udyog pvt. Ltd., Jaipur-302012 (Rajasthan)	IS : 285—1974	S.O. 1725 dated 1981-06-13	Lapsed after 1982-11-15	
60. CM/L—0706141 1978-06-19	Addisons Paints & Chemicals Ltd., Madras 600 011 (Tamil Nadu)	IS : 5410—1969	S.O. 2002 dated 1981-07-25	Renewals was deferred after 1982-06-30; the licence now stands lapsed after that date	
61. CM/L—0713643 1978-07-28	Sahasradhara Industries, Gurgaon	IS : 4654—1974	S.O. 2176 dated 1981-08-15	Renwal was deferred after 1982-07-31; the licence now stands lapsed after that date	
62. CM/L-0728858 1978-10-23	Tropical Agrosystems Pvt. Ltd., Madras 600058 (TN)	IS : 2568—1978	S.O. 2218 dated 1981-08-22	Lapsed after 1982-10-31	
63. CM/L-0736150 1978-11-23	Wadbro (India) Pvt. Ltd, Ghaziabad (U.P.)	IS : 4654—1974	S.O. 2270 dated 1981-08-29	Renewal was deferred after 1982-06-15; the licence now stands lapsed after that date	
64. CM/L—0744755 1978-12-29	U.P.State Leather Develop- ment & Marketing Co-opera- tion Ltd., Sadar Bhatti Agra (UP)	IS : 583—1969	S.O. 2276 dated 1981-08-29	Lapsed after 1982-12-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
65. CM/L- 0777669 1979-05-24	Kushal Metal & Paint Industries, New Delhi-110P10/020	IS : 5410 - 1969	S.O. 3177 dated 1981-11-21	Renewal was deferred after 1981-05-31; the licence now stands lapsed after that date	
66. CM/L - 0792766 1979-08-16	Mano Tax, Tirupur 638602	SI : 4964 - 1980	S.O. 3445 dated 1981-12-26	Lapsed after 1982-08-31	
67. CM/L- 0805951 1979-10-16	Dilkash Beedi Factory, Hoderabad-500012	IS : 1925 - 1974	S.O. 1771 dated 1982-05-15	Lapsed after 1982-08-31	
68. CM/L - 0808553 1979-10-19	Everest Knitting Co. Tirupur 638601	IS : 4964 - 1980	-do-	Lapsed after 1982-10-31	
69. CM/L - 0809959 1979-10-29	Jakhodia Engineering Works, Kanpur 208P10/010	IS : 226 - 1975	-do-	Lapsed after 1982-11-15	
70. CM/L-0810237 1979-10-29	G.K. Steels & Industries, Coimbatore-641017	IS : 1977- 1975	S.O. 1771 dated 1982-05-15	Renewal was deferred after 1981-11-15; the licence now stands lapsed after that date	
71. CM/L-0810439 1979-10-29	Laboratory & Industrial Chemicals, Madras 600029 (T.N.)	IS : 695 - 1975	-do-	Lapsed after 1982-11-15	
72. CM/L-0816047 1979-11-21	Indian Petrolin, Delhi-110052	IS : 4654- 1974	S.O. 1832 dated 1982-05-22	Renewal was deferred after 1982-03-31; the licence now stands lapsed after that dated	
73. CM/L-0817150 1979-11-29	Maula Bukhsh Sons & Co, Kanpur-208001 (UP)	IS : 583 - 1969	-do-	Lapsed after 1982-12-15	
74. CM/L-0818859 1979-11-30	Super Industries, Naroda-382330, Ahmedabad (Gujarat)	IS : 633 - 1975	-do-	Lapsed after 1982-12-15	
75. CM/L-0819255 1979-11-30	Steel tubes of India Ltd. Dewas 455001 (M.P.)	IS : 1239 (Part I) - 1979	-do-	Lapsed after 1982-12-15	
76. CM/L-0824854 1979-12-24	Nuddea Mills Co. Ltd., Naihati	IS : P10/3668 1966 P10/3794-1966	S.O. 2320 dated 1982-07-03	Lapsed after 1982-11-30	
77. CM/L-0825048 1979-12-24	Howrah Mills Co. Ltd, Howrah	IS : 3794- 1966	-do-	Lapsed after 1982-11-30	
78. CM/L-0825149 1979-12-24	-do-	IS : 2875 - 1964 IS : 3750 - 1966	-do-	Lapsed after 1982-11-30	
79. CM/L-0831049 1980-01-29	Netaji Industrial Works, P.O. Biliatore, Distt. Bankura East Bengal	IS : 226- 1975	S.O. 3104 dated 1982-09-01	Renewal was deferred after 1982-06-30; the licence now stands lapsed after that date	
80. CM/L-0843757 1980-02-29	Subhash Chander Kathuria, New Delhi-110015	IS : 4654- 1974	S.O. 3445 dated 1982-10-02	Renewal was deferred after 1982-06-30; the licence now stands lapsed after that date	
81. CM/L-0873160 1980-06-05	Bharat Steel Rolling Mills, Faridabad (Haryana)	IS : 226 - 1974	S.O. 4459 dated 1983-12-10	Renewal was deferred after 1981-06-15; the licence now stands lapsed after that date	
82. CM/L-0881866 1980-07-23	Best & Crompton Engineering Ltd., Bangalore-560011 (Karnataka)	IS : 325 - 1976 & IS : 1520 - 1972	S.O. 4533 dated 1983-12-17	Renewal was deferred after 1982-07-31; the licence now stands lapsed after that date	
83. CM/L-0884266 1980-07-29	Hindustan Pulverising Mills, Bombay-400098	IS : 2567- 1978	-do-	Renewal was deferred after 1981-07-15; the licence now stands lapsed after that date	
84. CM/L-0884367 1980-07-29	-do-	IS : 633 - 1975	S.O. 4533 dated 1983-12-17	Renewal was deferred after 1981-07-15; the licence now stands lapsed after that date	
85. CM/L-0892265 1980-08-22	Kannappiran Steel Re-rolling Mills Coimbatore-641001	IS : 226 - 1975	S.O. 4531 dated 1983-12-17	Renewal was deferred after 1982-08-31; the licence now stands lapsed after that date	
86. CM/L 0894774 1980-08-30	Modi Paint & Varnish Works Modinagar Distt Ghazalabad	IS : 5410- 1969	-do-	Renewal was deferred after 1982-09-15; the licence now stands lapsed after that date	
87. CM/L 0899683 1980-09-18	Hopo (India) Ltd Punch Steel Division P.O. Shahgunge Distt. Hooghly W.B.	IS : 1875 - 1978	S.O. 4614 dated 1983-12-24	Renewal was deferred after 1982-09-30; the licence now stands lapsed after that date	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
88. CM/L 0903345 1980-09-30	Ram Kishan Metal Works (Bombay) Thane Maharashtra	IS : 5522—1978	S.O. 4614 dated 1983-12-24	Renewal was deferred after 1981-10-15; the licence now stands lapsed after that date	
89. CM/L 0904347 1980-10-10	Gujarat Agro Industries Corp. Ltd., Ahmedabad 382330 (Gujarat)	IS : 7122—1973	S.O. 4613 dated 1983-12-24	Renewal was deferred after 1982-10-15; the licence now stands lapsed after that date	
90. CM/L 0907353 1980-10-21	Indichem Ahmedabad-382445 Gujarat	IS : 2567—1978	-do-	Renewal was deferred after 1981-10-31; the licence now stands lapsed after that date	
91. CM/L-0909660 1980-10-29	Ganga Steel Re-Rolling Mills Kumhari Distt. Durg. (M.P.)	IS : 1786—1979	-do-	Lapsed after 1982-11-15	
92. CM/L-0911243 1980-10-31	Prem Products Ahmedabad-380025 (Gujarat)	IS : 1011—1968	-do-	Lapsed after 1982-11-15	
93. CM/L-0913146 1980-11-10	National Paint Manufacturers Bharatpur (Rajasthan)	IS : 427—1965	S.O. 644 dated 1984-03-03	Lapsed after 1982-11-15	
94. CM/L 0916051 1980-11-21	Sureja Timber Yamunanagar	IS : 10 (Pt III)— 1974	-do-	Lapsed after 1982-11-30	
95. CM/L—0916152 1980 11-21	Steel Krafts Panipat (Haryana)	IS : 1161—1979	-do-	Renewal was deferred after 1981-11-30; the licence now stands lapsed after that date	
96. CM/L—0921650 1980-12-09	Maha Gujarat Steel Rolling Mills Odhav 382410 Distt. Ahmedabad	IS : 1977—1975	S.O. 1591 dated 1984-05-12	Lapsed after 1983-12-15	
97. CM/L—0926256 1980-12-29	Metal Tubes Pvt. Ltd., Panipat 132103 (Haryana)	IS : 1161—1979	-do-	Renewal was deferred after 1981-12-31; the licence now stands lapsed after that date	
98. CM/L—0928563 1980-12-31	Petroleum Products Mfg. Society Vithalvadi-364001 (Gujarat)	IS : 7401—1974	-do-	Lapsed after 1983-01-15	
99. CM/L-0929363 1980-12-31	Sri Rangavilles Ginning, Spinning & Weaving Mills, Coimbatore-641004	IS : 834—1975	S.O. 1591 dated 1984-05-12	Lapsed after 1983-01-15	
100. CM/L-0935156 1981-01-27	B.R. Steel Products Pvt. Ltd, Bombay-400037	IS : 280—1978	S.O. 1830 dated 1984-06-09	Renewal was deferred after 1982-02-15; the licence now stands lapsed after that date	
101. CM/L-0938364 1981-01-31	Globe Engineering Co., New Delhi-110015	IS : 3793—1966	-do-	Lapsed after 1983-02-15	
102. CM/L-0939669 1981-02-06	Victory Battens, Chalakydy, Trichur Distt. (Kerala)	IS : 10 (Pt III)— 1974	S.O. 4241 dated 1984-12-08	Renewal was deferred after 1982-02-15; the licence now stands lapsed after that date	
103. CM/L-0942860 1981-02-13	Beama Manufacturers Pvt. Ltd., Madras-600058 (T.N.)	IS : 6595—1972 & IS : 7538—1975	-do-	Renewal was deferred after 1982-02-26; the licence now stands lapsed after that date	
104. CM/L-0948266 1981-02-27	Vipin Kumar Oberoi & Co, Yamunanagar-136001	IS : 10 (Pt III)— 1974	-do-	Renewal was deferred after 1982-03-15; the licence now stands lapsed after that date	
105. CM/L-0961561 1981-04-03	Arihant Steel & Alloys Ltd., Muzaffarnagar (U.P.)	IS : 6914—1978	S.O. 323 dated 1985-01-26	Renewal was deferred after 1982-04-15; the licence now stands lapsed after that date	
106. CM/L-0961662 1981-04-03	Arihant Steel & Alloys Ltd., Muzaffarnagar (U.P.)	IS : 6915—1978	-do-	Renewal was deferred after 1982-04-15; the licence now stands lapsed after that date	
107. CM/L-0965165 1981-04-25	Pankaj Timber Industries, Yamuna Nagar -135001	IS : 10 (Pt III)— 1974	-do-	Lapsed after 1982-04-30	
108. CM/L-0969678 1981-05-13	Hindustan Insecticides Industries, Ltd., New Delhi-110015	IS : 565—1975	S.O. 326 dated 1985-01-26	Renewal was deferred after 1982-05-15; the licence now stands lapsed after that date	
109. CM/L-0980464 1981-07-07	Shree Hanuman Industries, Post : Nimpura, Kharagpur	IS : 1786—1979	S.O. 749 dated 1985-02-23	Renewal was deferred after 1982-07-15; the licence now stands lapsed after that date	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
110. CM/L-0983470 1981-07-23	Sunali Textile Corpn, Ahmedabad	IS : 5405—1980	S.O. 749 dated 1985-02-23	Renewal was deferred after 1982-07-31; the licence now stands lapsed after that date	
111. CM/L-0992370 1981-08-31	Netaji Industries, Bankura (W.B.)	IS : 1977—1975	S.O. 747 dated 1985-02-23	Renewal was deferred after 1982-09-15; the licence now stands lapsed after that date	
112. CM/L-0997481 1981-09-21	Olympic Sports, Meerut	IS : 417 (Part I, II and III)—1974	S.O. 1015 dated 1985-03-09	Renewal was deferred after 1982-09-30; the licence now stands lapsed after that date	
113. CM/L-1000207 1981-09-30	Devidayal (Sales) Pvt. Ltd., Bombay	IS : 5279—1969	-do-	Lapsed after 1982-10-15	
114. CM/L-1002615 1981-10-22	Aravali Chemical Laboratories (P) Ltd, Jaipur	IS : 4956—1977	S.O. 1014 dated 1985-03-09	Lapsed after 1982-10-31	
115. CM/L-1003011 1981-10-22	All India Medical Corporation Ahmedabad	IS : 1251—1973	-do-	Lapsed after 1982-10-31	
116. CM/L-1007625 1981-11-10	Indian Post Control Bhopal	IS : 7121—1973	S.O. 1016 dated 1985-03-09	Lapsed after 1982-11-15	
117. CM/L-1009730 1981-11-17	Chemt Chemicals Pvt. Ltd., Ahmedabad	IS : 2567—1978	-do-	Renewal was deferred after 1982-11-30; the licence now stands lapsed after that date	
118. CM/L-1010311 1981-11-18	Prabhuram Mills Ltd, (Kotta (Rajasthan))	IS : 171—1973	-do-	Lapsed after 1982-11-30	
119. CM/L-1010412 1981-11-18	Kottayam Textiles Ltd, Kottayam	IS : 171—1973	S.O. 1016 dated 1985-03-09	Lapsed after 1982-11-30	
120. CM/L-1015220 1981-12-02	Kapoor Electronics, New Delhi	IS : 2548—1967	S.O. 1021 dated 1985-03-09	Lapsed after 1982-12-15	
121. CM/L-1016525 1981-12-09	Keen Pesticides Pvt Ltd, Ernakulam	IS : 561—1978	-do-	Lapsed after 1982-11-30	
122. CM/L-10233201 1981-12-29	Devidayal (Sales) Pvt Ltd, Kalol (Panchmahal)	IS : 565—1975	-do-	Lapsed after 1983-01-15	
123. CM/L-1030418 1982-01-28	Kanaknarran Co. Ltd, P.O. Kankinara, Distt 24 Parganas (W.B.)	IS : 3790—1971	S.O. 1295 dated 1985-03-30	Renewal was deferred after 1982-11-30; the licence now stands lapsed after that date	
124. CM/L-1031824 1982-01-29	Indian Coating and Laminating, Corpn, Kanpur	IS : 7406 (Pt II) 1980	-do-	Lapsed after 1983-02-15	
125. CM/L-1032119 1982-01-29	Blaze Eugg. Works, Ogalevadi	IS : 4246—1978	-do-	Lapsed after 1983-02-15	
126. CM/L-1071028 1982-04-20	Dee Pee Kagaz Udyog Pvt Ltd, Delhi	IS : 9055	S.O. 1635 dated 1985-04-20	Lapsed after 1983-02-28	
127. CM/L-0036526 1961-12-12	Ditz Electricals (India) Ltd., Delhi-110007	IS : 353—1977	S.O. 199 dated 1962-01-20	1983-02-28	
LICENCES DEFERRED					
128. CM/L-0086541 1964-11-28	Northbrook Jute Co. Ltd., Baidyabati	IS : 2818 (Part II)—1971 IS : 3790—1971	S.O. 79 dated 1965-01-02	1982-12-31	
129. CM/L-0086642 1964-11-28	-do-	IS : 2566—1965 IS : 3667—1966	-do-	1982-12-31	
130. CM/L-0188145 1968-12-30	EMC Sangam Works Allahabad (U.P.)	IS : 388 (Part I & II) 1976	S.O. 370 dated 1969-01-25	1982-12-31	
LICENCE DEFERED					
131. CM/L-0200311 1969-06-30	Shri Vishnu Rolling Mills P. Ltd. Calcutta-700007	IS : 1029—1870	S.O. 3018 dated 1969-07-26	1983-02-15	
132. CM/L-0221925 1970-01-22	National Industrials Distt. Trichur-680307 Kerala	IS : 10 (Part III)—1974	S.O. 771 dated 1970-02-28	1983-01-31	
133. CM/L-0224931 1970-02-10	Nocte Timber Co. Ltd. Distt. Lakhimpur (Assam)	IS : 10 (Part II)—1976	S.O. 1235 dated 1970-04-04	1983-02-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
134. CM/L-0255538 1971-02-19	Northbrook Jute Co. Ltd., Baidyabati	IS : 4900—1969	S.O. 5037 dated 1971-11-06	1982-12-31	
135. CM/L-0274138 1971-08-18	Hanuman Engineering Works, works, Lucknow-4	IS : 1786—1979	S.O. 5031 dated 1971-11-06	1983-02-28	
136. CM/L-0286044 1971-12-31	Smita Conductors Pvt Ltd., Ghaziabad (U.P.)	IS : 398 (Part I)—1976	S.O. 2769 dated 1972-10-07	1982-12-31	
137. CM/L-0337439 1973-03-28	Sahai Industrial Corporation, Ghaziabad (U.P.)	IS : 398 (Part I & II)—1976	S.O. 955 dated 1975-03-29	1983-01-15	
138. CM/L-0371641 1974-02-14	Sandip Metal Inds., Andheri (East), Bombay	IS : 1660 (Part I)—1967 IS : 1660 (Pt- II)—1972 IS : 1660 (Pt. III)—1972 IS : 1660 (Pt- IV)—1977	S.O. 2082 dated 1975-07-05	1983-02-15	
139. CM/L-0388961 1974-07-25	Balasubramania Foundry Coimbatore	IS : 325—1978	S.O. 459 dated 1976-01-24	1982-12-15	
140. CM/L-0421024 1975-02-12	Regal Steel Works, Calcutta-700001	IS : 1186—1971 IS : 2784—1971 IS : 2910—1971	S.O. 2473 dated 1976-07-10	1983-02-15	
141. CM/L-0487761 1975-12-12	Champion Knitting Co., Tirupur	IS : 4964—1975	S.O. 3083 dated 1977-10-08	1982-12-15	
142. CM/L-0500323 1976-02-06	Wire Conductors Delhi Pvt Ltd., Ghaziabad-201001 (U.P.)	IS : 398 (Part I & II)—1976	S.O. 3441 dated 1978-12-02	1982-12-31	
143. CM/L-0550136 1976-09-20	Gordhan Das Rathi Steels Pvt Ltd., Delhi-110032	IS : 1786—1979	S.O. 3549 dated 1979-10-20	1982-12-31	
144. CM/L-0568155 1976-12-10	Control Systems, Calcutta-700046	IS : 4989—1974	S.O. 3762 dated 1979-11-17	1982-12-15	
145. CM/L-0569258 1976-12-10	Ashok Steel Castings, Unnao (H.P.)	IS : 774—1971	-do-	1983-02-15	
146. CM/L-0646452 1977-10-19	Poddar Projects Ltd., Hyderabad-501507	IS : 226—1975	S.O. 921 dated 1981-03-21	1983-02-15	
147. CM/L-0654653 1977-11-23	Travancore Knitting Co., Tirupur-638604	IS : 4964—1980	S.O. 1223 dated 1981-04-18	1982-11-30	
148. CM/L-0659865 1977-12-20	International Agency (India) Calcutta-700061	IS : 1307—1973	S.O. 1222 dated 1981-04-18	1982-12-31	
149. CM/L-0660143 1977-12-20	Bastiram Naryandas Sarda, Distt, Nasik (Maharashtra)	IS : 1925—1974	S.O. 1222 dt. 1981-04-18	1982-12-31	
150. CM/L-0660244 1977-12-20	Choedambikai Knitting Co., Tirupur-638604	IS : 4964—1975	-do-	1982-12-31	
151. CM/L-0661549 1977-12-22	Pieco Electronics & Electricals Ltd., Thana	IS : 2596—1964	-do-	1982-12-31	
152. CM/L-0666963 1978-01-16	The Indian Tool Manufacturers Ltd., Nasik-422007 (Maharashtra State)	IS : 5444—1978	S.O. 1615 dated 1981-05-30	1983-01-31	
153. CM/L-0672352 1978-01-31	Ajanta Electric Inds., Shahdara, Delhi-110032	IS : 694—1977	S.O. 1615 dated 1981-05-30	1983-02-15	
154. CM/L-0678465 1978-02-27	Rotex Knitting Mills, Tirupur-638602	IS : 4964—1980	S.O. 1661 dated 1981-06-06	1983-02-28	
155. CM/L-0737354 1978-11-27	Vasavi Industries, Guntakal-515801 (A.P.)	IS : 694—1977	S.O. 2230 dated 1981-08-21	1982-11-30	
156. CM/L-0737758 1978-11-28	Microbes India, Calcutta-700053	IS : 8268—1976	-do-	1982-11-30	
157. CM/L-0739459 1978-12-06	Commercial Service Agency, Calcutta-700001	IS : 1552—1978	S.O. 2276 dated 1981-08-29	1982-12-15	
158. CM/L-0741345 1978-12-13	Associated Polymer Industries, Howrah-711101	IS : 4984—1972	-do-	1982-12-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
159. CM/L-0741547 1978-12-15	Nitin Rubbers, Kanpur-208022 (U.P.)	IS : 5676—1970	S.O. 2276 dt. 1981-08-29	1982-12-15	
160. CM/L-0742953 1978-12-20	Pirmal Steel Ltd., Bohinar-401506	IS : 6915—1978	-do-	1982-12-31	
161. CM/L-0744856 1979-01-01	Diamond Engineering Corporation, Roorkee—247667 (U.P.)	IS : 2287—1970	S.O. 2277 dated 1981-06-29	1983-01-15	
162. CM/L-0752956 1979-02-08	Ditz Electricals (India) Ltd., Delhi-110007	IS : 366—1976	S.O. 2310 dated 1981-09-05	1983-02-28	
163. CM/L-0753049 1979-02-08	-do-	IS : 367—1977	-do-	1983-02-28	
164. CM/L-0757966 1979-02-28	Swastic Cable Co., Opp. Jahangirpuri, Delhi	IS : 434 (Part I) —1964	-do-	1983-02-28	
165. CM/L-0758261 1979-02-28	Mansfield Cables, Distt. Ghaziabad (U.P.)	IS : 694—1977	-do-	1983-02-28	
166. CM/L-0793869 1979-08-22	R. S. Kathuria & Sons, New Delhi-110015	IS : 4654—1974	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1983-03-15	
167. CM/L-0320544 1979-12-11	Pitman Banian Product, Tirupur-638604	IS : 4964—1975	S.O. 2320 Dated 1982-07-03	1982-12-15	
168. CM/L-0321010 1979-12-12	Meghalaya Knitting Mills, Tirupur-638604	IS : 4964—1975	-do-	1982-12-15	
169. CM/L-0321949 1979-12-15	Brindavan Alloy Ltd., Bangalore-560058	IS : 1786—1979	S.O. 2320 dated 1982-07-03	1982-12-15	
170. CM/L-0823347 1979-12-20	Pioneer Timber Seasoners Pvt. Ltd., Dibrugarh (Assam)	IS : 10(Part II)— 1976	-do-	1982-12-31	
171. CM/L-0327860 1979-12-31	Kalabhai Karson & Sons Bombay-400 079 (Maharashtra)	IS : 6555—1972	-do-	1983-01-15	
172. CM/L-0328357 1980-01-04	Lalsons, New Delhi-110020	IS : 1703—1977	S.O. 3104 dated 1982-09-04	1983-01-15	
173. CM/L-0828458 1980-01-04	-do-	IS : 8931—1978	-do-	1983-01-15	
174. CM/L-0828761 1980-01-04	-do-	IS : 781—1977	-do-	1983-01-15	
175. CM/L-0828862 1980-01-04	-do-	IS : 8934—1978	-do-	1983-01-15	
176. CM/L-0830243 1980-01-11	Thakur Industries, Bombay-400093	IS : 1554 (Part I)—1976	-do-	1983-01-15	
177. CM/L-0830849 1980-01-14	Indian Rolling Mills Kanpur (U.P.)	IS : 226—1975	-do-	1983-01-15	
178. CM/L-0832247 1980-01-18	Pradhan Strip Mills Kanpur (U.P.)	IS : 226—1975	-do-	1983-01-31	
179. CM/L-0832449 1980-01-18	Motherson, Distt. Ghaziabad	IS : 1554 (Part I)—1976	S.O. 3014 dated 1982-09-04	1983-03-15	
180. CM/L-0833249 1980-01-23	India Jute Co. Ltd., Distt. Hooghly (West Bengal)	IS : 1943—1964	S.O. 3104 dt. 1982-09-04	1982-11-30	
181. CM/L-0834453 1980-01-28	Northbrook Jute Co. Ltd., Distt. Hooghly (West Bengal)	IS : 1943—1964	-do-	1982-12-31	
182. CM/L-0834554 1980-01-28	-do-	IS : 2874—1964 & IS : 3751—1966	-do-	1982-12-31	
183. CM/L-0337661 1980-02-20	Nandi Steel Works Pvt Ltd., Bangalore-560 022	IS : 226—1975	S.O. 3445 dated 1982-10-02	1983-02-28	
184. CM/L-0842149 1980-02-28	Jaessbro & Company, Sonapat (Haryana)	IS : 4654—1974	-do-	1983-03-15	
185. CM/L-0887171 1980-07-31	Satish and Ish Pvt Ltd., Distt. Gurudaspur	IS : 458—1971	S.O. 4533 dated 1983-12-17	1983-01-31	
185. CM/L-0814047 1980-11-20	Bellary Steel Rolling Mills, Bellary	IS : 226—1975	S.O. 644 dated 1984-03-0	1982-11-20	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
187. CM/L-0914148 1980-11-20	Bellary Steel Rolling Mills, Ballary	IS : 1786—1979	S.O. 644 dat.d 1984-03-03	1982-11-30	
188. CM/L-0921145 1980-12-09	Asian Oil Company, Bombay-400009	IS : 335—1972	S.O. 1591 dated 1984-05-12	1982-12-15	
189. CM/L-0921246 1980-12-09	Transmission Wire & Accessories, Mysore-570002	IS 398 (Part I)—1976 IS. 398 (Part II)—1976	-do-	1982-12-15	
190. CM/L-0922248 1980-12-10	Acme Surgical & Dressings, Meerut (U.P.)	IS : 758—1975	S.O. 1591 dt. 1984-05-12	1982-12-15	
191. CM/L-0923452 1980-12-15	Eastern Steels Alloys Co. Ltd., Disstt. Goalpara, Assam.	IS : 226—1975	S.O. 1591 dated 1984-05-12	1982-12-31	
192. CM/L-0923553 1980-12-15	-do-	IS : 1977—1975	-do-	1982-12-31	
193. CM/L—0924656 1980-12-18	Acme Surgical & Dressings, Meerut (U.P.)	IS : 863—1969	-do-	1982-12-15	
194. CM/L-0925153 1980-12-24	Shri Lakshman Rolling Mills, Kanpur (U.P.)	IS : 226—1975	-do-	1982-12-31	
195. CM/L-0926458 1980-12-29	Standard Cables Pvt. Ltd., Bangalore Distt.	IS : 1544 (Part (I)—1976	-do-	1983-01-15	
196. CM/L-0927965 1980-12-31	Sarare Plastics, Rai Bareilly (U.P.)	IS : 7834—1975	-do-	1983-01-15	
197. CM/L-0929464 1980-12-31	Kerala Electrical & Allied Engg. Co. Ltd., Cochin-682305	IS : 2208—1962	S.O. 1591 dated 1984-05-12	1983-01-15	
198. CM/L-0929868 1981-01-06	Agarwal Steel Inds., Bombay-400059	IS : 1786—1979	S.O. 1830 dated 1984-06-09	1983-01-15	
199. CM/L-0930752 1981-01-08	The Jayam Match Works, Sivkasi (Tamil Nadu)	IS : 2653—1964	-do-	1983-01-15	
200. CM/L-0932857 1981-01-20	Precision Galvanising Works, Faridabad	IS : 280—1978	S.O. 1830 dated 1984-06-09	1983-01-31	
201. CM/L-0934356 1981-01-23	Anusaya Equipment Engineers, Sangli-416416 (Maharashtra)	IS : 6595—1972	S.O. 1830 dated 1984-06-03	1983-01-31	
202. CM/L-0937261 1981-01-31	Dew (India) Pvt. Ltd., Dr. B. C. Roy Avenue, Durgapur-713201	IS : 814 (Part I & II)—1974	S.O. 1830 dated 1984-06-03	1983-02-15	
203. CM/L-0937665 1981-01-31	Precision Steel & Engineering Works, 40/4, Mathura Rd, Faridabad-121003	IS : 280—1978	-do-	1983-01-31	
204. CM/L-0939265 1981-02-05	Bharat Steel Inds., Hyderabad	IS : 7452—1974	S.O. 4241 dated 1984-12-08	1983-02-15	
205. CM/L-0939467 1981-02-06	Arun Engg. Inds. (P). Ltd., Bombay-400055	IS : 996—1964	-do-	1983-02-15	
206. CM/L-0940452 1981-02-09	M. M. Industries, Hawrah	IS : 7406 (Part II)—1980	-do-	1983-02-15	
207. CM/L-0944359 1981-02-16	Delhi Paper Products Co. New Delhi-110037	IS : 9031—1979	-do-	1983-02-28	
208. CM/L-0944662 1981-02-16	Royal Cold Strip Re-Rolling Mill, Kanpur (U.P.)	IS : 226—1975	-do-	1983-02-28	
209. CM/L-0945967 1981-02-22	Eastern Gas Appliances Kundli (Haryana)	IS : 4246—1978	-do-	1983-02-28	
210. CM/L-0947567 1981-02-27	Himalayan Industries, Tripura	IS : 4984—1972	S.O. 241 dated 1984-12-08	1983-09-15	
211. CM/L-0948569 1981-02-27	Indane Cables, Bhiwani-125021	IS : 694—1977	-do-	1983-02-28	
212. CM/L-1014521 1981-11-30	Luna knitters, Tirupur-638604 (Tamil Nadu)	IS : 4964—1975	S.O. 1016 dated 1985-03-09	1982-12-15	
213. CM/L-1016222 1981-12-09	A.P. State Agro Inds. Development Corp'n. Ltd., Kurnool (A.P.)	IS : 7122—1973	S.O. 1021 dated 1985-03-09	1982-12-15	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
214. CM/L-1017426 1981-12-10	Gupta Iron & Steel Co., Lilluah Howrah	IS : 1729—1979	-do-	1982-12-15	
215. CM/L-1017527 1981-12-10	National Engg. Co. Ltd., Madras-600053	IS : 1786—1979	-do-	1982-12-15	
216. CM/L-1017931 1981-12-11	National Iron & Steel Co., Howrah (West Bengal)	IS : 1875—1971	-do-	1982-12-15	
217. CM/L-1019531 1981-12-15	Premier Industries, New Delhi-110028	IS : 2548—1967	-do-	1982-12-31	
218. CM/L-1022823 1981-12-24	Devidayal (Sales) Pvt Ltd., Bombay-400010	IS : 5277—1978	S.O. 1021 dated 1985-03-09	1982-12-31	
219. CM/L-1024221 1981-12-30	Jayashree Cables & Engg. Works, Salem Distt. Tamil Nadu.	IS : 694—1977	-do-	1983-01-15	
220. CM/L-1025930 1982-01-07	Venu Wax Processing Industries, Salem-636006	IS : 4654—1974	S.O. 1295 dated 1985-03-30	1983-01-15	
221. CM/L-1026225 1982-01-08	Gandhi Refineries, Agra-282006 (U.P.)	IS : 4654—1974	-do-	1983-01-15	
222. CM/L-1026629 1982-01-08	United Vanner Mfg. Co., Calcutta 700067	IS : 10 (Part II)—1976	S.O. 1295 dt. 1985-03-30	1983-01-15	
223. CM/L-1028123 1982-01-12	Jayashree Cables & Engineering Works, Methur Dum-636403 (Tamil Nadu)	IS : 1554 (Part I)—1976	-do-	1983-01-31	
224. CM/L-1028633 1982-01-12	Star Iron Works Pvt Ltd. Howrah	IS : 2486 (Part I)—1971	S.O. 1295 dated 1985-03-30	1983-01-31	
225. CM/L-1034325 1982-02-05	Laluba Tube Co., Howrah, Calcutta.	IS : 1239 (Part I)—1979	S.O. 1397 dated 1985-04-06	1983-02-15	
226. CM/L-1035024 1982-02-09	-do-	IS : 1161—1979	-do-	1983-02-15	
227. CM/L-1035327 1982-02-09	New Central Jute Mills Co. Ltd., Dist. 24 Parganas	IS : 7407 (Part III)—1980	-do-	1983-02-15	
228. CM/L-1035530 1982-02-09	Eastern Manufacturing Co. Ltd., Dist. 24 Parganas West Bengal	IS : 1943—1964	S.O. 1397 dt. 1985-04-06	1983-02-15	
229. CM/L-1036531 1982-02-10	Johar Sales (India) Delhi-110051	IS : 863—1969	-do-	1983-02-15	
230. CM/L-1038838 1982-02-16	Northbrook Jute Co. Ltd., Dist. Hooghly (West Bengal)	IS : 3790—1971	S.O. 1397 dated 1985-04-06	1982-12-31	

[No. CMD/13 : 14]  
B.N. SINGH, Addl. Director General

### वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 मई, 1987

#### आदेश

का.आ. 1358.—केन्द्रीय सरकार को निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963, (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिये ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि किमतीकृत मछली और मछली उत्पादों को निर्यात से पूर्व, क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन किया जाये ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिये नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाये हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण)

नियम, 1984 के नियम 11 के उप नियम (2) की प्रमाणानुसार निर्यात निरीक्षण परिपत्र को भेज दिया है ;

अतः अब, उक्त उपनियम के प्रावधान में केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की सविनयता सं. का.आ. 4007 तारीख 31 दिसम्बर, 1977 और मछली और मछली उत्पाद निर्यात क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण नियम, 1977 को प्रधिकृत करते हुए, ऐसे अधिक्रमण से पूर्व की गई बातों की यादत या करने से लोप की गई बातों के सिवाय उक्त प्रस्तावों को उन व्यक्तियों की जानकारी के लिये प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रमाणित होने की संभावना है।

2. इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में यदि कोई व्यक्ति आशय या सुझाव देना चाहता है वह उसे इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन के भीतर

भारतीय निर्यात निरीक्षण परियोजना, प्रगति टावर, 11वीं मंजिल, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

#### प्रस्ताव

(क) यह अधिसूचित करना कि हिमशीतित मछली और मछली उत्पाद, निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगे;

(ख) इस आदेश से संलग्न उपबन्ध-II में दिए गए हिमशीतित मछली और मछली से उत्पाद, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1987 के प्रारूप के अनुसार, क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार की ऐसे क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करता जो निर्यात से पूर्व ऐसी हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों को लागू करना;

(ग) इस आदेश से संलग्न उपबन्ध-I में दिए गए विनिर्देशों का हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों के लिए मानक विनिर्देशों को मान्यता देना;

(घ) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों के निर्यात को प्रतिबंधित करना, जब तक कि उनके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित किसी एक अधिकरण द्वारा जारी किया गया इन आदेश का प्रमाणपत्र न हो कि ऐसी हिमशीतित मछली और मछली उत्पाद मानक विनिर्देशों के अनुरूप हैं और निर्यात योग्य हैं।

3. इस आदेश की कोई बात भूमि, समुद्र या वायु मार्ग द्वारा भावी क्रेताओं को हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों के ऐसे नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी जिनका मूल्य, किसी भी प्रकार की मछली उत्पादों को जिन्हें ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो भारत सरकार द्वारा उक्त निमित्त समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं, पकड़ा जाता है और चार्टरित विदेशी मछली पकड़ने वाले जलयान में भंडार किया जाता है, प्रति नमूने 500 रुपये से अधिक न हो।

I. इस आदेश के प्रयोजन के लिए मछली और मछली उत्पादों के निम्नलिखित अभिप्रेत हैं अर्थात्:—

#### 1. सभी प्रकार की सींगा मछली (शिम्पस)

- |  |  |
|--|--|
| (1) साबुत  | सिर, छिलका और पूंछ सहित  |
| (2) सिर रहित   | छिलका और सिर रहित पूंछ सहित  |
| (3) फैंटेल राउण्ड                                    | आखिरी भाग और पूंछ के सिवाय, सिर और छिलके रहित                                    |
| (4) फैंटेल बेविन्ड                                   | जैसा कि ऊपर (3) में है, किन्तु आहारनाल हटाई हुई।                                 |
| (5) फैंटेल बटरफ्लाई                                  | जैसा कि ऊपर (4) में है, किन्तु विभक्त खुला हुआ और अपेक्षित पद्धति में व्यवस्थित। |
| (6) छिली हुई और कच्ची छिली हुई या सिरा सहित छिली हुई | सिर, छिलका और पूंछ पूरी तरह से हटाए गए।  |
| (7) छिली हुई और शिरा रहित                            | जैसा कि ऊपर (6) में है, किन्तु आहारनाल भी हटाई हुई हो।                           |
| (8) पकी हुई और छिली पकी हुई                          | जैसा कि ऊपर (6) में है, किन्तु पकाने के पश्चात्                                  |
| (9) छिली हुई और पकी हुई                              | जैसा कि उपरोक्त (6) में है, किन्तु पकी हुई।                                      |

- |                                    |   |
|------------------------------------|---|
| (10) छिली हुई शिरा रहित और पकी हुई | जैसा कि ऊपर (i/ii) में है, किन्तु पकी हुई भी। |
| (11) साबुत, पकी हुई                | जैसा उपरोक्त (1) में है, किन्तु पकी हुई भी।   |

#### II. निम्नलिखित से प्राप्त सभी प्रकार के हिमशीतित लास्टर:—

- |                         |   |
|-------------------------|---|
| (1) राक लास्टर          | 1. पेनुलिरस होम्परस,<br>2. पेनुलिरस आरनेटस<br>3. पेनुलिरस पोसिचेन्स |
| (2) गहरे समुद्री लास्टर | पेन्जस-मिर्बेनी   |
| (3) रेत लास्टर          | यूनस विशेष  |

#### III. निम्नलिखित से प्राप्त सभी प्रकार के हिमशीतित पाम्फिटस:—

- |                                     |                                |
|-------------------------------------|--------------------------------|
| (1) रैम्प नेरोस्टन                  | सफेद पाम्फिटस                  |
| (2) स्ट्रोमेड्स मिनेनसिय            |                                |
| (3) रैरास्ट्रोमड्स नाइजर            | मूरी पाम्फिटस                  |
| (4) पैम्पस चाइनेनिय या कोनरोपिलीड्स | काकी पाम्फिटस या चीनी पाम्फिटस |

IV. अस्ट्रेलियन कनगुरूस से तैयार की गई सभी प्रकार की हिमशीतित मैकरियल मछली;

V. साइनेस्ला विशेष से तैयार की गई सभी प्रकार की मिहशीतित माछिन मछली;

VI. हिलसा विशेष से तैयार की गई सभी प्रकार की हिमशीतित हिलसा मछली;

VII. निम्नलिखित से तैयार सभी सप्रकार की हिमशीतित कटस मछली और स्किड—

- |                               |                       |
|-------------------------------|-----------------------|
| (1) सेपिया केरोनिस            | } कटल मछली की दशा में |
| (2) सेपिया एकप्लेटा           |                       |
| (3) सेपिया बरस्टोनी           |                       |
| (4) सेपिया ब्रेविनाना         |                       |
| (5) सेपिएला इर्नासिस          |                       |
| (6) सेपिएला लिडिओलस           |                       |
| (7) सिम्प्लैक्टोसियुसिस विशेष |                       |

और

- |                              |                     |
|------------------------------|---------------------|
| (1) लोलिगो और हाईड्रिकी      | } स्किडस की दशा में |
| (2) लोलिगो इंडिका            |                     |
| (3) लोलिगो ऐकिलिस            |                     |
| (4) सेप्टिओटपुसिस आरटोओनिस   |                     |
| (5) लोविनोडयुबसिली           |                     |
| (6) लोलिओलन इन्डोस्टीगोटारिस |                     |
| (7) यूपरिमना स्टोडेक्टाइला   |                     |

(8) स्टोम्ब्रोमोरस विगेन/पार्किन्सियम विशेष से प्रयुक्त सभी प्रकार की हिमशीतित सौर मछली;

(9) निम्नलिखित से प्रयुक्त सभी प्रकार की हिमशीतित चोल मछली (उयू मछली)—स्यूडोमिएना विशेष/ओहिनियस डूसोरेर/ओटोलिये विशेष।

(10) हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों का कोई अन्य अविनिर्दिष्ट मय।

## उपबन्ध-1

क-प्रसंस्करण का मास (यहां जनवरी है)

10-प्रसंस्करण की तारीख (यहां मास का वसंत दिन है)।

मछली और मछली उत्पादों के लिए विनिर्देश:

0.2 निम्नलिखित संज्ञोपाक्षर वर्ष के मास के लिए प्रयोग किए

## 1. कोडिंग

जाएँगे:-

0.1 एक कोड स्लिप जिस पर प्रसंस्करण कर्ता का संव्यात्मक कोड, संक्षिप्त नाम, उत्पाद का प्रकार, वर्ष, मास और उत्पादन की तारीख अंकित होगी, हिमशीतित स्लाक पर लगाई जाएगी। अलग-अलग शीघ्र हिमशीतित पैकिंग की वशा में, कोड स्लिप मुख्य आयातकों में रखी जाएगी कोड का उदाहरण नीचे दिया गया है:-

520 एक एल पी डी

जनवरी ---क

6 क 10

फरवरी ---ख

जहाँ, उपरोक्त उदाहरण में,

मार्च ---ग

520-प्रसंस्करणकर्ता/नियतकर्ता का संव्यात्मक कोड

अप्रैल ---घ

एफ एस-उत्पाद का नाम (हिमशीतित शिम्पस)

मई ---ङ

पी डी-उत्पाद का प्रकार (छिली हुई और बेविण्ड)

जून ---च

6-प्रसंस्करण का वर्ष (यहाँ 1986 है)

जुलाई ---छ

अगस्त ---ज

सितम्बर ---झ

अक्टूबर ---ट

नवम्बर ---ठ

दिसम्बर ---ड

## 1. हिमशीतित शीघ्र (शिम्पस) के लिए विनिर्देश

सामान्य - सामान्य उपकरण के लिये हिमशीतित शीघ्र, पेलेट्स, पेनडलडे, कोनाइडे और पालमोनाइडे परिवारों की उपयुक्त भ्रूणमिटी के ताजे पकड़े हुए पौष्टिक शीघ्र शीघ्र हिमशीतित द्वारा तैयार किये जायेंगे। प्रसंस्करण स्वच्छ रंग से किया जायगा। एक ही आकार और रंग के, (शिम्पस) शीघ्र एक साथ पैक किये जायेंगे। हिमशीतित प्रक्रिया उचित उपकरण में इस प्रकार की जायगी कि तापमान की सीमा इतनी हो कि अधिकतम क्रिस्टलीकरण शीघ्र हो जायें। उत्पाद ऐसी अवस्था में रखा जायेगा कि संश्लेषण, परिवहन और लदान के दौरान भ्रूणमिटी बनाये रहें। प्रतिनिष्ठ रसायन योजक का प्रयोग प्रसंस्करण के क्रियाशील प्रक्रम पर नहीं किया जायेगा। शीघ्र की विशिष्ट रंग और गंध बह होंगी जो ताजे शीघ्र की गंध होती है और उसमें किसी प्रकार की रंगहीनता आक्षेपणीय रंग और गंध नहीं होगी। सामग्री गलाने पर अर्धवर्क रूप में होगी और पुनितयुक्त रूप से और किसी भी रूप से पुनः प्रयोग नहीं की जायेगी।

क्रम सं.	विशिष्टताये	निम्नलिखित के लिये अन्वेषाये		पैकिंग और संश्लेषण	
		सावुत प्रकार और मिर	छिली हुई और छिलका	पका हुआ प्रकार	
		रहित छिलके रहित प्रकार	रहित, सिरा रहित और		
			बटर स्लाई प्रकार		
1	2	3	4	5	6
1. शैल की रंग	ताजे पकड़े शीघ्रों का प्राकृतिक रंग विशिष्ट			ताजे पकाए गए शीघ्रों की प्राकृतिक विशिष्ट रंग	हिमशीतित उत्पाद फ्रिजर्सरी डिब्ब में पैक किया जाएगा और ऐसा फ्रिजर्सरी डिब्ब में न्यूनतम 5 प्लाई के यथायोग्य कार्टोन्स के कटौन में पैक किया जायेगा।
2. निजलन	पुक्ति रूप से निजलीकरण से मुक्त		पुक्तिपुक्त रूप से निजलीकरण से मुक्त	मुख्यतः निजलीकरण से मुक्त	हिमशीतित सामग्री-15° सी पर या कम तापमान वाले कक्ष में भंडार की जायेगी।
3. मांस का रंग	तार्ज, शीघ्रा मछली की विशिष्टता		विशिष्ट रंग	पकाया हुआ विशिष्ट रंग	130 से 140 पर उपरि कम तापमान पर देखें।
4. शैल या मांस के काले धब्बे	काले धब्बों से पुनितयुक्त रूप से मुक्त		गुण्य	गुण्य	
5. मांस का रूप	ठीस और संगत		ठीस और संगत	ठीस और संगत	
6. गंध	ताजी शीघ्रा मछली की विशिष्ट गंध		किसी भी दुर्गंध का वाहक गंध की अनुपस्थिति	ताजी पकाई हुई शीघ्रा मछली की गंध	
7. महक	ताजी शीघ्रा मछली की		विशिष्ट गंध	विशिष्ट गंध	
8. अधिकतम 37°से./घा. पर कुल प्लेट संख्या	10,00,000		विशिष्टताएँ 10,00,000	1,00,000	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
9	अधिकतम प्रति ग्राम की कोमी संख्या	20	20	प्रत्येक	
10	प्रति ग्राम अधिकतम संकरात्मक कोयलेस जीव गृहस्थ संख्या	100	100	100	
11	सावनीना और ऐरीजोना	मकरात्मक	मकरात्मक	मकरात्मक	

कोयले के प्रयोजन के लिये निम्नलिखित संक्षेपाक्षर वर्ण के प्रकार के लिये प्रयोग किये जायेंगे :-

उत्पाद का प्रकार	संक्षेपाक्षर
सावनी	एफ. एस. डब्ल्यू. एस.
सिर रहित	एफ. एस. एल. एल.
फैन्टेल राउन्ड	एफ. एस. एफ. आर.
फैन्टेल डब्ल्यू	एफ. एस. एफ. डी.
फैन्टेल बटरफ्लाई	एफ. एस. एफ. बी. एफ.
लिवका रहित और सिरा रहित या कच्ची छिन्नी हुई	एफ. एस. पी. यू. डी./एफ. एस. आर. पी.
छिन्नी हुई और सिरा रहित	एफ. एस. पी. डी.
पकाई हुई और छिन्नी हुई	एफ. एस. सी. पी.
छिन्नी हुई और पकाई हुई	एफ. एस. पी. सी.
छिन्नी हुई, सिरा रहित और पकाई हुई	एफ. एस. पी. डी. सी.
सावनी पकाई हुई	एफ. एस. डब्ल्यू. एस. सी.

सावनी और सिर रहित छिन्नी के मामले में, पूरा, टाईगर क्रिप्रात स्टाइल फलदार पिक बाउन (कॉपनी) और स्क्वैरी को दर्शाने के लिये उत्पाद के प्रकार के संक्षेपाक्षर के पश्चात् डब्ल्यू, बी, डी, के पी, एस डी एफ, पी और एस क्रमशः प्रयोग किये जायेंगे।

## 2 हिमश्रित लास्टर या लास्टर के मांस के लिये निर्देश

सावनी :- यह मानक शीघ्र प्रशोधित कच्ची या पकाये गये लास्टर, लास्टर की पूछ और लास्टर के मांस के लिये लागू होता है। मानक लास्टर के लिये उचित क्वालिटी की गालिगार्ड और स्काईलारेड परिवारों में प्राप्त ताजे पीप्टिक लास्टर को शीघ्र हिमशीतन द्वारा हिमशीतित लास्टर/पूछ और मांस तैयार किया जायेगा। विभिन्न प्रकारों के लास्टर और उनके उत्पादों का एक साथ पैक नहीं किया जायेगा। गुणात्मक आकार और रंग लास्टर को एक साथ पैक किया जायेगा। उत्पाद को किमी की उपयुक्त रूप में तैयार करने के पश्चात् हिमशीतन के अधीन किया जायेगा जो संग्रहित उपकरण में इस उद्देश्य से किया जायेगा जिससे कि तापमान की सीमा इतनी हो कि अधिकतम क्रिस्टलीकरण शीघ्र हो जाय। उत्पाद ऐसी अवस्था में तैयार किया जायेगा कि जो परिवहन संभारक और लवण के योगदान क्वालिटी बनाये रखें। उत्पाद गलाने पर स्वच्छ होगा और अपूर्ण रूप में होगा और हर दशा में सुदृढ़ अविकृत नुस्खाम रहित अवस्था में और युक्तियुक्त रूप से बीच मुक्त होगा। मांस को विशिष्ट रंग होगा और उसका रंग ताजा पकाये गये लास्टर का होगा और रंगहीनता या कृत्रिम रंग से मुक्त होगा। सामग्री, ब्रेड, रंग, धूल या अन्य किसी आश्लेषणीय बाह्य पदार्थ से मुक्त होगी। प्रातःपिद रसायन विश्लेषण का प्रयोग प्रसंस्करण के किसी भी प्रक्रम पर नहीं किया जायेगा।

क्रम सं.	व्यापार नाम	वैज्ञानिक नाम	जातियों पर आधारित प्रकार	जीवाणुविक मानक	पैकिंग और संरक्षण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	राक लास्टर/पूछ/मांस	पेनुलिरस विनेप	1. ताफरी से बर्फाली सफेद 2. गुलाबी से हल्का गुलाबी	1. कुल नेट सं./ग्राम अधिकतम--5,000,000	लास्टर की पूछ आर्द्रता सुरक्षित छिन्नी में अलग-अलग पैकटा जायेगा या हिमशीतन से पहले छिन्नी में व्यवस्थित किया जायेगा। हिमशीतित उत्पाद माथा योग्य कुरीपेड बाउंडरी के अन्त में पैक किया जायेगा। हिमशीतित सामग्री--15° सी या उससे कम तापमान वाले कम में संरक्षित की जायेगी।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2. रेत लास्टर/पूछ/मांस	युनुस विशेष	1. बर्फनी सफेद से सफेदी 2. हल्के मूरे से सफेदी	2. ई. कोली प्रति ग्राम अधिकतम-20	सामग्री को -18° सी पर या कम तापमान वाले कक्ष में भंडार किया जायेगा।	
3. गहरे समुद्री लास्टर/पूछ/मांस	पेरुलस विशेष	1. बर्फिले सफेद से सफेदी 2. हल्का गुलानी	3. कोगुलेस सकारात्मक स्टैफिलोकोकस प्रति ग्राम सं. अधिकतम-100		
4. पकाया हुआ लास्टर/पूछ/मांस	युनुस विशेष पेरुलस विशेष पैगुलिरस विशेष		4. सालमोनैल्ला नकारात्मक 1. कुल लेटर्स /ग्राम अधिकतम-1,00,000 2. ईकोली प्रति ग्राम शून्य 3. कोगुलेस सकारात्मक स्टैफिलोकोकस प्रति ग्राम सं. अधिकतम- - 100 4. सालमोनैल्ला-नकारात्मक		

कोडिंग के प्रयोजन के लिये निम्नलिखित संक्षेपाक्षर उत्पाद के प्रकार के लिये प्रयोग किया जायेगा--

उत्पाद का प्रकार	संक्षेपाक्षर
राक लास्टर की पूछ	एफ आर एल टी
रेत लास्टर की पूछ	एफ एस एल टी
गहरे समुद्री लास्टर की पूछ	एफ डी एल टी
पकाया हुआ लास्टर की पूछ	एफ सी एल टी
राक लास्टर की पूछ मांस	एफ आर एल डब्ल्यू
रेत लास्टर साबुत	एफ एस एल डब्ल्यू
गहरे समुद्री लास्टर साबुत	एफ डी एल डब्ल्यू
पकाया हुआ लास्टर साबुत	एफ सी एल डब्ल्यू
लास्टर का मांस	एफ एल एम
पकाया हुआ लास्टर का मांस	एफ सी एल एम

### 3. हिमशीतित पामफ्रिट के लिये निर्दिष्ट:

सामान्य मानव उपयोग के लिये हिमशीतित पामफ्रिट उचित क्वालिटी की स्ट्रोमेटोडिपिंगस जातिका के ताजे पकड़े गये पॉटिक पामफ्रिट से शीघ्र हिमशीतित द्वारा तैयार किये जायेंगे। प्रसंस्करण स्वच्छ रंग से किया जायेगा। तुलनात्मक अधिकार और रंग के पामफ्रिट को एक साथ पैक किया जायेगा। हिमशीतित प्रक्रिया अंतर्गत उपकरण में इस प्रकार की जायेगी कि तापमान की सीमा इतनी हो कि अधिकतम क्रिस्टलीकरण शीघ्र हो जाये। उत्पाद को ऐसी अवस्था के अधीन रखा जायेगा जो सहायकरण, परिवहन और लंदन के समय क्वालिटी को बनाये रखे। प्रशिद्ध रसायन जो योग्य का प्रयोग प्रसंस्करण के किसी भी प्रक्रम पर नहीं किया जायेगा। पामफ्रिट का निश्चित रंग और गंध बहुत होंगे जो ताजे पामफ्रिट की गंध होती है और किसी भी प्रकार की राखीनता आश्लेषणीय गंध और महका नही होगी। सामग्री गलाने पर अकार्यक रूप में और स्वच्छ होगी और मुक्तिवृत्त रूप से किसी भी दोष से मुक्त होगी।

क्रम सं०	व्यापार नाम	वैज्ञानिक नाम	प्रकार	जीवाणुविक मानक	पैकिंग और भंडारकरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	हिमशीतित सिल्वर/सफेद पामफ्रिट	1. पैम्पस विशेष 2. स्ट्रोमेटिग्रस विशेष	सफेद पामफ्रिट	1. कुल प्लेट सं. प्रति ग्राम, अधिकतम-5,00,000 2. ई. कोली प्रति ग्राम अधिकतम-20	हिमशीतित उत्पाद याता योग्य करोमेटेड गत्ते के बक्से में पैक किया जाएगा। हिमशीतित सामग्री--18° सी या उससे कम तापमान वाले कक्ष में भंडारित की जाएगी। 300 ग्राम से कम भार वाले अलग-अलग टुकड़ों के निर्यात के लिए स्वीकृत नहीं किया जाएगा।
2.	प्रशीतित भूरी पामफ्रिट	1. पैरास्ट्रोमेटिग्रस 2. पैम्पस विशेष	भूरी पामफ्रिट काले पामफ्रिट	3. कोगुले पोजिटिव स्टैफिलोकोक संख्या प्रति ग्राम अधिकतम-100 4. सालमोनैल्ला-- नकारात्मक	

उत्पाद के प्रकार के कोडिंग के लिए निम्नलिखित संक्षेपाक्षर प्रयुक्त किए जायेंगे :—

उत्पाद का प्रकार	संक्षेपाक्षर
सफेब/सिल्वर पामफिट	एफ पी डब्ल्यू
काले पामफिट	एफ पी बी
धूरे पामफिट	एफ पी बी थ्रार
फिल्लेट	एफ पी एफ

#### 4. हिमशीतित मैकरल के लिए विनिर्देश

सामान्य :—हिमशीतित मैकरल शीघ्र पकड़े गए स्वच्छ पीप्टिक मछली के शीघ्र हिमशीतित करके तैयार किए जाएंगे। प्रसंस्करण स्वास्थ्यकर ढंग से रखे गए परिवार में किया जाएगा। सामग्री गलाने पर स्वच्छ और आकर्षक रूप में होगी और हर प्रकार से मुद्द, नुकसान रहित अवस्था में और अवशयन निर्जलन खून के रिमाव से जैसे दोषों से मुक्त होगी। सामग्री  $-30^{\circ}$  सी से अनधिक तापमान पर शीघ्र हिमशीतित होगी। उत्पाद आक्षेपणीय बाह्य दूषित पदार्थ से मुक्त होगा और छिलके होने चाहिए ढीले नहीं होंगे। प्रतिषिद्ध योज्य का प्रयोग प्रसंस्करण के किसी प्रक्रम पर नहीं किया जाएगा।

क्रम	व्यापार नाम	वैज्ञानिक नाम	पैक का प्रकार	जीवाणुविक मानक	पैकिंग और भंडारकरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	हिमशीतित मैकरल/फिल्लेट	राष्ट्रेसीजर कानुगुरता	ब्लॉक हिमशीतित/आई. क्यू. एफ.	1. कुल प्लेट सं./ग्राम अधिकतम 5,00,000। 2. ई. कोली सं./ग्राम अधिकतम 20 3. कतगुले सकारात्मक—स्टेफिलोकोकस सं./ग्राम अधिकतम 100। 4. साल्मोनेल्ला—नकारात्मक	हिमशीतित उत्पाद यात्रा योग्य करोटेड कार्टन में पैक किया जाएगा। हिमशीतित सामग्री को ऐसे कक्ष में स्टोर किया जाएगा जिसका तापमान $18^{\circ}$ सी. या कम होगा। हिमशीतित मैकरल आर्द्रतासह फिल्मों में लपेटा जाएगा। ब्लॉक हिमशीतित सामग्री की दशा में, उत्पाद प्रारम्भिक आद्यातों में पैक किया जाएगा।

कोडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संक्षेपाक्षर उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयुक्त किए जायेंगे :—

उत्पाद का प्रकार	संक्षेपाक्षर
साबुत फिल्लेट पैक	एफ एम के डब्ल्यू एफ एम के एफ

#### 5. हिमशीतित साडिन के लिए विनिर्देश :—

सामान्य :—हिमशीतित साडिन साफ, साबुत मछली को शीघ्र हिमशीतित करके तैयार की जाएगी। प्रसंस्करण स्वच्छतापूर्वक से रखे गए परिवारों पर किया जाएगा। सामग्री गलाने पर आकर्षक विशिष्ट रंग सहित स्वच्छ होगी और हर तरह से मुद्द, अविकृत, नुकसान रहित अवस्था में और अवशयन निर्जलीकरण और खून के रिमाव से दोषों से मुक्त होगी। सामग्री  $30^{\circ}$  सी से अनधिक तापमान पर शीघ्र हिमशीतित होगी। उत्पाद आक्षेपणीय बाह्य/दूषित पदार्थ से मुक्त होगी। छिलके मांस से चिपके होंगे, ढीले नहीं होंगे।

क्रम	व्यापार का नाम	वैज्ञानिक का नाम	पैक प्रकार	जीवाणुविक मानक	पैकिंग और भंडारकरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	साडिन मछली/फिल्लेट	साडिनेल्ला विशेष	ब्लॉक प्रशीतन/आई. क्यू. एफ.	1. कुल प्लेट सं./ग्राम अधिकतम-5,00,000 2. ई. कोली सं./ग्राम अधिकतम-20। 3. कतगुले सकारात्मक स्टेफिलोकोकस सं./ग्राम अधिकतम-100 4. साल्मोनेल्ला—नकारात्मक	प्रशीतित वस्तुएं यात्रायोग्य कार्टोर्ड कार्टन में पैक की जाएंगी। हिमशीतित सामग्री $-10^{\circ}$ सी या उससे कम तापमान वाले कक्ष में स्टोर की जाएंगी। हिमशीतित सामग्री की नयी सुरक्षा झिल्ली में पैक/लपेटा जाएगा। ब्लॉक हिमशीतित सामग्री की दशा में, उत्पाद प्रारम्भिक आद्यातों में पैक किया जाएगा।

कोडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संक्षेपाक्षर उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयोग किए जायेंगे :—

उत्पाद का प्रकार	संक्षेपाक्षर
साबुत फिल्लेट	एफ एस डी डब्ल्यू एफ एस डी एफ

## 6. हिमशीतिल हिलसा मछली के लिए विनिर्देश :—

सामान्य :—हिमशीतिल हिलसा/फिल्लेट साफ और पौष्टिक मछली को शीघ्र प्रशीतित करके तैयार की जाएगी। प्रसंस्करण स्वास्थ्यकर ढंग से रखे गए परिवारों पर किया जाएगा। सामग्री गलाने पर आकर्षक विशिष्टरूप में और स्वच्छ होगी और हर वंश में सुबुद्ध अविकृत, नुकसान रहित अवस्था में होगी और दूरे हुए टुकड़ों, अवशेष और बनावट में लचीलापन जैसे दोषों से मुक्त होगी। उत्पाद आक्षेपणीय बाह्य/दूषित पदार्थों से मुक्त होगा और छिलके चिपके होंगे और ढीले नहीं होंगे।

क्रम सं.	व्यापार नाम	वैज्ञानिक नाम	पैक का प्रकार	जीवाण्विक मानक	पैकिंग और भंडारकरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	हिमशीतिल हिलसा/फिल्लेट	हिलसा विशेष	ब्लॉक हिमशीतिल आई. क्यू. एफ.	1. कुल प्लेट सं./ग्राम अधिकतम—5,00,000 2. ई. कोली सं./ग्राम अधिकतम—20 3. कोगुले सकारात्मक—स्टेफीलोकोक सं./ग्राम अधिकतम—100 4. सालमोनैल्ला—नकारात्मक	हिमशीतिल उत्पाद यात्रा योग्य करोगेटेड काईबोर्ड कार्टन में पैक की जाएगी। हिमशीतिल डिग्री—18° सी या उससे कम तापमान वाले कक्ष में स्टोर की जाएगी। हिमशीतिल हिलसा की आर्द्रतासह फिल्लों में व्यवस्थित लपेटा जाएगा। ब्लॉक हिमशीतिल सामग्री की वंश में उत्पाद प्रारंभिक आद्यानों में पैक किया जाएगा।

कोईदंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संश्लेषण उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयुक्त किए जाएंगे:—

उत्पाद का प्रकार	संश्लेषण
साबुत	एफ एच डब्ल्यू
फिल्लेट	एफ एच एफ

## 7. कटल मछली और स्विड के लिए विनिर्देश:—

सामान्य:— हिमशीतिल कटल मछली और स्विड, मानव उपभोग के लिए उपयुक्त क्वालिटी की ताजी पकड़ी गई पौष्टिक कटल मछली और स्विड से किसी भी रूप में शीघ्र हिमशीतिल करके तैयार किए जाएंगे। प्रसंस्करण स्वच्छ ढंग से किया जाएगा कटल मछली/स्विड और उनकी विभिन्न किस्मों और उत्पादों को एक साथ पैक नहीं किया जाएगा। हिमशीतिल प्रक्रिया समुचित उपकरण में इस ढंग से की जाएगी कि तापमान की सीमा में अधिकतम क्रिस्टलीकरण शीघ्र हो जाए। उत्पाद को ऐसे अवस्था में बनाए रखा जाएगा कि वह भंडारण, परिवहन और लवण के दौरान क्वालिटी को बनाए रखे। प्रतिपिंड रसायन यांत्रिक का प्रयोग प्रसंस्करण के किसी भी प्रक्रम पर नहीं किया जाएगा। हिमशीतिल कटल मछली और स्विड का विशिष्ट रंग और गंध वह होगा जो ताजी कटल मछली और स्विड की होती है, और किसी प्रकार की रंगहीनता आक्षेपणीय गंध और महक नहीं होगी। सामग्री गलाने पर आकर्षक रूप में और स्वच्छ होगी और युक्तिमय रूप में किन्हीं भी दोषों और आक्षेपणीय बाह्य पदार्थ से मुक्त होगी।

क्रम सं.	व्यापार नाम	वैज्ञानिक नाम	मांस के रंग पर आधारित प्रकार	उत्पाद का प्रकार	जीवाण्विक मानक	पैकिंग और भंडारकरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	कटल मछली	1. सेपिया विशेष 2. सेपिया विशेष 3. सिमप्लेकटोल्यूफिस विशेष	1. सफेद 2. दुधिया सफेद	1. कटल मछली साबुत 2. कटल मछली प्लेट पैक 3. कटल मछली फिल्लेट 4. कटल मछली रोल किए हुए पैक 5. टैन्टाकिल सहित कटल मछली फिल्लेट 6. कटल मछली के टैन्टाकिल 7. कटल मछली के पंख 8. कटल मछली के फिल्लेट और टैन्टाकिल 9. कटल मछली के पंख	1. जापान के लिए कुल प्लेट सं./ग्राम अधिकतम—2,00,000 तथा अन्य देशों के लिए 5,00,000 2. ईकोली सं. प्रति ग्राम या अधिकतम—20 3. कोगुलेस सकारात्मक स्टेफी-लोकोक प्रति ग्राम अधिकतम 100 4. सालमोनैल्ला नकारात्मक	फिल्लेट/ट्यूब/टैन्टाकिल को हिम-शीतन से पहले आर्द्रता सुरक्षित झिल्लों में प्रलया-अवग लपेटा जाएगा या में रखा जाएगा। हिमशीतिल वस्तुएं यात्रा योग्य करोगेटेड कार्टन में पैक की जाएगी। हिमशीतिल सामग्री—18° सी या उससे कम वाले तापमान कक्ष में स्टोर की जाएगी।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
2. स्क्विड	1. लोलीया विशेष 2. सेपियोट्यूथिस विशेष 3. लोलीओलस विशेष 4. ड्यूपरिमता विशेष	1. मफेब 2. दूधिया विशेष	1. रिस्वड गायुन 2. रोल किए हुए स्क्विड 3. स्क्विड द्यूथ 4. स्क्विड मिलेडर 5. स्क्विड टैन्टाकिल 6. स्क्विड फिलेट 7. स्क्विड पंख	1. जापान के लिए कुल प्लेट म./ग्राम अधिकतम 2,00,000 तथा अन्य देशों के लिए 5,00,000 2. ई.कोली गणना प्रति ग्राम अधिकतम-20 3. कोंगुलेस गकारात्मक-स्टैफोकोम प्रति ग्राम अधिकतम- 100 4. सालमोनेल्ला-नकारात्मक		

टिप्पणः—जापान को कटल मछली और स्क्विड के निर्यात के लिए उत्पाद के दौरान नियंत्रण सीमा (5) पांच लाख प्रति ग्राम होगी। किन्तु गाम्ब्री कच्ची खपन के लिए आणवित न हो।

कोडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संक्षेपाक्षर उत्पाद के प्रकारों के लिए प्रयोग किए जायेंगे।

उत्पाद का प्रकार	संक्षेपाक्षर
कटल मछली	सी एफ
स्क्विड	एस क्यू
साबुत	क्यू
प्लेट पैक	एफ
रोल किए हुए पैक	आर
कटल मछली प्लेट पैक	सी एफ एफ
कटल मछली साबुत	सी एफ डब्ल्यू
कटल मछली फिलेट	सी एफ एफ टी
कटल मछली के रोल किए हुए पैक	सी एफ आर
टैन्टाकिल गहृत कटल मछली के फिलेट	सी एफ एफ टी टी एन
कटल मछली के टैन्टाकिल	सी एफ टी एन
कटल मछली के पर	सी एफ डब्ल्यू एम सी एम जी
कटल मछली के फिलेट और टैन्टाकिल	सी एफ एफ टी, एफ टी एन
कटल मछली के पंख	सी एफ एफ एन
स्क्विड साबुत	सी क्यू डब्ल्यू
रोल पैक किए हुए स्क्विड	सी क्यू आर
स्क्विड द्यूथ	सी क्यू टी
स्क्विड मिलेडर	सी क्यू सी
स्क्विड टैन्टाकिल	एम क्यू टी एन
स्क्विड फिलेट	एम क्यू एफ टी
स्क्विड पंख	एम क्यू डब्ल्यू एन जी

#### 8. सोल मछली के लिए विनिर्देश

सामान्यः—हिमशीतल सीर मछली साफ पौष्टिक और ताजी सीर मछली को शीघ्र हिमशीतल करके तैयार की जाएगी। सीर मछली के हिमशीतल किल्लेट ताजी और पौष्टिक सीर मछली के प्राप्त किल्लेटों को शीघ्र हिमशीतल करके तैयार किए जायेंगे। प्रसंस्करण स्वास्थ्यकर ढग से रखे गए परिसरों में किया जायगा। गाम्ब्री—30° सी में अतधिक तापमान पर शीघ्र हिमशीतल की जाएगी। हिमशीतल सामग्री गलाने पर किसी भी प्रकार का अवक्षयण, विकृति, निजलीकरण का चिन्ह प्रदर्शित नहीं करेंगी और खाली और शरीर किसी भी प्रकार के नुकसान से मुक्त होगा और किसी भी प्रकार के प्रत्यक्ष दोष से मुक्त होगा। हिमशीतल किल्लेट गलाने पर साफ, मजबूत और नुकसान रहित अवस्था में होंगी। उत्पाद आशेवणीय बाह्य पदार्थों से मुक्त होगा।

क्रम	व्यापार का नाम	वैज्ञानिक नाम	पैक का प्रकार	जीवाण्विक मानक	पैकिंग और संभारकरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. सीर मछली/ फिलेट	स्कोमब्रोमोरस विशेष/साइबियम विशेष	ब्लॉक प्रशीतित/ आई. क्यू. एफ०	1. कुल प्लेट सं./ग्राम अधिकतम-5,00,000 2. ईकोली सं./ग्राम अधिकतम-20 3. कॉगुलेस गकारात्मक-स्टैफोकोक सं./ग्राम अधिकतम-100 4. सालमोनेल्ला-नकारात्मक	हिमशीतित उत्पाद यात्रा योग्य करोमेटेड कार्डबोर्ड कांटेन में पैक किया जायेगा। हिमशीतित सामग्री ऐसे कक्ष में रखी जाएगी जिसका तापमान-18° से. या कम होगा। हिमशीतित सामग्री नमी परख फिल्म में व्यवस्थित रूप से रखी/लपेटेटी जाएगी।	



कोडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संश्लेषाक्षर का उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयोग किए जायेंगे :

उत्पाद का प्रकार	संश्लेषाक्षर
गौर मछली साबुत	एफ एम आर डब्ल्यू
गौर मछली फिलेट	एफ एम आर एफ

#### 9 घोल मछली (ज्यू मछली) के लिए विनिर्देश

सामान्य.—हिमशीलित घोल मछली (ज्यू मछली) साफ, पौष्टिक तन्त्रों घोल मछली (ज्यू मछली) को शीघ्र हिमशीलित करके तैयार की जाएगी। घोल मछली (ज्यू मछली) के हिमशीलित फिलेट ताजी फिलेट ताजी और पौष्टिक घोल मछली (ज्यू मछली) से प्राप्त फिलेटों को शीघ्र हिमशीलित करके तैयार किए जाएंगे। प्रसंस्करण स्वच्छ ढंग से रखेगा, परिसरों में किया जायगा। सामग्री—30° सी से अधिक तापमान पर शीघ्र हिमशीलित की जाएगी। हिमशीलित सामग्री गलाने पर किसी भी प्रकार का अवक्षयण, विकृति, निरंशलीकरण का निम्न प्रवर्णन नहीं करेंगी और खान और शरीर किसी भी प्रकार के नुकसान से मुक्त होगा और किसी भी प्रकार के प्रत्यक्ष दागों से मुक्त होगा। हिमशीलित फिलेट गलाने पर साफ, मजबूत और बिना किसी छिलके के नुकसान रहित अवस्था में होंगी। उत्पाद आक्षेपणीय बाह्य पदार्थों से मुक्त होगा।

क्रम सं.	आपार का नाम	वैज्ञानिक का नाम	पैक का प्रकार	जीवाणुिक मानक	पैकिंग और भंडारण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	घोल मछली (ज्यू मछली) फिलेट	पसुडोमिना विशेष/ जोनोऊडूमेरी/ आटोसिथिंग विशेष	ब्लॉक हिमशीलित/ आई. ज्यू. एफ.	1. कुल प्लेट सं./ग्राम अधिकतम—5,00,000 2. ई. कोली सं./ग्राम अधिकतम—20 3. कोगुलम-मकारात्मक-स्ट्रेफिलोकोकस सं./ग्राम अधिकतम—100 4. सालमोनेल्ला-मकारात्मक	हिमशीलित उत्पाद यात्रा योग्य करोटेटेड कार्डबोर्ड कार्टन में पैक किया जायगा। हिमशीलित सामग्री ऐसे कक्ष में रखी जाएगी जिसका तापमान—18° सी या कम होगा। हिमशीलित सामग्री धारितासह फिन्मों में व्यवस्थित रूप से रखी/पैकेटी जाएगी।

कोडिंग के लिए निम्नलिखित संश्लेषाक्षर उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयुक्त किए जायेंगे :—

उत्पाद के प्रकार	संश्लेषाक्षर
साबुत	एफ जी एफ/एफ जे एफ
फिलेट	एफ जी एफ एफ/एफ जे एफ एफ

#### 10. हिमशीलित मछली और मछली उत्पादों की अन्य किसी अतिनिर्दिष्ट मदों के लिए विनिर्देश :—

सामान्य :—जैना और विक्रेता के बीच करार पाए गए विनिर्देश परन्तु यह तब जब वे आयात करने वाले देश के खाद्य विधियों के अनुरूप हों।

“उपासन्ध-न”

मछली और मछली उत्पाद के निर्यात (कवालिटो नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 का अधिक्रमण करते हुए, निर्यात (कवालिटो नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने वाले नियमों का प्रस्तावित प्राकल्प।

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिम-शीलित मछली और मछली उत्पाद निर्यात (कवालिटो नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1987 है।

2. परिभाषाएँ :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “अधिनियम” से निर्यात (कवालिटो नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है;

(ख) “अधिकरण” से अधिनियम की धारा 7 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण अधिकरणों में से कोई अधिकरण अभिप्रेत है;

(ग) “परिषद्” से निर्यात (कवालिटो नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद् अभिप्रेत है,

(घ) “हिमशीलित” मछली और मछली उत्पाद से निम्नलिखित अभिप्रेत है अर्थात् :—

(I) सभी प्रकार के हिमशीलित जीने (शिम्प)

- (i) साबुत सिर, छिलका और पूंछ सहित,  
(ii) सिर रहित सिर रहित, छिलके और पूंछ सहित,  
(iii) फेनटेल राउन्ड आखिरी भाग और पूंछ के सिवाय सिर और छिलके रहित,  
(iv) फेनटेल डेक्विन्ड जैसा कि ऊपर (iii) में है, किन्तु आहार नाल हटाई हुई,  
(v) फेनटेल बटरफ्लाई जैसा कि ऊपर (iv) में है, किन्तु विभक्त छुना और अपेक्षित पद्धति में व्यवस्थित,  
(vi) छिली हुई, कच्ची छिली हुई या शिरा रहित छिली हुई सिर छिलका तथा पूंछ पूरी तरह हटाया हुआ,  
(vii) छिली हुई और शिरा रहित जैसा कि ऊपर (vi) में है, किन्तु आहार नाल भी हटाई हुई,

- (viii) पकी हुई और : जैसा कि ऊपर (vi) में है, किन्तु पकाने छिनी हुई के पश्चात्,
- (ix) छिनी हुई और : जैसा कि उपरोक्त (vi) में है, किन्तु पकी हुई पकी हुई,
- (x) छिनी हुई, मिरा : जैसा कि ऊपर (vii) में है, किन्तु पकी रहित और पकी हुई हुई भी,
- (xi) माथुस, पकी हुई : जैसा कि उपरोक्त (i) में है, किन्तु पकी हुई भी।
- (II) निम्नलिखित से प्राप्त सभी प्रकार के हिमशीतित लाबस्टर जैसे :—
- (i) राक लाबस्टर : 1. पेनुलिरस होमरस, मछली 2. पेनुलिरस आरलेटस, 3. पेनुलिरस पोलिहेरस
- (ii) गहूरे समुद्र लाबस्टर : पेकलम सिबेला,
- (iii) रेत लाबस्टर : थुनुस विशेष, मछली;
- (III) निम्नलिखित से प्राप्त सभी प्रकार के हिमशीतित पाम्फिडस :—
- (i) पैम्पस ऐरोस्टम } सफेद पाम्फिडस
- (ii) स्टार्मेटम मिनेनसिस }
- (iii) पैरास्टोमेटम भूरी प फट्स नाइजर
- (iv) पैम्पस चाइनेसिस काभी पाम्फिडस या या कांनरोपलिट्स चाइनीस पाम्फिडस
- (IV) राष्ट्राविजय कानगुरता से प्रसंस्कृत सभी प्रकार की हिमशीतित मैक्रियल मछली,
- (V) माइनेल्वा विशेष से प्रसंस्कृत सभी प्रकार की हिमशीतित माइनेल मछली,
- (VI) हिलमा विशेष से प्रसंस्कृत सभी प्रकार की हिमशीतित हिलमा मछली,
- (VII) स्कोम्बरोमोरस विशेष/माइवियम विशेष से तैयार की गई सभी प्रकार की हिमशीतित गोर मछली।
- (VIII) स्यूडो सिस्सेना विशेष/जोबनियस बुमुमिरो/ऑर्टोओलियस विशेष से तैयार की गई सभी प्रकार की हिमशीतित घोल मछली (जू मछली)।
- (IX) कोई अन्य अविनिश्चित मछली
- (X) निम्नलिखित से तैयार की गई सभी प्रकार की हिमशीतित कटल मछली और स्किबडस :—

- (i) सेपिया कैरोनिस
- (ii) सेपिया ऐक्यूलेटा
- (iii) सेपिया थरुस्टोना
- (iv) सेपिया बेबीनाना
- (v) सेपिएला एनमिस
- (vi) सेपिएला लोडोओलस
- (vii) मिम्पलैक्योलियुपियस विशेष तथा

कटल मछली की दशा में

- (i) लोलिगो हार्डविको
- (ii) लोलिगो इडिका
- (iii) लोलिगो एफिमिस
- (iv) सेपिओथजुमिस आरटीपिनस
- (v) लोलिगो ड्यूवासेलो
- (vi) लोविओला इबेस्टागट्रीस
- (vii) यूपरिमना स्टैनोबेक्टाइला

स्किबड की दशा में

3. निरीक्षण का आधार :— निर्यात के लिए आशयित मछली और मछली उत्पादों का निरीक्षण यह देखने की दृष्टि से किया जाएगा कि वे नियम 1 को अपेक्षाओं को पूरा करने हुए, अधिकरण द्वारा अनुमोदित यूनियों में प्रसंस्कृत और स्टोर की गई है और अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा या तो :

(क) यह सुनिश्चित करते हुए कि भण्डारी और मछली उत्पाद प्रसंस्करण के दौरान जैसा कि नियम 5 में विनिर्दिष्ट है उसके अनुसार उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग किया गया है, या

(ख) नियम, 7 के अनुसार दिए गए निरीक्षण के आधार पर, या

(ग) दोनों द्वारा मान्यताप्राप्त है और इन नियमों के परिशिष्ट के अनुसार विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. प्रसंस्करण यूनियों के लिए न्यूनतम अपेक्षाएं

4.1 प्रतिवेश, निर्माण और अभिव्यास :— प्रसंस्करण के ऐसे क्षेत्र जो प्रसंस्करणकर्ता के भौतिक नियंत्रण के अधीन आते हैं, उनमें ऐसी रीति से फंकोट या तारकोल किया जाएगा या घास की थिगलिया लगाई जाएगी जिसमें कि उसमें हवा से उड़ने वाले धूल या अन्य संदूषण के लिए कोई स्थान न रह जाए।

4.1.1 प्रसंस्करण यूनियों के लिए भवन होंगे जो पर्याप्त आकार के हों जिसमें कि भोड़ या कार्मिकों के उत्सर्गों को बाहर से बचा जा सके और उन्हें अच्छी तरह बनाए रखा जाएगा।

4.1.2 प्रसंस्करण यूनिट में कीटों, पक्षियों या अन्य कीड़े-मकोड़े के प्रवेश के और उनके आश्रय के विरुद्ध पर्याप्त संरक्षण होगा और उसमें सरलता से और पर्याप्त सफाई के लिए अनुज्ञात होगी। कच्ची सामग्री भंडार वाले क्षेत्र में प्रवेश के लिए नाइलॉन या तार की जालों के दरवाजों को उपलब्ध किया जाएगा। प्रसंस्करण यूनियों को स्वार्थी प्रकृति के भवन में रखा जाएगा जिसमें सामान्य मौसम के परिमंफट जैसे कि हवा से उड़ने वाली धूल और वर्षा में पर्याप्त संरक्षण प्राप्त रहे। विभिन्न अनुभागीय के अभिव्यास का प्रबंध इस ढंग से किया जाएगा कि कार्य सुविधापूर्वक हो सके और प्रसंस्करण-पूर्व अनुभागीय को संभावित संदूषण को रोक जा सके। ऐसा क्षेत्र जहां कच्चे सामग्री प्राप्त और भंडारित का जाता है, वहां उस क्षेत्र से, जहाँ अंतिम उत्पाद तैयार या पैक किया जाना है, ऐसे पृथक रखा जाएगा जिसमें कि तैयार किए गए उत्पाद को जीवाणुविक संदूषण को हटाया जा सके।

4.1.3 खाद्य उद्योगों के भंडार के लिए प्रयुक्त प्रसंस्करण यूनिट क्षेत्र और डिब्बा उससे पृथक और भिन्न होगा जो अखाद्य सामग्री के लिए प्रयुक्त किया गया हो। खाद्य संभलाई वाले क्षेत्र आवासीय प्रयोजन के क्षेत्र से पूर्णतया पृथक होंगे।

4.1.4 प्रसंस्करण संयंत्र में प्रवेश करने के लिए पहले द्वार पर ही पैर धोने के लिए न्यूनतम 1.5 मीटर × 1.2 मीटर का एक गड्ढा होगा जिसमें रोगाणुरोधक जल होगा। जल को बार-बार बदला जाएगा। प्रसंस्करण हाल के प्रवेश द्वार पर वाशबेसिन, साबुन, तौलिए आदि की व्यवस्था की जाएगी।

4.2 छत, दीवार और फर्श :— नई प्रसंस्करण यूनिट के लिए छतों की डिजाइन और बनावट ऐसी होगी जो धूल एकत्रित होने बाध्य संघनन और कृतकों के आशय को रोक सके और उसे आसानी से साफ किया जा सके।

4.2.1 छत की ऊंचाई कम से कम 4 मीटर (13 फीट) होगी, दरारों और खुले जोड़ों से मुक्त होगी और चिकनी, जलसह और हल्के रंग वाली होगी।

4.2.2 प्रसंस्करण यूनिटों की भीतरी दीवारें, चिकनी, जलमह, गड्ढों और दरारों से मुक्त होंगी, हल्के रंग की होंगी और उन्हें कम से कम 1.3 मीटर तक की ऊँचाई तक आसानी से धोया जा सकेगा। दीवार से दीवार और दीवार से फर्श के जोड़ों में ऐसी गोलाई होनी चाहिए कि सफाई आसानी से की जा सके। दीवारें बाहर निकले भागों से मुक्त होंगी और सभी पाईप और केबल सफाई से ठीक होंगे। फर्श मजबूत, जलसह, अक्षिप्त, अवशरोधी और असंशरीणीय सामग्री से बनाए जायेंगे जिन्हें आसानी से साफ किया जा सके और तथा विस्फोटप्रतिक्रिया किया जा सके। फर्श फिसलन रहित होगा और दरारों से मुक्त होगा। उनमें अपशिष्ट जल बाहर निकालने के लिए पर्याप्त और समान ढलान होगा।

4.3 मक्खियों से बचाव, कीड़ों और पशुओं पर नियंत्रण :—प्रसंस्करण क्षेत्र में मक्खियों से बचाव के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाएगी। और प्रसंस्करण क्षेत्र में अन्य कीड़ों, कृमियों, पक्षियों और पशुओं आदि के प्रवेश को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जायेंगे। प्रवेश और निकास द्वार के दरवाजे नाथलोन या तार की जाली के होंगे और अधिमानतः दोहरे दरवाजे होंगे। धूल और मक्खियों को रोकने के लिए सभी गिरिफिटों पर नाथलोन और तार की जाली होगी।

4.4 प्रकाश और संवातन :—कार्य के सभी क्षेत्र को अच्छी तरह से प्रकाशयुक्त रखा जाएगा। प्रसंस्करण भेज पर या उत्पाद की विनिर्माण के किसी भी प्रक्रम पर धूल और फिसल सीधे नहीं लगाए जाएंगे। ये ऐसे सुरक्षित प्रकार के होंगे जिनसे कि टूटने पर संदूषण से बचा जा सके। उन कमरों में जहाँ काम होता है ताजी हवा देने के लिए दुर्गंध भाप और धूल को हटाने के लिए प्राकृतिक या यांत्रिक संवातन पद्धति की पर्याप्त सुविधा होगी। सभी नई प्रसंस्करण यूनिटों के संवातन द्वार पर परदे होंगे और यदि अपेक्षित हो उचित एयर फिल्टर के साथ सज्जित होंगे और वे छिड़कियाँ जो संवातन प्रयोजन के लिए खोली जाती हैं, परदे से ढकी होगी। परदे ऐसे लगाए जायेंगे कि उन्हें आसानी से सफाई के लिए हटाया जा सके और वे उपयुक्त अपघर्षण प्रतिरोधी धरतु से बने हुए होंगे।

4.5 काम करने के लिए भेजे और बर्तन :—मछली उत्पादों के प्रसंस्करण के दौरान प्रयोग में लाई जाने वाली भेजें, कार्य रूढ़ आधान ट्रे, टैंक या अन्य घर्तन जिनके अप्रभावित अक्षिप्त सामग्री से बने होंगे जो अपघर्षण अवरोधी होंगे और ऐसे डिजाइन और बनावट के होंगे कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी खतरों से बचाया जा सके और सुगन्ध से अच्छी सफाई की जा सके। सभी खाद्य वस्तुओं के संपर्क में आने वाली सतहें, चिकनी, गड्ढों, दरारों, मनुष्य के लिए हानिकारक पदार्थ से मुक्त होंगी और वे ऐसी होंगी कि बार-बार सफाई किए जाने पर वे भी ही रहे और रोगजनक होंगी। मछली उत्पाद के लिए प्रयोग किए गए आधान अधिमानतः स्तरीक या अपघर्षण प्रतिरोधी सामग्री से बने होंगे। प्रसंस्करण हाल में लकड़ी की टोकरी, तार की टोकरी या तामचीनी के बर्तन प्रयोग नहीं किए जायेंगे। भेज की ऊपरी सतह स्टनलेस स्टील, एल्युमिनियम या टूटे हुए लोहे की चट्टी की होगी। यदि जी. आई. सीट पर जंग लग जाए तो उसे बदला दिया जायेगा।

4.5.1 सामग्री धोने वाले टैंकों की डिजाइन इस प्रकार होगी कि जल के लगातार बदलने की व्यवस्था हो और उससे मूल निकास और सुगंध सफाई का प्रबंध होगा। अप्रक्षालित और सहायक सामग्री के लिए प्रयुक्त बर्तनों को विशेष रूप से रंगों द्वारा पेंट से पहचाना जाएगा। और उन्हें खाद्य वस्तुओं की संभालाई के लिए प्रयुक्त नहीं किया जाएगा। प्रसंस्करण क्रिया के दौरान कार्य क्षेत्रों में अपशिष्ट सामग्री और हटाने के लिए पर्याप्त अपशिष्ट पात्रों की व्यवस्था की जाएगी। तार की जाली के पत्रों का प्रयोग किया जा सकता है परन्तु यह तब जब उनमें जंग न लगा हो। किन्तु बांस की टोकरी कच्ची सामग्री प्राप्त करने और ऐसी अन्य प्राप्ति के लिए अनुज्ञापन की जा सकती है।

#### 4.6 मशीनरी :

4.6.1 सर्वाधिक कार्य के समय, उत्पादन को पूरा करने के लिए हिमशीतल अमता पर्याप्त होगी। किन्तु अन्य अनुमोदित प्रसंस्करण यूनिटों की अनिवार्य अमता का भी प्रयोग किया जा सकता है, परन्तु यह तब जब ऐसे हिमशीतल की जिम्मेदारी ऐसे प्रसंस्करणकर्ता की हो।

4.6.2 जिस प्रकार का हिमशीतल प्रयोग में लाया गया है वह उत्पाद की प्रकृति और पैकिंग के प्रकार के अनुसार निर्णय प्रकार का होगा। इस प्रयोजन के लिए, प्लेट डिफ्रिज तक या ब्लॉस्ट हिमशीतल का प्रयोग किया जा सकता है, किन्तु यह उत्पाद की अपेक्षा के ऊपर निर्भर करता है।

4.6.3 गामप्रॉ. शीघ्र हिमशीतल होने वाली होंगी।

4.6.4 ब्लॉक हिमशीतल का दबा में, सामग्री लक्षण-40° सी के तापमान तक पहुँच जाएगा।

4.6.5 हिमशीतल उपकरण मापक से युक्त होगा जो तापमान और दबाव दर्शा करेगा।

#### 4.7 शीतलाधार और भंडारण :

4.7.1 नई प्रसंस्करण यूनिट के लिए शीतलाधार की व्यवस्था और डिजाइन ऐसा होगा कि वह गुरुण स्थानता के सामान्य अभिन्यास के साथ संवेचित रहे और शुष्क प्रचालन सर्वाण कार्य पद्धति के साथ समन्वित हो। यदि एक ही शीतलाधार एक से अधिक प्रसंस्करणकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त किया जाता है तो शीतलाधार गुणधर्म से विशासन द्वारा प्रलग-प्रलग किया जाएगा।

4.7.2 प्रसंस्करण यूनिट में पर्याप्त अमता वाले शीतलाधार होंगे, किन्तु निम्नलिखित बातों के अधीन रहते हुए, सामान्य सुविधा वाले शीतलाधारों का प्रयोग किया जा सकता है अर्थात् :—

- (i) उचित तापमान बनाए रखना,
- (ii) विस्तरोध टुकों द्वारा परिवर्तन, और
- (iii) उत्पाद का प्रत्येक हिस्सा को प्रलग करने हुए, पहचान किए जाने की रीति में गटने के लिये पहचान।

4.7.3 शीतलाधार का दारण तापमान—10° से या उसके कम होगा, जो अधिमानत स्वचालित तापमान अभिलेखन यंत्र से सूचित होगा। किन्तु जंग के कारण सामान्य उत्पाद का तापमान—16° से कम होगा।

4.7.4 निम्नलिखित अभिलेखन के अभाव में शीतलाधार का तापमान कम से कम प्रत्येक बार घंटों में मापा जाएगा और उसका अभिलेख रखा जाएगा।

4.7.5 शीतलाधार में अवरोध रोजने, ताप और फर्शों और दरारों पर हवा के प्रवाहों से घटे जाने की सुविधा के लिए पर्याप्त उपायों का साधन का प्रबंध होगा।

4.7.6 शीतलाधार में प्रवेश को इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि प्रवेश द्वार खोलने पर तापमान में वृद्धि या गिरावट अचानक उत्पाद को प्रभावित नहीं।

4.7.7 उपर्युक्त प्रकार के एक सलग कमरे की भी सहा से व्यवस्था की जाएगी। किन्तु जहाँ स्वचालित स्थिति के साथ तापमान का व्यवस्था है, जहाँ संभव कमरे का आवश्यक नहीं होगा।

4.7.8 शीतलाधार के हिमशीतल सतह को नियमित रूप से विनिर्माण किया गया लोहे, ताम्र, ताम्र के तार पर चालित बर्फ या हिमशीतल पाए जा हिमशीतल पणाल का क्षमता को समायोजन में प्रभावित कर सकता है।

4.7.9 विहिर्षकरण की प्रक्रिया के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि भंडारित उत्पाद पर धूम्र, बर्फ या पिघला हुआ पानी न पड़े।

4.7.10 एक खतरे की घंटी का व्यवस्था होगा जो शीतगार के अंदर फसे व्यक्तियों को सहायता पहुंचा सके।

4.7.11 शीतगार में सफाई संबंधी अपेक्षाओं का उसी प्रकार पालन किया जाएगा जैसे कि सामग्री की उठाई-धराई वाले अन्य स्थापनाओं में होता है। इस प्रयोजन के लिए एक नियमित सफाई व्यवस्था बनाई जाएगी, जिसमें कि स्वच्छता सुनिश्चित हो सके।

4.7.12 ऐसे एकक में जहां ठंडे कमरे की सुविधा नहीं है वहां सामग्री को रातभर पर्याप्त रूप से ठंडे बर्फ में भंडार करने के लिए अनुमति दी जा सकती है।

4.7.13 सभी प्रक्षालक और रोगाणुनाशक अलग-अलग भंडारित किए जाएंगे।

4.7.14 पैकिंग की सामग्री को भंडार में रखने की अलग से सुविधाएं होंगी।

4.7.15 अग्निशामक यंत्रों के प्रतिरित्त जहरीले पदार्थ, जैसे कि कूटक नाशी, धुंधक, कटनाथी या अन्य पदार्थ जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, पृथक ताला बंद कमरे में रखे जाएंगे और इन सभी पदार्थों और उपकरणों के उठाई-धराई का कार्य केवल एक प्रशिक्षित कामिक द्वारा किया जाएगा।

4.8 जल और बर्फ :—सूक्ष्म जीवों की बहुतायत को कम करने के लिए पानी में क्लोरिन अंश को परिचालित करने के लिए क्लोरिनेशन पद्धति का प्रयोग करते हुए, पेय जल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होगा। यदि प्रसंस्करण के लिए प्रयुक्त जल, संरक्षित जल के प्रदाय स्रोतों के प्रतिरित्त अन्य विश्व स्रोतों से लिया जाता है, तो उसमें देयता की प्रमाण-पत्र जो अभिकरण या अभिकरण द्वारा अनुमोदित अन्य संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

4.8.1 यदि बावलर या अन्य सहायक सेवाओं के लिए पंते के अग्रोप जल का प्रदाय किया जाता है तो सहायक जल विभरण पद्धति और पेय जल पद्धति के बीच कोई काम संबंध नहीं होगा। यदि संचयन टंकी का जल प्रयुक्त किया जाता है, तो संचयन टंकी पर्याप्त क्षमता वाली होगी और उन्हें वाहन गृहणों से सुरक्षित रखा जाएगा। संचयन टंकी एक मास में कम से कम एक बार अच्छी तरह साफ की जाएगी। प्रसंस्करण के लिए प्रयुक्त जल में उपलब्ध क्लोरिन का अंश कम से कम (5) पांच पी. पी. ए. स्तर पर रखा जाएगा। बर्फ पेय जल से बनाई जाएगी और उसका विनिर्माण, उठाई-धराई और संभरण इस प्रकार किया जाएगा कि उसे संभरणों में बचाया जा सके। ऐसी युक्तियों के लिए जिनके पास अपना बर्फ प्लांट है तो यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वह पेयजल से बनाए गए हैं और यह संरक्षित नहीं हैं। यदि बर्फ तोड़ने की मशीन का प्रयोग किया जाता है, तो उसे अच्छे हालत में स्वच्छ रखा जाएगा। ऐसी प्रक्रिया युक्तियों को जिनकी संरचना नहीं हुई है, बर्फ को ठूँस और अधिक पिघलने से बचाने के लिए एक विशेष कमरा या अन्य उपयुक्त भंडार गृहों की सुविधा होगी।

4.9 सफाई संबंधी सुविधाएं और नियंत्रण :—गर्भक आशयन को यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक पूर्वक निरीक्षण किया जाएगा कि वह टूटा न हो, और वह नालायक ब्रिचों के बिना होगा। इन आशयनों को मछलर में या उत्पादों के उठाई-धराई के लिए प्रयुक्त करने से पूर्व 10 पी.पी.एम. उपलब्ध क्लोरिन अणु युक्त पेयजल में अच्छी तरह से साफ किया जाएगा।

4.10 कार्य मेधा, ड्रे, बर्तनों और उपकरणों की सफाई और निराकरण :—कार्य मेधों, ड्रे, बर्तनों, कटिंग बोर्ड, आशयनों उपकरणों और कार्य माथों की निराकरण और सफाई के लिए आवश्यक सुविधाएं दी जाएंगी। ऐसे बर्तनों, ड्रे और मेज का उपयोग करते जो पैक किए हुए मांस के संपर्क में

आते हैं, पहले उपयुक्त साफ करने वाले उपयुक्त पदार्थ से साफ की जाएंगे और अन में न्यूनतम 50 पी.पी.एम. उपलब्ध क्लोरिन या जल से साफ की जाएंगी। ऐसा सफाई और धुलाई आवश्यकतानुसार समय-समय पर की जाएगी।

4.11 फर्श की धुलाई/प्रसंस्करण क्षेत्र की दस्त का कार्य आरम्भ से पूर्व एक बार साफ किया जाएगा और तत्पश्चात् प्रत्येक पार्श्व के अंत में उसे साफ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सफाई और धुलाई आवश्यकतानुसार अंतरालों पर की जाएगी।

4.12 मल और अपशिष्ट का व्यवस्था—संयंत्र के मल और अर्द्ध तरल अपशिष्ट को हटाने के लिए उचित और पर्याप्त जल विकास सुविधाएं होंगी। फर्श में कोई ऐसा भाग ऐसा नहीं होगा जहां जल एकत्रित हो और एक जाए। नालियाँ चिकनी और अप्रभावित सामग्री से बनाई होंगी और डिजाइन इस प्रकार से किया जाएगा जिसमें कि उसमें अधिक से अधिक तरल पदार्थ बह सके और उसमें बाढ़ न आए और जल का प्रति प्रवाह न होने पाए। खुली नालियों को ढोड़कर, अपशिष्ट जल से जाने वाले नालियाँ उचित रूप से संचालित होंगी और यदि अप्रक्षिप्त हो, तो ठोस मल को हटाने के लिए कैच बेसिन तक जाएगी। ऐसा एक बेसिन प्रसंस्करण क्षेत्र के बाहर लगाया जाएगा और जलमय कंकरीट या अन्य उचित प्रकार की सामग्री से बनाया जाएगा। कूटकों के प्रवेश को रोकने के लिए खुली नालियों के, जो दरवाजों से गुजरते हैं, मुख पर शांत का तारों लगाई जाएंगी।

4.12.1 अपशिष्ट जल और कूटक-कंकरीट के व्यवस्था के लिए, यथाशक्ति ऐसा प्रबंध किया जाएगा जिसमें कि आवागमन के क्षेत्र में सफाई संबंधी कोई समस्या का कारण न बने। शीतगार में जाने वाले जल का व्यवस्था इस रीति से किया जाएगा जिसमें कि गतिविधियाँ न पहुँच सकें और युक्ति को प्रदान किए जाने वाले जल उसमें संक्षिप्त न हो सके। प्रसिद्ध में किया भो प्रकार से अपशिष्ट या जल एकत्रित न हो सके और वह समुचित मल जल पद्धति के द्वारा नालियों से बाहर निकल जाएगा।

4.13 कारखाना परिसरों में कुत्तों और पशुओं का व्यवस्था :—कुत्तों, बिल्लियों और अन्य पशु जो विसर्जन करने हैं, प्रसंस्करण परिसर में न तो उन्हें प्रवेश करने दिया जाएगा और न उनमें या उनके आवागमन रखे दिया जाएगा।

4.14 औद्योगिक सुविधाएं :—पर्याप्त स्वच्छ शौचालय सुविधाएं दी जाएंगी। शौचालय रखन पर पर्याप्त प्रकाश होगा और वे प्रसंस्करण क्षेत्र से पृथक रखे जाएंगे। शौचालयों में आने वाला बंद होने वाले दरवाजे, हाथ धोने का पात्र और समुचित वायुवस्था होंगी। शौचालय में साबुन दर करने की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

4.15 धुलाई के प्रयोजन के लिए पेयजल का प्रयोग किया जाएगा—हाथ और पैर धोने की सुविधा शौचालय हॉल में प्रवेशद्वार के पास ही दी जाएगी।

4.15 कार्यकों का स्वास्थ्य और सफाई :—संचालन राणा का आशयन से पता लगाने के लिए प्रबंध युक्ति के निम्नलिखित क्षेत्र में कार्यकर्ता रहे कार्यकों की तर्प में कम से कम एक बार स्वास्थ्य परीक्षा करायी जाएगी, और उसका प्रतिवेदन रखा।

4.15.1 मछली प्रसंस्करण क्षेत्र में कार्य करते सभी व्यक्ति, कार्य के पत्रा उपलब्ध की आवश्यकता सफाई जल, रस्ते और मछली उत्पादों को मांस पदार्थों के संस्पर्श से बचाने के लिए सदा तैयार रहनेगे। प्रत्येक मछली कर्मचारियों को उनके कार्य को पद्धति के अनुसार साफ एपन और मिरके पदार्थों की व्यवस्था करेगा। मछली उत्पादों के उठाई-धराई में यदि दस्ताने का प्रयोग किया जाता है तो उन्हें साफ और स्थायी कर इन से रखा जाएगा और वह आवागमन सामग्री से बनाया जाएगा, भिन्न पदार्थ जहां उनका प्रयोग संयंत्र कार्य में प्रयोजन हो। कार्यकार प्रत्येक दिन का कार्य करने करने से पूर्व और शौचालय में जाने के पश्चात् अपने

करने से पूर्व और अन्य अवसरों पर अहां भी आवश्यक हो करने हाथ साबुन या किसी अन्य प्रक्षालक पदार्थ से और क्लोरीनयुक्त जल से धोएंगे। कार्बारी जब भी आवश्यक हो, विशेष रूप से प्रसंस्करण कक्ष से प्रत्येक अनुपस्थिति के पश्चात् और उसमें प्रवेश करने से पूर्व अपने पैर पेयजल और साबुन से धोएंगे। भोजन करना, सिगरेट पीना, संवाकू या अन्य सामग्री चबाना, शुकना और अन्य ऐसी कोई आदत को जो उठाई-धराई या गाने गे जाने के दौरान उत्पाद को दूषित करने वाली है, या कर सकती है, उठाई-धराई और प्रसंस्करण क्षेत्र के किसी भी भाग में प्रतिषिद्ध होगा। ऐसे कपड़े और जूते जो कार्य करने के दौरान पहने नहीं गए हैं, प्रसंस्करण क्षेत्र में नहीं रखे जाएंगे।

4.16 परिवहन सुविधाएं:—कच्ची सामग्री का परिवहन केवल विद्युत्-रोधी और हिमवाहनों में ही किया जाएगा, या इसे उपयुक्त रूप से बर्फ से ढका रखा जाएगा और अच्छे तरह से ढके हुए वाहनों में उनका परिवहन किया जाएगा। ऐसे वाहनों को प्रत्येक उपयोग के पश्चात् धोया जाएगा और रोगाणुओं से मुक्त किया जाएगा और उन्हें इस तरह से रखा जाएगा कि वे उत्पाद को दूषित न कर सकें। किसी भी परिस्थितियों में तैयार उत्पाद को अधिकतर रोधी वाहनों में नहीं ले जाया जाएगा।

4.16.1 आवश्यक आद्यातों और उपकरणों सहित वाहनों की सफाई नियमित रूप से की जाएगी। वाहनों की रगड़ाई और सफाई पेयजल या साफ समुद्री जल से की जाएगी जिसमें उपयुक्त अपमार्जक या रोगाणुनाशक भी मिलाए जायेंगे।

4.17 अभिलेखों का रखा जाना:—इस संबंध में समय-समय पर अभिकरण द्वारा यथावहित आवश्यक रजिस्टर और अभिलेख मछली और मछली उत्पाद के प्रसंस्करण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए प्रसंस्करणकर्ता द्वारा रखे जायेंगे और उन्हें अभिकरण को जब कभी यह अपेक्षा करे, उपलब्ध कराए जायेंगे।

#### 5. प्रसंस्करण के दौरान क्वालिटी नियंत्रण:—

5.1 प्रसंस्करण यूनिट के लिए अन्य अपेक्षाएं:—प्रसंस्करण के दौरान क्वालिटी नियंत्रण के अधीन प्रयोजन के लिए, प्रसंस्करण यूनिट में, नियम 4 में जैसा उल्लिखित है उसके अनिवार्य यूनिट में निम्नलिखित सुविधाएं होंगी:—

(क) प्रसंस्करण यूनिट में, निर्यात के लिए आणविक हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों का जैवसात्विक मूल्यांकन सहित भौतिक रूप से जानने के लिए और जीवाणु विज्ञान के परीक्षण करने के लिए प्रसंस्करण से पूर्व और प्रसंस्करण प्रक्रिया के दौरान पर्यवेक्षण करने के लिए सक्षम और योग्य कामिका होंगे।

(ख) ऐसे कामिकों के पास निम्नलिखित अंशताओं से कोई एक अर्हता होना आवश्यक है:

(i) मत्स्य विज्ञान/प्रसंस्करण में डिग्री/डिप्लोमा।

(ii) प्रसंस्करण यूनिट में कम से कम दो वर्ष के अनुभव सहित विज्ञान में डिग्री।

(ग) नियम 6 में निर्दिष्ट विशेषज्ञों का पैनल ऐसे कामिकों के माध्यम को निर्वाचित करेगा और नियम 5.1 (क) में उल्लिखित प्रमाणों के लिए उन्हें अनुमोदित करेगा।

(घ) यूनिट के पास, निर्यात के लिए आणविक हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों का विश्लेषण और परीक्षण करने के लिए, आवश्यक उपकरणों और रसायनों सहित अपनी प्रयोगशाला होगी।

(ङ) यूनिट के पास प्रसंस्करण के लिए कच्ची सामग्री प्राप्त होने से लेकर पैकिंग तक अपनी अनुरूप और पथक लेन होगा।

5.2 प्रसंस्करण यूनिटों का उत्तरदायित्व:—नियम 5.1 के अनुसार उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण के अधीन अनुमोदित यूनिट के लिए, संपूर्ण प्रसंस्करण से क्रियाओं पर पूरी निगरानी का प्रयोग करने हुए उत्पाद की क्वालिटी सुनिश्चित करने का उत्तरदायित्व प्रसंस्करणकर्ता का अपना होगा और निर्यात निरीक्षण अभिकरण का मुख्य कर्तव्य, प्रसंस्करणकर्ता को, निर्यात के लिए क्वालिटी उत्पाद और स्वास्थ्य-प्रद उत्पाद प्रस्तुत करने में सहायता देना और मार्गदर्शन करना होगा। इन नियमों के अधीन प्रसंस्कर्ता के उत्तरदायित्व नीचे दिए गए हैं जो परिषद् द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अधीन रहते हुए होंगे, अर्थात्

(क) परीक्षण के प्रयोजन के लिए प्रसंस्करण के विभिन्न प्रक्रमों पर और तैयार उत्पाद से नमूने लेना;

(ख) बर्फ और जल के नमूनों का विश्लेषण करना और परिपद द्वारा अधिकथित मानकों पर आधारित यूनिट की स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी माफ नमूने लेना;

(ग) परीक्षित नमूनों के परिणामों का मूल्यांकन करना और विहित विनिर्देशों के अनुसार इन नमूनों की अनुरूपता विनिश्चित करना;

(घ) प्रसंस्करण के विभिन्न प्रक्रमों से और तैयार उत्पादों से जीवाणुनात्मक विश्लेषण करने के लिए नमूने लेना और उनका परीक्षण करवाना;

(ङ) विहित विनिर्देशों के अनुसार उनकी अनुरूपता विनिश्चित करने के लिए जीवाणुनात्मक परिणामों का मूल्यांकन करना;

(च) यह विनिश्चित करना कि प्रसंस्कृत और पैक किए गए मछली और मछली उत्पाद का लॉट निर्यात योग्य है या नहीं।

#### 6. प्रसंस्करण यूनिटों का अनुमोदन:

6.1 अनुमोदन के लिए प्रक्रिया:—निर्यात के लिए हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों का प्रसंस्करण करने के लिए आशय रखने वाला प्रसंस्करणकर्ता, ऐसा करने के अपने आशय की सूचना, लिखित रूप में परिषद् द्वारा विहित प्रोफार्म में अभिकरण के निकटतम कार्यालय को सूचित करेगा। ऐसे निवेदन के पाय 1000/- (केवल एक हजार रुपए) को आवेदन-पत्र फीस अभिकरण को संदाय किया जाएगा। ऐसी सूचना प्राप्त होने पर, अभिकरण के अधिकारियों की एक टीम, यूनिट में उपलब्ध प्रसंस्करण की सुविधाओं की जांच करने के लिए प्रसंस्करण यूनिट में जाएगी। यदि ऐसा पाया जाता है कि इन नियमों में विहित न्यूनतम सुविधाएं यूनिट में उपलब्ध हैं, तो इस प्रयोजन के लिए परिषद् द्वारा गठित विशेषज्ञों का एक पैनल यूनिट में सुविधाओं की पर्याप्तता का जांच करेगा और अपने आवश्यक कार्यवाही के लिए, वह अपने अनुमोदन या अनुमोदन की सिफारिश अभिकरण को करेगा। पैनल की सिफारिश प्राप्त होने पर सात दिन के भीतर अभिकरण या तो यूनिट को अनुमोदित करेगा और उसे निर्यात के लिए हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों के प्रसंस्करण की अनुमति देगा या उसे अनुमोदित नहीं करेगा और प्रसंस्करण कर्ता को निर्यात के लिए हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों के प्रसंस्करण की अनुमति नहीं देगा।

6.2 निरमोदन:—यदि यूनिट को अनुमोदन नहीं किया जाता है, तो पैनल द्वारा अभिलिखित कमियों को बताते हुए प्रसंस्करणकर्ता को उनकी सूचना दी जाएगी। प्रसंस्करणकर्ता उन कमियों में सुधार लाने के पश्चात् जिनके बारे में पैनल द्वारा सिफारिश की गई है अभिकरण को अपने द्वारा उन कमियों में सुधार लाने के छोटे जितनी दायित्व

पैनल ने सिफारिश की है सूचना देगा। इस सूचना की प्राप्ति पर, अभिकरण ऊपर दिए 6.1 के अनुसार कार्रवाई करेगा। इस प्रयोजन के लिए अलग से कोई फीस प्रभार्य नहीं होगी।

### 6.3 अनुमोदन का वापस लेना :

6.3.1 निम्नलिखित प्रक्रिया के अनुपालन के पश्चात् प्रसंस्कृति की बाबत नीचे 6.3.2 में उल्लिखित कारणों से अनुमोदन को वापस ले लिया जाएगा।

- (क) निरीक्षण के पश्चात् अभिकरण के अधिकारी संबंधित यूनिट के सुसंगत रजिस्टर में अपने विचार अभिलेखित करेगा।
- (ख) निरीक्षण के दौरान पाए गए फर्कों/गलतियों/भत्तों को, यदि कोई हों, निरीक्षण के पश्चात्, संबंधित प्रसंस्करणकर्ता को एक सप्ताह के अंतर उनके स्पष्टीकरण के लिए भेजा जाएगा।
- (ग) यदि प्रसंस्करणकर्ता के स्पष्टीकरण से, अभिकरण का समाधान नहीं होता है, तो नियम 6.1 में उल्लिखित विशेषज्ञों के पैनल की जानकारी में विचार के लिए लाया जाएगा।
- (घ) अभिकरण, पैनल की सिफारिशों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करेगा।

6.3.2 किसी यूनिट को दिए गए अनुमोदन को वापस लेने के लिए, निम्नलिखित कारण होंगे :—

- (क) यदि प्रसंस्करण उपस्कर, मशीनरी और भंडार सुविधाएं अच्छी कार्य करने की हालत में नहीं है।
- (ख) यदि यूनिट की स्वास्थ्य और सफाई की अवस्था संतोषजनक नहीं है।
- (ग) यदि प्रति जांच के लिए गए नमूने, परिषद द्वारा अधिकथित मानकों को पूरा करने में असफल रहते हैं।
- (घ) यदि प्रसंस्करणकर्ता, अधिसूचना के उपबन्धों या समय-समय पर जारी किए अनुदेशों का अतिक्रमण किया है या जानबूझकर अतिक्रमण करने का प्रयत्न किया है।
- (ङ) यदि निर्यात की गई हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों की क्वालिटी के बारे में विदेशी क्रेता से शिकायतें प्राप्त होती हैं और अन्वेषण करने पर वे सही पाई जाती हैं।
- (च) प्रसंस्करणकर्ता द्वारा निर्यात की गई मछली और मछली उत्पादों की दो लगातार लदाई या छह मास के दौरान छह लदाई या कुल लदाई के 25% मछली और मछली उत्पादों को छह मास की अवधि के दौरान आयातकर्ता देश द्वारा नार्मल कर दिया जाता है।
- (छ) यदि यूनिट में कम से कम लगातार छह मास तक परिचालन हुआ है, तो अनुमोदन की ऐसी वापसी की सूचना प्रसंस्करणकर्ता को लिखित रूप में दी जाएगी।

6.3.3 यदि नियम, 5 के अधीन पैनल द्वारा अनुमोदित सुविधाएं/व्यवस्था वापस ले ली जाती है, बदल दी जाती है तो नियम, 5 के अधीन अतिरिक्त सुविधा अपने-आप ही वापस हो जाएगी और नियम, 7 में उल्लिखित निरीक्षण लागू होगा।

### 6.4 अनुमोदित यूनिट पर नियंत्रण :

6.4.1 नियम 4 के अधीन अनुमोदित यूनिटों से, अभिकरण जल के वर्फ का नमूना लेगा और प्रसंस्करण में, बर्तनों और कर्मचारियों के हाथों के साफ नमूने लेगा और उसका परिषद् द्वारा अधिकथित जीवाणु-विज्ञान मानकों के आधार पर यूनिट की सफाई और स्वास्थ्य व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभिकरण की प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाएगा।

6.4.2 अभिकरण नियम, 5 के अधीन अनुमोदित यूनिटों से उपरोक्त नियम 6.4.1 में जैसा उल्लिखित है, उसके अनुसार यूनिट के परीक्षण परिणामों की प्रति जांच करने के लिए, जहां कहीं आवश्यक हो, नमूने लेगा।

6.4.3 अभिकरण, यदि ऐसी कांछ करे किसी भी लॉट की, जिसे पहले से ही निर्यात योग्य विनिश्चित किया गया, विहित दिनिर्देशों के अनुसार, उसकी अनुपपत्ता देखने के लिए जांच करेगा।

6.4.4 किसी भी कारण से, यदि कोई यूनिट में, एक से छह मास तक परिचालन नहीं किया गया है तो अभिकरण के न्यूनतम दो अधिकारियों से गठित आंतरिक निर्धारित पैनल, प्रसंस्करण परिचालन आरम्भ करने से पूर्व यूनिट में उपलब्ध सुविधाओं की पर्याप्तता का पुनः निरीक्षण करेगा।

6.5 यूनिट के काम का गुणवत्तन :—इन नियमों के अधीन अनुमोदित यूनिट का काम वर्ष में कम से कम एक बार नियम, 6.1 में निर्दिष्ट पैनल द्वारा मूल्यांकित और पुनर्विलोकित किया जाएगा। ऐसा करते समय पूर्ववर्ती अवधि के दौरान यूनिट के कार्य की विचार में लिया जाएगा, और अनुमोदन को वापस रखने या वापस लेने के संबंध में विनिश्चय किया जाएगा।

6.6 निदेशक निरीक्षण और क्वालिटी नियंत्रण को अंगीकृत :—नियम, 6 के पालन करने के संबंध में अभिकरण के विनिश्चय से व्यतिरिक्त कोई निर्यातकर्ता/प्रसंस्करणकर्ता, निदेशक (निरीक्षण और क्वालिटी नियंत्रण), निर्यात निरीक्षण परिषद् को अंगीकृत कर सकेगा और उसका विनिश्चय अंतिम होगा।

### 7. निरीक्षण :

7.1 नमूना लेना :—निर्यात के लिए आशयित हिमशीतित मछली उत्पादों का निरीक्षण अभिकरण द्वारा नीचे दिए गए नियम, 7.2 पर नमूने मापमान के अनुसार, परेक्षण में से परीक्षण और निरीक्षण करने के लिए नमूना लेकर इस दृष्टि से किया जाएगा, कि वे इस संबंध में परिषद् द्वारा जारी किए गए अनुदेशों को प्रभावी करते हुए, अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मानक दिनिर्देशों के अनुसृत हैं।

### 7.2 नमूना लेने का मापमान :

लॉट में कार्टनों की संख्या	चुने गए मास्टर कार्टनों की संख्या
12—तक	2
13—24	3
25—40	4
41—80	5
81—120	6
121—180	7
181—250	8
251—350	10
351—500	12
501—750	14
751—1000	18
1001—1300	22
1301—1600	25
1601—2000	30
2001—और उसके ऊपर	40

टिप्पण. 1 कोड में एक ही तरह के उत्पाद के अधीन प्रत्येक किस्म से एक लॉट का गठन होगा।

2. चुने हुए प्रत्येक मास्टर कार्टनों में से सभी पट्टियों का भौतिक रूप से सत्यापन करने के पश्चात् एक पट्टी नमूने के तौर पर निकाली जाएगी।

3. आर्इ.क्यू.एफ. उत्पादों की दशा में न्यूनतम 25 टुकड़ों के अधीन रहने हुए कुल टुकड़ों के अधीन 20 नमूनों के रूप में लिए जाएंगे। यदि किसी कार्टन में टुकड़ों की संख्या 25 से कम है, कार्टन की संपूर्ण श्रवणवस्तु नमूने के रूप में निकाल दी जाएगी।

#### 8. प्रमाणीकरण :

8.1 निरीक्षण के लिए सूचना प्रस्तुत करना:—हिमशीतित मछली और मछली उत्पाद का निर्यात करने का आशय रखने वाला निर्यातकर्ता, निर्यात के लिए आशयित परेषण की विनिष्टिया देते हुए अधिकरण के निकटतम कार्यालय को विहित प्ररूप में सूचित करेगा।

नियम 3 या नियम 7 के अधीन प्रमाणन और या निरीक्षण के लिए पण किए गए परेषणों के संबंध में प्रत्येक सूचना के परेषण के भेजे जाने की प्रत्यागित तारीख से कम से कम तीन या पांच कार्य दिवस पूर्व अधिकरण के कार्यालय में निर्यातकर्ता के परिसर से पहुंच जाना चाहिए।

8.2 निर्यात योग्यता/अस्वी कृति एवं के प्रमाणपत्र को जारी करना:— नियम 8.1 के अधीन सूचना की प्राप्ति पर, अधिकरण का यह समाधान हो जाता है कि परेषण, उसको लागू मानक विनिर्देशों के अनुसार प्रसकृत और पैक किया गया है, तो अधिकरण हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों के परेषण को निर्यात योग्य घोषित करने हुए कार्यदिन से तीन और पांच दिन के भीतर, जैसी भी स्थिति हो, प्रमाणपत्र जारी करेगा :

परन्तु जहाँ अधिकरण का समाधान नहीं हुआ है, वहाँ यह उस तीन और पांच कार्यदिनों की अवधि के भीतर जैसी भी स्थिति हो, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने में इंकार करेगा और ऐसे इंकार की सूचना, उसके कारणों सहित, निर्यातकर्ता को देगा।

8.3 प्रमाणन के पश्चात् जांच:—प्रमाणीकरण के पश्चात्, अधिकरण का भंडारगार में, अधिकरण में या पत्तन पर परेषण की क्वालिटी को पुनः निर्धारित करने का अधिकार होगा। यदि यह पाया जाता है कि परेषण इन प्रक्रियाओं में से किसी भी प्रक्रम पर मानक विनिर्देशों के अनुरूप नहीं है, तो मूल रूप से दिए गए प्रमाणपत्र को वापस ले लिया जाएगा।

9. निरीक्षण का स्थान:—इन नियमों के प्रयोजन के लिए हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों का निरीक्षण, प्रसंस्करणकर्ता के परिसर पर और/या नियत निरीक्षण अधिकरण की प्रयोगशाला में या पत्तनों पर किया जाएगा। प्रसंस्करणकर्ता, अधिकरण को ऐसी सभी आवश्यक सुविधाएं देगा जिससे वे ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हों।

10. निरीक्षण फीस:—प्रत्येक परेषण के लिए न्यूनतम 30 रुपये तक की फीस निम्नलिखित दर पर निर्यातकर्ता द्वारा अधिकरण को निरीक्षण फीस के रूप में सहाय किया जाएगा, अर्थात्:—

मद उत्पाद का नाम	परेषणगार	उपांतरित	
	निरीक्षण के लिए	प्रसंस्करण के	
	(उन नमूनों से	अधीन क्वालिटी	
	भित्त जो उपा-	नियंत्रण पद्धति	
	निरत प्रसंस्करण	के अधीन किए	
	के अधीन क्वालिटी	गए निरीक्षण के	
	नियंत्रण पद्धति के	लिए।	
	के अधीन अनु-		
	मोचित है।		
	(प्रति कि. ग्राम	(प्रति कि. ग्राम	
	या उसके भाग के	या उसके भाग के	
	लिए पैसे)	के लिए पैसे)	
1	2	3	4
1. हिमशीतित शिम्पन	छब्बीस	११	नेरह
(सभी प्रकार की)			

1	2	3	4
3. हिमशीतित झींगे		छत्तीस	अठ्ठारह
(सभी प्रकार के)			
3. हिमशीतित कटल मछली		दस	पांच
4. हिमशीतित स्विड		दस	पांच
5. हिमशीतित पार्मिफ्ट और अन्य		दस	पांच
हिमशीतित मछली			

11. अपील:—(क) उपरोक्त नियम 8 के अधीन अधिकरण द्वारा निर्यात योग्यता का प्रमाणपत्र जारी करने में इंकार किए जाने से व्यथित कोई व्यक्ति, ऐसे इंकार की सूचना, की प्राप्ति के दस दिन के भीतर, इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त कम से कम तीन, किन्तु ग्यारह व्यक्तियों से अतिरिक्त विशेषज्ञों के पैनल को अपील कर सकेगा।

(ख) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे।

(ग) पैनल की गणपूर्ति तीन से होगी।

(घ) अपील का निपटारा उसकी प्राप्ति के पंद्रह दिन के भीतर किया जाएगा।

#### उपाखण्ड

(नियम 3 देखें)

#### 0. कॉडिंग:—

0.1 एक काड स्लिप जिस पर प्रसंस्करणकर्ता का संख्यात्मक काड, संक्षिप्त नाम, उत्पाद का प्रकार, वर्ष मांस, उत्पादन की तारीख अंकित होगा, हिम प्रशीतित ब्लॉक पर लगाई जाएगी। अलग-अलग गोल हिम-शीतित पकिंग की दशा में, काड स्लिप मुख्य आधातों में रखी जाएगी। काड का उदाहरण 2 नीचे दिया गया है:—

520 एफएसपी डी

6 अ 10

जहाँ, उपरोक्त उदाहरण में,

520-प्रसंस्करण/निर्यातकर्ता की संख्यावाचक काड

एफ एस उत्पाद का नाम (हिमशीतित शिम्पस)

पी डी--उत्पाद का प्रकार--छोटी हुई और डेविन्ड)

6 प्रसंस्करण का वर्ष (यहाँ 1986 है)

ए प्रसंस्करण का मास (यहाँ जनवरी है)

10. प्रसंस्करण की तारीख (यहाँ मास का दसवां दिन है)

0.2 निम्नलिखित संक्षेपाक्षर वर्ष के मासों के लिए प्रयोग किए जाएंगे:—

जनवरी	क
फरवरी	ख
मार्च	ग
अप्रैल	घ
मई	ङ
जून	च
जुलाई	छ
अगस्त	ज
सितम्बर	झ
अक्टूबर	ट
नवम्बर	ठ
दिसम्बर	ड

## 1. हिमशीतल झींगों (शिमपस) के लिए विनियम :

सामान्य:—मांस उपभोग के लिए हिमशीतल झींगों, पेलेड़े, पेनडलड़े, केलाड़े और पालमोलाड़े परिवारों की उपयुक्त क्वालिटी के ताजे पकड़े हुए पीष्टिक झींगों शीघ्र हिमशीतल द्वारा तैयार किए जायेंगे। प्रसंस्करण स्वच्छ दंग से तैयार किया जायगा। एक ही आकार और रंग के शिमपस (झींगे) एक साथ पैक किए जायेंगे। हिमशीतल प्रक्रिया उचित उपकरण में इस प्रकार की जाएगी कि तापमान की सीमा इतनी हो कि अधिकतम क्रिस्टलीकरण शीघ्र हो जाए। उत्पाद ऐसी अवस्था में रखा जाएगा कि भंडारण, परिवहन, लदान के दौरान क्वालिटी बनाए रखे। प्रतिविद्ध रसायन योज्य का प्रयोग प्रसंस्करण के किसी भी प्रक्रम में नहीं किया जाएगा। झींगों की विशिष्ट रंग और गंध बहू होगी जो ताजे झींगों की गंध होनी है और उसमें किसी प्रकार की रंगहीनता, आक्षेपणीय रंग और गंध नहीं होगी। सामग्री गलाने पर आकर्षक रूप में होगी और युक्तियुक्त रूप से स्वच्छ और किसी भी दोष से मुक्त होगी।

क्रम	सं. विशिष्टताएं	निम्नलिखित के लिए अपेक्षाएं			
		साबुत प्रकार और मिर रहित छिलके रहित प्रकार	छिली हुई और छिलका रहित सिरा रहित और बटरफ्लाई प्रकार	पका हुआ प्रकार	पैकिंग और भंडारकरण
1	2	3	4	5	6
1. शेल की गंध	ताजे पकड़े झींगों की प्राकृतिक रंग विशिष्ट	—	ताजे पकाए गए झींगों की प्राकृतिक विशिष्ट रंग।	हिमशीतित उत्पाद प्राश्मरी डिब्बों में पैक किया जायगा और ऐसा प्राश्मरी आद्यान न्यूनतम 5 पलाई के यात्रा योग्य कार्डबोर्ड के कार्टन में पैक किया जायगा।	
2. निर्जलन	युक्तियुक्त रूप से निर्जलीकरण से मुक्त	युक्तियुक्त रूप से निर्जलीकरण से मुक्त	मुक्ततः निर्जलीकरण से मुक्त	हिमशीतित सामग्री—18° सी पर या कम तापमान वाले कक्ष में भंडार की जाएगी।	
3. मांस का रंग	ताजी झींगा मछली की विशिष्टता	विशिष्ट रंग	पकाया हुआ विशिष्ट रंग	18° सी पर या उससे कम तापमान पर देखें।	
4. शेल या मांस के काले धब्बे	काले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त	शून्य	शून्य		
5. मांस का रूप	ठोस और संगत	ठोस और संगत	ठांस और संगत		
6. गंध	ताजी झींगा मछली की विशिष्ट गंध	किसी भी गंध का बाह्य गंध की अनुपस्थिति	ताजी पकाई हुई झींगा मछली की गंध		
7. महक	ताजी झींगा मछली की (विशिष्टता)	विशिष्ट गंध	विशिष्ट गंध		
8. अधिकतम 37° से/ग्राम पर कुल प्लेट संख्या	10,00,000	10,00,000	10,00,000		
9. अधिकतम प्रति ग्राम ई. कोपी संख्या	20	20	शून्य		
10. प्रति ग्राम अधिकतम सकारात्मक कोगुलेस जीवाणुगण संख्या	100	100	100		
11. साजशोतेला और एरीजोना	सकारात्मक	सकारात्मक	नकारात्मक		

कोडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संक्षेपाक्षर वस्तु के प्रकार के लिए प्रयोग किए जाएंगे:

उत्पाद का प्रकार

माश्रुत

मिर रहित

फैटलसराइड

पंखा डेजिस्ट

फेनटेल बटरपलाई

छिलका रहित और सिरा रहित या कच्ची छिली हुई

छिली हुई और सिरा रहित

पकाई हुई और छिली हुई

छिली हुई और पकाई हुई

छिली हुई सिरा रहित और पकाई हुई

पूरी पकाई हुई

संक्षेपाक्षर

एफ एस डब्ल्यू एस

एफ एस एच एस

एफ एस एफ आर

एफ एस एफ डी

एफ एस एफ बी एफ

एफ एस पी यू डी/एफ एस थार पी

एफ एस पी डी

एफ एस पी पी

एफ एस पी सी

एफ एस पी डी सी

एफ एस डब्ल्यू एस सी



साबुन और सिर रहित शींगा मछली के संबंध में डब्ल्यू पी वी के पी एल टी एफ पी और एस मफेद, भूरा, टाइगर, शींगा मछली स्ट्राइस, फ्लावर, भूरा, गुलाबी (कापरी) और स्केपी क्रमानुसार निविद उत्पाद के प्रकार के संश्लेषण के बाद प्रयुक्त किए जाने चाहिए।

## 2 हिमशीतित लास्टर या लास्टर के मांस के लिए विनिर्देश

सामान्य — यह मानक शीघ्र प्रशीतित कच्ची या पकाए गए लास्टर, लास्टर के पूंछ और लास्टर के मांस के लिए लागू होता है। मानक उपभाग के लिए उचित क्वालिटी की पालिगार्ड और स्कार्लिरेड परिवारों से प्राप्त साजे पीप्टिक लास्टर को शीघ्र हिमशीतित द्वारा हिमशीतित लास्टर/पूँछ और मांस तैयार किया जायगा। विभिन्न प्रकार के लास्टर और उनके उत्पादों को एक साथ पैक नहीं किया जायगा। तूनात्मक आकार और रंग लास्टर को एक साथ पैक किया जायगा। उत्पाद को किसी भी उपयुक्त रूप में तैयार करने के पश्चात हिमशीतित के अर्धन किया जायगा जो मरुस्थित उपकरण में दम बंग से किया जायगा जिससे कि तापमान की सीमा इतनी हो कि अधिकतम क्रिस्टलीकरण शीघ्र हो जाए। उत्पाद ऐसी अवस्था में बनाए रखा जायगा जो परिवहन, संभारकरण और लंबान के दौरान, क्वालिटी बनाए रखे। उत्पाद गलाने पर स्क्वैज होगा और पर दण्ड में सुदृढ़ अधिकृत, नुकसान रहित अवस्था में और मुनितयुक्त रूप से बांध मुक्त होगा। मांस के विविध रंग होगा और उसकी गंध ताजे पकाए गए लास्टर का होगा और रंगहीनता या गन्ध से मुक्त होगा। सामग्री, जैसे, रेत, धूल या अन्य किसी आशेषणाय वायु पदार्थ से मुक्त होगी। प्रतिपक्ष नसायन योज्य का प्रयोग प्रसंस्करण के किसी भी प्रक्रम पर नहीं किया जायगा।

क्रम सं.	व्यापार का नाम	वैज्ञानिक नाम	आतियों पर आश्रित प्रकार	जीवाणिक मानक	पैकिंग और संभारकरण
1	2	3	4	5	6
1.	राफ लास्टर पूंछ/मांस	पेरुलिस विशेष	1. भफिले से बफिली सफेद 2. गुलाबी से हल्के गुलाबी	1. कुल वेट संख्या/ग्राम अधिकतम 5,00,000	लास्टर की पूंछ आर्सेन सुरक्षित जिल्ली में अलग-अलग लगेटा जायगा या हिमशीतित से पहले खंडों में व्यवस्थित किया जायगा। हिमशीतित उत्पाद मात्रा योग्य फ्रीमेड कार्डबोर्ड के बक्कों में पैक किया जा। उससे हिमशीतित सामग्री— $-18^{\circ}$ सी या कम तापमान वाले कक्ष में संभारित की जायगी।
2.	रेन लास्टर/पूँछ मांस शुभ्र विशेष	शुभ्र विशेष	1. बफिली सफेद से सफेदी 2. हल्के भूरे से सफेद	2. ई कॉली प्रति ग्राम अधिकतम—20 3. फोर्गुलेस सकारात्मक स्टेफिलोकोकस प्रति ग्राम सं. अधिकतम—100	ई कॉली प्रति ग्राम या कम तापमान वाले कक्ष में संभार किया जायगा।
3.	गहरे समुद्री/लास्टर पूंछ/मांस	पेरुलिस विशेष	1. बफिले सफेद से सफेदी 2. हल्का गुलाबी	4. सालमोनेल्ला - नकारात्मक	
4.	पकाया हुआ लास्टर/पूँछ/मांस	शुभ्र विशेष पेरुलिस विशेष पेरुलिस विशेष		1. कुल वेट संख्या/ग्राम अधिकतम—1,00,000 2. ई कॉली प्रति ग्राम शुभ्र स्टेफिलोकोकस प्रति ग्राम अधिकतम—100 3. सालमोनेल्ला—नकारात्मक	

कॉडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संक्षेपाक्षर उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयोग किए जाएंगे :-

उत्पाद का प्रकार	संक्षेपाक्षर
राफ लास्टर की पूंछ	एफ आर एल टी
रेन लास्टर की पूंछ	एफ एस एल टी
गहरे समुद्री लास्टर की पूंछ	एफ डी एल टी
पकाया हुआ लास्टर की पूंछ	एफ सी एल टी
राफ लास्टर का पूंछ भाग	एफ आर एल डब्ल्यू
रेन लास्टर साबुत	एफ एस एल डब्ल्यू
गहरे समुद्री लास्टर साबुत	एफ डी एल डब्ल्यू
पकाया हुआ लास्टर साबुत	एफ सी एल डब्ल्यू
लास्टर का मांस	एफ एल एम
पकाया हुआ लास्टर का मांस	एफ सी एल एम

## 3. हिमशीतलित पामफिट के लिए विनिर्देश

सामान्य :—मानव उपयोग के लिए हिमशीतलित पामफिट उचित क्वालिटी की स्ट्रोस्टोर्फडियमस जातियों के ताजे पकड़े गए पौष्टिक पामफिट से शीघ्र हिमशीतलित द्वारा तैयार किए जाएंगे। प्रसंस्करण स्वच्छ रूप से किया जाएगा। तुलनात्मक आकार और रंग के पामफिट को एक साथ पैक किया जाएगा। हिमशीतलित प्रक्रिया उचित उपकरण में इस प्रकार की जाएगी कि तापमान की सीमा इतनी हो कि अधिकतम क्रिस्टलीकरण शीघ्र हो जाए। उत्पाद की ऐसी अवस्था में अतीत रखा जाएगा कि जो भंडारण, परिवहन और लड़ान के समय क्वालिटी को बनाए रखे। प्रतिपिंड रसायन योग्य का प्रयोग प्रसंस्करण के किसी भी प्रथम पर नहीं किया जाएगा। पामफिट का विनिष्ट रंग और गंध बढ़ होगी जो ताजे पामफिट की गंध होगी। और फिल्टर की प्रकार की गंभीरता अक्षेप गंध और मरक नहीं होगी। सामग्री गलाने पर आकर्षक रूप में और स्वच्छ होगी और प्रतिपिंड रूप से किसी भी रूप में मुक्त होगी।

क्रम सं.	व्यापार नाम	वैज्ञानिक नाम	प्रकार	जीवाणियक मानक	पैकिंग और संश्लेषण
1	2	3	4	5	6
1.	हिमशीतलित सिल्वर/मरक पामफिट	1. पैमस विशेष 2. स्ट्रोस्टोर्फडियम विशेष	मरक पामफिट	1. कुल प्लेट सं./प्रति ग्राम, अधिकतम 5,00,000 2. ई. कोली प्रति ग्राम अधिकतम—20	हिमशीतलित उत्पाद यात्रा योग्य कार्गोटेड गले के बर्तन में पैक किया जाएगा। हिमशीतलित सामग्री—18° से या उससे कम तापमान वाले कम में भंडारित की जाएगी। 200 ग्राम से कम भार वाले अलग-अलग टुकड़ों को निषेध के लिए स्वीकृत नहीं किया जाएगा।
2.	पशीनित लाल पामफिट	1. पैमस विशेष 2. पैमस विशेष	लाल पामफिट	3. कोगुलेस मकारात्मक स्ट्रेफिलोकोकस सं./प्रति ग्राम अधिकतम—100 4. साल्मोनेला-नकारात्मक	

कोडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संश्लेषण का उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयोग किया जाता चाहिए :—

उत्पाद का प्रकार	संश्लेषण
मरक/सिल्वर पामफिट	एफ पी डब्ल्यू
लाल पामफिट	एफ पी लाल
लाल पामफिट	एफ पी लाल और
फिल्टर	एफ पी एफ

## 4. हिमशीतलित मैकरल के लिए विनिर्देश

सामान्य :—हिमशीतलित मैकरल शीघ्र पकड़े गए स्वच्छ पौष्टिक मछली के शीघ्र हिमशीतलित करके तैयार किए जाएंगे। प्रसंस्करण स्वाध्यायक रूप से रखे गए परिमर में किया जाएगा। सामग्री गलाने पर स्वच्छ और आकर्षक रूप में होगी और हर प्रकार से सुबुद्ध, नुकसान रहित अवस्था में और अवशेष निजेलन, खून के रिमाइंड से जैसे दोषों से मुक्त होगी। सामग्री-30° से अधिक तापमान पर शीघ्र हिमशीतलित होगी। उत्पाद आक्षेपणीय इष्टित पदार्थ से मुक्त होगा और छिलके होंगे चाहिए, बिले नहीं होंगे। प्रतिपिंड योग्य का प्रयोग प्रसंस्करण के किसी प्रक्रम पर नहीं किया जाएगा।

क्रम सं.	व्यापार नाम	वैज्ञानिक नाम	पैक का प्रकार	जीवाणियक मानक	पैकिंग और भंडारण
1	2	3	4	5	6
1.	हिमशीतलित मैकरल/फिल्टर	स्ट्रोस्टोर्फडियम कानुगुरता	ब्लॉक हिमशीतलित/ आई क्यू एफ	1. कुल प्लेट सं./ग्राम अधिकतम 5,00,000 2. ई. कोली सं./ग्राम अधिकतम 20 3. कोगुलेस मकारात्मक स्ट्रेफिलोकोकस सं./ग्राम अधिकतम 100 4. साल्मोनेला-नकारात्मक	हिमशीतलित उत्पाद यात्रा योग्य कार्गोटेड कार्टन में पैक किया जाएगा। हिमशीतलित सामग्री को ऐसे कक्ष स्टोर किया जाएगा जिसका तापमान-18° से या कम होगा। हिमशीतलित मैकरल आर्द्रतामय फिल्मों में लपेटे जाएंगे। ब्लॉक हिमशीतलित सामग्री की दशा में, उत्पाद प्रारम्भिक आद्यानों में पैक किया जाएगा।

कोडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संश्लेषण का उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयोग किया जाएगा :—

उत्पाद का प्रकार	संश्लेषण
माबुन	एफ एम के डब्ल्यू
फिल्टर पैक	एफ एम के एफ

## साहित्य

## उत्पत्तिशील के लिए निम्नलिखित

सामान्य :— हिमशीलित साहित्य साफ, साबुन मछली के शीघ्र हिमशीलित करने तैयार की जाएगी। प्रसंस्करण स्वच्छतापूर्वक रखे गए परिस्थितों पर किया जाएगा। सामग्री गलाने पर आकर्षक विशिष्ट रंग सहित स्वच्छ होगी और हर तरह से मुदू, अधिकृत, नुकसान रहित अवस्था में और अवशेष निर्जलीकरण और खून के रिसाव जैसे दोषों से मुक्त होगी। सामग्री-30° सी. से अधिक तापमान पर शीघ्र हिमशीलित होगी। उत्पाद आक्षेपणीय बाष्प/द्रवित पदार्थ से मुक्त होगा। छिलके मांस से निपके होंगे होने नहीं होंगे।

क्रम सं.	व्यापार का नाम	वैज्ञानिक नाम	पैक प्रकार	जीवाण्विक मानक	पैकिंग और भंडारण
1	2	3	4	5	6
1. साहित्य मछली/फिलेट	साहित्यल्ला विणग	ब्लॉक प्रशीत/आई ब्यू एफ	1. कुल प्लेट सं./ग्राम अधिकतम-5,00,000 2. ईकोपीसं./ग्राम अधिकतम-20 3. कोगुलेस सकारात्मक हटेफीलोकोकस सं./ग्राम अधिकतम-100 4. सालमोनेल्ला-नकारात्मक	प्रशीतित बस्तुएं या ला योग्य काष्ठ बोर्ड कार्टन में पैक की जाएगी। हिमशीतित सामग्री-18" में या उससे कम तापमान वाले कक्ष में स्टोर की जाएगी। हिमशीतित सामग्री को नमी सुरक्षा झिल्ली में पैक/लपेटा जाएगा। ब्लॉक हिमशीतित सामग्री की दशा में उत्पाद प्रारंभिक आधारों में पैक किया जाएगा।	

कोडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संक्षेपाक्षर उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयोग किए जाएंगे :—

उत्पाद का प्रकार

संक्षेपाक्षर

साबुन

एफ एम डी डब्ल्यू

फिलेट

एफ एम डी एफ

## 6. हिमशीलित हिमसा मछली के लिए विनिर्देश

सामान्य :— हिमशीलित हिमसा/फिलेट साफ और पौष्टिक मछली को शीघ्र प्रशीतित करने तैयार की जाएगी। प्रसंस्करण स्वास्थ्यकर ढंग में रखे गए परिस्थितों पर किया जाएगा। सामग्री गलाने पर आकर्षक विशिष्ट रूप में और स्वच्छ होगी और हर दशा में मुदू, अधिकृत, नुकसान रहित अवस्था में होगी और टूटे हुए टुकड़ों अवशेष और बनावट में लचीलापन जैसे दोषों से मुक्त होगी। उत्पाद आक्षेपणीय बाष्प/द्रवित पदार्थों से मुक्त होगा और छिलके निपके होंगे और होने नहीं होंगे।

क्रम सं.	व्यापार नाम	वैज्ञानिक नाम	पैक का प्रकार	जीवाण्विक मानक	पैकिंग और भंडारण
1	2	3	4	5	6
1.	हिमशीलित हिमसा/फिलेट	हिमसा विणग	ब्लॉक हिमशीलित/आई ब्यू एफ	1. कुल प्लेट सं. /ग्राम अधिकतम 5,00,000 2. ई. कोली सं./ग्रामअधिकतम —20 3. कोगुलेस सकारात्मक स्ट्रेफीलोकोकस सं./ग्राम अधिकतम—100 4. सालमोनेल्ला—नकारात्मक	हिमशीलित उत्पाद यात्रा योग्य कारोसेटेड काष्ठ/बोर्ड कार्टन पैक की जाएगी। हिमशीलित सामग्री —18° सी. या उससे कम तापमान वाले कक्ष में स्टोर की जाएगी। हिमशीलित हिमसा को आद्रता सह फिलमों से व्यवस्थित/लपेटा जाएगा। ब्लॉक हिमशीलित सामग्री की दशा में उत्पाद प्रारंभिक आधानों में पैक किया जाएगा।

कोडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संक्षेपाक्षर उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयुक्त किए जाएंगे :—

उत्पाद का प्रकार

संक्षेपाक्षर

साबुन

एफ. एच. डब्ल्यू

फिलेट

एफ. एच. एफ

## 7. कटल मछली और स्किवड के लिए विनिर्देश

सामान्य :— हिमशीलित कटल मछली और स्किवड, मानव उपभोग के लिए उपयुक्त क्वालिटी की ताजी पकई गई पौष्टिक कटल मछली और स्किवड से किमी भी रूप में शीघ्र हिमशीलित करने तैयार किए जाएंगे। प्रसंस्करण स्वच्छ ढंग से किया जाएगा। कटल मछली/स्किवड और उनकी विभिन्न किस्मों और उत्पादों को एक साथ पैक नहीं किया जाएगा। हिमशीलित प्रक्रिया गम्भीर उपकरण में हम ढंग में की जाएगी कि तापमान की सीमा में अधिकतम क्रिस्टलीकरण शीघ्र हो जाए। उत्पाद को ऐसी अवस्था में बनाए रखा जाएगा कि वह भंडारण, परिवहन और लदान के दौरान क्वालिटी को बनाए रखे। प्रतिपिंड रसायन योग्य का प्रयोग प्रसंस्करण के किसी भी प्रक्रम पर नहीं किया जाएगा। हिमशीलित कटल मछली और स्किवड की विशिष्ट रंग और गंध बह होगी जो ताजी कटल मछली और स्किवड की होती है और किसी प्रकार की रक्तीनता, अवशेष, गंध और मूक नहीं होगी। सामग्री गलाने पर आकर्षक रूप में और स्वच्छ होगी और यंत्रिय रूप में किसी भी दोष और आक्षेपणीय बाष्प पदार्थ से मुक्त होगी।

क्रम सं.	व्यापार का नाम	वैज्ञानिक नाम	मांस के रंग पर आधारित प्रकार	उत्पाद का प्रकार	जीवाणिक मानक	पैकिंग और भंडारकरण
1	2	3	4	5	6	7
1. कटल मछली	1. सेपिआविशेष 2. सेपिएला विशेष 3. सिम-प्ले स्मल्लोयूमिफ विशेष	1. सफेद 2. दूधिया सफेद	1. कटल मछली गाबुल 2. कटल मछली प्लेट पैक 3. कटल मछली फिलेट 4. कटल मछली रोल किए हुए पैक 5. टैटाकिल सहित कटल मछली फिलेट. 6. कटल मछली के टैटाकिल. 7. कटल मछली के पंख 8. कटल मछली के फिलेट और टैकिल, 9. कटल मछली के पंख	1. जापान के लिए कुल ग्लेट सं./ग्राम अधिकतम 2,00,000 तथा अन्य देशों। 3. ई. कोली सं. प्रति ग्राम अधिकतम 20. 3. कोगुलेस सकारात्मक-स्टेफीलोकोकस प्रति ग्राम अधिकतम 100. 4. सालमोनेल्ला नकारात्मक	फिलेट/ट्यूब/टैसकिल को हिम-शीतन पहले धारिता सुरक्षित क्षिप्पी में धमक-धमक नुनटा जाएगा या में रखा जाएगा। हिमशीतित वस्तुएं यात्रा योग्य करो गेटेड कांटेन में पैक की जाएगी। हिमशीतित मामरी—18° सी. या उससे कम वाले तापमान क्षेत्र में स्टोर की जाएगी।	
2. स्किवड	1. लोलींगो विशेष 2. सेपिरीटयूथस विशेष 3. लोलिग्रोनस विशेष 4. ह्यूपरिमाना विशेष	1. सफेद 2. दूधिया विशेष	1. स्किवड गाबुल 2. रोल किए हुए स्किवड 3. स्किवड ट्यूब 4. स्किवड मिलेंडर 5. स्किवड टैटाकिल 6. स्किवड फिलेट 7. स्किवड पंख	1. जापान के लिए कुल ग्लेट सं./ग्राम अधिकतम 2,00,000 तथा अन्य देशों के लिए 5,00,000 2. ई. कोली गणना प्रति ग्राम अधिकतम 20 3. कोगुलेस सकारात्मक स्टैफिलोकोकस प्रति ग्राम अधिकतम-100 4. सालमोनेल्ला-नकारात्मक।		

टिप्पण :— जापान की कटल मछली और स्किवड के निर्यात के लिए उत्पादन के दौरान नियंत्रण सीमा 5 पांच लाख प्रति ग्राम होगी किन्तु सामग्री कच्ची खपत के लिए आशयित न हो।

कोरिया के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संक्षेपाक्षर, उत्पाद के प्रकारों के लिए प्रयोग किए जाएंगे :—

उत्पाद का प्रकार	संक्षेपाक्षर
कटल मछली	सी एफ
स्किवड	एस ड्यू
गाबुल	उड्यू
फ्लैट पैक	एफ
रोल किए हुए पैक	आर
कटल मछली फ्लैट पैक	सी एफ एफ
कटल मछली साधन	सी एफ डब्ल्यू
कटल मछली फिलेट	सी एफ एफ टी
कटल मछली के रोल किए हुए पैक	सी एफ आर
टैटाकिल सहित कटल मछली के फिलेट	सी एफ एफ टी टी एन
कटल मछली के टैटाकिल	सी एफ टी एन
कटल मछली के पंख	सी एफ डब्ल्यू एस जी

कटल मछली के फिलेट और टैटार्किल  
कटल मछली के पंख  
स्क्रिबड साबुत  
रोल पंक किए हुए स्क्रिबड  
स्क्रिबड ट्यूब  
स्क्रिबड सिलेंडर  
स्क्रिबड टैटार्किल  
स्क्रिबड फिलेट  
स्क्रिबड पंख

सोफ एक एक दो एक टी एन  
सो एक एक एन  
सो क्यू डब्ल्यू  
सो क्यू थार  
सो क्यू टी  
सो क्यू सी  
एस क्यू टी एन  
एस क्यू एक टी  
एस क्यू डब्ल्यू एन जी

## 8. सीर मछली के लिए विनिर्देश

सामान्य :— हिमशीतित सीर मछली गाफ, पोष्टिक और ताजी सीर मछली को शीघ्र हिमशीतित करके तैयार की जाएगी। सीर मछली हिमशीतित फिलेट ताजी और पोष्टिक सीर मछली से प्राप्त फिलेटों को शीघ्र हिमशीतित करके तैयार किए जाएंगे। प्रसंस्करण स्वास्थ्यकर ढंग में रखे गए परिसरों में किया जाएगा। सामग्री -30°सी. से अधिक तापमान पर शीघ्र हिमशीतित की जाएगी। हिमशीतित सामग्री गलाने पर किसी भी प्रकार का अवक्षयण, विकृति, निर्जलीकरण का चिह्न प्रदर्शित नहीं करेगी और खाल और शरीर किसी भी प्रकार के नुकसान से मुक्त होगा और किसी भी प्रकार के प्रत्यक्ष दोष से मुक्त होगा। हिमशीतित फिलेट गलाने पर माफ, मजबूत और नुकसान रहित अवस्था में होगी। उत्पाद आक्षेपणीय बाह्य पदार्थों से मुक्त होगा।

क्रम सं.	व्यापार का नाम	वैज्ञानिक नाम	पैक का प्रकार	जीवाण्विक मानक	पैकिंग और भंडारकरण
1	2	3	4	5	6
1. सीर मछली/फिलेट	स्कोमबरोमोरस विशेष/आईबियम विशेष	ब्लॉक प्रशोधित/ आईक्यूएफ		1. कुल प्लेट सं./ग्राम अधिकतम 5,00,000 2. नई कोली सं./ग्राम अधिकतम-20 3. कोगुलस सकारात्मक स्टैफिलोकोकस सं./ग्राम अधिकतम-100 4. सालमोनेल्ला-नकारा- त्मक	हिमशीतित उत्पाद यात्रायोग्य करोगे टेड कार्ड बोर्ड कार्टन में पैक किया जाएगा। हिमशीतित सामग्री ऐसे कक्ष में रखी जाएगी जिसका तापमान-18° सी. या कम होगा। हिमशीतित सामग्री नमी परब फिल्म में व्यवस्थित रूप से रखी में लपेट दी जाएगी।

कोडिंग के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संश्लेषाक्षरों का उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयोग किया जाएगा :—

उत्पाद का प्रकार  
सीर मछली साबुत  
सीर मछली फिलेट

संश्लेषाक्षर  
एफ एस थार डब्ल्यू  
एफ एन थार एफ

## 9. घोल मछली (ज्यू मछली) के लिए विनिर्देश

सामान्य :— हिमशीतित घोल मछली (ज्यू मछली) माफ, पोष्टिक ताजी घोल मछली (ज्यू मछली) को शीघ्र हिमशीतित करके तैयार की जाएगी। घोल मछली (ज्यू मछली) के हिमशीतित फिलेट ताजी और पोष्टिक घोल मछली (ज्यू मछली) से प्राप्त फिलेटों को शीघ्र हिमशीतित करके तैयार किए जाएंगे। प्रसंस्करण स्वच्छ ढंग में रखेगा परिसरों में किया जाएगा। सामग्री-30°सी. से अधिक तापमान पर शीघ्र हिमशीतित की जाएगी। हिमशीतित सामग्री गलाने पर विकृति, निर्जलीकरण किसी भी प्रकार का अवक्षयण का चिह्न प्रदर्शित नहीं करेगी और खाल और शरीर किसी भी प्रकार के नुकसान से मुक्त होगा और किसी भी प्रकार के प्रत्यक्ष दोष से मुक्त होगा। हिमशीतित फिलेट गलाने पर माफ, मजबूत और बिना किसी छिलके के नुकसान रहित अवस्था में होगी। उत्पाद आक्षेपणीय बाह्य पदार्थों से मुक्त होगा।

क्रम सं.	व्यापार नाम	वैज्ञानिक नाम	पैक का प्रकार	जीवाण्विक मानक	पैकिंग और भंडारकरण
1	2	3	4	5	6
1. घोल मछली (ज्यू मछली) फिलेट	एमुडोसिना विशेष/ जोनीऊमडुसमेरो/ आटोनिथिस विशेष	ब्लॉक हिमशीतित/ आई.क्यू एफ.		1. कुल प्लेट सं./ग्राम अधिकतम 5,00,000 2. ई. कोली सं./ग्राम अधिकतम 20 3. कोगुलस सकारात्मक- स्टैफिलोकोकस सं./ग्राम अधिकतम-100 4. सालमोनेल्ला नकारात्मक	हिमशीतित उत्पाद यात्रायोग्य करोगे टेड कार्ड बोर्ड कार्टन में पैक किया जाएगा। हिमशीतित सामग्री ऐसे कक्ष में रखी जाएगी जिसका तापमान-18° सी. या कम होगा। हिमशीतित सामग्री आर्द्रतासह फिल्मों में व्यवस्थित रूप से रखी/लपेट दी जाएगी।

कोडिंग के लिए निम्नलिखित संश्लेषाक्षर उत्पाद के प्रकार के लिए प्रयुक्त किए जाएंगे :—

उत्पाद का प्रकार  
साबुत  
फिलेट

संश्लेषाक्षर  
एफ बी एफ/एफ जे एफ  
एफ जी एफ एफ/एफ जे एफ एफ

10. हिमशीतित मछली और मछली उत्पादों की अन्य किसी प्रतिनिष्टि मर्कों के लिए विनियम :—

सामान्य :—केता और विनियम के बीच करार पाए गए विनियम परन्तु यह तब जब वे प्रायास करने वाले देश के चाप विधियों के अनुसूच हों।

प्राप्त टिप्पण :—

का.प्र. 4007 तथा 4008, तारीख 31 दिसम्बर, 1977

[का. नं. 6(12)/84-ई आई एण्ड ई.पी.]

एन.एम. हरिहरन, निदेशक

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 12th May, 1987

### ORDER

S.O. 1358.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient to do for the development of the export trade of India that Frozen Fish and Fishery Products should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government, in supersession of the notifications of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 4007 dated the 31st December, 1977 and the Export of Fish and Fishery Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1977, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, hereby publishes the said proposals for information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person who desires to make any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within 45 days of the date of publication of this order in the official Gazette to the Export Inspection Council of India, Pragati Tower, 11th Floor, Rajendra Place, New Delhi-110008.

## PROPOSALS

(a) To notify that Frozen Fish and Fishery Products shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(b) To specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Frozen Fish and Fishery Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1987 as set out in Annexure-II, appended to this Order as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Frozen Fish and Fishery Products prior to their export;

(c) To recognise the specifications as set out in Annexure-I appended to this Order as the standard specifications for Frozen Fish and Fishery Products;

(d) To prohibit the export of such Frozen Fish and Fishery Products in the course of international trade, unless the same are accompanied by a certificate of inspection issued by an agency established by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that such Frozen Fish and Fishery Products conform to the standard specifications and are exportworthy;

3. Nothing in this Order shall apply to the export by land, sea or air of samples of Frozen Fish and Fishery Products to prospective buyers, the value of which does not exceed rupees five hundred per sample of any type of Fish and Fishery products, caught and stored in chartered foreign fishing vessels subject to such conditions as may be specified by the Government of India from time to time in this behalf.

4. For the purpose of this Order, 'Fish and Fishery Products' shall mean—

### I. all types of frozen prawns (shrimps)—

- |  |   |   |
|--|---|---|
| (i) Whole                                    | : | Head, Shell and tail on   |
| (ii) Headless                                | : | Head removed, shell and tail on                                   |
| (iii) Fantail round                          | : | Head and shell removed except on last segment and tail on         |
| (iv) Fantail deveined                        | : | As in (iii) above, but the alimentary canal removed               |
| (v) Fantail butterfly                        | : | As in (iv) above, but split open and arranged in required pattern |
| (vi) Peeled, raw-peeled or peeled undeveined | : | Head, shell and tail removed completely                           |
| (vii) Peeled and deveined                    | : | As in (vi) above, but the alimentary canal also removed           |
| (viii) Cooked and peeled                     | : | As in (vi) above, but after cooking.                              |
| (ix) Peeled and cooked                       | : | As in (vi) above, but also cooked                                 |
| (x) Peeled, deveined and cooked              | : | As in (vii) above, but also cooked                                |
| (xi) Whole, cooked                           | : | As in (i) above, but also cooked.                                 |

### II. All types of frozen lobsters obtained from—

- |                       |   |                                |
|-----------------------|---|--------------------------------|
| (i) Rock lobster      | : | 1. <i>Panulirus homarus</i>    |
|                       | : | 2. <i>Panulirus ornatus</i>    |
|                       | : | 3. <i>Panulirus polydneous</i> |
| (ii) Deep sea lobster | : | <i>Perrulus sewelli</i>        |
| (iii) Sand lobsters   | : | <i>Thunnus spp.</i>            |

### III. all types of frozen pomfrets obtained from —

- |  |   |                                   |
|--|---|-----------------------------------|
| (i) <i>Pampus argenteus</i>                          | : | White pomfret                     |
| (ii) <i>Stemateus sinesis</i>                        | : | White pomfret                     |
| (iii) <i>Parastromateus niger</i>                    | : | Brown pomfret                     |
| (iv) <i>Pampus chinensis</i> or <i>chondroplitis</i> | : | Black pomfret or Chinese pomfret; |

- IV. all types of frozen Mackerel fish processed from *Rastrelliger kanagurta*;  
 V. all types of frozen Sardine fish processed from *Sardinella* spp;  
 VI. all types of frozen Hilsa fish processed from *Hilsa* spp;  
 VII. all types of frozen Cuttlefish and Squids processed from-

(i) <i>Sepia pharaonis</i>	}	In the case of Cuttlefish
(ii) <i>Sepia aculeata</i>		
(iii) <i>Sepia thurstoni</i>		
(iv) <i>Sepia brevimana</i>		
(v) <i>Sepiella inermis</i>		
(vi) <i>Sepiella lidolus</i>		
(vii) <i>Symplectoteuthis</i> sp.		

AND

(i) <i>Loligo hardwicki</i>	}	In the case of Squids
(ii) <i>Loligo indica</i>		
(iii) <i>Loligo affinis</i>		
(iv) <i>Septoteuthis arctiolepis</i>		
(v) <i>Loligo duvauceli</i>		
(vi) <i>Lololus investigatoris</i>		
(vii) <i>Euprymna scolopendyla</i>		

- VIII. all types of frozen seer fish processed from- *Scomberomorus* spp/*Cyblum* spp;  
 IX. all types of frozen ghool fish (Jew fish) processed from-  
*Pseudosciaenops* spp./*Johnius dussumieri*/*Otolithes* spp;  
 X. any other unspecified item of frozen fish and fishery products.

#### ANNEXURE I

#### SPECIFICATIONS FOR FISH AND FISHERY PRODUCTS

##### 0. CODING

0.1 A code slip bearing the marking of the numerical code of the processor, abbreviation of the name and type of product, year month and date of production shall be embedded on the frozen block. In the case of Individually Quick Frozen (IQF) packs the code slip shall be placed in the primary containers. An illustration of the coding is given below:-

520 FSPD

6A10

where, in the above illustration

- 520 — the numerical code of the processor/exporter  
 FS — Name of the product (Frozen shrimps)  
 PD — Type of product (peeled and deveined)  
 6 — Year of processing (here 1986)/  
 A — Month of processing (here January)  
 10 — Date of processing (here tenth day of the month)

0.2 The following abbreviations shall be used for the months of the year :

January	—	A
February	—	B
March	—	C
April	—	D
May	—	E
June	—	F
July	—	G
August	—	H
September	—	J
October	—	K
November	—	L
December	—	M

## 1. SPECIFICATIONS FOR FROZEN PRAWNS (SHRIMPS)

General : Frozen Prawns shall be prepared by quick freezing from freshly caught wholesome prawns belonging to families of penaeidae, Palaemonidae, Crangonidae and Palaeomonidae of a quality suitable for human consumption. The processing shall be carried out in a hygienic manner. Shrimps (Prawns) of comparable size and colour shall be packed together. The freezing process shall be carried out in appropriate equipment in such a way that the range of temperature of maximum crystallization is passed quickly. The product shall be maintained under such condition as well maintain the quality during storage, transportation and shipment. Prohibited chemical additives shall not be used in any stage of the processing. The prawns shall have characteristic colour and odour of that of fresh prawns and shall not have any discolouration, objectionable odour and flavour. The material on the wing shall be clean having an attractive appearance and shall be reasonably free from any defect.

Sl. No.	Characteristics	Requirement for			Packing, and Storage
		Whole type and Headless shell on type	Peeled, Peeled and deveined and Butterfly type	Cooked type	
1	2	3	4	5	6
1.	Colour of shell	Natural colour Characteristic of freshly caught prawn	—	Natural colour Characteristic of fresh cooked prawns	The frozen product shall be packed in primary containers and such primary containers shall be packed in seaworthy cardboard cartons of 5 ply minimum.
2.	Dehydration	Reasonably free from dehydration	Reasonably free from dehydration	Reasonably free from dehydration	The frozen material shall be stored in a room maintained at or below a temperature of $-18^{\circ}\text{C}$ .
3.	Colour of flesh	Characteristic of fresh prawns	Characteristic colour	Characteristic cooked colour	
4.	Black spots of shell or meat	Reasonably free from black spot	Nil	Nil	
5.	Texture of meat	Firm and consistent	Firm and consistent	Firm and consistent	
6.	Odour	Characteristic odour of fresh prawns	Absence of any off odour or foreign odour	Odour of fresh cooked prawn	
7.	Flavour	Characteristic of fresh prawn	Characteristic flavour	Characteristic flavour	
8.	Total plate count at $37^{\circ}\text{C}$ /gm. max.	10,00,000	10,00,000	1,00,000	
9.	E. Coli count per gm. max.	20	20	Nil	
10.	Coagulase positive staphylococcus count per gm. max.	100	100	100	
11.	Salmonella and Arizona	Negative	Negative	Negative	

The following abbreviations shall be used for the types of product for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
Whole	FS WL
Headless	FS HL
Fantail round	FS FR
Fantail deveined	FS FD
Fantail butterfly	FS FBF
Peeled and undeveined or raw Peeled	FS PUD or FS RP
Peeled and deveined	FS PD
Cooked and peeled	FS CP
Peeled and cooked	FS PC
Peeled deveined and cooked	FS PDC
Whole cooked	FS WLC

In the case of whole and headless shrimps W, B, T, KP, ST, F, P and S shall be used after the abbreviation of the type of product to denote white, brown, tiger, king prawn, striped, flower, pink brown (Kapsi) and scampi respectively.



## 2. SPECIFICATIONS FOR FROZEN LOBSTERS, LOBSTER, MEAT

General : This standard applied to quick frozen raw or cooked lobsters, lobster tails and lobster meat. Frozen lobster/tails and meat shall be prepared by quick freezing the lobsters obtained from fresh whole lobsters from the families Palingridae and Scyllaridae of a quality suitable for human consumption. Lobsters of different varieties and products thereof shall not be packed together. Lobsters of comparable size and colour may be packed together. The product, after any suitable preparation shall be subjected to a freezing which shall be carried out in appropriate equipment in such a way that the range of temperature of maximum crystallization is passed quickly. The product shall be maintained under such conditions as will maintain the quality during transportation, storage and shipment. The product on thawing shall be clean having an attractive appearance and shall in every way being a sound, intact, undamaged condition and reasonably free from defects. The meat shall have the characteristic colour and odour of that of freshly caught lobster and shall be free from discolouration or off odour. The material shall be free from eggs, sand, dirt and any other objectionable extraneous matter. Prohibited chemical additive shall not be used at any stage of processing.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of depending upon species	Bacteriological standard	Packing and Storage
1	2	3	4	5	6
1.	Rock Lobster/Tails/Meat	Panulirus sp.	1. Snow-white to white 2. Light pink to pink	1. Total plate count/gm. max. 5 00,000	Lobster tails shall be wrapped individually in moisture proof film or arranged in block before freezing. The frozen product shall be packed in seaworthy corrugated cardboard boxes. The frozen material shall be stored in a room maintained at $-18^{\circ}\text{C}$ temperature or below.
2.	Sand Lobster/Tails/Meat	Thunnus sp.	1. Snow-white to white 2. Off white to light brown	2. E. coli per gm. max. 20 3. Coagulase positive staphylococcus count per gm. max. 100	
3.	Deep Sea-lobster/Tails/Meat	Perulius sp.	1. Snow-white to white 2. Light pink	4. Salmonella Negative.	
4.	Cooked Lobster/Tails/Meat	Thunnus sp. Parulus sp. Panulirus sp.	—	1. Total Plate count/gm. max. 1,00,000 2. E. coli per gm.—Nil 3. Coagulase positive staphylococcus count per gm. max. 100. 4. Salmonella—Negative.	

The Following abbreviations shall be used for type of products for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
Rock Lobster Tails	F RLT
Sand Lobster Tails	F SLT
Deep Sea Lobster Tails	F DLT
Cooked Lobster Tails	F CLT
Rock Lobster Whole	F RLW
Sand Lobster Whole	F SLW
Deep Sea Lobster Whole	F DLW
Cooked Lobster Whole	F CLW
Lobster Meat	F LM
Cooked Lobster Meat	F CLM

## 3. SPECIFICATIONS FOR FROZEN POMFRETS

General : Frozen Pomfrets shall be prepared by quick freezing from freshly caught wholesome pomfrets belonging to Stramatidae/pampus species of a quality suitable for human consumption. The processing shall be carried out in a hygienic manner. Pomfrets of comparable size and colour shall be packed together. The freezing process shall be carried out in appropriate equipment in such a way that the range of temperature of maximum crystallization is passed quickly. The product shall be maintained under such condition will maintain the quality during storage, transportation and shipment. Prohibited chemical additive shall not be used in any stage of

the processing. The pomfrets shall have the characteristic colour and odour of that of fresh pomfrets and shall not have any discolouration, objectionable odour and flavour. The material on thawing shall be clean having an attractive appearance and shall be reasonably free from any defects.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type	Bacteriological standard	Packing and storage
1	2	3	4	5	6
1.	Frozen Silver/White White Pomfrets	1. Pampus sp. 2. Stromateus sp.	White Pomfret	1. Total plate count per gm. max. 5,00,000 2. E. coli per gm. max. 20	The frozen products shall be packed seaworthy corrugated cardboard boxes.
2.	Frozen Brown Pomfret	1. Parastormateus 2. Pampus sp.		3. Coagulase positive Staphylococcus count per gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen material shall be stored in a room maintained at or below $-18^{\circ}\text{C}$ temperature. Individual pieces weighing less than 300 gms shall not be allowed for export

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
White /Silver Pomfret	F PW
Black Pomfret	F PB
Brown Pomfret	F PBR
Fillets	F PF

#### 4. SPECIFICATION FOR FROZEN MATERIAL

General : The frozen Mackerel shall be prepared by quick freezing the clean, wholesome fish. The processing shall be carried out in premises maintained in hygienic manner. The material on thawing shall be clean having an attractive characteristic appearance and shall in every way be in a sound, undamaged condition and free from defects like deterioration, dehydration and oozing of blood. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding  $30^{\circ}\text{C}$ . The product shall be free from objectional foreign/extraneous matter and scales shall be adhered and shall not be loose. Prohibited chemical additive shall not be used at any stage of processing.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of pack	Bacteriological standard	Packing and storage
1.	Frozen Mackerel/Fillet	Rastrelliger Kanagurta	Block Frozen /IQF	1. Total plate count/gm. max. 5,00,000 2. E. Coli count/gm. max. 20 3. Coagulase positive Staphylococcus count/gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen products shall be packed in seaworthy corrugated cardboard cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below a temperature of $-18^{\circ}\text{C}$ . The frozen Mackerel shall be arranged/wrapped in a moisture proof film. In the case of block frozen material the product shall be packed in a primary container.

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
Whole	F MKW
Fillet pack	F MKF

## 5. SPECIFICATION FOR FORZEN SARDINE

General : The frozen Sardine shall be prepared by quick freezing the clean, wholesome fish. The processing shall be carried out in premises maintained in hygienic manner. The frozen material on thawing shall be clean having an attractive characteristic appearance and shall in every way be in a sound, intact, undamaged condition and be free from defects like deterioration, dehydration and oozing of blood. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding -30°C. The product shall be free from objectionable foreign/extraneous matter. The scales shall be adhered to the meat and shall not be loose.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of product	Bacteriological Standard	Packing and Storage
1	2	3	4	5	6
1.	Sardine Fish/Fillets	Sardinella sp.	Block Frozen/IQF	1. Total plate count/gm. max. 5,00,000 2. E.coli count/gm. max. 20 3. Coagulase positive Staphylococcus count/gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen products shall be packed in seaworthy card board cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below a temperature of -18 °C. The frozen material shall be arranged/wrapped in a moisture proof film. In the case of block frozen material the product shall be packed in a primary container.

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding:

## Type of product

Whole  
Fillet

## Abbreviation

FSd W  
FSd F

## 6. SPECIFICATION FOR FROZEN HILSA

General : The frozen Hilsa/Fillets shall be prepared by quick freezing the clean and wholesome Hilsa. The processing shall be carried out in premises maintained in hygienic manner. The material on thawing shall be clean having an attractive characteristic appearance and shall be in every way be in a sound, intact, undamaged condition and free from defect like broken pieces deterioration and softening of texture. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding -30°C. The product shall be free from objectionable foreign extraneous matter and scales shall be adhered and shall not be loose.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of pack	Bacteriological standards	Packing and Storage
1	2	3	4	5	6
1.	Frozen Hilsa/Fillets	Hilsa sp.	Block Frozen/IQF	1. Total plate count/gm. max. 5,00,000 2. E. coli count per gm. max 20. 3. Coagulase positive Staphylococcus count per gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen products shall be packed in a seaworthy corrugated cardboard cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below -18°C temperature. The frozen Hilsa shall be arranged/wrapped in moisture-proof film. In the case of block frozen material the product shall be packed in a primary container.

The following abbreviations shall be used for type of product for the purpose of coding:

## Type of product

Whole  
Fillet

## Abbreviation

FH W  
FH F

## 7. SPECIFICATION FOR CUTTLEFISH AND SQUID

General : Frozen Cuttlefish and Squids in any form shall be prepared by quick freezing from freshly caught wholesome cuttlefish and squid of a quality suitable for human consumption. The processing shall be carried out in hygienic manner. Cuttlefish/squid shall be varieties and products shall not be packed together. The freezing process shall be carried out in appropriate equipment in such a way that the range of temperatures of maximum crystallisation is passed quickly. The product shall be maintained under such conditions as will maintain the quality during storage, transportation and shipment. Prohibited chemical additives shall not be use at any stage of processing. Frozen cuttlefish and squids shall have the characteristic colour and odour of that of fresh cuttlefish and squids and shall not have any discolouration, objectionable odour and flavour. The material on thawing shall be clean, having an attractive appearance and shall be reasonably free from any defects and objectionable foreign matter.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type depending upon colour of meat	Type of products	Bacteriological Standard	Packing and Storage
1	2	3	4	5	6	7
1.	Cuttlefish	1. Sepia sp. 2. Sepiella sp. 3. Symplectoteuthis sq.	1. White 2. Milky white	1. Cuttlefish Whole 2. Cuttlefish Flat pack 3. Cuttlefish Fillets 4. Cuttlefish Rolled pack 5. Cuttlefish Fillets with tentacles 6. Cuttlefish tentacles 7. Cuttlefish Wings 8. Cuttlefish Fillets and Tentacles 9. Cuttlefish Fins	1. Total plate count/gm. max. 2,00,000 for Japan and 5,00,000 for other countries 2. E. coli count per gm. max. 20 3. Coagulase positive staphylococcus per gm. max. 100 4. Salmonella—Negative	The fillets/ tubes tentacles shall be wrapped individually in moisture-proof film or arranged in block before freezing. The frozen product shall be packed in seaworthy corrugated cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below -18. °C temperature.

1	2	3	4	5	6	7
2.	Squids	1. Loligo sp. 2. Sepioteuthis sp. 3. Lolious sq. 4. Euprymna sp.	1. White 2. Milky white	1. Squid Whole 2. Squid rolled pack 3. Squid tube 4. Squid Cylinder 5. Squid tentacles 6. Squid fillets 7. Squid Wings	1. Total plate count/gm. max. 2,00,000 for Japan and 5,00,000 for other countries 2. E. coli count per gm. max. 20. 3. Coagulase positive staphylococcus per gm max. 100 4. Salmonella-Negative	

Note: TPC limit for Cuttlefish and Squids for export to Japan and shall be 5 lakhs per gram provided the material is not meant for raw consumption.

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding:

Type of product

Abbreviations

Cuttlefish  
Squids  
Whole

CF  
SQ  
Q

Type of product	Abbreviations
Flat Pack	F
Rolled Pack	R
Cuttlefish Flat pack	CFF
Cuttlefish Whole	CFW
Cuttlefish Fillets	CFFT
Cuttlefish rolled pack	CFR
Cuttlefish Fillets with tentacle	CFFTTN
Cuttlefish tentacles	CFTN
Cuttlefish Wings	CFWNG
Cuttlefish fillets and tentacles	CFFT&TN
Cuttlefish fins	CFFN
Squid Whole	SQW
Squid rolled pack	SQR
Squid tube	SQT
Squid cylinder	SQC
Squid tentacles	SQTN
Squid fillets	SQFT
Squid Wings	SQWNG

## 8. SPECIFICATION FOR SEER FISH

General : Frozen Seer Fish shall be prepared by quick freezing the clean, wholesome and fresh seers. Frozen Fillets of Seer Fish shall be prepared by quick freezing the fillets obtained from fresh and wholesome seer fish. The processing shall be carried out in a premises maintained in hygienic manner. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding  $-30^{\circ}\text{C}$ . The frozen material on thawing shall not show any sign of deterioration, spoilage, dehydration and shall be free from damages on skin and body and shall be free from any visible defects. The frozen fillets on thawing shall be clean, intact and in undamaged condition. The product shall be free from objectionable foreign matter.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of pack	Bacteriological standard	Packing and Storage
1.	Seer Fish/Fillet	Scomberomorus sp./ Cybium sp.	Block Frozen/IQF	1. Total plate count/gm. max. 5,00,000 2. E. coli count/gm. max. 20 3. Coagulase positive staphylococcus count/gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen products shall be packed in seaworthy corrugated cardboard cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below a temperature of $-18^{\circ}\text{C}$ . The frozen material shall be arranged/wrapped in a moisture-proof film.

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding:

Type of product	Abbreviation
Seer Fish Whole	FSRW
Seer Fish fillets	FSRF

## 9. SPECIFICATION FOR GHOL FISH (JEW FISH)

General : Frozen Ghol Fish (Jew Fish) shall be prepared by quick freezing the clean, wholesome and fresh Ghol Fish (Jew Fish). Frozen Fillets of Ghol Fish (Jew Fish) shall be prepared by quick freezing the fillets obtained from fresh and wholesome Ghol Fish (Jew Fish). The processing shall be carried out in a premises maintained in hygienic manner. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding  $-30^{\circ}\text{C}$ . The frozen material on thawing shall not show any sign of deterioration, spoilage, dehydration and shall be free from damages on skin and body and shall be free from any

visible defects. The frozen fillets on thawing shall be clean, intact and in undamaged condition without any scale. The product shall be free from any objectionable foreign matter.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of pack	Bacteriological Standard	Packing and Storage
1.	Ghol Fish (Jew Fish)/Gillets	Psudoseiaena sp. Johnius dussumieri/ Otolithes sp.	Block Frozen/IQF	1. Total plate count/gm. max. 5,00,000 2. E. coli count/gm. max. 20 3. Coagulase positive Staphylococcus count/gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen products shall be packed in seaworthy corrugated cardboard cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below a temperature of $-18^{\circ}\text{C}$ . The frozen material shall be arranged/wrapped in a moisture-proof film.

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding:

Type of product	Abbreviation
Whole	FGF/FJF
Fillets	FGFF/FJFF

#### 10. SPECIFICATIONS FOR ANY OTHER UNSPECIFIED ITEMS OF FROZEN FISH AND FISHERY PRODUCTS

General : The specifications agreed to between the buyer and the seller provided these conform to the Food Laws of the Importing Country.

#### ANNEXURE-II

#### DRAFT RULES PROPOSED TO BE MADE UNDER SECTION 17 OF THE EXPORT (QUALITY CONTROL AND INSPECTION) ACT, 1963 (22 OF 1963) IN SUPERSESSION OF THE EXPORT OF FISH AND FISHERY PRODUCTS (QUALITY CONTROL AND INSPECTION) RULES, 1977

1. Short title and commencement.—These rules may be called the Export of Frozen Fish and Fishery Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1987.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) 'Act' means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) 'agency' means any one of the Export Inspection agencies established under section 7 of the Act;

(c) 'Council' means the Export Inspection Council established under section 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963;

(d) 'Frozen Fish and Fishery Products' mean :—

##### (I) All types of Frozen Prawns (Shrimps)

- |                                     |   |   |
|-------------------------------------|---|---|
| (i) Whole                           | : | Head shell and tail on  |
| (ii) Headless                       | : | Head removed, shell and tail-on                                   |
| (iii) Fantail round                 | : | Head and shell removed except on last segment and tail            |
| (iv) Fantail deveined               | : | As in (iii) above, but the alimentary canal removed               |
| (v) Fantail butterfly               | : | As in (iv) above, but split open and arranged in required pattern |
| (vi) Peeled, raw peeled or undeined | : | Head, shell and tail removed completely                           |
| (vii) Peeled and deveined           | : | As in (vi) above, but the alimentary canal also removed           |
| (viii) Cooked and peeled            | : | As in (vi) above, but after cooking                               |
| (ix) Peeled and cooked              | : | As in (vi) above, but cooked                                      |
| (x) Peeled, deveined and cooked     | : | As in (vii) above, but also cooked                                |
| (xi) Whole, cooked                  | : | As in (i) above, but also cooked.                                 |

##### (II) all types of frozen lobster obtained from:

- |                       |   |   |
|-----------------------|---|---|
| (i) Rock lobster      | : | 1. <i>Panulirus homarus</i><br>2. <i>Panulirus ornatus</i><br>3. <i>Panulirus polycharous</i> |
| (ii) Deep sea lobster | : | <i>Perrulus sewelli</i>   |
| (iii) Sand lobster    | : | <i>Thunnus</i> sp.  |

##### (III) all types of Frozen Pomfrets like -

- |  |   |                                   |                |
|--|---|-----------------------------------|----------------|
| (i) <i>Pampus arocentus</i>                          | } | :                                 | White pomfrets |
| (ii) <i>Stromateus sinensis</i>                      |   |                                   |                |
| (iii) <i>Parasyromateus niger</i>                    | : | Brown pomfret                     |                |
| (iv) <i>Pampus chinensis</i> or <i>Chonrogilutis</i> | : | Black pomfret or Chinese pomfret; |                |

- (IV) all types of frozen Mackerel Fish processed from *Rastrelliger Kanagutta*
- (V) all types of frozen Sardine fish processed from *Sardinella* sp.
- (VI) all types of Frozen Hilsa Fish processed from *Hilsa* sp.
- (VII) all types of frozen Seer fish processed from *Scobmeromorus* sp./*cybium* sp.
- (VIII) all types of frozen Ghol Fish (Jew fish) processed from *Pseudo seisena* sp./*Jobinus duszumieri*/Otolithes sp.
- (IX) any other unspecified fish.
- (X) all types of Frozen Cuttlefish and Squids processed from:
- |                                     |                             |
|-------------------------------------|-----------------------------|
| (i) <i>Sepia pharaonis</i>          | } In the case of Cuttlefish |
| (ii) <i>Sepia aculeata</i>          |                             |
| (iii) <i>Sepia thurstoni</i>        |                             |
| (iv) <i>Sepia brevimana</i>         |                             |
| (v) <i>Sepiella inermis</i>         |                             |
| (vi) <i>Sepiella lidolus</i>        |                             |
| (vii) <i>Symplectoteutis</i> sp.    |                             |
| AND                                 |                             |
| (i) <i>Loligo hardwickii</i>        | } In the case of Squids     |
| (ii) <i>Loligo indica</i>           |                             |
| (iii) <i>Loligo affinis</i>         |                             |
| (iv) <i>Sepioteutis arctipinnis</i> |                             |
| (v) <i>Loligo duvacei</i>           |                             |
| (vi) <i>Loliolus investigatoris</i> |                             |
| (vii) <i>Eupryma sinodectyla</i>    |                             |

3. Basis of Inspection.—Inspection of Frozen Fish and Fishery Products intended for export shall be carried out with a view to seeing that the same have been processed and stored in units approved by the agency as having satisfied the requirements at rule 4 and conforms to the specifications as per Appendix to these rules and recognised by the Central Government under section 6 of the Act, either,—

(a) by ensuring that during the processing of the Fish and Fishery Products the In-process Quality Control as specified in rule 5 have been exercised;

or

(b) on the basis of inspection carried out in accordance with rule 7,

or

(c) by both.

#### 4. MINIMUM REQUIREMENTS FOR PROCESSING UNITS—

4.1 Surroundings, construction and layout.—The immediate approach of the processing areas which are under the physical control of the processor shall be concreted or tarred or turfed in a manner that there shall not be any room for wind blown dust and other contamination.

4.1.1 The processing unit shall have buildings adequate in size to avoid crowding of equipment or personnel and shall be well maintained.

4.1.2 The processing unit shall have sufficient protection against the entry and harbourage of insects, birds or other vermin, and to permit easy and adequate cleaning. The entry to the raw-material storage area shall be provided with nylon or wiremesh doors. The processing unit shall be housed in a building of permanent nature, affording sufficient protection from normal climatic hazards like-blown dust and rain. The layout of different sections shall be arranged in such a way as to facilitate the smooth flow of work and to prevent possible contamination from pre-processing section. The area in which the raw material is received and stored shall be so separated from the area in which the final product is prepared or packed in such a manner as to eliminate bacteriological contamination of the finished product.

4.1.3 The processing unit, areas and compartment used for the storage of edible products shall be separate and distinct from those used for inedible materials. The food handling areas shall be completely separated from the area used for residential purposes.

4.1.4 At the first door of entry into the processing plant a foot washing pit of minimum 1.5 mtr. x 1.2 mtr. with antiseptic water shall be provided. The water shall be changed at frequent intervals. Wash basin, soap, towel etc. shall also be provided at the entrance of the processing hall.

4.2 Ceiling, wall and floor.—For new processing unit ceilings shall be designed and constructed to prevent accumulation of dust, condensation of steam, harbourage of rodents and shall be easy to clean.

4.2.1 The ceiling shall be at least 4 metres (13 feet), in height, free of cracks and open joints and shall be of a smooth, water-proof, and light coloured finish.

4.2.2 Internal walls of the processing unit shall be smooth, water-proof, free of pits and cracks, light coloured and easily washable upto a minimum height of 1.3 metres. Wall to wall, and wall to floor junctions shall be rounded to facilitate cleaning. Walls shall be free from projections and all pipes and cables shall be neatly covered. The floor shall be constructed of durable water-proof, non-toxic, non-absorbent and non-corroding material which is easy to clean and disinfect. The floor shall non-slip and without crevices and shall slope evenly and sufficiently to drain off water.

4.3 Fly-proofing, vermin and animal control.—The processing areas shall be provided with effective fly-proofing arrangements and other suitable steps shall also be taken to prevent entry of other insects, rodents, birds and animals etc., into the processing areas. The door of entry and exist shall have nylon or wiremesh and shall preferably be of double door system. All the windows shall have nylon or wire-mesh to prevent dust and flies.

4.4 Lighting and ventilation.—All the working areas shall be well-lighted. Light bulbs and fixtures shall not be directly suspended over the processing table or at any stage of the preparation of the product. These shall be of safety type to prevent contamination in the event of breakage. There shall be adequate facilities for natural or mechanical ventilation system to provide fresh air, remove undesirable odours, steam and smoke from rooms where work is performed. For all new processing units ventilation openings shall be screened and if required equipped with

proper air filters and windows which open for ventilation purpose shall be screened. The screens shall be made easily removable for cleaning and shall be made from suitable corrosion resistant material.

4.5 Working tables and utensils—All working tables, work surfaces, containers, trays, tanks and other utensils used during the processing fishery products shall be of smooth, impervious and non-toxic material which shall be corrosion resistant and shall be so designed and constructed as to prevent hygienic hazards and permit easy and thorough cleaning. All food contact surfaces shall be smooth and free from pits and crevices, substances harmful to human being, and they shall be capable of withstanding repeated cleaning and disinfection. Containers used for fishery products shall be preferably be made of plastic or corrosion resistant material. Bamboo baskets, wire baskets and enamelled utensils shall not be used in the processing hall. The table tops shall be of stainless steel, aluminium or G.I. sheets. In the event of G.I. sheets getting rusted it shall be replaced.

4.5.1 Material washing tanks shall be so designed so as to provide constant change of water with good circulation and to have provisions for drainage and easy cleaning. Utensils used for inedible or contaminated material shall be identified by specific colour painting as such and shall not be used for handling edible products. Adequate waste receptacles shall be provided for frequent removal of waste material from the working areas during processing operations wiremesh receptacles may be used in the processing operations provided they are not rusted. However, bamboo baskets may be permitted in the raw-material receiving and such operations.

#### 4.6 Machinery —

4.6.1 The freezing capacity shall be adequate to meet the production in peak season. However, spare capacity of other approved processing units may be utilized provided the responsibility for such freezing will be that of the processor.

4.6.2 The type of freezing used shall be specific to the nature of the product and type of pack. For this purpose, either the plate freezer or the blast freezer may be used depending upon the requirement of the product.

4.6.3 The material shall be quick frozen.

4.6.4 In the case of block freezing, the material shall attain a temperature around  $-40^{\circ}\text{C}$ .

4.6.5 The freezing equipment shall be fitted with gauges to show the temperature and pressure.

#### 4.7 Cold storage and warehousing —

4.7.1 For new processing unit the location and design of the cold storage shall be such that it is integrated into the general layout of the whole establishment and its operation incorporated into the flow pattern of the overall operation. In the event of same cold storage being used by more than one processor, the cold storage shall be distinctly separated by partitions.

4.7.2 The processing unit shall have cold storage of adequate capacity. However, common facility cold storage may be utilized subject to the following conditions :—

- (i) the maintenance of proper temperature;
- (ii) transportation by insulated truck, and
- (iii) stacking of cartons in an identifiable manner separating each variety of product.

4.7.3 The ideal temperature of the cold storage shall be  $-18^{\circ}\text{C}$  or less, preferably fitted with automatic temperature recording device. The product temperature shall however, be below  $-16^{\circ}\text{C}$  at any time of checking.

4.7.4 In the absence of continuous recording, thermometer, the temperature of the cold storage shall be measured at an interval of at least 4 hours and records maintained thereof.

4.7.5 The cold storage shall be well lighted and shall have wooden reeper arrangements on the floors and walls to facilitate free circulation of air.

4.7.6 The entry into the cold storage shall be so designed that on opening the entry door, the temperature shall not rise as to affect the stored product.

4.7.7 An ante-room of suitable size shall invariably be provided. However, where air curtain with automatic switch on device is provided, the ante-room shall not be essential.

4.7.8 The cooling surfaces of the cold storage shall be regularly defrosted in order to avoid excessive build up of ice or frost, which may seriously affect the efficiency of the cooling system.

4.7.9 During defrosting operation, care shall be taken to prevent any frost, ice or melt water falling on the stored product.

4.7.10 There shall be an efficient alarm system to render timely help to persons trapped inside.

4.7.11 The cold storage shall be subjected to the same sanitary requirements as in other material handling establishments. For this purpose, a regular cleaning schedule shall be maintained to ensure good hygienic conditions.

4.7.12 In the units where chill room facility is not available, the material may be permitted to be stored overnight adequately iced.

4.7.13 All detergents and disinfectants shall be stored separately.

4.7.14 There shall be separate facility for storing of packaging material.

4.7.15 Toxic substances such as rodenticides, fumigants, insecticides or other substances injurious to health, except fire fighting equipments, shall be kept in a separate locked room and all these substances and equipments shall be handled by trained personnel only.

4.8 Water and ice—There shall be plentiful supply of potable water with suitable chlorination system allowing the residual chlorine content of the water at desired levels in order to reduce multiplication of micro-organisms. If the water used for processing is from sources other than protected water supplies, a certificate of potability of the same from the agency or institutions approved by the agency shall be produced.

4.8.1 If non-potable water is supplied for boiler and other auxiliary services, there shall be no cross-connection, between the auxiliary water system and the system carrying potable water. If the water is used from a storage tank, the tank shall be of sufficient capacity and shall be protected from extraneous contamination. The storage tank shall be cleaned at least once in a month. The minimum available chlorine content in water used for processing shall be maintained at 5 ppm level. Ice shall be made from potable water and shall be so manufactured, handled and stored as to protect it from contamination. For such units which are having its own ice plant it shall be ensured that the same is made from potable water and is not contaminated. Ice crushing machine, if used, shall be kept in good sanitary conditions. A special room or other suitable storage facilities shall be provided to protect the ice from contamination and excessive meltage for such processing unit which may be constructed newly.

4.9 Sanitary facilities and control—Each and every container shall be inspected carefully to ensure that it is undamaged and is without feasible flaws. These containers shall also be cleaned thoroughly using potable water containing 10 p.p.m. available chlorine before they are used for handling fishery products.

4.10 Washing and disinfection of working tables, trays, utensils and equipments—Necessary facilities shall be pro-



vided for cleaning and disinfection of working tables, trays, utensils, cutting boards, containers, equipment and working implements which are used during processing. Utensils, trays and table tops which come in contact with unpacked material shall be washed initially with a suitable cleaning agent and finally with water containing 50 ppm available chlorine. Such cleaning and washing shall be done as often as necessary.

4.11 Washing of the floor—The processing area shall be cleaned before the day's work starts and then at the end of each working shift. In addition, the cleaning and washing shall be done as frequently as necessary.

4.12 Sewage and waste disposal—There shall be suitable and adequate drainage facilities for the removal of liquid or semi-liquid wastes from the plant. There shall not be any floor area where water may collect and stagnate. Drains shall be constructed of smooth and impervious material and shall be designed to cope with the maximum flow of liquid without any over-flowing and flooding. The drainage lines carrying water affluent except for open drains shall be properly vented and if required, run to a catch-basin for removal of the solid waste material. Such a basin shall be located outside the processing area and shall be constructed of water-proof concrete or other similar material. The openings of open drains, if any, which pass through walls shall be fitted with metal grills to prevent the entry of rodents.

4.12.1 The arrangements for disposal of sewage waste water and offal shall be done as quickly as possible and shall be such that it shall not cause any sanitary problems to the neighbourhood. The sewage from the toilet shall be disposed off in such a manner that the same shall not be accessible to flies and shall not contaminate the unit's water supply. There shall not be accumulation of waste or water of any kind in the premises and shall be drained off with a proper sewage system.

4.13 Exclusion of dogs and animals from factory premises—The dogs, cats and other animals being possible potential carriers of disease shall not be allowed to enter or to live in the processing premises.

4.14 Toilet facility—Adequate toilet facilities of sanitary type shall be provided. The toilets shall be well lit and shall be isolated from the processing area. The toilets shall be provided with self-closing doors and with wash basins and soap. The toilets shall be provided with fly-proofing arrangements.

4.14.1 Potable water shall be used for washing purposes. Hand and feet washing facility shall be provided near the entrance of the toilet also.

4.15 Personnel health and hygiene—In order to facilitate the detection of communicable disease, the management shall conduct at least yearly medical examination of the personnel working in any area of the unit and records thereof maintained.

4.15.1 All persons working in the fish processing area shall maintain a high degree of personal cleanliness while on duty and shall take all precautions to prevent contamination of fishery products with any foreign substance. The management shall provide clean aprons and headgears to all employees according to the nature of their work. Gloves if used in handling of fishery products shall be maintained in clean and sanitised condition and shall be made of impermeable material except where their use would be incomplete with the work involved. Worker shall wash their hands thoroughly with soap or other cleaning agent, and chlorinated water before commencing each day's work, on every occasion after visiting a toilet before resuming work, and also on other occasions wherever necessary. Workers shall also wash their feet with potable water and soap wherever necessary, especially before entering into and after each

absence from the processing hall. Eating, smoking, chewing tobacco or other materials, spitting and any such other habit which may or is likely to contaminate the product during handling or processing shall be strictly prohibited in any part of the handling and processing areas. Clothing and footwear not worn during working hours shall not be kept in any processing areas.

4.16 Transportation facilities—The raw-material shall be transported in insulated conveyances—or shall be adequatelyiced and transported in properly covered conveyances. Such conveyances shall be cleaned and disinfected immediately after each use and shall be maintained as not to constitute a source of contamination of the product. Under no circumstances, finished product shall be carried in non-insulated vehicles.

4.16.1 Cleaning of the conveyance together with the necessary receptacles and equipment, shall be done on a routine basis. Doing scrubbing and cleaning of the conveyances with potable water or clean sea water to which a suitable detergent or disinfectant has been added shall be done.

4.17 Maintenance of records—Necessary registers and records as prescribed by the agency in this regard from time to time, shall be maintained by the processor in order to ensure effective control on the processing of fish and fishery products and these shall be made available to the agency as and when required.

## 5. IN-PROCESS QUALITY CONTROL—

5.1 Additional requirements for processing unit—For the purpose of approval under In-process Quality Control, the processing unit shall have the following facilities in the unit, in addition to those mentioned at rule 4 :—

- (a) The processing unit shall have competent and qualified personnel to supervise pre-processing and processing operation to conduct physical with organoleptic evaluation and to test for bacteriology of frozen fish and fishery products meant for export.
- (b) Such personnel shall possess any one of the following qualifications :—
  - (i) A degree/diploma in Fishery Science/Processing.
  - (ii) A degree in Science with at least two years experience in a processing unit.
- (c) The Panel of Experts referred to in rule 6 shall assess the capabilities of such personnel and approve them for the purposes mentioned at rule 5.1(a).
- (d) The unit shall have its own laboratory with all necessary equipments and chemicals to carry out analysis and testing frozen fish and fishery products meant for export.
- (e) The unit shall have its own exclusive and separate area for processing starting from raw-material receiving to packing.

5.2 Responsibilities of the processing unit.—For unit approved under In-process Quality Control as per rule 5.1, exercising total surveillance of the entire processing operations to ensure quality of the product shall be the responsibility of the processor themselves and the main duties of the Export Inspection Agency shall be to assist and guide the processor in their attempt to produce wholesome and quality products for export. The responsibilities of the processor under these rules are given hereunder, subject to instructions issued by the Council :

- (a) To draw samples at the various stages of processing and from the finished product for the purpose of tests :
- (b) To draw and analyse samples of water and ice and also swab samples in order to assess the sanitary and hygienic condition of the unit based on the standards

laid down by the Council ;

- (c) To evaluate the results of the samples tested and decide on the conformity of these samples to the prescribed specifications ;
- (d) Drawal of samples for bacteriological analysis from the various stages processing and the finished products and getting the same tested ;
- (e) Evaluation of bacteriological results to decide their conformity with the prescribed specifications ; and
- (f) To decide whether the lots of fish and fishery products processed and packed are exportworthy or not.

#### 6. Approval of Processing Unit :

6.1 Procedure for approval.—A processor intending to process frozen fish and fishery products for export shall inform his intention to do so in writing, in the proforma prescribed by the Council, to the nearest office of the agency. Along with such request an application fee of Rs. 1000 (Rupees one thousand only) shall be paid to the agency. On receipt of such intimation, a team of the agency officers shall visit the processing unit in order to adjudge the facilities for processing available in the unit. If the unit is found to have the minimum facilities as prescribed in these rules, a Panel of Experts constituted for this purpose by the Council, shall adjudge the adequacy of the facilities in the unit and recommend the approval or disapproval to the agency for further necessary action. Within seven days of receiving the recommendation of the Panel the agency shall either approve the unit and permit it to carry out processing of frozen fish and fishery products for export or not approve the same and shall not allow the processor to process frozen fish and fishery products for export.

6.2 Non-approval.—In case the unit is not approved, it shall be communicated to the processor in writing pointing out the deficiencies recorded by the Panel. A processor, after rectifying such deficiencies as recommended by the Panel, shall intimate the agency along with details of rectifications of the deficiencies carried out by them. On receipt of this intimation, the agency shall take the steps as in 6.1 above. Separate application fee shall not be charged for this purpose.

#### 6.3 Withdrawal of approval—

6.3.1 The approval accorded in respect of a processor shall be withdrawn for the reasons mentioned at 6.3.2 below, after compliance of the following procedure :—

- (a) After inspection, the officials of the agency shall record their observations in the relevant registers of the concerned unit.
- (b) Letters pointing out the discrepancies/errors/mistakes, if any, observed during the inspection shall be sent to the concerned processor within a week after inspection for their explanation.
- (c) If the agency is not satisfied with the explanation of the processor the same shall be brought to the notice of the Panel of Experts referred to at rule 6.1 for their consideration.
- (d) The agency shall take necessary action on the basis of the recommendations of the Panel.

6.3.2 The following shall be the reasons for the withdrawal of the approval accorded to a unit :—

- (a) If the processing equipment, machinery and storage facilities are not in good working condition.
- (b) If the sanitary and hygienic condition of the unit is not satisfactory.
- (c) If the samples drawn for counterchecks fail to meet the standards laid down by the Council.

(d) If the processor has violated/deliberately attempted to violate the provisions of the notification or instructions issued from time to time.

(e) If complaints are received from foreign buyers regarding the quality of frozen fish and fishery product exported and on investigation the same are found to be genuine.

(f) If two consecutive shipments of fish and fishery products or six shipments for a period of six months of 25% of the total shipments during the period or six months of fish and fishery products exported by the processor have been rejected by the importing country.

(g) If the unit was not in operation continuously for a minimum period of six months. Such withdrawal of the approval shall be intimated to the processor in writing.

6.3.3 In case any Panel approved facility/arrangement under rule 5 is withdrawn changed or altered, the approval accorded with additional facilities under rule 5 shall automatically be withdrawn and inspection as mentioned at rule 7 shall be applicable.

#### 6.4 Controls on the approved unit—

6.4.1 From the unit approved under rule 4, the Agency shall draw samples of water ice and swab samples from processing tables, utensils and worker's hands and test them in the agency laboratory, in order to assess the sanitary and hygienic conditions of the unit on the basis of the bacteriological standards laid down by the Council.

6.4.2 The agency shall draw samples as mentioned at rule 6.4.1 above from the unit approved under rule 5 to countercheck the test results of the unit whenever necessary.

6.4.3 The agency, if so desires, shall check any lot already decided as exportworthy, in order to see its conformity with the prescribed specifications.

6.4. If an approved unit was not in operation for one month to six months, due to any reason, an internal assessment panel consisting of minimum two agency officers shall reassess the adequacy of the facilities available in the unit, before resuming processing operations.

6.5 Evaluation of performance of the unit.—The performance of the unit approved under these rules shall be evaluated and reviewed by the Panel referred to at rule 6.1 at least once in a year. While doing so, the performance of the unit during preceding period shall be taken into consideration and decision taken to continue/withdraw the approval.

6.6 Appeal to the Director (Inspection and Quality Control).—Any exporter/processor aggrieved by the decision of the agency in the matter of administering the rule 6 may prefer an appeal to the Director (Inspection and Quality Control), Export Inspection Council and his decision shall be final.

#### 7. Inspection—

7.1 Sampling.—The inspection of frozen fish and fishery products meant for export shall be done by the agency by drawing samples as per sampling scale at rule 7.2 below from the consignment for carrying out examination and testing of the same with a view to seeing that the consignment conforms to the standard specification recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by effecting the instructions issued in this regard by the Council.

## 7.2 Sampling Scale—

No. of Cartons in the Lot	No. of Master Cartons to be Selected
Upto—12	2
13—24	3
25—40	4
41—80	5
81—120	6
121—180	7
181—250	8
251—350	10
351—500	12
501—750	14
751—1000	18
1001—1300	22
1301—1600	25
1601—2000	30
2001 and above	40

Note.—(1) Each variety under a type of product in a Code shall constitute a lot.

(2) From each of the master cartons selected one slab shall be drawn as sample after physically verifying all the slab.

3. In the case of IQF products 20% of the number of pieces, subject to a minimum of 25 pieces shall be drawn as samples. If the number of pieces are less than 25 in a carton the entire content of the cartons shall be drawn as sample.

## 8. Certification—

8.1 Submission of intimation for inspection.—An exporter intending to export frozen fish and fishery products shall submit an intimation in the prescribed proforma giving particulars of consignment intended to be exported to the nearest office of the agency.

Every such intimation shall reach the office of the agency not later than three and five working days in the case of consignments offered for inspection and or certification under rule 5 or rule 7 before the anticipated date of despatch of the consignment from the exporter's premises.

8.2 Issuance of certificate of exportworthiness/rejection letter.—On receipt of the intimation under rule 8.1 the agency on satisfying itself, that the consignment has been processed and packed according to the standards specification applicable to it, shall issue a certificate declaring the consignment of frozen fish and fishery products as export-worthy within 3 and 5 working days as the case may be :

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of 3 and 5 working days as the case may be refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons thereof.

8.3 Checks after certification.—Subsequent to certification, the agency shall have the right to reassess the quantity of the consignment in the storage, in transit or at the ports. In the event of consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate originally issued shall be withdrawn.

9. Place of Inspection.—The inspection of frozen fish and fishery products for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the processor and/or at the laboratory of the export inspection agency or at the ports. The processor shall provide all necessary facilities to the agency to enable them to carry out such inspection.

10. Inspection Fee.—Subject to a minimum of Rs. 30 for each consignment, a fee at the following rates shall be paid by the exporters to the agency as inspection fee, namely :—

Items	For consign- mentwise inspection (other than units approved under modified in-process quality control system)	For inspection carried out under modified in- process quality control system
	(Paise per kg. or part thereof)	(Paise per kg. or part thereof)
Frozen Shrimps (all types)	Twenty-six	Thirteen
Frozen Lobsters (all types)	Thirtysix	Eighteen
Frozen Cuttlefish	Ten	Five
Frozen Squids	Ten	Five
Frozen Pomfrets & other frozen fishes	Ten	Five

11. Appeal.—(a) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate of exportworthiness under rule 8 above, may, within 10 days of the receipt of the communication of such refusal by him prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three, but not more than seven persons, appointed for the purpose by the Central Government.

(b) At least two thirds of the total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.

(c) The quorum of the Panel shall be three.

(d) The appeal shall be disposed of within 15 days of its receipt.

## APPENDIX

(See rule 3)

## SPECIFICATION FOR FISH AND FISHERY PRODUCTS

## 0. CODING

0.1 A code slip bearing the marking of the numerical code of the processor, abbreviation of the name and type of product, year, month and date of production shall be embedded on the frozen block. In the case of Individually Quick Frozen (IQF) Packs the code slip shall be placed in the primary container. An illustration of the coding is given below :

520 FSPD

6A 10

where, in the above illustration

520—the numerical code of the processor/exporter

FS—name of the product (Frozen shrimps)

PD—type of product (peeled and deveined)

6—year of processing (here 1986)

A—month of processing (here January)

10—date of processing (here tenth day of the month)

0.2 The following abbreviations shall be used for the months of the year—

January	— A
February	— B
March	— C
April	— D
May	— E
June	— F
July	— G
August	— H
September	— J
October	— K
November	— L
December	— M

## 1. SPECIFICATION FOR FROZEN PRAWNS (SHRIMPS)

General : Frozen Prawns shall be prepared by quick freezing from freshly caught wholesome prawns belonging to families of Penaeidae, Pandalidae, Orangidae, and Palaemonidae of quality suitable for human consumption. The processing shall be carried out in a hygienic manner. Shrimps (prawns) of comparable size and colour shall be packed together. The freezing process shall be carried out in appropriate equipment in such a way that the range of temperature of maximum crystallization is passed quickly. The product shall be maintained under such conditions as will maintain the quality during storage, transportation and shipment. Prohibited chemical additive shall not be used in any stage of the processing. The prawns shall have characteristic colour and odour of that of fresh prawns and shall not have any discolouration, objectionable odour and flavour. The material on thawing shall be clean having and attractive appearance and shall be reasonably free from any defect.

Sl. No.	Characteristics	Requirement for			Packing and Storage
		Whole type and Headless Shell on type	Peeled, Peeled and deveined and butterfly type	Cooked type	
1	2	3	4	5	6
1.	Colour of shell	Natural colour characteristic of freshly caught prawn	—	Natural colour characteristic of fresh cooked prawns	The frozen product shall be packed in primary containers and such primary containers shall be packed seaworthy cardboard cartons of 5 ply minimum
2.	Dehydration	Reasonably free from dehydration	Reasonably free from dehydration	Reasonably free from dehydration	The frozen material shall be stored in a room maintained at or below a temperature of $-18^{\circ}\text{C}$
3.	Colour of flesh	Characteristic of fresh prawns	Characteristic colour	Characteristic cooked colour	
4.	Black spot of shell or meat	Reasonably free from black spot	Nil	Nil	
5.	Texture of meat	Firm and consistent	Firm and consistent	Firm and consistent	
6.	Odour	Characteristic odour of fresh prawns	Absence of any off odour or foreign odour	Odour of fresh cooked prawn	
7.	Flavour	Characteristic of fresh prawn	Characteristic flavour	Characteristic flavour	
8.	Total plate count at $37^{\circ}\text{C}/\text{gm. max}$	10,00,000	10,00,000	1,00,000	
9.	E. coli count per gm. max.	20	20	Nil	
10.	Coagulase positive staphylococcus count per gm. max	100	100	100	
11.	Salmonella and Arizona	Negative	Negative	Negative	

The following abbreviations shall be used for the types of product for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
Whole	FS WL
Headless	FS HL
Fantail round	FS FR
Fantail deveined	FS TD
Fantail butterfly	FS FB
Peeled and undeveined of raw peeled	FS PUD or FSRP
Peeled and deveined	FS PD
Cooked and peeled	FS CP
Peeled and cooked	FS PC
Peeled deveined and cooked	FS PDC
Whole cooked	FS WLC

In the case of whole and headless shrimps, W, B, T, K, P, ST, F, P and S shall be used after the abbreviation of the type of product to denote white, brown, tiger, king prawn, striped flower, pink brown (Kapsi) and scampi respectively.

## 2. SPECIFICATION FOR FROZEN LOBSTERS, LOBSTER MEAT

General : This standard applied to quick frozen raw or cooked lobsters, lobster tails and lobster meat. Frozen lobster/ tails and meat shall be prepared by quick freezing the lobsters obtained from fresh whole lobsters from the families Palinuridae and Scyllaridae of a quality suitable for human consumption. Lobsters of different varieties and products thereof shall not be packed together. Lobsters comparable size and colour may be packed together. The product, after any suitable preparation shall be subjected to a freezing which shall be carried out in appropriate equipment in such a way that the range of temperature maximum crystallization is passed quickly. The product shall be maintained under such conditions as will maintain the quality during transportation, storage and shipment. The product on thawing shall be clean having an attractive appearance and shall in every way be in a sound intact, undamaged condition and reasonably free from defects. The meat shall have the characteristic colour and odour. The material shall be free from eggs, and, dirt and any other objectionable extraneous matter. Prohibited chemical additive shall not be used at any stage of processing.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type depending upon species	Bacteriological standard	Packing and Storage
1	2	3	4	5	6
1.	Rock Lobster/ Tails/Meat	Parulirus sp.	1. Snow-white to white 2. Light pink to pink	1. Total plate count/ gm. max. 5,00,000	Lobster tails shall be wrapped individually in moisture-proof film or arranged in block before freezing. The frozen product shall be packed in seaworthy corrugated cardboard boxes. The frozen material shall be stored in a room maintained at $-18^{\circ}$ C temperature or below.
2.	Sand Lobster/ Tails/Meat	Thunnus sp.	1. Snow-white to white 2. Off white to light brown	2. E. coli per gm. max. 20 3. Coagulase positive Staphylococcus count per gm. max. 100	
3.	Deep sea-lobster/ Tails/Meat	Perulius sp.	1. Snow-white to white 2. Light pink	4. Salmonella-Negative	
4.	Cooked Lobster/ Tails/Meat	Thunnus sp. Parulus sp. Panulirus sp.	—	1. Total plate count/ gm. max. 1,00,000 2. E. coli per gm. Nil 3. Coagulase positive staphylococcus count per gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	

The following abbreviations shall be used for type of products for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
Rock Lobster Tails	FRLT
Sand Lobster Tails	FSLT
Deep Sea Lobster Tails	FDLT
Cooked Lobster Tails	FCLT
Rock Lobster Whole	FRLW
Sand Lobster Whole	FSLW
Deep Sea Lobster Whole	FDLW
Cooked Lobster Whole	FCLW
Lobster Meat	FLM
Cooked Lobster Meat	FCLM

## 3. SPECIFICATION FOR FROZEN POMFRET

General : Frozen Pomfrets shall be prepared by quick freezing from freshly caught wholesome pomfret belonging to stromateidae/pampus species of a quality suitable for human consumption. The processing shall be carried out in a hygienic manner. Pomfrets of comparable size and colour shall be packed together. The freezing process shall be carried out in appropriate equipment in such a way that the range of temperature of maximum crystallization is passed quickly. The product shall be maintained under such condition as will maintain the quality during storage, transportation and shipment. Prohibited chemical additive shall not be used in any stage of the processing. The pomfrets shall have the characteristic colour and odour of that of fresh pomfrets and shall not have any discolouration, objectionable odour and flavour. The material on thawing shall be clean having an attractive appearance and shall be reasonably free from any defects.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type	Bacteriological standards	Packing and Storage
1.	Frozen Silver/White Pomfrets	1. Pampus sp. 2. Stromateus sp.	White Pomfret	1. Total plate count per gm. max. 5,00,000 2. E. coli per gm. max. 3. Coagulase positive Staphylococcus count per gm. max. 100. 4. Salmonella—Negative	The frozen products shall be packed in seaworthy corrugated cardboard boxes. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below $-18^{\circ}\text{C}$ temperature. Individual pieces weighing less than 300 gms. shall not be allowed for export.
2.	Frozen Brown Pomfret	1. Parastormateus 2. Pampus sp.	Brown Pomfret Black Pomfret		

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
White/Silver Pomfret	F PW
Black Pomfret	F PB
Brown Pomfret	F PBR
Fillet	F PF

## 4. SPECIFICATION FOR FROZEN MACKERAL

General : The frozen Mackerel shall be prepared by quick freezing the clean, wholesome fish. The processing shall be carried in premises maintained in hygienic manner. The material on thawing shall be clean having an attractive characteristic appearance and shall in every way be in a sound, undamaged condition and free from defects like deterioration, dehydration and oozing of blood. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding  $-30^{\circ}\text{C}$ . The product shall be free from objectionable foreign/extraneous matter and scales shall be adhered and shall not be loose. Prohibited chemical additive shall not be used at any stage of processing.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of pack	Bacteriological standard	Packing and storage
1.	Frozen Mackerel/Fillet	Rastrelliger Kangagurta	Block Frozen/IQF	1. Total plate count/gm. max. 5,00,000 2. E. coli count/gm. max. 20 3. Coagulase positive staphylococcus count/gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen products shall be packed in seaworthy corrugated cardboard cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below a temperature of $-18^{\circ}\text{C}$ . The frozen Mackerel shall be arranged/wrapped in a moisture proof film. In the case of block frozen material, the product shall be packed in a primary container.

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
Whole	F MKW
Fillet pack	F MKF

## 5. SPECIFICATION FOR FROZEN SARDINE.

General : The Frozen Sardine shall be prepared by quick freezing the clean, wholesome fish. The processing shall be carried out in premises maintained in hygienic manner. The frozen material on thawing shall be clean having an attractive characteristic appearance and shall in every way be in a sound, intact, undamaged condition and be free from defects like deterioration, dehydration and oozing of blood. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding  $-30^{\circ}\text{C}$ . The product shall be free from objectionable foreign/extraneous matter. The scales shall be adhered to the meat and shall not be loose.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of product	Bacteriological standard	Packing and Storage
1.	Sardine Fish/Fillets	Sardinella sp.	Block Frozen/IQF	1. Total plate count/gm. max. 5,00,000 2. F. coli count/gm. max. 20 3. Coagulase positive Staphylococcus count/gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen products shall be packed in seaworthy cardboard cartons. The frozen material shall be stored in room maintained at or below a temperature of $-18^{\circ}\text{C}$ . The frozen material shall be arranged/wrapped in a moisture-proof film. In the case of block frozen material the product shall be packed in a primary container.

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
Whole	FSD W
Fillet	FSD F

## 6. SPECIFICATION FOR FROZEN HILSA

General : The frozen Hilsa/Fillets shall be prepared by quick freezing the clean and wholesome Hilsa. The processing shall be carried out in premises maintained in hygienic manner. The material on thawing shall be clean having an attractive characteristic appearance and shall in every way be in a sound, intact, undamaged condition and free from defects like broken pieces deterioration and softening of texture. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding  $-30^{\circ}\text{C}$ . The product shall be free from objectionable foreign/extraneous matter and scales shall be adhered and shall not be loose.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of Pack	Bacteriological Standards	Packing and Storage
1.	Frozen Hilsa/Fillets	Hilsa sp.	Block Frozen/IQF	1. Total plate count/gm. max. 5,00,000 2. E. coli count per gm. max. 20 3. Coagulase positive Staphylococcus count per gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen products shall be packed in a seaworthy corrugated cardboard cartons. The frozen material shall be stored in room maintained at or below $-18^{\circ}\text{C}$ temperature. The frozen Hilsa shall be arranged/wrapped in moisture-proof film. In the case of block frozen material the product shall be packed in a primary container.

The following abbreviations shall be used for type of product for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
Whole	111 W
Fillets	111 F

## 7. SPECIFICATION FOR CUTTLEFISH AND SQUID

General : Frozen Cuttlefish and Squids in any form shall be prepared by quick freezing from freshly caught wholesome cuttlefish and squid of a quality suitable for human consumption. The processing shall be carried out in a hygienic manner. Cuttlefish/squid of different varieties and products shall not be packed together. The freezing process shall be carried out in appropriate equipment in such a way that the range of temperature of maximum crystallization is passed quickly. The product shall be maintained under such condition as will maintain the quality during storage, transportation and shipment. Prohibited chemical additives shall not be used at any stage of processing. Frozen cuttlefish and squid and shall not have any discoloration, objectionable odour and flavour. The material on thawing shall be clean, having an attractive appearance and shall be reasonably free from any defects and objectionable foreign matter.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type depending upon colour of meat	Type of product	Bacteriological standard	Packing and Storage
1	2	3	4	5	6	7
1.	Cuttlefish	1. Sepia sp. 2. Sepiella sp. 3. Symplectoluthis sp.	1. White 2. Milky White	1. Cuttlefish whole 2. Cuttlefish Flat Pack 3. Cuttlefish Fillets 4. Cuttlefish Rolled pack 5. Cuttlefish Fillets with tentacles 6. Cuttlefish Tentacles 7. Cuttlefish wings 8. Cuttlefish Fillets and Tentacles 9. Cuttlefish Fins	1. Total plate count/ gm. max. 2,00,000 for Japan and 5,00,000 for other countries 2. E. coli count per gm. max. 20 3. Coagulase positive staphylococcus per gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The fillets/tubes/tentacles shall be wrapped individually in moisture-proof film or arranged in block before freezing. The frozen product shall be packed in sea-worthy corrugated carboard cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below 18°C. temperature.
2.	Squids	1. Loligo sp. 2. Sepioteuthis 3. Loliolus sp. 4. Euprymna sp.	1. White 2. Milky white	1. Squid whole 2. Squid rolled pack 3. Squid tube 4. Squid cylinder 5. Squid tentacles 6. Squid fillets 7. Squid wings	1. Total plate count gm. max. 2,00,000 for Japan and 5,00,000 for other countries. 2. E. coli count per gm. max. 20 3. Coagulase positive Staphylococcus per gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	

NOTE : TPC Limit for cuttlefish and squids for export to Japan shall be 5 lakhs per gram provided the material is not meant for raw consumption.

The following abbreviations shall be used for types of products for the purpose of coding :

Type of product	Abbreviation
Cuttlefish	CF
Squids	SQ
Whole	W
Flat pack	F
Rolled pack	R
Cuttlefish whole	CFW
Cuttlefish Flat pack	CFF
Cuttlefish Fillets	CFFT
Cuttlefish Rolled pack	CFR
Cuttlefish Fillets with tentacles	CFFTTN
Cuttlefish tentacles	CFTN
Cuttlefish Wings	CFWNG
Cuttlefish Fillets and tentacles	CFFT&TN
Cuttlefish Fins	CFFN
Squid whole	SQW
Squid rolled pack	SQR
Squid tube	SQT
Squid cylinder	SQC
Squid tentacles	SQTN
Squid fillets	SQFT
Squid Wings	SQWNG



## 8. SPECIFICATION FOR SEER FISH:

General : Frozen Seer Fish shall be prepared by quick freezing the clean, wholesome and fresh seers. Frozen fillets of seer fish shall be prepared by quick freezing the fillets obtained from fresh and wholesome seer fish. The processing shall be carried out in a premises maintained in hygienic manner. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding 30°C. The frozen material on thawing shall not show any sign of deterioration, spoilage, dehydration and shall be free from damages on skin and body and shall be free from any visible defects. The frozen fillets on thawing shall be clean intact and in undamaged condition. The product shall be free from objectionable foreign matter.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of pack	Bacteriological Standard	Packing and storage
1.	Seer Fish/Fillets	Scomberomorus sp./ Cybium sp.	Block frozen/IQF	1. Total plate count/gm. max. 5,00,000 2. E. coli count/gm. max. 20 3. Coagulase positive Staphylococcus count/gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen products shall be packed in seaworthy corrugated cardboard cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below a temperature of ---18°C. The frozen material shall be arranged/wrapped in a moisture-proof film.

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding:

Type of product	Abbreviation
Seer Fish whole	FSRW
Seer Fish Fillets	FSRF

## 9. SPECIFICATION FOR GHOL FISH (JEW FISH)

General : Frozen Ghol Fish (Jew Fish) shall be prepared by quick freezing the clean, wholesome and fresh Ghol Fish (Jew Fish). Frozen Fillets of Ghol Fish (Jew Fish) shall be prepared by quick freezing the fillets obtained from fresh and whole some Ghol Fish (Jew Fish). The processing shall be carried out in a premises maintained in hygienic manner. The material shall be quick frozen at a temperature not exceeding---30°C. The frozen material on thawing shall not show any sign of deterioration, spoilage, dehydration and shall be free from damages on skin and body and shall be free from any visible defect. The frozen fillets on thawing shall be clean, intact and in undamaged condition without any scales. The product shall be free from any objectionable foreign matter.

Sl. No.	Trade Name	Scientific Name	Type of pack	Bacteriological standard	Packing and Storage
1.	Ghol Fish (Jew Fish)/ Fillets	Pseudoseiaena sp./ Johniusdussumieri/ Otolithes sp.	Block frozen/IQF	1. Total plate count/gm. max. 5,00,000. 2. E. coli count/gm. max. 20 3. Coagulase positive Staphylococcus count/gm. max. 100 4. Salmonella-Negative	The frozen products shall be packed in seaworthy corrugated cardboard cartons. The frozen material shall be stored in a room maintained or below a temperature of---18°C. The frozen material shall be arranged/wrapped in a moisture-proof film.

The following abbreviations shall be used for types of product for the purpose of coding:

Type of product	Abbreviation
Whole	FGF/FJF
Fillets	FGFF/FJFF

## 10. SPECIFICATION FOR ANY OTHER UNSPECIFIED ITEMS OF FROZEN FISH AND FISHERY PRODUCTS

General : The specifications agreed to between the buyer and the seller provided these conform to the Food Laws of the Importing Country.

Foot Note :

S.O. 4007 and 4008 dated 31-12-1977

नई दिल्ली, 12 मई, 1987

## आदेश

का.आ. 1359:—नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार की राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए, भारत सरकार के वाणिज्य सलाहकार की अधिसूचना सं. का.आ. 3918, तारीख 16 दिसम्बर, 1965 के साथ का.आ. 2779 तारीख 1 अगस्त, 1967 और का.आ. 2594, तारीख 29 जुलाई, 1970 में लार्ड गर्ट मर्चेंट्स के अतिरिक्त इस आदेश में संलग्न अनुसूची में दी गई कयर की बनी वस्तुओं की तीन अतिरिक्त मदों को निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाया जाए ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नवीं विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उक्त निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिपद् को भेज दिया है ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्तावों को उन व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आशय या सुझाव भेजने के लिए इच्छुक कोई व्यक्ति उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तैनाती के दिनों के भीतर, निर्यात निरीक्षण परिपद् वगति टावर, (11वीं मंजिल), 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

## प्रस्ताव

- (1) यह अधिसूचित करना कि इस आदेश के संलग्न अनुसूची में दी गई कयर में बनी वस्तुओं की तीन अतिरिक्त मदें निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगी।
- (2) कयर से बनी वस्तुओं के निरीक्षण के प्रकार को, कयर उत्पाद के निर्यात (निरिक्षण) नियम 1986 (जो इसके परिशिष्ट-1 में दिए गए हैं) के अनुसार, विनिर्दिष्ट करना।
- (3) (क) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों और भारतीय निर्यात निरीक्षण परिपद् द्वारा मान्यता प्राप्त अन्य निकायों के मानकों को ;  
(ख) इस आदेश के उपाबंध-11 में विनिर्दिष्ट न्यूनतम विशेषताओं के अनुरूप उत्पादों के अधीन रहने हुए मविदात्मक विनिर्देशों को ;  
(ग) उन विनिर्देशों को जो उपयुक्त खंड-(क) और (ख) के अधीन नहीं आते हैं, किन्तु निर्यातकों द्वारा घोषित ऐसे मानकों विनिर्देशों की जांच करते और अनुमोदित करने के प्रयोजन के लिए, जो निर्यात निरीक्षण परिपद् द्वारा स्थापित विशेषताओं के पैत्र द्वारा अनुमोदित किए जाएं, सभी कयर उत्पादों के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना।
- (4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में कयर उत्पादों को निर्यात के प्रतिषिद्ध करना जब तक उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण अधिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया गया हो आशय का प्रमाणपत्र न हो कि कयर उत्पाद, उपपैरा (3) के अधीन मान्यताप्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप हैं और निर्यात योग्य हैं।

3. इस आदेश की कोई भी बात आजी केताओं को समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा कयर उत्पाद के उक्त नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी जिसका मूल्य किसी भी प्रकार के प्रति सैट नमूना 500/- रु. से अधिक न हो।

## "अनुसूची"

- (i) रस्मी बाली चट्टाईयां,
- (ii) आखीदार चट्टाईया और
- (iii) अन्य प्रकार की कयर चट्टाईया जो विशेष रूप से उल्लिखित न हों।

## उपाबंध-1

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन कयर उत्पाद निर्यात (निरिक्षण) नियम 1965 का अधिकरण करने हुए बनाए जाने वाले प्रस्तावित नियमों का प्राप्प :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :-

- (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कयर उत्पाद निर्यात (निरिक्षण) नियम, 1986 है।
- (ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :-

इन नियमों में जब तक कि सर्वभ से अन्यथा अपेक्षित न हो :

- (i) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ;
- (ii) "अधिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण अधिकरणों में से कोई एक अधिकरण अभिप्रेत है ;
- (iii) "परिपद्" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिपद् अभिप्रेत है ;

(iv) कवर उत्पाद से निम्नलिखित अभिविधियाँ हैं :—

- (क) जलाका उत्पाद का चटाईया,
- (ख) ब्रिडजों का चटाईया,
- (ग) पत्थर और काष्ठ-उत्पादों का चटाईया,
- (घ) पत्थर का चटाईया,
- (ङ) सिमेंट का चटाईया,
- (च) लकड़ी का चटाईया,
- (छ) विमान-विमान का चटाईया,
- (ज) रस्सी की चटाईया,
- (झ) जाली की चटाईया, और
- (झ) अन्य प्रकार की कवर की चटाईया जो विशेष रूप से उल्लिखित नहीं हैं।

### 3 निरीक्षण का आधार :—

निर्माण के लिए आगंतुक कवर उत्पादों का निरीक्षण इस दृष्टि से किया जाएगा कि कवर उत्पाद, प्रतिनियम की धारा 6 के अर्धीन, केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है।

### 4 निरीक्षण की प्रक्रिया :—

- (1) कोई निर्माता/कार्यकर्ता जो कवर उत्पाद का निर्माण करने का आग्रह करता है, ऐसा करने आग्रह की सूचना लिखित रूप में निम्नलिखित निर्माण निरीक्षण अधिकरण के कार्यालय को देगा जिसमें कि वह ऐसे परेपण की जान करने में समर्थ हो सके या उसकी ओर इस दृष्टि से कराया कि क्या वह नियम 3 में निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप है या नहीं।
- (2) उपनियम (1) के अर्धीन पञ्चेक सूचना, कवर के लिए निरीक्षण के परिणाम में परेपण के प्रेरण की प्रमाणित नगरीय में कम से कम सात दिन पूर्व दी जाएगी।
- (3) उपनियम (1) में निम्नलिखित सूचना की प्राप्ति पर, अधिकरण नियम 3 और निर्माण निरीक्षण परिपत्र द्वारा इस संबंध में जारी किए गए निर्देशों के अनुसार, कवर उत्पादों के परेपण के निरीक्षण सूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर करेगा।
- (4) निरीक्षण पूरा होने पर, अधिकरण ऐंजनों की तुरन्त परेपण में इस रीति में मौलिक करेगा जिससे कि यह सुनिश्चित हो जाए कि मौलिक मान को न तोड़ा जा सके। परेपण के सम्बोधित हो जाने की दशा में यदि निर्माता/कार्यकर्ता ऐसा चाहता है तो परेपण को अधिकरण द्वारा मौलिक नहीं किया जाएगा। किन्तु ऐसे मामलों में, निर्माता/कार्यकर्ता सम्बोधित के विरुद्ध कोई अपील करने का हकदार नहीं होगा।
- (5) यदि अधिकरण का समाधान हो जाता है कि कवर उत्पाद का परेपण नियम 3 की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है तो यह उपनियम (4) के अधीन निरीक्षण पूरा हो जाने के तीन दिन के भीतर, यह धारणा करने हुए निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करेगा कि परेपण, मान्यता प्राप्त विनिर्देशों/मानक के अनुरूप है।

परन्तु यदि अधिकरण का इस प्रकार समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त तीन दिन की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना, उसके कारणों सहित, निर्माता/कार्यकर्ता को भेज देगा।

### 5 निरीक्षण का स्थान :—

- (1) (1) इन नियमों के अर्धीन पञ्चेक निरीक्षण या तो—
- (2) उन परिणामों पर किया जाएगा जहाँ निर्माता/कार्यकर्ता द्वारा कवर उत्पाद के परेपण निरीक्षण के लिए प्रस्तुत किया गया है, परन्तु यह तब जब कि वहाँ उस प्रयोजन के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हो या
- (2) ऐसे अन्य स्थान पर किया जाएगा, जो इस प्रयोजन के लिए, अधिकरण द्वारा निम्नलिखित किया जाए।
- (2) उपनियम (5) में निम्नलिखित परिणाम पर निरीक्षण के अनिवार्य अधिकरण, जहाँ कहीं आवश्यक हो, संशोधन, अतिरिक्त या इन नियमों के प्रयोजन के लिए गंतियों पर परेपण की कवायिती पर पुनः निर्धारण करेगी। यदि परेपण इन रीतियों में से किसी प्रकार मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो नियम 4 के अर्धीन जारी किया गया प्रमाणपत्र वापिस ले लिया जाएगा।

6 निरीक्षण फीस :—कवर उत्पादों के निरीक्षण के लिए, प्रति परेपण न्यूनतम 25 रु. के अर्धीन रहने हुए परेपण के पोडार्पण निशुल्क मूल्य का 0.4 प्रतिशत की दर से और प्रसंस्करण कवायिती नियंत्रण भंडार के अधीन निरीक्षण परेपणों के लिए, पोडार्पण निशुल्क मूल्य के 0.2 प्रतिशत की दर से निरीक्षण फीस संशोध की जाएगी।

7 अपील :—नियम 4 के अधीन अधिकरण द्वारा प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार किए जाने से व्यक्ति कोई व्यक्ति, ऐसे इंकार की सूचना की प्राप्ति के तुरंत के भीतर, इस प्रयोजन के लिए, केन्द्रीय सरकार द्वारा निशुल्क ऐसे अपीलीय पैनल को, जिसमें कम से कम तीन और अधिक से अधिक मान्य व्यक्ति होंगे अपील कर सकेगा।

- (2) अपीलीय पैनल में कुल मिलाकर कम से कम दो-तिहाई सदस्य ऐसे होंगे जो गैर सरकारी हों।
- (3) अपीलीय पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।
- (4) अपील का निपटारा उसके प्राप्त होने के 15 दिन के भीतर किया जाएगा।

कवर उत्पाद के लिए विनिर्देश

साधारण क्षेत्रों में

1.1 कवर चटाईयों के विनिर्माण में प्रयुक्त फाइबर सूत और रस्सी एकलक्ष्य क्वालिटी की, साफ और ध्रुवद्वारा से मुक्त होगी और प्राकृतिक रंग और रंग की हुई अतीव किंचा हुआ या बिना अतीव के हो सकती है। प्रयुक्त कवर सूत दो प्लाई का होगा। चटाईयां समुचित रूप से सूखी होनी चाहिए।

1.2 चटाईयां सजवती और समान रूप से बुनी होनी चाहिए। रोंग के गुच्छे अच्छी तरह से सजबत होंगे और रोंग की कठरन एक रूप तथा समान होंगी। चटाईयां रोंग की कठरन के बिना भी प्रदाय की जा सकती है, यदि वेता द्वारा अपेक्षा की जाए।

1.3 शपाका चटाईयां एक या एक से अधिकतम धागों को हटाने हुए वर्गाकार बुनी जाएंगी। बाहर निकले हुए ताने धागे जूट सुतली के साथ बंधे होंगे और चटाई में पूरी तरह से लिप्त होंगे।

1.4 कोल चटाईयां उपरोक्त के अनुसार चौकोर होंगी, किन्तु बाहर निकले हुए ताने धागे पीछे को मोड़कर दोहरे होंगे तथा चटाईयों में खचित होंगे। रवड़ पैटर्न या अन्य प्रकार के मोनोग मिश्रण से सीलबंद की हुई कोल और लूप चटाईयों में ताने वाले धागे को पिछली ओर से दोहरी ओर चटाईयों को खचित करना आवश्यक नहीं है।

1.5 शपाका चटाईयों की दशा में, प्रत्येक चटाई एक समान रचना की वेणियों में गुथी हुई लड़ियों जो कड़े मुड़े हुए कवर धागे की एक या अधिक लड़ियों की बनी होंगी जो कि चटाईयों के किनारों पर 45 मि.मी. से कम रोंग की मोटाई लिए हुए होंगी और वे ऐसी चटाईयां जिनके रोंग की मोटाई 45 मि.मी. है या उससे अधिक है वह कवर सूत के कड़े मुड़े हुए धागों की गति लड़ियों से बंधी होंगी। जिमनामिया चटाईयों के किनारों के धागों और 30 मि.मी. की चौड़ाई लिए हुए कड़े मुड़े हुए सूत के धागों की 11 लड़ियों में गुथी होंगी। वेणियों के मारे पूर्ण रूप से सुरक्षित होंगे और प्रति छे.मीटर की दूरी पर कम से कम तीन टांके होंगे।

1.6 चटाईयां समान रंगी हुई या डिजाइनों सहित स्टेमिल की गई हो सकती हैं या कवर फाइबर या कवर धागे का प्रयोग करते हुए, उत्तम डिजाइन या अधर बने हुए हो सकते हैं। खचित या स्टेमिल की गई डिजाइन/अधर जब प्रवर्णित किए जाएं, तब स्पष्ट एक समान होंगे। फाइबर चटाईयों और खचित चटाईयां बिना प्रवर्णित किए हुए भी प्रदाय की जा सकती है यदि वेता ऐसी अपेक्षा की जाए।

1.7 चटाईयां एसी आवृत्ति और आकार में होंगी जिनके लिए संविदा की गई हो।

1.8 जब जिमनामिया चटाईयों में रस्सी प्रयुक्त होती है तब वह कड़ मुड़े हुए धागों में बनी 25 से लेकर 30 मि.मी., चौड़ाई वाली 11 प्लाई की गुथी या 35 मि.मी. की परिधि वाले हैम रस्सी या कवर में बनी होंगी।

1.9 रस्सी चटाईयों के विनिर्माण में प्रयुक्त कवर रस्सी अर्धभाति मुड़ी हुई होगी और ठकी होंगी जिसमें प्रत्येक धागे लड़ियों पर्याप्त संख्या में मुड़ी हुई हो रोंगों से खचित होंगी।

1.10 रस्सी चटाईयों की दशा में, यह निर्दिष्ट करने के लिए समुचित रूप में मिलाई की जाएगी जिससे कि किनारों पर परतें खिसक न सकें। रस्सी के दो मारे चटाई के आंचे में बिनीत हो जाएंगे जिससे कि मारे छिपे रहें।

1.11 जानीदार चटाईयों की दशा में बंधे हुए सूत की गांठें सुरक्षित कसी हुई एक समान होंगी।

1.12 चटाई ध्रुवों, धूल और अन्य बाह्य पदार्थों से मुक्त होंगी।

1.13 चटाईयों ग्रंथ ऐसे किसी विशेष रूप से परिष्कृत होना चाहिए जो निर्धारित संविदा में स्वीकृत हो।

2.1 विनिर्दिष्ट श्रेणी — किसी विनिर्दिष्ट क्वालिटी संख्या की चटाई सारणी-1 से 10 तक में दिए गए अपेक्षाओं के अनुरूप होगी।

2.2 विभिन्न प्रकार और क्वालिटी संख्या की चटाईयों के लिए चैन/पिक, पाइन, ऊंवाई बनाघट और भार की बाबत अपेक्षाएं वह होंगी जो सारणी-1.

से 10 में दी गई है या इस प्रयोजन के लिए नियुक्त विशेषज्ञों के पैनेल द्वारा बनाए गए विनिर्देशों के अनुसार होगी।

2.3 क्वालिटी के प्राथमिक श्रेणी के लिए विनिर्दिष्ट पिकों की संख्या उच्च श्रेणियों के लिए न्यूनतम है।

2.4 विभिन्न किस्मों की चटाईयों के लिए पिकों, पाइन, ऊंवाई, भार और विमाओं की बाबत अनुज्ञेय सहनशक्ति सारणी-1 से 10 में दी जाएगी या इस प्रयोजन के लिए नियुक्त विशेषज्ञों के पैनेल द्वारा सूचित सहनशक्तियों के अनुसार होंगी

2.5 यदि वेता द्वारा अपेक्षा की जाए तो, निम्नलिखित किस्मों में बिना गुच्छा रहित भागों में अंतर देने हुए चटाईयों बनाई जा सकती हैं:—

- (1) कोल चटाईयां
- (2) शपाका चटाईयां,
- (3) फाइबर चटाईयां,
- (4) लूप चटाईयां।

2.6 प्रत्येक किस्म में उच्चतम श्रेणियों को निर्धारित के लिए अनुज्ञात किया जाएगा परन्तु यह तब जब कि सारणी में दी गई चटाईयों की किस्म की गवने ऊंची श्रेणी से पाइन में 3 मि.मी. मोटाई की वृद्धि और भार में प्रति मी<sup>2</sup> 600 ग्राम की वृद्धि हो। यह केवल उन वर्गों को लागू होगी जिनका अधिकतम भार 6000 ग्राम प्रति मी<sup>2</sup> होगा। भार में प्रति मी<sup>2</sup> 6000 ग्राम से अधिक की उच्च श्रेणियों अनुज्ञात होंगी, परन्तु यह तब जब पाइन ऊंवाई में 6 मि.मी. की वृद्धि हो और साथ ही भार में 1200 ग्राम प्रति मी<sup>2</sup> वृद्धि होती है।

## 3. पैकिंग -

3.1 चट्टाईयों की पैकिंग, निर्यात संधिदा में करार के अनुसार होगी। इस बात की सावधानी बरती जाएगी कि चट्टाईयां खराब न होने पाएँ। पैकेज कम से कम 217 ग्राम प्रति मीटर (7 औंस प्रति यज) वाले नए हैसियत से लपेटे जाएंगे :-

3.2 प्रत्येक पैकेज पर निम्नलिखित विवरणों अंकित की जाएंगी।

- (क) अधिसूचित क्वालिटी संख्यांक और ब्रांड नाम,
- (ख) आकार,
- (ग) पैकेज में टुकड़ों की संख्या,
- (घ) पैकेज की कम संख्या,
- (ङ) कुल भार,
- (च) पोत-खदान चिन्ह,
- (छ) गंतव्य।

## सारणी 9

## रॉड मैट्स

क. सामान्य — एक साथ मोड़े गए धागे की दो या अधिक लड़ियों को काटकर बनाई गई पाइल सहित चट्टाई और नरनदार लोहे की छड़ी के चारों ओर एक सिरे से दूसरे पर लपेटा हुआ।

## ख. संरचना -

	बीआर 1	बी आर 2	बी आर 7	बी आर 8	बी आर 3	टी आर 2
सूत का प्रकार	चेन	बीच या वाइकोम	बीच या वाइकोम	बीच या वाइकोम	वाइकोम	वाइकोम बी
	बाना	बीच	बीच	बीच	वाइकोम	टी. वाइकोम/वाइकोम
	पाइल	बीच	बीच	बीच	वाइकोम	टी. वाइकोम
संरचना	2×2	2×2	3×1	3×1	4×1	3×2
लड़ियों या सिरे, प्रति डे.मी.	9	9	10	10	10	10
न्यूनतम पिक, प्रति डे.मी.	9	11	11	12	10	8
पाइल ऊंचाई प्रति मि.मी.	25	26	28	32	32	32
भार प्रति मी. ग्राम	4200	4800	5400	6000	7200	6600

## रॉड इन्लेड चट्टाईयां

क. सामान्य — रॉड इन्लेड चट्टाईयों की विशेषताएं वही होंगी जो रॉड मैट्स की हैं सिवाय इसके कि ज्वेल/रंगीन/कनीच किया हुआ फाइबर या सूत का प्रयोग करने हुए डिजाइन बने जाने हैं।

## ख. संरचना -

	बीआर 3	इन्लेड	इन्लेड	इन्लेड
	बीआर 1	बीआर 1	बीआर 1	बीआर 1
सूत का प्रकार	चेन	बीच/वाइकोम	वाइकोम	बीच/वाइकोम
	बाना	बीच	वाइकोम	बीच
	पाइल	बीच/फाइबर	वाइकोम/फाइबर	बीच
संरचना	3×1	4×1	3×1	3×1
लड़ियां या सिरे प्रति डे.मी.	11	11	11	11
पिक प्रति डे.मी.	11	12	12	12
ऊंचाई मि.मी.	28	32	32	32
भार प्रति मी. ग्राम	6000	7800	6000	6000

टिप्पण — किसी चट्टाई में पिकों की संख्या को विशेष रूप में न बढ़ाने के उद्देश्य से, जहां पतले धागे का प्रयोग किया गया है, न्यूनतम भार प्राप्त करने के लिए पाइल में लड़ियों की संख्या को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है। किन्तु किसी भी दशा में पाइल की लड़ियां बिगिड क्वालिटी के लिए बिलिटिड से कम नहीं होनी चाहिए।

## अनुमत सहायताएं -

लड़ियां — किसी चट्टाई में लड़ियों की न्यूनतम संख्या वह होगी जो सारणी में दी गई है। प्रति डे.मी. प्लस (+) एक लड़ियों की सहायता की अनुमत की जाएगी।

पिक — किसी भी चट्टाई में अनुमत पिकों की संख्या निम्नलिखित सट्टपता के अधीन रहने हुए उपरोक्त सारणी में जैसा दिया गया है उसके अनुसार होगी।

(1) 76 से.मी. से कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए (---) 5 प्रतिशत।

(2) 76 से.मी. और उससे अधिक चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए माइकम (—) 10 प्रतिशत।

पाइल ऊंचाई :—चटाईयों की पाइल ऊंचाई वह होगी जो उपरोक्त सारणी में दी गई है। पाइल ऊंचाई में 0.3 मि.मी. प्लस या माइनस के सह्यता की अनुमति दी जाएगी।

भार :—प्रति यूनिट क्षेत्र भार वह होगा जो उपरोक्त सारणी में दिया गया है। भार में निम्नलिखित सह्यता अनुमत होगी।

- (1) 30 सें.मी. और कम चौड़ाई वाली चटाईयों के लिए सामान्य भार से माइनस (—) 5 प्रतिशत प्लस (+) साठे बारह प्रतिशत।
  - (2) 30 सें.मी. से अधिक और 76 सें.मी. से कम चौड़ाई वाली चटाईयों के लिए सामान्य भार से माइनस (—) प्लस (+) 7-1/2 प्रतिशत।
  - (3) 76 सें.मी. और उससे अधिक चौड़ाई वाली चटाईयों के लिए सामान्य भार से माइनस (—) 10 प्रतिशत प्लस (+) 5 प्रतिशत।
  - (4) भार से माइनस (—) 1.05 प्रतिशत की सह्यता की प्रयोजित चटाईयों के लिए और उससे ऊपर के सामान्य सह्यता अनुमान की जाएगी।
- विभाणः  $\pm 13$  मि.मी. या एक प्रतिशत की सहायता की, इनमें से जो भी अधिक हो, अनुमति दी जाएगी।

### सारणी-II

#### बिट चटाईयां

सामान्य :—एक छोड़कर एक क्रमानुसार सिरों पर बिट धागों के सम्मिश्रण द्वारा बनाई गई पाइल के साथ चटाई।

संरचना :—

	चिह्न	बी सी 1	बी सी 1,
सूत का प्रकार	चेन	बीच/वाइकोम	वाइकोम
	बाना	बीच	वाइकोम
	पाइल	बीच बिट	वाइकोम बिट
संरचना		सम्मिश्रित बिट	सम्मिश्रित बिट
लड़ियां या सिरें प्रति डे. मी. न्यूनतम		9	9
पिक प्रति डे. मी.		9	9
पाइल की ऊंचाई की मि. मी.		32	35
भार प्रति मी. <sup>2</sup> ग्राम		6800	7800

अनुमत सह्यताएँ :—

लड़ियां :—लड़ियों की संख्या उपरोक्त सारणी के अनुसार होगी। प्रति डे. मी. प्लस (+) एक लड़ी की सह्यता अनुमत होगी।

पिक :—किसी भी चटाई में अनुमत पिकों की संख्या वह होगी जो निम्नलिखित सह्यताओं के अधीन रहते हुए उपरोक्त सारणी में दी गई है :

- (1) 76 सें. मी. से कम चौड़ाई वाली चटाईयों के लिए माइनस (—) 5%।
- (2) 76 सें. मी. तथा उससे अधिक चौड़ाई वाली चटाईयों के लिए (—) माइनस 10%।

पाइल की ऊंचाई :—चटाई की पाइल की ऊंचाई उपरोक्त सारणी के अनुसार होगी। पाइल में प्लस (+) या माइनस (—) 3 की सह्यता/अनुमति होगी।

भार :—प्रति यूनिट क्षेत्र भार वह होगा जो उपरोक्त सारणी में दिया गया है। भार में निम्नलिखित सह्यता अनुमत होगी :

1. 30 मि.मी. और कम चौड़ाई वाली चटाईयों के लिए सामान्य भार से माइनस (—) 5 प्रतिशत प्लस (+) 12 1/2 प्रतिशत।
2. 30 सें. मी. से अधिक और 76 सें. मी. से कम चौड़ाई वाली चटाईयों के लिए सामान्य भार से माइनस (—) 5 प्रतिशत प्लस (+) 7 1/2 प्रतिशत।
3. 76 सें. मी. तथा उससे अधिक चौड़ाई वाली चटाईयों के लिए सामान्य भार से माइनस (—) 10 प्रतिशत प्लस (+) 5 प्रतिशत।

विभाणः—प्लस + —माइनस 13 मि. मी. या एक प्रतिशत की सह्यता उनमें से जो भी अधिक हो अनुमति दी जाएगी।

### सारणी-III

#### कील चटाईयां

क. सामान्य :—दो या अधिक लड़ियों से बनाई गई चटाई एक सफ्त तथा एक डीली पाइल की तरह कार्य करेगी। जब शालाका पर झुकी हुई डीली कसी हुई लड़ियों द्वारा बनाई गई पाइल डीली और कसी हुई दोनों में भस्मीभूति हुई होगी।

ख. संरचना :—

	बी सी 1	बी सी 1	बी सी 4	बी सी 8	बी सी 10
धागे का प्रकार	डीली लड़ी	—	2 या 3 प्लार्ड जूट	2 या 3 प्लार्ड जूट	2 प्लार्ड जूट
सफ्त लड़ी	बीच/वाइकोम/ग्रन्पाट	वाइकोम/ग्रन्पाट	वाइकोम/ग्रन्पाट	4 या 5 प्लार्ड जूट	वाइकोम
बाना	बीच	वाइकोम	वाइकोम	3 प्लार्ड जूट	वाइकोम
पाइल	बीच	वाइकोम	वाइकोम	वाइकोम	वाइकोम
संरचना :	ताना कटी	ताना कटी	ताना कटी	ताना कटी	ताना कटी
	पाइल	पाइल	पाइल	पाइल	पाइल
सफ्त लड़ियों न्यूनतम प्रति डे. मी.	9	9	9	17	14
पिक प्रति डे. मी.	24	25	25	52	40
पाइल की ऊंचाई	22	22	22	13	19
भार प्रति मी. <sup>2</sup>	4800	5400	5400	4350	4500

**अनुमत सहायताएँ:—**

लड़ियाँ :—लड़ियों की संख्या वह होगी जो उपरोक्त सारणी में दी गई है। प्रति डे. मी. प्लस (+) एक लड़ी की सहायता की अनुमति दी जाएगी।  
 पिक:—किसी भी चट्टाई में अनुमत पिकों की संख्या वह होगी जो निम्नलिखित सहायताओं के अधीन रहते हुए उपरोक्त सारणी में दी गई है।

- (1) 76 से. मी. से कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए (+) माइनस 5 प्रतिशत।
- (2) 86 में. मी. तथा उससे अधिक चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए माइनस (—) 10 प्रतिशत।

पाइल की ऊंचाई :—चट्टाईयों की पाइल की ऊंचाई वह होगी जो उपरोक्त सारणी में दी गई है। पाइल की ऊंचाई में प्लस (+) या माइनस (—)

1.5 मि. मी. की सहायता अनुमत होगी।

भार:—प्रति यूनिट क्षेत्र भार उपरोक्त सारणी के अनुसार होगा। भार में निम्नलिखित सहायताएं अनुमत होंगी।

1. 30 से. मी. और कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (—) 5 प्रतिशत प्लस (+) 12 1/2 प्रतिशत।
2. 30 से. मी. से अधिक और 76 से. मी. से कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए सामान्य भार से माइनस (—) 5 प्रतिशत प्लस (+) 7 1/2 प्रतिशत।
3. 76 में. मी. तथा उससे अधिक चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (—) 10 प्रतिशत प्लस (+) 5 प्रतिशत।
4. प्रवणित चट्टाईयों के लिए ऊपर तथा उससे अधिक भार में माइनस (—) 2 प्रतिशत की सहायता की स्वीकृति होगी।

विमाण:— $\pm 13$  मि. मी. या 1 प्रतिशत की इनमें से जो भी अधिक है, सहायता अनुमति दी जाएगी।

**सारणी-IV****फाईबर चट्टाईया**

सामान्य:—चट्टाई एक कसी हुई तथा दूसरी ओर हुई दो लड़ियों से बनी होगी। कसी हुई चैन के एक छोड़कर एक लड़ियों पर कोइ फाईबर के गुच्छों में सम्मिलित करके बनाई गई पाइल।

**संरचना:—**

	वितरण	एफ एम 2	एफ एम 3
भाग का प्रकार	बंधी हुई चैन कसी हुई चैन बाना पाइल	वाइकान/अनराट/टर्नेरो वाइकोम/अनराट/टर्नेरो वाइकोम कयर फाईबर श्रेणी 1 या 2	वाइकोम/अनराट/टर्नेरो वाइकोम अनराट/टर्नेरो वाइकोम कयर फाईबर श्रेणी-1 या 2
संरचना		मनिबिस्ट फाईबर	मनिबिस्ट फाईबर
लड़िया प्रति डे. मी. न्यूनतम		12	14
पिक प्रति डे. मी.		12	14
पाइल की ऊंचाई मि. मी.		28	32
भार प्रति मी <sup>2</sup> ग्राम		7800	8400

**अनुमत सहायता:—**

लड़ियाँ :—लड़ियों की संख्या उपरोक्त सारणी के अनुसार होगी। प्रति से. मी. प्लस (+) एक लड़ा की सहायता अनुमत होगी।

पिक:—किसी भी चट्टाई में अनुमत पिकों की संख्या वह होगी जो निम्नलिखित सहायताओं के अधीन रहते हुए उपरोक्त सारणी में दी गई है।

1. 76 से. मी. से कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए माइनस (—) 5 प्रतिशत।
  2. 76 से. मी. तथा उससे अधिक चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए माइनस (—) 10 प्रतिशत।
- पाइल की ऊंचाई :—चट्टाईयों की पाइल की ऊंचाई उपरोक्त सारणी के अनुसार होगी।  $\pm 3$  मि. मी. का सहायता अनुमत होगी।
- भार:—प्रति यूनिट क्षेत्र भार उपरोक्त सारणी के अनुसार होगा। भार में निम्नलिखित सहायताएं अनुमत होंगी।
- (1) 30 से. मी. और कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (—) 5 प्रतिशत प्लस (+) 12 1/2 प्रतिशत।
  - (2) 30 से. मी. से अधिक और 76 से. मी. से कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (—) 5 प्रतिशत प्लस (+) 7 1/2 प्रतिशत।
  - (3) 76 से. मी. तथा उससे अधिक चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (—) 10 प्रतिशत प्लस (+) 5 प्रतिशत।
  - (4) पूर्व सहायताओं में ऊपर तथा उससे अधिक सहायता वाली प्रवणित चट्टाईयों के लिए माइनस (—) एक प्रतिशत की सहायता अनुमत होगी।

विमाण:— $\pm 13$  मि. मी. या एक प्रतिशत की सहायता की, इनमें से जो भी अधिक हो, अनुमति दी जाएगी।

## सारणी V

## सिनेट चट्टाईयां

क. सामान्यः—चट्टाई से लेकर फ्रेम में एक साथ मिली हुई 3 या अधिक लड़ियों के गुंथे हुए कयर के धागे से बनी हुई चट्टाई ।

ख. संरचनाः—

विवरण	एस ए 1	एस ए 2	एस ए 5	एस भार 2	एस भार 5	एस बी 2
धागे का प्रकार	एजेंगो	एजेंगो	एजेंगो	ब्रांडरी	ब्रांडरी	बाइकोम
धागे की लम्बाई मी/कि. ग्राम	220	220	220	220	220	220
प्लस गुंथने में लड़ियों की संख्या	9	9	11	9	11	9
चट्टाई की मोटाई ( मि. मी. )	19	19	25	19	25	19
भार प्रति मी <sup>2</sup> ग्राम	3650	4250	6100	3950	5800	4250

टिप्पणः—बेणी की धातरिक लड़ियों का कयर धागा अच्छी क्वालिटी का होगा ।

अनुमत सह्यताः—

विमाणः—+ 13 मि. मी. या एक प्रतिशत सह्यता जो भी अधिक हो, अनुमत होगी ।

भारः—प्रति यूनिट क्षेत्र भार उपरोक्त सारणी के अनुसार होगा । भार में निम्नलिखित सह्यताओं की अनुमति दी जाएगी ।

- 30 सें. मी. और कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (--) 5 प्रतिशत प्लस (+) 12 1/2 प्रतिशत ।
- 30 सें. मी. से अधिक और 76 सें. मी. से कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (--) 5 प्रतिशत प्लस (+) 7 1/2 प्रतिशत ।
- 76 सें. मी. और उससे अधिक चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (--) 10 प्रतिशत प्लस (+) 5 प्रतिशत ।

## सारणी-VI

## लूप बंधी हुई चट्टाईयां

क. सामान्यः—पाइल या बंधक के रूप में कार्य करती हुई एक ठीली और दूसरी कसी हुई तीन या अधिक जैनों से बनी चट्टाई । पाइल बुनाई प्रक्रिया में ठीली जैनों को बांधकर बनी होगी ।

ख. संरचनाः—

विवरण	आर एस 2	ए एस 2
धागे का प्रकार	बाइकोम	बाइकोम
धागे की लम्बाई मी/कि. ग्राम	220	220
धागे का प्रकार	बाइकोम	एजेंगो ए
धागे की लम्बाई मी/कि. ग्राम	240	275
धागे का प्रकार	ब्रांडरी	एजेंगो
धागे की लम्बाई मी./कि. ग्राम	240	275
सूत का प्रकार	बाइकोम	एजेंगो ए/बाइकोम
संरचना	लूप	लूप
कसी हुई जैन प्रति डे. मी. न्यूनतम	10	10
पिक प्रति डे. मी.	22	24
भार प्रति मी. <sup>2</sup>	3650	3965

अनुमत सह्यताएं—

जैनः—जैनों की संख्या बढ होगी जो उपरोक्त सारणी में दी गई है । प्रति डे. मी. प्लस (+) एक लड़ो की सह्यता की अनुमति दी जाएगी ।

भारः—प्रति यूनिट क्षेत्र भार उपरोक्त सारणी के अनुसार होगा । भार में निम्नलिखित सह्यता की अनुमति दी जाएगी ।

- 30 सें. मी. और कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (--) 5 प्रतिशत (--) प्लस 12 1/2 प्रतिशत ।
- 30 सें. मी. से अधिक और 76 सें. मी. से कम चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (--) 5 प्रतिशत प्लस (+) 7 1/2 प्रतिशत ।
- 76 सें. मी. तथा उससे अधिक चौड़ाई वाली चट्टाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (--) 10 प्रतिशत प्लस (+) 5 प्रतिशत ।

विमाणः—13 मि. मी. या एक प्रतिशत की सह्यता की, इनमें से जो भी अधिक हो, अनुमति दी जाएगी



## सारणी—VII

## जिमनेसिया चटाईयां

क. सामान्य:—एक साथ भोजे गए धागे का तीन या अधिक सूत का काटकर बनाई गई पाइल सहित चटाई और गुब्ब (नर्लधार) लोहे का छड़ों के चारों ओर ताने धागे के एक छोड़कर एक सिरे से लगेटे हुई। विशिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पाइल मोटा बनाई जाते हैं।

ख. संरचना:—

	विवरण	बी जी 1	बी जी 1
सूत का प्रकार :	माना	बाइकोम	बाइकोम
	बाना	बाइकोम (इकहुरा)	बी.ब (इकहुरा)
	पाइल	*बाइकोम (बिना बलीच किया हुआ )	बी.ब
संरचना		4X1	3X1
सिरे प्रति डे. मी.		10	10
पिक ॥		अच्छे तरह कसा बुनाई की गारंटी	अच्छी तरह कसा बुनाई की गारंटी
पाइल ऊंचाई मि. मी.		63	63
भार प्रति मी <sup>2</sup> ग्राम		12200	11000

\*पिच और गंदगी से मुक्त होगी।

अनुमत सह्यताएं:—

चेन:—चेन की न्यूनतम संख्या वह होगी जो उपरोक्त सारणी में दी गई है। प्रति डे. मी. प्लस (+) एक लड़ों की सह्यता की अनुमति दी जाएगी।

पाइल की ऊंचाई:—चटाई की पाइल की ऊंचाई उपरोक्त सारणी के अनुसार होगी। पाइल की ऊंचाई में  $\pm 3$  मि. मी. की सह्यता की अनुमति दी जाएगी।

भार:—प्रति यूनिट क्षेत्र भार वह होगा जो उपरोक्त सारणी में दिया गया है। भार में निम्नलिखित सह्यताएं की अनुमति दी जाएगी।

1. 76 से. मी. 4 से कम चौड़ाई वाली चटाई के लिए सामान्य भार से (—) माइनस 5 प्रतिशत प्लस (+)  $7 \frac{1}{2}$  प्रतिशत।

2. 76 से. मी. तथा उससे अधिक चौड़ाई वाली चटाईयों के लिए—सामान्य भार से माइनस (—) 10 प्रतिशत प्लस (+) 5 प्रतिशत।

विभाग:—केता तथा विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार चटाई की विभाग स्वीकृत का जाएगा। जब तक कि विशिष्टतया अन्यथा स्वीकृत न की गई हो, विभागों में  $\pm 13$  मि. मी. सह्यता की अनुमति दी जाएगी।

## सारणी—VIII

## रस्सी वाली चटाईयां (नोबरस गोट की चटाईयां)

क. सामान्य:—विक्रेता सतह पर इकहुरे कयार रस्सी से बनी चटाई ऊपर उठी हुई बहुत सी कीलों पर रखे जाएंगे। यह चटाई ओवरल या ओवरलॉग, आकार में बनायी जा सकती है। रस्सी के प्रारंभिक और अंतिम सिरे चटाई में मिला दिए जाते हैं।

ख. संरचना:

	विवरण	एल के ए	एल के आर
रस्सी का प्रकार		सराउड लेड	सराउड लेड
रस्सी के लिए प्रयुक्त सूत का प्रकार		पंजेंगी	प्रांटीरी
रस्सी का व्यास मि. मी.		14	14
भार प्रति मी <sup>2</sup> ग्राम		6100	5490

टिप्पण:—ओवरल चटाई का भार ओवरलॉग से 10 प्रतिशत कम होगा।

अनुमत सह्यताएं:

सह्यताएं:—रस्सी के व्यास के लिए + या - 3 मि. मी.।

भार:—5 प्रतिशत

+  $7 \frac{1}{2}$  प्रतिशत } सामान्य भार से

विभाग:—लम्बाई (+) 19 मि. मी. (—) 13 मि. मी.।

चौड़ाई (+) या (—) 13 मि. मी.।

## सारणी --IX

## गलियारा चटाईयां

क. सामान्यः--चटाई जिनमें साना बनाना लड़ियों ताने के विरों को बांधे या सिने हुए बिना लगातार होतो है ।

ख. संरचनाः--

विवरण	ए. सी. 2	आर. सी. 2	इस्यू. सी. 3
सूत का प्रकारः--	साना	रस्मा धागा	रस्मा धागा
	बाना	ऐजेंगो	आर्टरी
चेन या निर प्रति डे. मी.	5	5	5
बाने के लिए सूत का लम्बाई	--	--	--
प्रति मी. /कि. ग्राम	240	240	220
भार प्रति मी. <sup>2</sup> ग्राम	4250	4000	3050

अनुमत सह्यताएंः--

भारः--प्रति यूनिट क्षेत्र में भार बहू होगा जो उपरोक्त सारणी में दिया गया है । भार में --5 प्रतिशत + 7-1/2 प्रतिशत सह्यता अनुमत होगी ।

विमाणः--चम्बाई में +19 मि. मी. तथा --13 मि. मी. और योग चौड़ाई में 13 मि. मी. को सह्यता की अनुमति दी जाएगी ।

## सारणी--X

## जालीदार चटाईयां

क. सामान्यः--फ्रेम में जड़ा हुई कोलों के बीच में कवर भागा छाड़ा सिरछे ढग से रखकर चटाई बनी होगी, कवर धागे से गांठे बांधा जाएगा ।

ख. संरचना

विवरण	एम. बी. ए.	एम. सी. ए.	एम. आर. ए.
आधार सामग्रीः--धागे का प्रकार	बेपोर	बबलैड़ी	आर्टरी
लड़ियों की संख्या प्रति डे. मी. न्यूनतम	10×10	20×20	20×20
सूचनाः--धागे का प्रकार	ऐजेंगो ए.ए./आर्टरी	ऐजेंगो ए.	ऐजेंगो ए.
भार प्रति मी. <sup>2</sup> ग्राम	3660	5490	3660

ट्रिपिंगः--एम. बी. ए. के किनारे पर प्रयुक्त लड़ियों को संस्था उपयुक्त रूप से बड़ाई जा सकता है । एम. बी. ए. के सभी चारों किनारे दोनों ओर 7 प्लाई से मिले जाएंगे या सूथने की अच्छा दिखाने के लिए सूतों धागे से प्लेटिंग की जाएगी ।

अनुमत सह्यताएंः--

भारः--प्रति यूनिट क्षेत्र में भार उपरोक्त सारणी के अनुसार होगा ।

--5 प्रतिशत + 7-1/2 प्रतिशत की सह्यता अनुमत होगी ।

विमाणः--चम्बाई } --13 मि. मी. +19 मि. मी. ।

चौड़ाई } ±13 मि. मी. ।

[फाईल सं. 6(10)/85-ई आई एंड ई पी]

New Delhi, the 12th May, 1987

## ORDER

S.O. 1359.--Whereas, the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), three additional items of coir products as given in the schedule annexed to this order should be subject to Quality Control and Inspection prior to export, besides the items covered by the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce Nos. S.O. 3918, dated the 16th December, 1965 with S.O. 2779, dated the 11th August, 1967 and S.O. 2594 dated the 29th July, 1970 for the development of the export trade of India;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2 Notice is hereby given that any person who desires to forward any objection or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty five days of the date of publication of this Order in the Official Gazette to the Export Inspection Council, Pragati Tower, 11th floor, 26 Rajendra Place, New Delhi-110008.

## PROPOSALS

(1) To notify that three additional items of coir products as given in the Schedule annexed to this Order, shall be subject to quality control and inspection prior to export.

(2) To specify the type of inspection of coir products in accordance with the draft Export of Coir Products (Inspection) Rules, 1986 (as set out in Annexure I to this order).

(3) To recognise--

(a) national and international standards and standards of other bodies recognised by the Export Inspection Council;

(b) contractual specifications, subject to the products conforming to the minimum of the characteristics specified in the Annexure-II to this Order.

- (c) the specifications which do not falls under clause (a) and (b) above but are approved by a Panel of Experts established by the Export Inspection Council for the purpose of examining and approving such standards declared by the exporter ;

as the standard specification for all coir products.

(4) To prohibit the export in the course of international trade of coir products unless the same are accompanied by a certificate issued by any one of the Export Inspection Agencies set up under the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the coir products conform to the specifications recognised under subparagraph (3) and are exportworthy.

3. Nothing in this Order shall apply to the export by sea, land or air of samples of coir products to prospective buyers, the value of which does not exceed to Rs. 500 per set of samples for any type.

#### SCHEDULE

- (i) Rope mats ;
- (ii) Mesh mats ; and
- (iii) Other types of coir mats not specifically mentioned.

#### ANNEXURE-I

DRAFT Rules proposed to be made in supersession of the Export of Coir Products (Inspection) Rules 1965, under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection)

Act, 1963 (22 of 1963)

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Coir Products (Inspection) Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

- (i) 'Act' means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (ii) 'Agency' means any one of the Export Inspection Agencies established under section 7 of the Act ;
- (iii) 'Council' means Export Inspection Council established under section 3 of the Act ;
- (iv) 'Coir Products' means the following :
  - (a) Rod door mats ;
  - (b) Bit door mats ;
  - (c) Creel and Fibre door mats ;
  - (d) Corridor mats ;
  - (e) Sinnet mats ;
  - (f) Loop mats ;
  - (g) Gymnasia mats ;
  - (h) Rope mats ;
  - (i) Mesh mats ; and
  - (j) Other types of Coir Mats; not specifically mentioned.

3. Basis of Inspection.—Inspection of coir products intended for export shall be carried out with a view to seeing that coir products conform to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.

4. Procedure of inspection.—(1) Any exporter intending to export coir products shall give intimation in writing of his intention so to do to the nearest office of the Export Inspection Agency to enable it to examine such consignment or cause the same to be examined to see whether the same conforms to the specifications referred to in rule 3.

(2) Every intimation under sub-rule (1) shall be given not less than 7 working days before the anticipated date of despatch of the consignment from the exporter's premises for shipment.

(3) On receipt of the intimation referred to in sub-rule (1) the Agency shall inspect the consignment of coir products in accordance with rule 3 and the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf within 7 days of receipt of the intimation.

(4) After completion of the inspection, the Agency shall immediately seal the packages in the consignment in a manner as to ensure that the sealed goods cannot be tampered with. In case of rejection of a consignment if the exporter so desires, the consignment may not be sealed by the Agency. In such cases, however, the exporter shall not be entitled to prefer any appeal against the rejection.

(5) If the Agency is satisfied that the consignment of coir products complies with the requirement of rule 3, it shall within three days of completion of inspection of the consignment under sub-rule (4), issue a certificate of inspection, declaring that the consignment conforms to the recognised specification/standard.

Provided that if the Agency is not so satisfied, it shall within the said period of 3 days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter, along with the reasons thereof.

5. Place of Inspection.—(1) Every inspection under these rules shall be carried out either—

- (i) at the premises at which the consignments of coir products are offered by the exporter for inspection provided adequate facilities for the purpose exist therein, or
- (ii) such other place, as may be specified by the Agency for the purpose.

(2) In addition to the inspection at the premises referred to in sub-rule (5) the Agency shall wherever necessary, reassess the quality of the consignment in storage, transit or at the ports for the purpose of these rules. In the event of the consignment being found not conforming to the recognised specifications at any of these stages, the certificate issued under rule (4) shall be withdrawn.

6. Inspection Fee.—A fee at the rate of Rs. 0.4 per cent of the fob value of the consignment subject to a minimum of Rs. 25 per consignment shall be paid as inspection fee for inspection of coir products and 0.2 per cent of fob value for consignment inspected under inprocess quality control system.

7. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the Agency to issue certificate under rule 4 may within ten days of receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to such appellate panel consisting of not less than three but not more than 7 persons appointed for the purpose by the central government.

(2) At least two thirds of the total membership of the appellate panel shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the appellate panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within 15 days of its receipt.

#### ANNEXURE-II

##### Specification for Coir Products

##### 1. General Requirements :

1.1 The fibre yarn and rope used in the manufacture of Coir Mats shall be of uniform quality, clean and free from impurities and may be bleached or unbleached, of natural colour or dyed. The Coir Yarn used shall be of two ply. The mats shall be properly dry.

1.2 The mats shall be firmly and evenly woven. The pile tufts shall be well-secured and the shearing of plies shall be uniform and level. Mats may also be supplied without shearing of the pile if so required by the buyer.

1.3 Rod mats shall be squared by removing one or more weft threads. The protruding warp threads shall be tied with jute twine and merged with the body of the mat.

1.4 Creel mats shall be squared as above, but the protruding warp threads shall be doubled back and interlaced in the mats. In the Creel and Loop Mats sealed with rubber-latex or other edge-sealing compounds the warp threads need not be doubled-back and interlaced in the mats.

1.5 In the case of rod mats, each mat shall be bound with a braid of uniform construction, made of 5 or more strands of hard-twisted coir yarn, around the edges for mats having a pile-thickness of below 45 mm and those having a pile-thickness of 45 mm and above shall be bound with a braid of 7 strands of hard-twisted coir yarn. Gymnasia mats shall be bound with braid of 11 strands of hard-twisted coir yarn, having a width of 30 mm, around the edges. The ends of the braid shall be firmly secured and there shall be at least 3 stitches per decimetre.

1.6 The mats may be plain, dyed or stencilled with designs or may have designs or letters woven into them using coir fibre or coir yarn. The inlaid or stencilled designs/letters shall be clear and uniform when bevelled. Fibre mats and inlaid mats may also be supplied without bevelling if so required by the buyers.

1.7 The mats shall be in shapes and sizes as contracted for.

1.8 The cordage when used in gymnasia mats shall consist of coir or hemp rope having a circumference of 38 mm, or 11 ply braid of 25 to 30 mm. width, made of hard twisted yarn.

1.9 The coir rope used in the manufacture of rope mats shall be well twisted and shroud-laid consisting of sufficient number of twisted strings in each of the four strands.

1.10 In the case of rope mats, proper stitching shall be done to ensure that the layers at the sides do not slip. The two ends of the rope shall be merged into the body of the mat so that the ends are concealed.

1.11 In the case of mesh mats, the knotting with the binding yarn shall be secure, tight and uniform.

1.12 The mat shall be free from stains, dirt and other extraneous matters.

1.13 The mats may have other special finishing as agreed to in the Export contract.

## 2. Specific Requirements :

2.1 The mat of a particular quality number shall comply with the requirements as given in Tables I to X.

2.2 The requirements in respect of chain/pick, pile height, construction and weight for different varieties and quality numbers of mats shall be as set out in Tables I to X or be in accordance with the specifications formulated by the Panel of Experts appointed for the purpose.

2.3 The number of picks specified for the basic grade of a quality is the minimum for the higher grades.

2.4 Permissible tolerances in respect of picks, pile height weight and dimensions for different varieties of mats shall be as set out in Table I to X or be in accordance with the tolerances formulated by the Panel of Experts appointed for the purpose.

2.5 Mats may be made with gaps of tuftless portions in the following varieties is so required by the buyer.

- (1) Creel mats ;
- (2) Rod mats ;
- (3) Fibre mats ;
- (4) Loop mats ;

2.6 Higher grades in each variety shall be permitted for export provided there is an increase in pile thickness of 3 mm and an increase in weight of 600 gms. per M<sup>2</sup> from the highest grade of that variety of mats in the table. This shall be applicable only to grades upto a maximum weight of 6000 gms. per M<sup>2</sup>. Higher grades over 6000 gms. per M<sup>2</sup> in weight shall be permitted provided there is an increase in pile height of 6 mm and a corresponding increase in weight by 1200 gms. per M<sup>2</sup>.

## 3. Packing :

3.1 The mats shall be packed as agreed to in the export contract care being taken not to damage the mat. The packages shall be wrapped with new hessian of minimum 217 gms. per metre (7 oz. a yard).

3.2 Each package shall be marked with the following particulars :

- (a) Notified quality number and brand name.
- (b) Size
- (c) Number of pieces in the package.
- (d) Serial number of package.
- (e) Gross weight
- (f) Shipping marks
- (g) Destination

TABLE—I

## ROD MATS

A. GENERAL : A mat with pile formed by cutting two or more strands of yarns folded together and wound around a grooved iron rod alongwith alternate ends.

## B. Construction

DETAILS		BR. 1	BR. 2	BR. 7	BR. 8	VR. 3	TR.2
Type of yarn	Chain	Beach or Vycome	Beach or Vycome	Beach or Vycome	Beach or Vycome	Bycome	Vycome Beach
	Weft	Beach	Beach	Beach	Beach	-do-	T. Vycome/-Vycome
	Pile	Beach	Beach	Beach	Beach	Beach	T. Vycome
Construction		2 × 2	2 × 2	3 × 1	3 × 1	4 × 1	3 × 2
Chains or Ends per dm. (min.)		9	9	10	10	10	10
Picks per dm.		9	11	11	12	10	8
Pile height mm.		25	23	23	32	32	32
Weight per M <sup>2</sup> g.		4200	4800	5400	6000	7200	6600

## ROD INLAID MATS

A. GENERAL : The characteristics of Rod Inlaid Mats are same as for Rod Mats except that designs are woven into the Mat using Plain/coloured/Bleached Fibre or yarn.

## B. Construction :

		BR. 3 Inlaid	VR. 1 Inlaid	BRY. 1 Inlaid.
Type of yarn	Chain Weft Pile	Beach/Vycome Beach Beach/Fibre	Vycome Vycome Vy come/Fibre	Beach/Vycome Beach Bach
Construction		3×1	4×1	3×1
Chains or Ends per dm.		11	11	11
Picks per dm.		11	12	12
Height mm.		28	32	32
Weight per M <sup>2</sup> g.		6000	7800	6000

Note: In order not to increase considerably the number of picks in a mat, where thinner yarn is used, to get the minimum weight, the number of strands in the pile may be increased as necessary, but in no case shall the strands of the pile be less than those specified for a particular quality.

## Tolerances Permitted :

Chains	The minimum number of chains in a mat shall be as given in the table. A tolerance of plus one strand per dm. shall be permitted.
Picks	The number of picks allowed in any mat shall be as given in the above table subject to the following tolerances 1. For mats of width of less than 76 cms—minus 5% 2. For mats of width of 76 cms and above—minus 10%
Pile height :	The pile height of mats shall be as given in the above table. A tolerance of plus or minus 3 mm in the pile height shall be permitted.
Weight :	The weight per unit area shall be as given in the above table. The following tolerances in weight shall be permitted. 1. For mats of width 30 cm and below—5% +12-1/2% from the standards weight. 2. For mats of width above 30 cm and below 76 cm, —5% +7-1/2% from the standard weight. 3. For mats of width 76 cm and above—10%+5% from the standard weight. 4. A minus tolerance of 1.5% in weight is allowed for bevelled mats over and above the usual tolerances.
Dimensions	A tolerance of ±13 mm or 1% whichever is higher shall be permitted.

TABLE-II

## BIT MATS

GENERAL A mat with the pile formed by insertion of bits of yarn on every alternate ends.  
CONSTRUCTIONS

DETAILS		BB. I	VB. 1
Type of Yarn	Chain Weft Pile	Beach/Vycome Beach Beach Bits Inserted Bits	Vycome Vycome Vycome Bits Inserted Bits
Construction			
Chains or Ends per dm. min.		9	9
Picks per dm.		9	9
Pile height mm		32	35
Weight per M <sup>2</sup> g		6600	7800

## Tolerance permitted.

Chains :	The number of chains shall be as given in the above table. A tolerance of plus 1 strand per dm. shall be permitted.
Picks :	The number of picks allowed in any mat shall be as given in the above table, subject to the following tolerances 1. For mats of width below 76 cm—minus 5% 2. For mats of width 76 cms. and above—minus 10%
Pile height :	The pile height of mats shall be as given in the above table. A tolerance of plus or minus 3 mm. in the pile shall be permitted.

- Weight :** The weight per unit area shall be as given in the above table. The following tolerance in weight shall be permitted.
1. For mats of width 30 cms and below—5% +12 1/2% from the standard weight.
  2. For mats of width above 30 cms. and below 76 cms—5% +7 1/2% from the standard weight.
  3. For mats of width 76 cms and above—10% +5% from the standard weight.
- Dimensions :** A tolerance of  $\pm 13$  MM or 1% whichever is higher shall be permitted.

TABLE—III

## CREELMATS

- A. GENERAL:** A mat made up by 2 or more chains, one tight and the other slack working as pile or binding, the pile being formed by cutting slack chain bent over a grooved rod suitably inserted between slack and tight chain.

**B. Construction :**

		BC. 1	VC. 1	VC. 4	VC. 8	VC. 10
Type of Yarn	Slack chain			2 or 3 ply jute	2 or 3 ply jute	2 ply jute
	Tight chain	Beach/ Vycome/ Alapat	Vycome/ Alapat	Vycome/ Alapat	4 or 4 ply jute	Vycome
	Wet	Beach	Vycome	Vycome	3 ply jute	Vycome
	Pile	Beach	Vycome	Vycome	Vycome	Vycome
Construction		Warp cut pile	Warp Cut pile	Warp Cut pile	Warp Cut pile	Warp Cut pile
Tight chain Min. per. dm.		9	9	9	17	14
Picks per dm.		24	25	25	52	40
Pile Height		22	22	22	13	19
Weight per M <sup>2</sup>		4800	5400	5400	4350	4500

**Tolerance permitted :**

- Chains :** The number of chains shall be as given in the above table.  
A tolerance of plus 1 strand per dm shall be permitted.
- Picks :** The number of Picks allowed in any mat shall be as given in the above table, subject to the following tolerances.  
(1) For mats of width less than 76 cms—minus 5%  
(2) For mats of width 76 cms and above—minus 10%
- Pile height :** The pile height of mats shall be as given in the above table.  
A tolerance of plus or minus 1.5 mm in pile height shall be permitted.
- Weight :** The weight per unit area shall be as given in the above table. The following tolerance in weight shall be permitted.  
1. For mats of width 30 cm and below—5% +1 1/2% from the standard weight.  
2. For mats of width above 30 cm and below 76 cms—5% +7 1/2% from the standard weight.  
3. For mats of width 76 cm and above—10% +5% from the standard weight.  
4. A minus tolerance of 2% shall be allowed for bevelled Mats over and above the general tolerances.
- Dimensions :** A tolerance of  $\pm 13$  MM or 1% whichever is higher shall be permitted.

TABLE IV

## FIBRE MATS

- GENNEAL :** A mat made up by two chains, one tight and the other binding, the pile being formed by insertion of tufts of Coir Fibre on alternate strands of Tight Chain.

**Constructions :**

DETAILS		F.M. 2	F.M. 3
Type of yarn	Binding chain	Vycome/Alapat/ Anjengo	Vycome/Alapat/ Anjengo
	Tight Chain	-do-	-do-
	Wet	Vycome	Vycome
	Pile	Coir Fibre Gr. 1 or 2	Coir Fibre Gr. 1 or 2
Construction		Inserted fibre	Inserted fibre
Chains per dm min.		12	14
Picks per dm.		12	14
Pile height mm		28	32
Weight per M <sup>2</sup> gm.		7800	8400

## Tolerances permitted.

- Chains : The number of chains shall be as given in the above table.  
A tolerance of plus 1 strand per dm shall be permitted.
- Picks : The number of picks allowed in any mat shall be as given in the above table subject to the following tolerances.  
1. For mats of width below 76 cms—minus 5%  
2. For mats of width 76 cms and above—minus 10%
- Pile height : The pile height of mats shall be as given in the table.  
A tolerance of  $\pm 3$  mm shall be permitted.
- Weight : The weight per unit areas shall be as given in the above table. The following tolerances in weight shall be permitted.  
(1) For mats of width 30 cms and below—5% + 12-1/2 % over the standard weight.  
(2) For mats of width above 30 cms and below 76 cms—5% + 7-1/2 % over the standard weight.  
(3) For mats of width 76 cms and above—10% + 5% over the standard weight.  
(4) A tolerance of minus 1 % is allowed for bevelled mats over and above the usual tolerances.

Dimensions -- A tolerance of  $\pm 13$  mm of 1 % whichever is higher, shall be permitted.

TABLE - V

## SINNET MATS

A. GENERAL : A mat made of plaited or braided Coir Yarn or 3 or more strands stitched together in a frame to form the mat.

## B. CONSTRUCTION :

DETAILS	SA.1	SA.2	SR.5	SR.2	SR.5	SV.2
Type of Yarn	Anjengo	Anjengo	Anjengo	Aratory	Aratory	Vycom
Runage M/Kg. of the yarn	220	220	220	220	220	220
No. of strands of ply in the Braid	9	9	11	9	11	9
Thickness of the mat (mm)	19	19	25	19	25	19
Weight per M <sup>2</sup> gm	3650	4250	6100	3950	5800	4250

Note : Coir yarn for inner strands of the braid may be of suitable quality.

## Tolerances permitted :

Dimensions : A tolerance of  $\pm 13$  mm or 1 % whichever is higher shall be permitted.

Weight : The weight per unit area shall be as given in the above table.

The following tolerance in weight shall be permitted.

1. For mats of width 30 cm and below - 5% + 12-1/2 % from the standard weight.
2. For mats of width above 30 cm and below 76 cms - 5% + 7-1/2 % from the standard weight.
3. For mats of width 76 cm and above - 10% + 5% from the standard weight.

TABLE - VI

## LOOP MATS

A. GENERAL : A mat made up by three or more chains, one tight and others slack working as pile or binding. The pile is formed by loops formed out of slack chain in the weaving process.

## B. CONSTRUCTION.

DETAILS	RL-2	AL 2
TYPE OF YARN	Tight Chain	Vycom
Runage Ms/Kg of the yarn		220
Type of yarn	Binding Chain	Vycom
Runage Ms/kg of the yarn		240
Type of yarn	Loops chain	Aratory
Runage Ms/kg the yarn		240
Type of yarn	Wef	Vycom
Construction	Loop	Loop
Tight chain Min. per dm.	10	10
Picks per dm.	22	24
Weight per M <sup>2</sup> .	3650	3965

## Tolerances permitted :

Chain : The number of chains in a mat shall be as given in the table. A tolerance of plus 1 strand per dm shall be permitted.

Weight : The weight per unit area shall be as given in the above table. The following tolerances in weight be permitted.

1. For mats of width 30 cms and below : - 5% + 12-1/2 % from the standard weight
2. For mats of width above 30 cm & below 76 cms - 5% + 7-1/2 % from the standard weight
3. For mats of width 76 cms and above - 10% + 5% from the standard weight.

Dimensions : A tolerance of  $\pm 13$  MM or 1 % whichever is higher shall be permitted.

TABLE—VII  
GYMNASIA MATS

A. GENERAL : A mat with pile formed by cutting three or more yarns folded together and wound around a grooved iron rod along with alternate ends of warp. The pile is made thicker to meet the specific requirement.

## B. CONSTRUCTION :

DETAILS		VG 1	BG 1
Type of yarn	Warp Weft Pile	Vycom: Vycom: (single) *Vycom: (un-bleached)	Vycom: Beach (single) Beach
Construction		4 + 1	3 + 1
Ends per dm		10	10
Picks		Sufficient to guarantee tight weave	Sufficient to guarantee tight weave
Pile height mm		63	63
Weight per M-2g.		12200	11030

\*Free from impurities and Pith  
Tolerances permitted

- Chain : The minimum number of chains in mat shall be as given in the above table. A tolerance of plus 1 strand per dm shall be permitted.
- Pile height : The pile height of mats shall be as given in the above table. A tolerance of  $\pm 3$  mm in the pile height shall be permitted.
- Weight : The weight per unit area shall be as given in the above table. The following tolerances in weight shall be permitted.  
1. For mats of width below 76 cm. — 5% + 7-1/2% from the standard weight.  
2. For mats of width 76 cm and above — 10% + 5% from the standard weight.
- Dimensions : The dimension of the mat shall be as agreed to between the buyer and seller. Unless specifically agreed otherwise, a tolerance of  $\pm 13$  mm in the dimensions shall be permitted.

TABLE VIII

## ROPEMATS (LOVERS' KNOT MATS)

A. General : A mat with a single Coir Rope guided through a number of upright nails fixed on flat surface. This mat may be made either in oval or oblong shapes. Both starting and finishing ends of the rope are merged into the mat.

## B. Construction :

DETAILS	LKA	LKR
Type of rope	shroud laid	shroud laid
Type of yarn used for Rope	Anjengo	Aratory
Diameter of Rope mm	14	14
Weight per M <sup>2</sup> gm	6100	5490

Note : For Oval mats the weight shall be 10% less than that of oblong.  
Tolerances Permitted :

Tolerance : Plus or minus 3 mm for Diameter of rope

Weight : — 5% + 7-1/2% — From the standard weight.

Dimensions : Length : Plus 9 mm Minus 13 mm  
Width : Plus or Minus 13 mm



TABLE — IX  
CORRIDOR MATS

A. General : A mat in which both warp and weft strands are continuous, without tucking in or binding of warp ends.

B. Construction :

DETAILS		AC.2	RC.2	WC.3
Type of yarn :	Warp Weft	Rope yarn Anjengo	Rope yarn Aratory	Rope yarn Vycom
Chain or Ends Min. per dm		5	5	5
Runnage per M/kg of yarn for weft		240	240	220
Weight per M <sup>2</sup> g.		4250	4000	3950

Tolerances permitted :

Weight : The weight per unit area shall be as given in the above table.

A tolerance of  $-5\% + 7\frac{1}{2}\%$  in weight shall be permitted.Dimensions : A tolerance of  $+19\text{ mm}$  and  $-13\text{ mm}$  in length and  $\pm 13\text{ mm}$  in width shall be permitted.TABLE — X  
MESH MATS

A. General : The mat is made by laying Coir Yarn in criss cross manner between a number of nails fixed on a frame, and knotting the intersecting points with coir Yarn.

B. Construction :

DETAILS	MBA	MQA	MRA
Base Material : Type of yarn	Baypre	Quilindy	Aratory
No. of strands Min. per dm.	10 x 10	20 x 20	20 x 20
Binding : Type of yarn	Anjengo AA/ Aratory	Anjengo A	Anjengo A
Weight per M <sup>2</sup> g.	3650	5400	3550

Note : The No. of strands used at the edges of MBA may be suitably increased. All the four edges of MRA can be finished either by stitching with 7 ply braid on both sides or by plating with Coir Yarn to give the appearance of a braid.

Tolerances permitted :

Weight : The weight per unit area shall be as given in the above table. A tolerance of  $-5\% + 7\frac{1}{2}\%$  shall be permitted.Dimensions : Length  $-13\text{ mm} + 19\text{ mm}$   
Width  $\pm 13\text{ mm}$ 

[F. No. 6(10)/85-EI &amp; EP]

नई दिल्ली, 18 मई, 1987

का.आ. 1360 - निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स डा. आर. सी. अमीन (कार्गो सुपरिन्टेण्डेंट्स एंड सर्वेयर्स) 43-22-3 आइसक रोड, टी.एस.एन. कॉलोनी, विशाखापत्तनम-16 को कच्ची धातु के निरीक्षण के लिए अभिकरण के रूप में 2 मार्च, 1987 से एक और वर्ष की अवधि के लिये मान्यता देती है।

[फाइल सं. 5(2)/83-ई.आई.एण्ड ई पी]

New Delhi, the 18th May, 1987

S.O. 1360.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 2nd March, 1987, M/s. Dr. A. C. Amin (Cargo Superintendents and Surveyors), 43-22-3, ISSAC ROAD, T. S. N. Colony, Vishakhapatnam-16 as an agency for the inspection of Iron Ores.

[F. No. 5(2)/83-EI&amp;EP]

का.आ. 1361—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स दिल्ली टेस्ट हाउस, मोनू इन्डस्ट्रियल एंस्टीट, जी.टी. करतार रोड, दिल्ली-110033, इससे सम्बन्धित अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार अनिवार्य तथ्य प्रत्येक का निर्यात में पूर्ण निरीक्षण करने के लिये अभिकरण के रूप में 5 अप्रैल, 1987 से एक और वर्ष की अवधि के लिये मान्यता देती है।

अनुसूची

1. फेरोमेगनाज के धातु सहित फेरोमेगनाज,
2. निस्सप्त बॉक्साइट सहित बॉक्साइट,
3. मेगनीज डायक्साइड,
4. क्रायनाइट,
5. सिलीमेनाइट,
6. संकेन्द्रित त्रिक सहित कच्चा त्रिक,
7. परिदग्ध और निस्सप्त मेगनेसाइट सहित मैंगनीसाइट,
8. बैराइटिन,
9. लाल ओक्साइड,

10. पीला मैरिक्,
11. सेलसडी,
12. स्पतीय (फेल्डस्पार),

[काइन सं. 5/10/83-ई आई एण्ड ई पी]

S.O. 1361.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 5th April, 1987, M/s Delhi Test House, Sohna Industrial Estate, G. T. Karnal Road, Delhi-110033 as an agency for the inspection of Minerals & Ores as specified in Schedule annexed hereto prior export.

#### SCHEDULE

1. Ferromanganese, including ferromanganese slag,
2. Bauxite, including calcined bauxite,
3. Manganese Dioxide,
4. Kyanite,
5. Sillimanite,
6. Zinc Ores, including zinc concentrates,
7. Magnesite, including dead burnt and calcined magnesite,
8. Barytes,
9. Red Oxide,
10. Yellow Ochre,
11. Steatite,
12. Feldspar.

[F. No. 5/10/83-EI&EP]

का.प्रा. 1362.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इन्स्पेक्शन सर्वे एवं सविलेन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 26 डी/27, पार्क लेन, कलकत्ता-700016 को इससे उपाबंध अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क ग्रुप-II का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिये अधिकारों के रूप में इन शर्तों के अधीन रहते हुए, 24 मार्च, 1987 से एक और वर्ष की अवधि के लिये मान्यता देती है कि खनिज तथा अयस्क ग्रुप-II के निर्यात (निरीक्षण) नियम 1965 के नियम 4 के उप नियम (4) के अधीन निरीक्षण प्रमाणपत्र देने के लिये संगठन के द्वारा जमायी गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिये निर्यात निरीक्षण परिषद् के किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधायें देगी।

#### अनुसूची

1. मैंगनीज डायक्साइड,
2. बौगनाईट
3. सिलीमनाइट
4. जिंक गार्डिन चूर्ण सहित जिंक अयस्क
5. डैड बर्नट तथा कैल्सिड मैंगनीसाइट सहित मैंगनीसाइट
6. बैरिटिस
7. लार्न आक्साइड
8. पीला मैरिक्
9. स्टेडाइट
10. फेल्डस्पार

[काइन सं. 5/11/83-ई आई एण्ड ई पी]

S.O. 1362.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 24th March 1987, M/s. Inspection Survey & Surveillance (India) Pvt. Ltd., 26D/27, Park Lane, Calcutta-700016, as an agency for inspection of the Minerals and Ores Group II specified in Schedule annexed hereto prior to export subject to the condition that the organisation shall give adequate facilities to any officer of the Export Inspection Council to examine the method of inspection followed by the organisation in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export Minerals and Ores Group-II (Inspection) Rules, 1965.

#### SCHEDULE

1. Manganese Dioxide,
2. Kyanite,
3. Sillimanite,
4. Zinc Ores, including Zinc concentrates,
5. Magnesite, including dead-burnt and calcined magnesite,
6. Barytes,
7. Red Oxide,
8. Yellow Ochre,
9. Steatite,
10. Feldspar.

[F. No. 5/11/83-EI&EP]

का.प्रा. 1363.—निर्यात (गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स इन्स्पेक्शन सर्वे एवं सविलेन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 26 डी/27, पार्क लेन, कलकत्ता-700016 को भारत सरकार के बाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.प्रा. 1270 तारीख 24 मार्च, 1966 की अनुसूची II में प्रकाशनिक रसायनों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिये अधिकारों के रूप में इन शर्तों के अधीन रहते हुए, 25 मार्च, 1987 से एक और वर्ष की अवधि के लिये मान्यता देती है प्रकाशनिक रसायन के निर्यात (निरीक्षण) नियम 1966 के नियम 4 के उप नियम (4) के अधीन निरीक्षण प्रमाणपत्र देने के लिये संगठन के द्वारा जमायी गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिये निर्यात निरीक्षण परिषद् के किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधायें देगी।

[काइन सं. 5/11/83-ई आई एण्ड ई पी]

एन. एस. हरीहरन, निदेशक

S.O. 1363.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 24th March, 1987, M/s. Inspection Survey of Surveillance (India) P. Ltd., 26D/27, Park Lane Calcutta-700016 as an agency for inspection of the Inorganic Chemicals specified in Schedule II annexure to the notification of the Government of India, Ministry of Commerce No. S.O. 1270 dated the 25th March 1966 prior to their export subject to the condition that the organisation shall give adequate facilities to any officer of the Export Inspection Council to examine the method of inspection followed by the organisation in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Inorganic Chemicals (Inspection) Rule, 1966.

[F. No. 5/11/83-EI&EP]

N. S. HARIHARAN, Director

आम संजालय

नई दिल्ली, 12 मई, 1987

का.घा. 136। ---- कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रवृत्त शक्तिनो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के लागू होने से भारत सरकार के उपरान्त, मैसूर हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, उपरान्त के नियमित कर्मचारियों को 22 जून, 1985 से 30 मितम्बर, 1987 तक 'जिम'में यह दिन भी शामिल है, की अवधि के लिए छुट्टी प्रदान करती है।

उक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है :—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दर्जित किए जाएंगे;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व मंदन अधिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अधिदाय पहले ही सुंदन किए, जा चुके हैं तो वे वापस नहीं किए जाएंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी,—
  - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए, या
  - (ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं या
  - (iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रसुविधाओं को, जो ऐसी प्रसुविधाएं हैं जिनके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, तकद और धन रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
  - (iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अन्त-पालन किया गया था या नहीं.

निम्नलिखित कार्य करने के लिए मशक्त होगा,—

- (क) प्रधान नियोजक या अथर्वबलित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या
- (ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अथर्वबलित नियोजक के अधिभाग में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसने भारमाधक व्यवित से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के मुदाय से संबंधित ऐसी लेखाबहियां और अन्य दस्तवेजों,

नये निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें या वह उसे ऐसी जानकारी दें जो वह आवश्यक समझे; या

- (ग) प्रधान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक की उसके अधिकर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिणाम में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पक्षधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की तक़्क़ करना या उससे उद्धरण लेना।

[संख्या एस-38014/67/87-एस.एस-1]

ए. के. भट्टगई, अवर सचिव

स्वच्छीकरण शापन

इस मामले में भूलभरी प्रभाव से छूट देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के लिए आवेदन पत्र पर कार्यवाही करने में समय लगा तथापि भूल-  
भरी प्रभाव से छूट देने से किसी के दिन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 12th May, 1987

S.O. 1364.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of M/s. Hindustan Zinc Limited, Udaipur, a Government of India Enterprises, from the operation of the said Act for a period with effect from 22nd June, 1985 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates ;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded ;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
  - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or
  - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or
  - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[File No. S-38014/67/86-SS I]  
A. K. BHATTARAI, Under Secy.

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 15 मई, 1987

का. भा. 1365.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, सैमर्ज के पी. वी. शैक मोहम्मद रोथर और कंपनी लिमिटेड के प्रबंधन से संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 15th May, 1987

S.O. 1365.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the Industrial Disputes between the employers in relation to M/s. K.P.V. Shaik Mohammed Rowther and Company Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th May, 1987.

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, B.Sc., B.L.,  
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
TAMILNADU, MADRAS

(Constituted by the Central Government)  
Wednesday, the 22nd day of April, 1987  
Industrial Dispute No. 3 of 1986

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of M/s. K.P.V. Shaik Mohammed Rowther & Co. Pvt. Ltd., Madras-1.)

#### BETWEEN

Thiru B. Govindarajulu,  
New No. 10 (Old No. 146), Kasipuram,  
B. Block, 5th Lane, Royapuram,  
Madras-600013.

#### AND

The Managing Director,  
M/s. K.P.V. Shaik Mohammed Rowther,  
& Co. Pvt. Ltd.,  
202, Linghi Chetty Street,  
Post Box No. 1254 Madras-600001.

#### REFERENCE :

Order No. L-33012/1/85-D.IV(A), dated 2-1-1986 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiru J. James for Thiruvallargal T. Arulraj and J. James, Advocates for the Management upon perusing the reference, claim and counter statements and other connected papers on record and the workman being absent, this Tribunal passed the following.

#### AWARD

This dispute between the workman and the Management of M/s. K.P.V. Shaik Mohammed Rowther & Co. Pvt. Ltd., Madras-1 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 by the Government of India in its Order No. L-33012/1/85-D IV(A), dated 2-1-1986 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :—

"Whether the action of the management of M/s. K.P.V. Shaik Mohammed Rowther & Company Ltd., Shipping Agents, Madras in terminating the services of Shri B. Govindarajulu, Supervisor in their Dock Office, Madras Port w.e.f. 15-6-1982 is legal and justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. Parties were served with summons. Both parties were represented by counsel.

3. Petitioner-worker Thiru B. Govindarajulu filed his claim statement on 25-4-1986. In repudiation thereof the Management filed their counter statement on 24-6-1986.

4. After several adjournments, when the dispute was called today for reporting settlement or enquiry, the Petitioner was absent and not represented. No settlement was reported.

5. Hence Industrial Dispute is dismissed for default. Award is passed. No costs.

Dated, this 22nd day of April, 1987

FYZEE MOHMOOD, Industrial Tribunal  
[No. L-33012/1/85-D. IV(A)]

का. भा. 1366.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, विजया बैंक के प्रबंधन से संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4 मई 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1366.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Vijaya Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th May, 1987.

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
NEW DELHI

L. D. No. 20/85

In the matter of dispute between :

Shri Dalip Singh Member sub-staff, Vijaya Bank, Divisional Accounts Office, Karol Bagh, New Delhi rep-

resented by The Vijaya Bank Employees Association, Delhi Unit, 898, Nai Sarak Chandni Chowk, Delhi-6.

#### Versus

The Management of Vijaya Bank, G-44, Connaught Place, New Delhi.

#### APPEARANCES :

Shri R. K. Kadam—for the workman.

Shri Udai Shetty—for the Management.

#### AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its notification No. L-12012/55/84-D-IV (A) dated 8th May, 1985 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Vijaya Bank New Delhi in terminating the services of Shri Dalip Singh, sub-staff with effect from 10-7-83 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

2. The case of the workman is that he was engaged as a peon in the different branches of the Vijaya Bank (hereinafter referred to as the bank) during the period from 7-8-81 to 10-7-83, for intermittent periods details of which are given below :

Name of the office	From	To	Days
1. B/O Karolbagh, New Delhi.	7-8-81	14-9-81	39
2. B/O Samaipur, Delhi	31-10-81	15-12-81	47
3. B/O Hauskhas, New-Delhi.	1-3-82	15-3-82	15
4. B/O Hauskhas, New Delhi.	13-6-82	2-7-82	20
5. B/O Samaipur, Delhi	11-9-82	10-10-82	30
6. B/O Hauskhas, New Delhi	4-3-83	3-4-83	30
7. Div. A/Cs. Office	11-4-83	10-5-83	30
8. -do-	12-5-83	12-6-83	31
9. -do-	13-6-83	10-7-83	28
Total :			270 days

3. It is stated that no appointment letter was issued for the initial period of appointment from 7-8-81 to 14-9-81 which was in violation of para 495 of the Shastry Award and clause 5 of the Third Bipartite Settlement. His services were abruptly terminated w.e.f. 15-9-81 in violation of paras 522(4) and 524(1) and (4) of the Shastry Award. He was again appointed by the Manager B/Office Samaipur vide appointment letter dated 28-11-81 for 240 days w.e.f. 31-10-81 but his services were utilised continuously for 47 days. On this occasion he was stated to have been appointed in leave arrangement of the permanent peon but the name of the person who was on leave was never mentioned in appointment letter as none was on leave and his services were utilised against the permanent vacancy. His services were again terminated from 16-12-81 and a new hand was appointed to his prejudice. Then he was appointed at the branch office Haus Khas w.e.f. 1-7-82 to 15-3-82 against a permanent vacancy but was shown in leave vacancy without mentioning the name of the employees in whose arrangement he was appointed. Again on 16-3-82 his services were abruptly terminated and another hand was appointed to his prejudice. The vacancy at this office was a permanent one yet to circumvent the factual position one or the other temporary hand was appointed and then thrown on road. He was again appointed at Haus Khas branch from 13-6-82 to 2-7-82 against an independent vacancy but was shown as temporary hand in leave arrangement without mentioning the name of

the employee under whose arrangement he was appointed. And again his services were terminated and another new hand was recruited in his place. He was again appointed at the Samaipur Branch from 11-9-82 against independent vacancy but was shown to have been appointed in leave arrangement without mentioning the name of the permanent hand in whose leave arrangement he was appointed. From 11-10-82 his services were again terminated and another new hand was appointed. He was again appointed at Haus Khas Branch against the same old permanent vacancy w.e.f. 4-3-83 to 3-4-83 and again his services were terminated from 4-4-83 and another temporary hand was appointed in his place. During his appointment from 4-3-83 onwards the Assistant General Manager of the bank vide letter dated 5-3-83 called him for interview for temporary/permanent absorption. It is contended by the workman that the above letter makes it clear that he was engaged temporarily but the vacancy against which he was posted was a permanent one and he had to be absorbed permanently subject to his satisfactory performance. During this period he was never advised that his work and conduct was not satisfactory but his services were again terminated w.e.f. 4-4-83 without any notice, notice-period pay or retrenchment compensation and another person named Shri Suresh Chand was appointed in his place who was confirmed in that very vacancy after 6 months and is still working there. After his illegal termination from 4-4-83 the Senior Manager Divisional Accounts Office at Ram Nagar, Pahar Ganj, Delhi (now at Karol Bagh) vide letter dated 11-4-83 appointed the workman from 11-4-83 against the permanent vacancy but he was shown having been appointed in leave arrangement of the permanent hand but the name of the permanent hand in whose arrangement his appointment was made was not mentioned. Against this very vacancy the workman's services were utilised again w.e.f. 11-5-83 to 10-7-83 continuously for 90 days while to disturb his otherwise continuous service, break was shown after 11-5-83 (Wednesday) and 12-6-83 (Sunday) weekly off. Against this vacancy one Sunder Singh was appointed. It was further stated that at the bank's office at Karol Bagh, Samaipur and the Divisional Accounts Office, the vacancies against which the services of the workman were utilised were all of permanent nature which are either still vacant or were filled up by juniors to the workman. On each occasion the services of the workman were utilised against permanent vacancy but simply to disturb his otherwise continuous service maliciously and abruptly the services were terminated. The Management was thus guilty of unfair labour practice. During the last period of his employment, the bank showed artificial breaks on 11-5-83 and 12-6-83 in order to circumvent the provisions of para 20.8 of the First Bipartite Settlement dated 19-10-66. Out of the two breaks shown on 11-5-83 and 12-6-83 the breaks of 12-6-83 fell on Sunday which was weekly off day to which the workman was legally entitled and if this day is counted he had completed 90 days service and interns of para 20.8 of the First Bipartite Settlement dated 19-10-66 the Management was bound to consider him while filling up the vacancy but it was not done and he was thrown out of service. It was further stated by the workman that assuming that his services were utilised as a temporary hand in other stop-gap vacancy even then he fell into category of retrenched hand as his services were utilised for indefinite period and as such he comes under the provisions contained in para 493 of the Shastry Award read with para 20.12 of the First Bipartite Settlement dated 19-10-83, Section 2(cc), 25-G and 25-H of the I. D. Act. The Management was bound to give him preference while recruiting new hands in sub-ordinate cadre but the bank did not do so and on the contrary recruited in Delhi Branches and the Divisional Accounts Office nearly 24 new hands who were junior to the workman and some of whom were never sponsored by the Employment Exchange. As an example the workman cited the names of the following persons junior to him :

- Shri Suresh Chand who joined as a temporary peon in January 1983 was absorbed permanently at B/O Haus Khas, New Delhi since he was recommended by a High Official of Finance Ministry and is now working permanently at this very office.
- Shri Brij Mohan, who joined as a temporary peon after Shri Dalip Singh, has since been absorbed permanently at B/O Ansari Road (now transferred to B/O Karol Bagh) as he too was recommended by a high official of Finance Ministry.

(iii) Shri Daya Ram, who too joined as a temporary hand much after Shri Dalip, has since been absorbed permanently at Divisional Office since he too had a high official's recommendation.

(iv) Shri Bilo Chand who had joined much after Shri Dalip Singh was absorbed permanently at B/O Ansari Road, Delhi since he was brought by a high official of the Bank itself.

4. The workman further stated that after he was given employment as temporary hand by the bank his name stood dropped from the records of the Employment Exchange and the bank by abruptly terminating his service and denying him further employment "played with his career when he had become eligible for permanent absorption because of having put in more than 270 days service. For getting employment in a bank he has to get his name again registered with the Employment Exchange and thus the bank disabled him to get his name registered with the Employment Exchange in the same serial number. During his entire service of 270 days the Management neither verbally nor in writing ever intimated to the workman that his behaviour, work and conduct were not satisfactory. On the contrary the Senior Manager of the Haus Khas Branch vide letter dated 10-4-85 recommended to the Assistant General Manager Divisional Office, New Delhi that the workman may be absorbed permanently which is reproduced below :

"From time to time we were engaging Shri Dalip Singh and Shri Suresh Kumar Vanjani as temporary peons on leave vacancies etc. at this branch. Both of them have worked for about six months at this branch. Their work and conduct are found satisfactory. We recommend to absorb them as permanent employees in our bank and consider their applications which are lying with Divisional Office favourably. Copies of their applications submitted earlier are enclosed herewith".

5. In the light of the above averment the workman prayed for his reinstatement with continuity of service and full back wages.

6. The case of the Management, in short, is that on each occasion the workman was appointed for fixed periods and on the expiry of the fixed period his services ceased automatically. It was clearly mentioned in the appointment letter that the workman was being offered appointment on increase of work/during leave vacancy and it was not necessary to mention the name of the employee who had gone on leave in that appointment letter. It is denied that there was any violation of any provision of the Shastry Award or Bipartite Settlement. It was further stated that appointment on permanent post can be made only after following due procedure including sponsorship by the Employment Exchange which may affect the bank's efficiency and for that reason banks have been authorised to keep temporary employees, but for not exceeding 90 days at a time and 240 day in one block of 12 months. For the period 13-6-82 to 2-7-82 the workman was appointed on leave vacancy of Shri Mohan Chand and for the period 11-9-82 to 10-10-82 he was appointed on the leave vacancy of Shri Ram Sarup. It was not denied that the workman had been called for interview vide the letter dated 5-3-83, yet it was submitted that due to a clerical error it was stated in the letter that the name of the workman had been sponsored by the Employment Exchange but in fact his name had not been sponsored by the Employment Exchange and in view of the binding directions of the Government in this behalf, the bank could not consider the name of the workman for absorption in service. It was also denied that any notice, or notice pay or compensation was payable at the end of any period of employment. Regarding the period of employment it was stated that the workman worked only upto 11-6-83 and he did not work for the period from 13-6-83 to 10-7-83. It was also denied that the workman falls in the category of retrenched hand or that the Management was bound to give any preference. As regards the specific names given by the workman it was submitted that there are no employees by the name of Daya Ram and Bilo Chand. The bank has an employee by the name of Daya Nand whose name was duly sponsored by the Employment Exchange and the name

of Suresh Chand was also sponsored by the Employment Exchange.

7. The workman filed the rejoinder wherein he controverted the pleadings of the Management and reiterated the averments made by him in the statement of claim. He denied that Shri Suresh Chand was appointed in accordance with the procedure and challenged the management to place on record the call letter from the Employment Exchange whereby the name of Shri Suresh Chand is alleged to have been sponsored. He further asserted that as per the awards and the law he was entitled to a weekly off day and after every week and no deduction can be made from his wages on account of close day or weekly off. He also denied that his name was not sponsored by the Employment Exchange or that it was a clerical error. He further challenged that if it was an error, whether it was only in his case or whether it pertained to all other candidates who had been interviewed alongwith him. He asked the Management to bring on record the list of candidates called for interview alongwith him and evidence of then sponsorship from the Employment Exchange. He further stated that the name of Daya Ram had been mentioned as a typographical error and the correct name in Jaya Ram who is presently working in the Divisional Office. He further stated that Mr. Bilo Chand is working at Ansari Road.

8. It is apparent from the details of the working periods given by the workman, which are accepted by the Management except for the period 13-6-83 to 10-7-83, the services of the workman were utilised for nearly 270 days spread over a period of nearly two years. In the absence of any complaint of indiscipline and misconduct against the workman, morally the Management should have shown consideration to such a person whose services were utilised for over a period of two years and given him preference over juniors and in any case over fresh hands as shall be shown subsequently. The Management has not only nor shown any consideration for the services rendered by this workman, but acted in a most arbitrary and discriminatory manner against this workman. As is apparent from the written statement filed by the Management. It has tried to lay emphasis on the legal technicalities and completely ignored its moral obligation towards a workman whose service it utilised over a period of two years.

9. As can be discerned from the periods of employment mentioned above, there were quite a few big breaks and legally the workman has got no case for the periods of employment at Sl. No. 1 to 6. There appears to have been no violation of the provisions of the Shastry Award so far as these periods of employment are concerned because clauses 20.7 and 20.8 of the Bipartite Settlement dated 19-10-66 specifically lay down for such type of temporary employment. It is however the period of employment mentioned at Sl. No. 7, 8 and 9 in the Divisional Accounts Office which vests the workman with a legal right to be considered for absorption against a regular vacancy in the bank. These three periods of employment are from 11-4-83 to 10-5-83, 12-5-83 to 12-6-83 and 13-6-83 to 10-7-83. It is to be noted that there is no break in this period except for 11-5-83. The Management has treated 12-6-83 also as a break but this day was a Sunday and was a weekly off day to which the workman was clearly entitled and it cannot be treated as a break in service. On the face of it the fact show that the break on 11-5-83 was an artificial one in order to circumvent the provisions of law. In fact a clue to the thinking of the Management is clearly available from its pleading in the written statement to the following effect. For that reason banks have been authorised to keep temporary employees but not exceeding 90 days at a time and 240 days in one block of 12 months." It appears that it is only with a view to not to allow the workman to complete 90 days at a time that the break on 11-5-83 was given and the weekly off day on 12-6-83 was also treated as a break in service. This clearly amounted to an unfair labour practice. Here the following authorities of the Punjab and Haryana High Court may be cited :

1. The Kapurthala Central Co-operative bank Limited Vs. Labour Court Jullundur 1984 Lab. I.C. 974 wherein it was held as under :

"The inbuilt policy in the Act for drawing the dividing line at 240 days' service is that if the workman had satisfactorily continued for a period of 240 days as envisaged in those provisions, he is as good as having been accepted permanently (though the term does not figure in the Act) in employment. Now, the employer, thwarting that process for no fault of the employee would be an unfair practice and obviously on that ground the termination of the services of the workman can be tested by a Labour Court to find its justification. Industrial peace is what the country requires and the provisions of the Act are nothing but a measure to further this object. Prevention undoubtedly is better than cure. An innocent workman at the verge of completing 240 days' of service if asked to quit for no fault of his, would go with rancour, ill-feeling, frustration and utter disgust, especially when the Management has nothing against him with regard to his work and conduct.

2. Ferozepur Central Cooperative Bank Ltd. V. Labour Court 1986-I-Labour Law Notes 204 wherein it was held as under :

"Unfair labour practice—termination of services after 89 days of work and reappointment after break of one day workman so working for 232 days in a period of about 8 months—Held, termination orders were passed with a view to deprive workmen of their rights under Industrial Disputes Act—Action of employer has a taint of malice and is an unfair labour practice—Termination orders set aside."

10. Here it may be observed that the Management has disputed that the workman had served the bank for the period from 13-6-83 to 10-7-83. The workman in his application dated 19-7-85 had inter alia asked the Management to produce the following documents :

"5. Management be directed to produce payment vouchers for the months of June and July, 1983 as well as the Conveyance Register for the year 1983. During the period 13-6-83 to 10-7-83 active duty was taken from Shri Dalip Singh but was paid wages through one Shri Inder Singh who never worked. In order to prove that Shri Dalip Singh performed active duty during this period Payment vouchers and Conveyance Register as mentioned above are very material since Shri Dalip Singh was paid conveyance charges through Payment vouchers and was entered in Conveyance Register against his signatures."

11. The Management for reasons best known to it did not produce the documents summoned. The workman again in an application dated 11-9-85 asked the Management to produce the Manager, Divisional Accounts Officer with the following documents :

- (a) Attendance Register of B/O Karol Bagh, New Delhi for the year 1981 and 1983.
- (b) Leave Record Register of subordinate staff of B/O Karol Bagh, New Delhi of the subordinate staff who were working there during the year 1981 and 1983.
- (c) Leave Arrangement Register maintained at B/O Karol Bagh, New Delhi for the year 1981 showing arrangement of temporary employees working in leave arrangement of permanent employees on leave as also for the year 1983.
- (d) Leave applications of all members of subordinate staff for the years 1981 and 1983.
- (e) Salary bills of B/O Karol Bagh, New Delhi for the years 1981 to 1983.

12. The Management filed a reply dated 7-10-86 but evaded to produce documents summoned and stated that the summoning of the Divisional Manager is not called for and the reply submitted may be treated as a statement of the Manage-

ment. There is no doubt that the documents summoned were material to the issue and would have helped in making out whether the workman remained employed with the Management for the period from 13-6-83 to 10-7-83 and his salary was drawn in the fictitious name of one Inder Singh, a non-existent person. Even in his statement in court as MW-1, the workman clearly stated that for the period from 13-6-83 to 10-7-83 he was paid conveyance allowance the proof of which should be available in the record with the bank and the wages for this period were paid to him in the fictitious name of another person named Inder Singh and that he had not seen any such Inder Singh nor had any such Inder Singh worked in the bank and that he was a fictitious person. The bank has not led any evidence in rebuttal. From the fact that the bank has decided to withhold such material evidence an adverse presumption may be drawn against it that the workman had actually served the bank for the period from 13-6-83 to 10-7-83. Moreover, the controversy gets settled by the statement of MW-1 Shri V. Athurmoorthy in para 8 of his affidavit "that the workman ceased to be an employee with the Bank on the expiration of the fixed period employment on 10-7-83 which amounts to an admission that the workman was employed with the bank upto 10-7-83."

13. The main plea of the Management is that a permanent employee can be appointed after following due procedure, including sponsorship by the Employment Exchange and that since the name of this workman had not been sponsored by the Employment Exchange he could not be considered for absorption against permanent vacancy. It is seen that this plea is a mere platitude as the Management has not been insisting on sponsorship by the Employment Exchange in all cases. There is a wide gap between the precept and practice of the Management. The workman had specifically alleged in his rejoinder that the Management had not been following these norms and in particular he mentioned the name of Suresh Chand whose name had not been sponsored by the Employment Exchange but was absorbed on permanent basis. In order to prove his allegations the workman filed application dated 19-7-85 as in the Management to produce the following documents :

24. The Management be directed to produce the call letters issued by the Employment Exchange sponsoring the names of the following employees which are in Bank's possession, if any :—

- (a) Shri Suresh Chand now working at B/O Haus Khas, N. D.
- (b) Shri Jaya Ram working at Divisional Office, Connaught Place New Delhi.
- (c) Shri Bilo Chand working at B/O Ansari Road, New Delhi.
- (d) Shri Brij Mohan working at B/O Karol Bagh, New Delhi."

14. The Management for reasons best known to it did not produce any such documents. The workman then filed an application dated 11-9-85 praying for the production of the Divisional Manager/Assistant General Manager alongwith the following documents :

- "(a) Complete list of employees recruited in subordinate cadre as peons etc. during the years 1981, 1982, 1983 onwards from outside and/or out of temporary hands with their date of appointment, if out of temporary hands temporary service days after which absorbed permanently and the names of offices where such hands were posted permanently.
- (b) To produce the call letters issued by the Employment Exchange sponsoring the names of the following employees which are in Bank's possession, if any :—

- (i) Shri Suresh Chand now working at B/O Haus Khas, New Delhi.
- (ii) Shri Jaya Ram working at Divisional Office, Connaught Circus, New Delhi.

(iii) Shri Bilo Chand working at B/O Ansari Road, New Delhi.

(iv) Shri Brij Mohan working at B/O Karol Bagh, New Delhi.

15. The Management instead of producing these documents filed a reply dated 7-10-86 wherein it has been stated that the call letter from the employment Exchange in respect of Shri Suresh Chand had already been produced and there was no employee by the name of Jaya Ram working at the Regional Office and that no employee by the name of Bilo Chand was working in the Ansari Road Branch and so far as Brij Mohan was concerned while it was admitted that he was working in the Karol Bagh Branch it was stated that the call letter from the Employment Exchange was not traceable in the bank records and search was being made and when traced it would be produced. It may be observed that till date it has not been produced. Even the call letter of Suresh Chand alleged to have been placed on the record could not be located. It is also pertinent to note that the Management has emphasised that the persons by the name of Jaya Ram and Bilo Chand were not working in the Divisional Office Connaught Circus and Ansari Road Branch of the bank but they have not denied that these persons are employees of the bank and they might as well have been working in other branches. The reply of the bank is evasive in nature and it appears that they had something to hide and for this reason the specific reply has not been given and the documents summoned have not been produced.

16. It is significant to note that the workman had in his statement of claim clearly stated that the bank had recruited in its Delhi Branches and the Divisional Accounts Office nearly 24 new hands who were junior to him and some of whom were even never sponsored by the Employment Exchange. However, the bank has not come out with the clear statement as to how many persons were taken into service after the termination of the service of the workman on 10-7-83 and whether all of them were sponsored by the Employment Exchange. In this regard the following averments made by MW-1 Shri V. Athimurthy Senior Manager of the respondent bank are relevant :

"Dalip Singh was interviewed for absorption on permanent basis on 23-4-83. As per record he was not a successful candidate in the interview. The successful candidates were issued appointment orders. We have not filed list of successful candidates. It is wrong to suggest that Dalip Singh was one of the successful candidates and the list of candidates has deliberately not been filed. I do not know whether any Brij Mohan also appeared in the interview. I do not know whether Brij Mohan and Suresh Kumar Vanjwani were not sponsored by the Employment Exchange. I do not know whether both these persons are still working in the bank and have been made permanent."

17. This witness who has appeared to represent the case of the Management has thus given non-committal replies to some of the very pertinent question. Hence a definite inference can be drawn that even after the termination of the services of the workman Management employed persons who were not sponsored by the Employment Exchange and out of them at least two named Brij Mohan and S. K. Vanjwani who were not sponsored by the Employment Exchange are still working and have been absorbed on permanent basis. It is also pertinent to note that the Management itself had in its letter dated 15-4-83 written to the workman that his name had been sponsored by the Employment Exchange and he was asked to appear for an interview on 24-4-83 which reads as under :

VIJAYA BANK  
Divisional Office  
G-44, Connaught Circus  
New Delhi.

Ref. No. DO : EST : SMS : 3682 : 83 April 15, 1983  
Shri Dalip Singh, March 5, 1983  
F-1612 Netaji Nagar,  
New Delhi-110023.

Dear Sir,

Employment in our Bank

Your name has been sponsored by the Employment Exchange, our branch as one of the candidates for the post of Temporary Peon (likely to be made permanent on satisfactory performance of selected candidates) in our Bank.

You are requested to call at our office on 24th April, 1983 at 2.30 PM for a test/interview.

No. T.A./D.A. will be payable for attending the test/interview.

Yours faithfully,  
Sd/-  
Asstt. Gen. Manager"

And as admitted by MW-1 Shri V. Athimurthy the workman was actually interviewed on that date. It was therefore for the Management to show that the name of the workman had not been sponsored by the Employment Exchange. The argument of the Id. representative of the Management that the onus was on the workman to prove that any employees by the names of Suresh Chand and Brij Mohan had been permanent absorbed in the service of the bank without sponsorship from the Employment Exchange is devoid of any force, because the workman cannot be expected to be in possession of such evidence and such evidence has to be in the records of the Management. Under the circumstances it must be held that it is neither proved that the name of the workman had not been sponsored by the Employment Exchange nor the Management has been insisting on the sponsorship by the Employment Exchange in all cases. Therefore, the action of the Management is clearly arbitrary and discriminatory and its plea is hereby rejected.

18. Another interesting point to be noted is that the Senior Manager of the Haus Khas Branch of the Bank had addressed a letter dated 10-4-83 to the Assistant General Manager, Divisional Office, New Delhi which reads as under :

VIJAYA BANK LIMITED

From : Haus Khas,  
New Delhi-16.

To

The Asstt. General Manager,  
Divisional Office, New Delhi-110001.

REF. No. : 2208/83  
Dear Sir,

Dated : 10th April, 1983

TEMPORARY PEONS

From time to time we were engaging Sri Dalip Singh and Sri Suresh Kumar Vanjwani as Temporary Peons on leave vacancies, etc. at this Branch. Both of them have worked for about six months at this Branch. Their work and conduct are found satisfactory. We recommend to absorb them as permanent employees in our Bank and consider their applications, which are lying with Divisional Office, favourable. Copies of their applications submitted earlier are enclosed herewith.

Yours faithfully,  
Sd/-  
Senior Manager."

Out of the two names recommended in the above letter Shri Suresh Kumar Vanjwani has been absorbed on permanent basis but the workman Shri Dalip Singh has been left out. No reasons have been given for his having been left out, inspite of the above recommendation. This also speaks of arbitrariness and discrimination.

19. The next question that comes up is as to whether the termination of service of the workman fell within the definition of retrenchment under section 2(oo) of the I. D. Act. Section 2(oo) as it stood before the amendment w.e.f. 18-8-84 by Act 29 of 1984 defines "retrenchment" as under :

"retrenchment" means the termination of services by the employer of the services of a workman for any



reason whatsoever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action, but does not include—

- (a) voluntary retirement of the workman, or
- (b) retirement of the workman on reaching the age of superannuation if the contract of employment between the employer and the workman concerned contains a stipulation in that behalf ; or
- (c) termination of the services of a workman on the ground of continued ill-health."

Evidently the termination of the services of the workman w.e.f. 19-7-83 does not fall within any of the three exceptions to Section 2(oo) nor were his services terminated by way of disciplinary action. The factum of termination of the services of the workman cannot be denied because if his services had not been terminated, he would have continued in the employment of the bank. Termination by oral order is as much termination as by a written order. It is not the case of the bank that the workman had himself abandoned the employment. Therefore, the termination of the service of the workman w.e.f. 10-7-83 clearly falls within the definition of retrenchment. Even termination by efflux of time has been held to be retrenchment by the Hon'ble Supreme Court in *State Bank of India V. N. Sundramony* (1976-Lab. and Ind. Cases-769). Since the workman had not completed 240 days service in 12 calendar months, he would not be entitled to the benefits provided in Section 25-F of the Act. However, the provisions of Section 25-G and 25-H would certainly be applicable to him. The Management has admittedly taken into service S/Shri Brij Mohan and S. K. Vanjani after the termination of the services of the workman. In this connection Shri A. Athimurthy MW-1 stated "I do not know whether persons junior to Dalip Singh were retained in service when he ceased to be an employee. It is correct that we have employed more persons after Dalip Singh ceased to be in our employment. I do not know whether any offer was made to workman before fresh temporary hands were employed. I cannot refute the suggestion that no offer was made to Dalip Singh before fresh hands were employed by the bank." It is, therefore, apparent that no offer was made to the workman at the time the above mentioned persons were employed after the termination of services of the workman. Hence there was clear violation of the provisions of section 25-G and 25-H of the I. D. Act. There was also violation of clause 20.12 of the Bipartite Settlement dated 19-10-66 which reads as under :—

"Other things being equal a temporary workman (other than Godown Keepers) will be given preference for filling permanent vacancies and if selected they may have to undergo probation."

The Management also admittedly did not issue any written termination orders when it decided to give artificial breaks in the service of the workman i.e. on 11-5-83 and 12-6-83. However, para 522(5) of the Shastri Award which is binding on the parties provides as under :

"The order relating to discharge or termination of service shall be in writing and shall be signed by the Manager. A copy of such order shall be supplied to the employee concerned."

Again admittedly no notice was served before the termination of service of the workman. However, para 522(4) of the Shastri Award provides as under :—

"services of an employee other than a permanent employee or probationary may be terminated and he may leave the service after 14 days notice. If such an employee leaves service without giving such notice he shall be liable for a week's pay including all allowances)."

20. In view of the discussion made above, it is held that the action of the Management of Vijaya Bank in relation to termination of service of Shri Dalip Singh Peon w.e.f. 10-7-83 was not justified and he is entitled to reinstatement with full back wages and continuity of service.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated : 30th March, 1987.

G. S. KALRA, Presiding Officer  
[No. L-12012/55/84-D.IV (A)]  
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 15 मई, 1987

का.आ. 1367.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, लाल साठिया, ओपन कास्ट प्रोजेक्ट, ईस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड के प्रबन्धन के सम्बन्धित नियोजक और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद के केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कि पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-5-87 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 15th May, 1987

S.O. 1367.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government thereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Lalmatia Open Cast Project of M/s ECL and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 127 of 1985

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Lalmatia Open Cast Project of M/s. Eastern Coalfields Limited and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. Bose, Secretary, R.C.M.S. Union.

On behalf of employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 27th April, 1987

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(102)/85-D III A, dated the 29th August, 1985.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Eastern Coalfields Limited, P.O. Disergarh, District Burdwan (West Bengal) in dismissing from service Shri Parto Singh, General Mazdoor Lalmatia Colliery Open Cast Project, Distt. Godda (SP) Bihar, with effect from 28-6-84 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

In this case both the parties filed their respective W.S. and documents. Thereafter the case projected along with its course. Ultimately at the stage of hearing when the case was fixed on 9-4-87 both the parties appeared before me and filed a Joint Compromise petition. I have gone through the said Joint Compromise petition which appears to me to be fair, proper and beneficial to both the parties. Accordingly I accept the same and pass an Award in terms

of the Joint Compromise petition which forms part of the Award as Annexure.

J. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-20012/102/85-D.III(A)]

# ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD

In the matter of Reference No. 127 of 1985

## PARTIES :

Employers in relation to the Management of Lalmatia  
Open Cast Project of M/s. Eastern Coalfields Ltd.,  
P.O. Lalmatia, District, Godda.

## AND

Their workman.

## JOINT COMPROMISE PETITION OF THE EMPLOYER AND THE WORKMAN

The above mentioned employer and the workman concerned Sri Barto Singh most respectfully beg to submit as follows :

1. That Sri Barto Singh approached the Management for a settlement of his case with an application that he is no longer a member of the sponsoring Union and that the Management should negotiate with him directly.
2. That as a result of the aforesaid request the Management and the workman concerned negotiated the matter covered by the aforesaid reference directly with a view to arriving at an amicable and mutually acceptable settlement.
3. That as a result of the said mutual negotiations the employers and the workman concerned, Sri Barto Singh agreed to settle the matter on the following terms :—
  - (a) It is agreed that the Management shall reinstate Sri Barto Singh as General Mazdoor, Cat. I in Lalmatia Colliery w.e.f. 15-4-87.
  - (b) It is agreed that Sri Barto Singh will forgo his claim for backwages and other benefits between the date of his dismissal from service i.e. from 28-6-84 to 14-4-87.
  - (c) It is agreed that Sri Barto Singh will, however, have continuity of service;
  - (d) It is agreed that this is an agreement in full and final settlement of all the claims of workman concerned arising out of the above reference before the Hon'ble Tribunal.

In view of the above the employers and the workman concerned pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to give an award in terms of the above agreement and dispose of the reference accordingly.

Sd/-

Barto Singh,  
Workman concerned.

Signed illegible

Dy. C.M.E. Agent, Lalmatia OCF  
Eastern Coalfields Ltd.  
for and on behalf of employers  
R. P. Singh, Personnel Manager,  
Rajmahal Area, Eastern Coalfields Ltd.  
for and on behalf of employers

Witness :—

1. L.T.I. of Badhan Singh  
2. Ram Swaroop  
Date : 27-3-87

Sd/-

Raj S. Murthy,  
Advocate for employers.  
J. N. SINHA, Presiding Officer

का. आ. 1368.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मधुबन्ध कोयली, मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के प्रबन्धन के सम्बन्ध निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, संख्या-1, धनबाद के पक्षों को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1368.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Madhuband Colliery and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st May, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 59 of 1984

Employers in relation to the management of Madhuband Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited.

## AND

Their workmen.

## PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

## APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated 23rd April, 1987

## AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012 (208)/84-D. III(A) dated, 28-8-1984 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified to the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

"Whether the action of the management of Madhuband Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, in dismissing Shri Desailal, B.P. Loader from service for remaining absent without permission only for 19 days is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer  
[No. L-20012/208/84-D.III(A)]

## MEMORANDUM OF SETTLEMENT

(Sec Rule-58)

## REPRESENTING THE MANAGEMENT :

1. Sri S. P. Singh, Dy. Personnel Manager, Barora Area.

## REPRESENTING THE WORKMAN :

1. Sri Adalat Nonia, Branch Secy. RCMS, Madhuband Branch.
2. Sri Dasai Lal B.P. Loader, Madhuband Colliery.

## SHORT RECITAL OF THE CASE

Sri Dasai Lal B.P. absented from his duty from 4-10-1983 to 23-10-83 i.e. more than 10 days and as such he was chargesheeted. Enquiry was conducted and ultimately he was dismissed from the services of the company vide letter No. MD/PD1388/83 dated 10/11-11-83. The representative of the workman as well as workman himself approach the management to consider his case for reemployment. Matter was discussed on various occasions and ultimately both the parties agreed to settle the dispute on the following terms.

## TERMS OF SETTLEMENT

1. It is agreed that Sri Dasailal B.P. Loader will be allowed on his original job as a regular employee
2. It is agreed that neither the Trade Union representing the workman nor the workman himself will claim any wages etc. for the period from 4-10-83 to the date he joins his duty in the colliery having being reinstated.
3. It is agreed that his continuity of service will not be discontinued in any way arising out of the disciplinary action for the purpose of gratuity.
4. It is agreed that the workman will report for his duty within a week of the date of settlement otherwise he will not have any claim over his employment.
5. It is agreed that the representative of workman and workman himself will withdraw any case pending before any court of law such as I.D. Tribunal or Civil Court.
6. That the above terms of settlement resolve all dispute with respect to absenteeism and dismissal of Sri Dasai Lal B.P. and hence there does not exist any dispute with respect to employment of Sri Dasailal B.P.

Both the parties agreed to send the copy of the settlement to the Competent Authority as per I.D. Act, 1947 and Industrial Dispute Rules.

For the Management :

1. Sd/- Sri S. P. Singh,
- Dy. Personnel Manager,
- Barora Area. 12-10-84

For the Workman :

1. Sd/-Sri Adalat Nonia.
2. Sd/- Sri Dasailal B.P. (LTI)

Witness

2.

क्र. भा. 1369.-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, धर्मबन्ध कॉलियरी मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के प्रबन्धन के सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, संख्या-1, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-5-87-को प्राप्त हुआ था।

S.O.1369.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employees in relation to the Management of Dharmaband Colliery of M/s Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st May, 1987.

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 2 of 1983

Employers in relation to the management of Dharmaband Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd.

AND

Their workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workmen—None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated the 22nd April, 1987

## AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012 (255)/82-D.III(A) dated, the 12th January, 1983, passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified to the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :

“Whether the management of Dharmaband Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Area No. III, Govindpur, Post Office Sonardih, Dist. Dhanbad is justified in denying protection of wages to Shri Nizamuddin Mian, Stone Cutter/Cleaner? If not, to what relief the workman is entitled?”

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer  
[No. L-20012/255/82-D.III(A)]

## BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 AT

DHANBAD

Reference No. 2/83

Employers in relation to the management of Dharmaband Colliery;

AND

Their workmen.

Petition of Compromise

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most respectfully sheweth :—

1. Without prejudice to the respective contention of the parties, the dispute has been amicably settled on the following terms :—

## “TERMS OF SETTLEMENT”

- (a) That considering the facts that the concerned workman is working as Prop. Mazdoor for last two years or so, he has already been regularised as Prop. Mazdoor on time rated Category-II.
- (b) That the concerned workman will be given protection of his wages and his new basic will be fixed in the time scale of Cat. II subject to maximum basic available in that scale.

- (c) That the concerned workman will be treated to have been regularised in Cat. I with effect from the date of raising the dispute with protection of wages and he will be paid the difference of wages between the wages payable after adjustment and actually drawn by him till date.

2. That in view of the above settlement there remains nothing to be adjudicated.

Under the facts and circumstances stated above the Hon'ble Tribunal will be graciously pleased to accept the terms of the settlement as fair and proper and be pleased to pass the Award in terms of the settlement.

For the Employers

Sd/-

General Manager, Govindpur

For the workman

1. Sd/-

2. Joint General Secy.  
RCMS

का. भा. 1370.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, आगाम्य कॉलियरी, मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के प्रबन्धन के सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अभिकरण, संख्या-1 धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1370.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Bhagaband Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 86 of 1986

In the matter of Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhagaband Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri Lalit Burman, Vice-President, United Coal Workers Union.

STATE : Bihar,

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 29th April, 1987

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad vide their Order No. L-20012(259)/84-D.III(A), dated, the 9th November, 1984 for adjudication. But subsequently the said reference was transferred to this Tribunal vide Ministry's Order No. L-20025(9)/85-D.III(A), dated 28th January, 1986.

#### SCHEDULE

"Whether the demand of the delisted female casual wagon loaders, S/Smt. Rupa Tain, Chutni Bhuini, Rambarti Bhuini, Kirti Tain and Sunarva Bhuini who had worked during 1973 to 1976 under the

management of Bhagaband Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Ltd. and have not offered male dependents for employment, that they should be employed as 'Badli workers' in accordance with the Management's policy Circular No. BCCL/IR/22 (14)/80/51417-667 dated 4th August, 1980 is justified? If so, to what relife are the said female workers entitled?"

Soon after the receipt of the order of reference notices were duly served upon the parties. Both the parties made their appearance and filed their respective Written Statement. Thereafter the case proceeded along with its course. At the stage of hearing when the case was fixed on 23rd April, 1982 both the parties appeared before me and filed a memorandum of settlement. I heard the parties on the said memorandum of settlement. I do find that the terms contained therein are fair, proper and beneficial to both the parties. I, therefore, accept the same and pass an Award in terms of the settlement which forms part of the Award as Annexure.

J. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-20012/259/84-D.III(A)]

#### ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2,

DHANBAD

Reference No. 86/86

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhagaband Colliery of M/s. BCCL

AND

Their workmen

The parties above named mutually discussed over the dispute and arrived at an amicable settlement. The terms of settlement are as follows :

- (1) That the management of Bhagaband Colliery of M/s. BCCL agreed to give employment to the husband/Son of the five workmen concerned in the present Reference namely 1. Rupa Tain, 2. Chetni Bhuini, 3. Rambarti Bhuini, 4. Kirti Tain and 5. Somarwa Bhuini as UG Miner/Loaders in Bhagaband Colliery.
- (2) The concerned workmen shall submit the names and other details of their respective husband/Son along with their photographs duly attested by the Mukhia and the B.D.O. and an Affidavit with photographs of herself and that of her husband/Son of their permanent address within fifteen days of the date of this settlement and the management shall issue appointment letters to the persons concerned within a week therefrom, subject to their medical fitness.
- (3) That the concerned workmen shall have no other claim on the management for the past period.
- (4) That the above terms resolve the instant dispute.

The parties jointly pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to pass an award on the above terms of settlement.

And for this the petitioners shall pray.

For the Management :

(B. M. Lall)

Dy. Chief Personnel Manager,

Dated : 23-4-1987.

For the workmen .

(Lalit Burman)

Vice-President,

UCWU.

का. भा. 1371.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, नुदभुरकी कॉलियरी, मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के प्रबन्धन के सम्बन्ध

नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, संख्या-1, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1371.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Nud-Khurkee Colliery of M/s. Bharat Coking Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May, 1987.

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD**

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 26 of 1983

Employers in relation to the management of Nudkhurkee Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen : Shri R. Prasad, General Secretary, Bharat Coking Coal Staff Co-ordination.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated, the 24th April, 1987

**AWARD**

The present reference arises out of Order No. L-20012 (372)/82-D.III(A) dated, the 2nd/11th April, 1983, passed by the Central Government in respect of an industrial dispute, between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified to the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

“Whether the order of the management of Area I of Messrs Bharat Coking Coal Limited, vide their No. GM-1/PD-7812/81 dated 6-1-1981 is justified in regularising Sarvashri N. K. Singh and J. P. Thakur without providing any chance to their senior, Shri Raj Nath Singh, to work on higher responsibilities of special grade clerk and for being regularised similarly? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer.  
[No. L-20012/372/82-D.III(A)]  
P. V. SREEDHARAN, Desk Officer

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD**

Reference No. 26/83

Employers in relation to the management of Nudkhurkee colliery.

244 GI/87—15

AND

Their workmen.

**PETITION OF COMPROMISE :**

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most respectfully sheweth :—

(1) That the dispute has been amicably settled between the parties on the following terms :—

**TERMS OF SETTLEMENT :**

- That the concerned workman Shri R. N. Singh Accountant will be regularised in Clerical Special Grade retrospectively from 1-1-1978 and his seniority in Special Grade will be maintained from 1-1-1978.
- That the concerned workman will be fixed in the scale of Rs. 810-46-1178-51-1586 at the starting basic of Rs. 1382 effective from 1-3-1987.
- That the concerned workman will not claim any difference of wages between special grade and Grade-I for the period between 1-1-78 till 28-2-87 and will not claim any other benefits arising out of the said difference of wages.

(2) That in view of the above settlement there remains nothing to be adjudicated.

Under the facts and circumstances stated above the Hon'ble Tribunal will be graciously pleased to accept the terms of the settlement as fair and proper and be pleased to pass the Award in terms of the settlement.

For the Workmen :

For the Employers :

- |                   |                   |
|-------------------|-------------------|
| 1. Sd. Illegible  | 1. Sd. Illegible. |
| 2. Sd. Illegible. | 2. Sd. Illegible. |

नई दिल्ली, 18 मई, 1987

का. आ. 1372.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, सिंगरेनी कोलियरी कम्पनी लि., गोदावरी खानी, करीम नगर जिला (ए. पी.) के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-5-87 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 18th May, 1987

S.O. 1372.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Co. Ltd., Godavari Khani, Karimnagar District (AP) and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st May, 1987.

**BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)  
AT HYDERABAD**

Industrial Dispute No. 7 of 1986

BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani, Karimnagar District.

## AND

## APPEARANCES :

Sri G. Bikshapathi, Advocate—for the Workman.

Sarvashri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal, Balaji Narayan and Miss G. Sudha, Advocates for the Management.

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. I-21015(2)/85-D.III(B) dated 22-1-1986 referred the following dispute under Section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani, Karimnagar District, and their workmen to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited in dismissing Sri Jangili Chandriah, Ex-Coal Filler, Godavari Khani No. 5 Incline is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 7 of 1986 and notices were issued to the parties.

2. This is a claims statement filed by the Petitioner stating that the dismissal of Jangili Chandriah, Ex-Coal Filler from service since 28-6-1979 and that he is unemployed ever since the illegal termination of the said dismissal order may be set aside and pass an order of reinstatement with full back wages and other attendant benefits. It is mentioned that he was appointed as Coal Filler in the year 1962 and he was working in VI Incline as Coal Filler and he is a permanent workman under the Respondent Company and he was discharging his duties to the entire satisfaction of his superiors. According to him the Management issued a charge sheet dt. 11-5-1979 alleging that the petitioner was unauthorisedly absent during the months of March and April 1979 and he gave an explanation stating that he was not absent on 24-3-1979 as alleged in the charge sheet. Regarding the other it is mentioned that he was to come from a long distance of about 7 to 10 kilometers on bicycle and that on these days, he reported for duty a few minutes late and that he was stopped at the gate. According to him he stated in his explanation that he had become sufficiently old and not in a position to cycle the long distance and he requested the authorities to transfer him to VI A Incline, which was very near to his village. It is his case that it was not considered and his explanation was not considered and formal enquiry was conducted though his absence was neither willful intentional or want on but on account of his late reporting for duty due to the distance involved between his village and the Company. The Divisional Superintendent Ramagundam II Division, without considering any of these aspects issued an order dated 27-6-1979 dismissing the petitioner from service. It is his case that the dismissal is illegal and invalid. When the matter was taken by the union through conciliation method, the Government issued a Notification dated 22-10-1981 refusing to refer the matter for adjudication thereafter the petitioner filed Writ Petition No. 5620/82 before the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh, the High Court passed an order on 10-10-1985 directing the Government of India to refer the matter for adjudication to this Tribunal. Thus the present reference is made by the Government of India after protracted litigation undertaken by the workman.

3. The Respondent-Management filed a counterstating that it was fact that the reference was made on the direction given by the High Court in Writ Petition No. 5620/82. It is denied that the Petitioner was discharging duties to the entire satisfaction of his superiors. According to him he was in the habit of absents from duty without per-

mission and coming late to the Company during his tenure of service and that was the reason the Management suspended as well as warned him for misconduct under Company's Standing Orders 16(4) for habitual absenteeism. The petitioner was put to strict proof with regard to the allegation that he was discharging his duties to the entire satisfaction of his superiors. He was appointed on 17-2-1963 as Coal Filler and not in the year 1962. It is true that the petitioner has to attend his duties every day from the distance of 7 to 9 kilometers from his village. It is not peculiar only to the Petitioner but there are several other workers who travel from a long distance either by walk or come by bicycle to perform their duties. It is not an exemption only to the petitioner and he is placed and treated on par with other workmen. The Respondent-Management in exercises of discipline correctly marked the petitioner absent when he has not attended the duties on time. There is no excuse for the Petitioner to absents himself or come late to perform his duties because he is putting up a long distance. He has to attend his duties regularly on time like other workmen. It is denied that the Petitioner orally requested the Management to post him to nearby Incline No. GDK 6-A so that he could work regularly. He was issued a charge sheet dt. 11-5-1979 under Company's Standing Order 16(4) for habitual absenteeism without permission absents himself from duty for 22 days for the months of March and April 79. The petitioner remained absent without permission as mentioned in the claims statement. Previously on a number of occasion he was suspended and warned as mentioned in the counter. As the workman failed to give explanation within the stipulated period to the chargesheet the management appointed an Enquiry Officer to conduct enquiry and during his enquiry he stated that he is residing five miles away from the Mine and it is very difficult for him to come regularly and he had applied for transfer to GDK 6A Incline which is near to his village, and wanted to be excused for this time and thus clearly admitted the charge. It is well settled principle that every workman should maintain punctuality and should attend the workshop regularly. The distance where he is residing is immaterial and the management is entitled to insist the workman to be in time. The lame excuse has been stated in the claims statement only to claim sympathy of the Tribunal. The petitioner is put to strict proof that he made representation as alleged in paras 1 & 2 with regard to the time, distance and transfer and various other facts mentioned therein. Infact no such explanation was given by the workman. So the allegation that his explanation is not considered does not arise as it goes to the root of the discipline in the Mine and allegation that a formal enquiry was conducted is incorrect. The Management issued dismissal letter dated 27-6-1979 it is not correct to say that the dismissal letter is not issued by the Competent Authority. The order of dismissal issued by the Divisional Superintendent of Mine is proper and valid. The Colliery Manager is competent to issue charge sheet and Divisional Superintendent Ramagundam II who passed the dismissal is competent to pass the order. In reorganisation the designation was changed and the Divisional Superintendent is called General Manager. All the allegations mentioned in the claims statement are not correct. The Tribunal may be pleased to decide the validity of the domestic enquiry as a preliminary issue before adjudicating the case on merits.

3. On 29-1-1981 a Settlement was entered into between the Management and the Union and the Management agreed to consider all the deserving cases of dismissal for absenteeism and reinstate them. The petitioner's case was also reviewed and that it is not a deserving one. The allegation that he has put in 17 years of service without any blemish is not correct. So dismissal order passed by the Divisional Superintendent of Mine, Ramagundam II on the worker on 27-6-1979 is valid and binding and the same should be confirmed.

4. The case is registered on 31-1-1986 as Industrial Dispute No. 7 of 1986. The workman filed claims statement in office on 13-2-1986 and Sri G. Bikshapathi and Sri Vidya-sagar filed vakalat for the workmen. The Management filed vakalat through Sri K. Srinivasa Murthy and Miss G. Sudha on 27-3-1986. The Management after taking sufficient time to file the counter, the Management finally filed

a counter on 26-6-1986. The matter is posted to 2-9-1986 for enquiry and for filing documents and the Management did not file any documents. On 3-9-1986 the counsel for the workman was present and ready. Miss G. Sudha, Counsel for the Management present and sought adjournment for verification of documents at Kothayudem for filing documents for the Management and the enquiry is adjourned to 22-9-1986. Then the Management filed a Memo M.P. No. 337/86 stating that they filed petition in I.D. No. 41/85 on 3-9-1986 in the Tribunal that they are not proceeding further in the above matter as they are making application for transfer of their cases as stated in the petition filed in I.D. No. 41/85 as such hearing may be deferred. In the presence of the Welfare Officer Sri K.J.R. Paul as he had no proper authorisation to file such a Memo, the said Memo was rejected. In fact there were separate Orders passed in I.D. No. 41/85 in M.P. No. 278/86 dt. 4-9-1986 and this has nothing to do with the said case. The matter is posted to 21-10-1986 after rejecting the said memo. The Management did not file the domestic enquiry file. Sri G. Vidyasagar present for the workmen and objected for any adjournment being given to the Management. When the matter was posted to 22-10-1986 the General Manager Ramagundam-I, Singareni Collieries Company filed a Memo which is numbered as M.P. No. 411/86 and the Counsel for the workmen filed a Memo which is numbered as M.P. No. 412/86. The Memo M.P. No. 411/86 for the Workman was sent through post. Sri Vidyasagar endorsed on that that the Memo filed in I.D. No. 41/85 is dismissed by this Tribunal and this cannot be a ground for deferring all cases. According to him the Hon'ble High Court has ordered to proceed with I.D. No. 41/85 and wanted this Memo be rejected in W.P.M.P. No. 15951/86 in W.P. No. 12225/86. The Management allegations were rejected and the High Court directed that the matter be proceeded with I.D. No. 41/85 and decide the case within the specified period. So in the said circumstances M.P. No. 411/86 filed in I.D. No. 7/86 had nothing to do with I.D. No. 41/85 and therefore the same was rejected as not tenable.

5. Sri G. Vidyasagar filed a Memo which is numbered as M.P. No. 412/86 dated 22-10-1986 stating that the Management counsel nor their Management representative or anybody were appearing in the Tribunal and this case was coming for filing documents from 2-9-1986 and even after number of adjournments the Management did not file documents. Under those circumstances he prayed that the enquiry conducted against the Petitioner by the Management should be declared as vitiated and bad and wanted the granting relief of reinstatement. The Counsel took to serve copy of this Memo on the Management. Hence it is posted for counter. He undertook to serve copy on the other side and finally on 30-12-1986 Sri G. Bikhshapathi, counsel for the workmen present and submitted that they gave notice along with this Memo by registered post acknowledgement due to the Management and the same was acknowledged by it. He also filed a letter endorsing the postal acknowledgement received from the Management and the same is marked as Ex. W-5 and W-6. The Management is called absent. Service held sufficient and the petition was thus allowed. On that day WW-1 was examined and Exs. W-1 to W-6 were marked. The Management is not represented and its evidence is treated as closed. The workmen argument was completed and posted for management argument, if any, to 3-1-1987. On 3-1-1987 as the Management and its counsel were called absent and as there was no representation and Sri G. Vidyasagar for the workmen was present and in the given circumstances the arguments for the Management were treated as closed and reserved for Award.

6. The evidence of WW-1 would show that he was appointed as Coal Filler in Singareni Collieries about 22 years back and when he was removed from service he was working in No. 5 Incline G.D.K. It is his case that he resides at Singareddy which is at a distance of 8 miles from the Mine where he works. According to him he was going to the Mine sometimes by walk and sometimes by cycle. He pleaded that there are number of coal Mines near to his village such as 6-A Incline and 11-A Incline. In fact he was reaching the Mine 5 Incline late by minutes and he was not allowed to enter the Mine due to distance. According to him on the dates when the Management mentioned that he was absent actually

he reached the Mine late by few minutes and he was not allowed to enter and he was marked absent and he also mentioned that he never went only absented that he was absent unauthorisedly in the strict sense. He also mentioned that two or three persons who fail from his village attend the 5th Incline but they were energetic youthful and quite junior to him in service. On the dates shown as absent by the Management which is marked under Ex. W-1 it is his case that he went to the Mine and he was late and he was not allowed to enter the Mine and marked absent. It is not wilful absence. Accordingly to him even in the enquiry conducted Ex. W-2 he pleaded the same and that the Mine is far of distance and that he was being marked absent though some delay was there while reaching the Mine and pleaded for mercy. According to him the Management dismissed him without considering his genuine request for approval to another nearby Mine as per Ex. W-3. He also mentioned that he filed Writ Petition M.P. No. 5620/82 which was allowed on 10-10-1985 and a direction to refer the matter to this Tribunal for adjudication and there is no other misconduct alleged against him except that he was alleged to be absent as mentioned in the charge sheet Ex. W-1. According to him the Singareni Collieries Management reinstated many people who were dismissed for similar absenteeism and he filed a letter addressed by the Union to the Government on 10-9-1981 mentioning the names of the persons who were similarly reinstated into service. It is shown in para 4 of Ex. W-4. Therefore he requested that he should be reinstated with back wages and attendant benefits. As he was dismissed for no fault of his styling the same as misconduct without considering the real problem involved. He asserted that he was unemployed from the time of dismissal and could not secure employment any where till now. He also mentioned that he sent notice through his Advocate on 25-11-1986 informing the date of hearing to the Management with acknowledgement due stating that the case is posted for hearing to 10-12-1986 and it was acknowledged on 27-11-1986 and the same is filed in M.P. No. 412/86. He marked the same as Ex. W-5, and W-6 respectively. There is no cross examination for the Management as none are present.

7. Though the Management filed a counter, the enquiry record was not filed in the Tribunal for deciding whether the domestic enquiry was held properly or not. It is to be remembered that this matter which was directed to be referred to this Tribunal in W.P.M.P. No. 5620/82 though the Government issued a notification originally on 22-10-1981 refusing to refer the matter for adjudication. The allegation against the Petitioner workman that he was absenting himself without permission and coming late to the Company during the tenure of his service. The same is found in Ex. W-1 it was a charge sheet given to him. Ex. W-2 is the enquiry into the charge sheet and the enquiry file is not placed before me by the management. The workman himself filed the copies with the enquiry to show the statement given by him. He stated that it was a fact that he was absent in March and April 1979 as shown in charge sheet except on 24-3-1979 but he mentioned the reason stating that he was residing at Singareddy village which is at a distance of 8 miles from Singareddy village to 5 Incline and he had put in 17 years of service in the Company and it was difficult for him to come to the Pit for such a long distance and requested for transfer to 6-A Incline and promised to attend work regularly as 6-A Incline is near to his village. On that it is cross examined by the Management witness to show how many workers were coming to the said village to the said Incline. The workman answered that 5 or 6 workers were coming to the said Incline and further question was put to him how they were able to come regularly. The answer given by him is that they were new and young persons while he had put in 17 years of service. Thus he gave explanation how he was being late and why he was being late, and he also explained the other five or six persons who were coming from his village were able to reach the Mine on time being young and energetic and youthful and they were also newly appointed. Even according to the counter statement he was appointed on 17-2-1963 as Coal Filler, and the charge sheet is dated 11-5-1979. So it is admittedly that he has put in 16 years of service. The statement before the enquiry officer that he had put in 17 years of service is nearly correct being an illiterate witness as coal filler. Now the Management admitted in their counter that on 29-1-1981 there is a settlement entered between the Management and the Union and as per the said settlement the Management agreed to consider the



deserving cases of dismissal for absenteeism and reinstate them. Andhra Pradesh Collieries Mazdoor Sangh by its representative under Ex. W-4 took up the case of this workman by representing to the Government of India stating that he joined I.N.T.U.C. by parting A.I.T.U.C. Union, A.I.T.U.C. Union got grudge on the workman and advised the Management not to take Jangill Chandriah. On duty when the matter is represented for reinstatement and thus the Management kept it pending and not considered his case even after several representations and the workman representations. It is also mentioned that the Management gave reinstatement to several workers who participated in the strikes who were terminated thrice who were involved in some other cases and criminal cases and who were imprisoned and sentenced and who were making lot of absenteeism. It is pointed out that when such cases were considered by the Management and when they are working in Mines after reinstatement it is surprising that this workman case was not considered properly. It is cited that one C. Muralidhar Reddy, Shetty Puri Komariah, Coal Fillers who were terminated along with this workman, were also reappointed in the Company and they are working in Mine and great injustice was done to the Petitioner by the Management and it is pointed out as per Section 11-A of the I. D. Act the said punishment has to be reduced, and non-reinstatement is heavy and severe as punishment and thus they were reinstated and this matter was referred for adjudication.

8. Now when the domestic enquiry file is not filed along with the counter and even after repeated adjournments when they have not filed the domestic enquiry file. The question of deciding the validity of the domestic enquiry as a preliminary issue could not arise. The management was at fault. The record should have been filed as a matter of course along with the counter. By the time when the counter was filed on 26th July, 1986 there was no incident as is alleged in I. D. No. 44 of 1985 on 3-9-1986 even on 3-9-1986 when this matter was called when there was an alleged incident in I. D. No. 41 of 1985 (for which an order in M.P. No. 278/86 was passed on 4-9-1986) Counsel for the Management Miss. G. Sudha who was present sought adjournment for verification of documents at Kothagudem and wanted time for filing documents. Finally they filed M.P. No. 337/86 and M.P. No. 411/86 on subsequent dates with a pretext that in the light of their alleged grievances in I. D. No. 41 of 1985 for which there was an understanding the Management wanted to defer all cases. It is a matter where the verified petition filed by Miss G. Sudha was denied by the General Secretary by way of reply affidavit and an order was passed by the Tribunal on 4-9-1986 rejecting the same. Afterwards there were many instances when the Management was filing domestic enquiry file and their Personal Officers are coming and inspecting the Court dairies from time to time and noting the proceedings and when the orders in M.P. No. 337/86 and M.P. No. 411/86 were passed and when the allegations in I.D. No. 41 of 1985 was taken to the High Court by way of Writ Petition in W.P.M.P. 1225/86 and in W.P.M.P. 15951/86 the same were also negated and the Hon'ble High Court directed the matter to be proceeded with reference to particular point to be decided. It is highly improper for the management and their representatives not to file the domestic enquiry before this Tribunal and take an attitude of non-co-operation for the best reasons known to the Management as observed by High Court in that order.

\*9. In the said circumstances when the workers counsel filed a Memo M.P. No. 412/86 when he also served the said notice on the Management under registered post marked as Exs. W-5 and W-6. In the given circumstances the evidence of WW-1 was recorded and Exs. W-1 to W-6 were marked. At any rate the Management itself admitted in the counter that he was in the habit of absenting from duty without permission and coming late to the Company for duty during his tenure of his service and that the reasons why he was suspended under Section 16(4) of the Standing Orders of the Company for habitual absenteeism and it is also admitted that in their counter statement that the petitioner has to attend to his duty every day from the distance of 7 to 9 kilometers from his village. The Respondent Management also mentioned that he gave a statement stating that he was travelling from a long distance not only peculiar to him and therefore it cannot be a ground for late coming. First of all the Management in their counter stated that there was no such request made by the Petitioner. They very enquiry

statement filed under Ex. W-2 would show that when the petitioner was examined he mentioned that he put in 17 years of service in the Company and that it was difficult for him to come to the Pit from such a long distance and requested for transfer to nearby Incline like 6-A Incline and he also explained that other workmen were youthful and newly appointed were able to reach the Incline in time. Whether this aspect of the answer given is considered and if so considered when the management admittedly reinstated others by way of settlement arrived on 29-1-1979 number of people who were dismissed for absenteeism whether the case of this workman could not have been considered sympathetically. First of all Ex. W-3 would show that there was no whisper about his explanation given that he had put in 17 years of service and became old and that his coming late to the Mine should be treated lenient was considered at all. It is mentioned that there is no mention about the explanation given by him except stating that he was guilty of misconduct under Section 16(4) and 16(7) of the Company's Standing Order. The representation of the Union under Ex. W-4 would show that many people who were dismissed in similar circumstances who were terminated three times being involved in some other cases and criminal cases and who were imprisoned and sentenced and who were making lot of absenteeism were reinstated. The Union explained that because this person joined I.N.T.U.C. by leaving A.I.T.U.C. the A.I.T.U.C. which represented the recognised Union at the time of Settlement did not sponsor his case. This explanation is quite satisfactory. When Ex. W-4 is there, the Government refusal would also show that the Settlement which was arrived at with the Workers Union on 29-1-1981 is not implemented truthfully, fairly with equal justice to all workman concerned who are involved in such instances. Ex. W-4 would show that clear injustice is done to this petitioner though it is alleged that he was absent as per Ex. W-1 in March and April 1980 or for certain dates for which he explained that he came late to the Mine and he was prevented from attending and his request for transfer to nearby Incline after putting 17 years of service and due to old age is a matter of human consideration and not a technical one to be brushed aside by a mechanical implementation of rules. The Management should say why he should not be transferred to 6-A Incline which is nearby. After all it is human conduct and human approach that is required in such matters when he had put in 17 years of service and when he was almost struggling due to old age by coming some few minutes late though nobody supports late coming, the Management should have seen the real difficulties of the workman while finding fault whether he was intentionally absenting whether he was marked technical absent for coming late. Admittedly at a distance of 7 to 9 kilometers away from the workspot and discipline required that he should be marked present in time. His request is that he should be transferred to nearby incline. There is no finding in the dismissal order on these aspects though Ex. W-3 showed that he made such a request. The management did not require any other record by way of representation except the workers statement given in the enquiry which is borne by facts. This is not considered as a genuine request. There is no evidence also to that fact. When people who were worst criminals and who absented for longer periods and who were involved in some other cases and who were terminated thrice and people who were terminated along with him were reinstated as seen under Ex. W-4. It is surprising that this workman was singled out even after settlement between the Management and the Union for settlement to consider the cases of dismissal for absenteeism and reinstated them. Even in the counter page 2 would show that he was suspended for three days and suspended for one day and 10 days under Clause 16(4) etc. but so called order that his case was reviewed and found that his case was not a deserving one in view of the past record is quite misleading statement in the light of Ex. W-4. His explanation before the enquiry officer as mentioned in para 7 that he is not in a position to attend the work in time is considered as serious mistake punishable with termination of service. When there was settlement entered into between the Management and the Union on 29-1-1981 to consider the deserving cases of dismissals any body who is having human touch and approach could have considered this person is coming late due to old age due to such a long duration of service as put up by him as a matter of fact or not. His explanation that the others were young and energetic and he was reaching the mine minutes late and he was being prevented and requested for transfer to nearby Mine should have been sympathetically considered and atleast



reasons should be there while reviewing as per the settlement why and how he was not discriminated when others who were worse than him were reinstated. The possible explanation in the Ex. W-4 that he being a person whose cause was taken by INTUC when A.I.T.U.C. was the recognised union till with such matters reinstatement with the Management gives clue that his case was not considered by the Management as it was not sponsored by A.I.T.U.C. The Management should give equal treatment while considering deserving cases of dismissals for absenteeism and when they took a policy to reinstate them. Thus it is a fit case where Section 11-A of the I. D. Act applies and there is clear discrimination and it is unfair labour practice and therefore the termination should be held improper and invalid.

Therefore I hold that the Management of Messrs Singareni Collieries Company Limited in dismissing Sri Jangili Chandraiah Ex-Coal Filler, Godavari Khani No. 5 Incline is not justified and the management is directed to reinstate Jangili Chandraiah with full back wages and other attendant benefits.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 21st day of February, 1987.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal  
Appendix of Evidence

Witnesses Examined  
for the Workmen :

WW-1—J. Chandraiah

Witnesses Examined  
for the Management :

NIL

Documents marked for the Workmen :

Ex. W-1—True copy of the Charge Sheet dated 11-5-79 issued to J. Chandraiah, by the Colliery Manager, 5 Incline.

Ex. W-2—True copy of the enquiry proceedings.

Ex. W-3—True copy of the dismissal order dated 27-6-79 issued to J. Chandraiah by the D.S.R.G. II.

Ex. W-4—Photostat copy of the Representation dated 10-9-81 made by A. Raghuramulu, Vice President, A.P. Colliery Mazdoor Sangh to the Secretary to Government of India, Ministry of Labour, New Delhi with regard to additional views in the I. D.

Ex. W-5—Notice dated 25-11-86 issued to the General Manager, S.C. Co. Ltd., Godavarikhani, Karimnagar District (AP) by G. Bikshapathy, Counsel for the workmen intimating the Management that I. D. No. 7/86 is posted for hearing on 10-12-86.

Ex. W-6—Postal acknowledgement card from the General Manager, S.C. Co. Ltd., Godavarikhani, Karimnagar District (AP) in view of Ex. W-5.

Documents marked for the Management :

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal  
[No. L-21015/2/85-D.III (B)]

नई दिल्ली, 19 मई, 1987

का. प्र. 1373 — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947-का 14) की धारा 17 के प्रसूचन में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलीयरी कम्पनी लि. कोणगुडम (ए. पी.) के प्रबंधक से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, प्रसूचन में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-5-87 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th May, 1987

S.O. 1373.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Co. Ltd., Kothagudem (A.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May, 1987.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)  
AT HYDERABAD

PRESENT :

Industrial Dispute No. 29 of 1985

BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem, Khammam District.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem, Khammam District.

APPEARANCES :

Shri P. S. N. Prasad, Advocate for the Workmen.

Sarvasri K. Srinivasan Murthy, H. K. Saigal and Miss G. Sudha, Advocates for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22011(47)/84-D.III(B) dt. 13th May, 1985 referred the following dispute under Section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem and their workman to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem in relation to their RKP. I Division in dismissing S/Shri B. Mogilaiah, Hauler Khalasi, MK 4 Incline and Mysa Komaraiah, General Mazdoor, Civil Department, RKP I w.e.f. 26-10-1984 is justified? If not, to what relief the workmen were entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 29 of 1985 and notices were issued to the parties.

2. Sarvasri B. Mogilaiah and M. Komariah filed claims statement stating that they have been working Ramakrishnapuram Mines of the Singareni Collieries and the Singareni Ghani Karmika Sangham was registered under the Trade Union Act on 17-2-1984 and they both were elected as General Secretary and Organising Secretary respectively of the said Sangham. It is said that they were issued with charge sheets on 28-6-1984 under Section 22(1) (A) of the I.D. Act and also under the Company's Standing Orders 16(19) and 16(9). It is their case that they approached the Deputy C.M.E., RKP-V regarding the payment of full back wages for 3 days i.e. 7-5-1984, 8-5-1984 and 19-6-1984 and they were advised to meet the Addl. C.M.E., R.K.P. II in this connection. According to them after informing the coal fillers of RKP V to go down the mines for work they went to Addl. C.M.E. and returned and found the coal fillers still standing on the surface and they informed the claimants that they were waiting the outcome of the talks and the claimants explained the result of the talks they had with Addl. C.M.E. RKP V and on their assurance regarding the payment of full back wages they also advised coal fillers to go down the mine for work and these people left the place. It is their case that the charges framed against them are false, fabricated and motivated with mala fide intentions and the domestic enquiry conducted by the Enquiry Officer is unfair and unjust and tantamounts to building up a case to justify the mala fide action of the Management and that the Enquiry Officer did not give them any reasonable opportunity. It is also mention-

ed that the Management was predetermined on the very day to suppress the legitimate representation by striking terror in the mines of the workers and the enquiry officer failed to take note of the fact that none of the worker or workers witnesses and the Deputy C.M.E. except the immediate Assistant justified the charges of instigation and preventing coal fillers from going down the Mine and the enquiry officer made his report according to the wishes of the Management. So they wanted to quash the dismissal order passed against them dt. 25-10-1985 and to direct the management to reinstate the claimants with all the benefits and wages for the period of unlawful dismissal and pass such other order or orders as the Tribunal deems fit.

3. The counter was filed by the Management admitted that these two mazdoors were issued charge sheets for misconduct under Standing Orders of the Company. It is mentioned that the charge sheets were issued on 28-6-1984. According to them if the workman had any grievances they should have approached the Dy. Chief Mining Engineer who is concerned person. Instead of doing so, B. Mogilaiah and M. Komariah lead the procession to the Additional C.M.E. RKP. II office without making to the Deputy C.M.E. 5 Incline and also advised the workers not to go down the Mine till they get the clearance for payment of full back wages and till then they come back from the office of the Addl. C.M.E. RKP. So it is their case that at the instigation of these two people all the other workers stopped doing the work. According to them whenever there is power failure and break down of machinery full back wages are given but they cannot be assured as a precondition whenever fillers are solely responsible for the delay in carrying on their duties. According to them Sri S. Janardhan Rao Enquiry Officer conducted the domestic enquiry against the charged sheeted workmen after giving fair and full opportunity and they gave findings based on the record and the management took action on the findings and therefore the allegations is baseless and the claim petition is liable to be dismissed.

4. For the purpose of deciding the validity of the domestic enquiry as per the counter, the matter was posted on a number of occasions and finally on 10-4-1987 after considering the matter i.e. the evidence of M.W. 1 and also evidence of WW 1 and after considering the documents Exs. M1 to M5 and W1 to W7, this Tribunal had occasion to hold that the domestic enquiry is invalid and vitiated and the said report is perverse and biased and the said enquiry is not in accordance with the principles of natural justice. This is part of the record. Therefore this aspect of the matter is not further discussed as, in this award. It must be read as part of this award.

5. Thereafterwards it was posted for Management's evidence by giving further opportunity to 16-4-1987. The Management counsel was not appearing though they were filing petitions and memos previously. The same was discussed while disposing the preliminary order. Even on 16-4-1987 the Management was not present and there is no representation and it is posted for their evidence if any it is posted to 27-4-1987. On 27-4-1987 the counsel for the workmen filed a Memo stating that the matter has been posted for evidence of the Management and the Management and their counsel were not present and the management was absenting and un-represented in this matter throughout for long time and that the workmen is a destitute thrown out of employment and he was making innumerable trips to the Tribunal and that the Management though with a sort of vindictiveness harassing him of adopting dilatory tactics. He further mentioned that Ramakrishnapuram is a far off place and the petitioner was put to untold misery and hardship and the matter was prolonging for a long time. Therefore he wanted that no useful purpose would be served by adjourning the matter and requested that just and reasonable orders be passed, treating the Management evidence as closed as obviously the Management had no evidence to produce and also failed to produce any evidence. In the said circumstances as there was no representation for the management after perusing this Memo in the given special circumstances. The Management's further evidence is treated as closed and the arguments of the counsel for the workmen Sri P. S. N.

Prasad were heard. The matter is posted for arguments of the management to this date. Even on this date there was no representation and the Management did not evince any interest to show that they have got further evidence or some more material to be produced to show that the award is properly passed and that the missing links in the domestic enquiry as pointed out were actually not there and that they have got a clear cut evidence to show that the Enquiry Officer was fair and that there was fool proof enquiry against these two workmen and they were properly punished. It is not done so. When the Management who have got a duty and who were given opportunity were not prepared to come forward to justify that they have got some more documents or some more material to prove that the said dismissal order is fair and proper and when they were silent I am constrained to hold that what is mentioned in the M.P. No. 112/87 filed on 27-4-1987 has got reasonable bearing and therefore there is no necessity any more to give any further opportunity to the Management.

6. Moreover it is necessary to pointed out that in the very reference made to this Tribunal it is mentioned that the Tribunal shall submit its award within a period of six months in accordance with Sub-Section 2A of Section 10(1)(d) of I.D. Act. The matter was filed before this Tribunal on 16-5-1985 and registered on 18-5-1985 as I.D. No. 29 of 1985 and thereafter wards very many adjournments were given to the management and the Management filed their counter on 6-11-1985 and they examined M.W1 on 14-2-1986 and the case was posted for further evidence of the Management to 6-3-1986. From 6-3-1986 on wards till now the Management, did not take any interest in the matter and the Management counsel did not appear before this Tribunal from 4-9-1986 for the best reasons known to himself. Thus as per the directions in the very reference in view of the findings in the domestic enquiry that the same was vitiated and the enquiry was not fairly conducted and that the same was bad in law and when the Management did not further avail the opportunity given to them to produce further evidence to justify their action, I hold that the Management cannot seek further indulgence from this Tribunal when they themselves were negligent-careless and did not evince any interest in the matter. The averments in the Memo M. P. No. 112/87 that the matter had already gone through for a period of two years and the Management was wilfully avoiding to appear before this Tribunal and that he was a destitute thrown out of employment and that he was put to numerable hardship by coming to the Tribunal on very many times and that he was put to harassment by the Management seems to be true and proper and I have no reasons to defer from the same. In the said circumstances I hold that the Management of Singareni Collieries Company Limited is not justified in dismissing Sri B. Mogilaiah, Hauler Khalasi M. K. 4 Incline and Mysa Komariah. General Mazdoor, Civil Department, RKP I w.e.f. 26-10-1984 and that the said dismissal is unjustified and uncalled for. Therefore the management is directed to reinstate both these workmen with full back wages and all other attendant benefits.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand the seal of this Tribunal, this the 28-4-1987.

#### APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined for the Management :

M.W.1 S. Janardhana Rao.

Witnesses Examined for the

Workmen :

W.W.1 B. Mogilaiah.

Documents marked for the Management :

Ex. M1 Domestic enquiry report at pages 31 to 43.

Ex. M2 Overman's report: Book Part I.

Ex. M3 Overman report Book Part II of R.K. 5 Incline dt. 26-6-84 in Ex. M2.

Ex. M4 Enquiry Proceedings at pages 8 to 30.

Ex. M5 Letter dated 4-10-83 addressed to all pits and Departments of S.C. Co. Ltd., by the Additional C.M.E., R.K.P.I. with regard to S. Janardhana Rao; P.O. will conduct domestic enquiries in the pits and Departments of R.K.P.I. Division with effect from 5-10-83 in place of R. Narasimha Reddy, Personnel Officer.

Documents marked for the Workmen :

Ex. W1 True Copy of the Charge Sheet dated 28-6-84 issued to B. Mogilaiah by the Colliery Manager, M. K. 4 Incline.

Ex. W2 True Copy of the Charge Sheet dated 28-6-84 issued to M. Komaraiah by the E.E. (Civil) R.K.P.I Incline.

Ex. W3 True Copy of the Explanation dt. NIL submitted by B. Mogilaiah to the Collieries Manager, Ramakrishnapur Division I.

Ex. W4 True Copy of the explanation dt. NIL submitted by M. Komaraiah to the Executive Engineer (Civil) Ramakrishnapur Division I.

Ex. W5 True Copy of the Enquiry Report pertaining to B. Mogilaiah.

Ex. W6 True Copy of the enquiry report pertaining to M. Komaraiah.

Ex. W7 True Copy of the dismissal order dated 25-10-84 issued to B. Mogilaiah by the Additional Chief Mining Engineer, R.K.P., D.I.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-22011/47/84-D.III(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 19 मई, 1987

का. आ. 1374—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार ब लोडना फायर प्रोजेक्ट, लोडना ऐरिया नं. 10 मैसंज बी. सी. सी. लि. के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-5-87 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th May, 1987

S.O. 1374.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Lodna Fire Project, Lodna Area No. X of M/s. BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th May, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 15 of 1986

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Lodna Fire Project, Lodna Area No. X, M/s. B.C.C.L. and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the workmen—Shri S. Bose, Secretary, R.C.M.S.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 30th April 1987

### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24011 (7)/85-D. IV(B) dated, the 1st January, 1986.

### SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Lodna Fire Project of Lodna Area No. X of M/s. B.C.C.L., P.O. Khasjeenagora, District Dhanbad in not regularising/promoting the workmen given in Annexure 'A' in Excavation Group E with effect from the date of completion of one year training is justified? If not, to what relief the workmen are entitled?

### ANNEXURE A

1. Janardan Pd. Singh.
2. Haridaya Narain Singh.
3. Ramakant Srivastava.
4. Kamla Kant.
5. Parmeshwar Murmar.
6. Murlidhar Manjhi.
7. Sidheswar Rai.
8. Surjdeo Prasad Singh.
9. Tarunkanti Bhat.
10. Mohamad Momin.
11. Ratan Kumar Sinha.
12. Suresh Kumar Dutta.
13. Podka Tudu.
14. Satis Chandra Singh.
15. Tapan Kumar Das.
16. Devnarain Sahu.
17. Mahendra Paswan."

In this case both the parties made their appearance but did not file their respective written statement etc. Thereafter several adjournments were granted to the parties. Ultimately on 23-4-1987 when the case was fixed, both the parties appeared before me and filed a Joint Compromise Petition. I heard the parties on the said Joint Compromise Petition. I find that the terms contained therein are fair, proper and beneficial to both the parties. Accordingly I accept the same and pass an Award in terms of the said Joint Compromise Petition which forms part of the Award as annexure.

I. N. SINHA, Presiding Officer

[No. L-24011/7/85-D. IV(B)]

R. K. GUPTA, Desk Officer

Dated : 30-4-1987.

### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II, DHANBAD

Ref. No 15/86

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Lodna Fire Project of Lodna Area No. X of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Khas Joenagora, District Dhanbad.

AND

Their workmen.

JOINT COMPROMISE PETITION OF EMPLOYERS AND WORKMEN

The above mentioned employers and workmen most respectfully beg to state as follows :—

1. That the above mentioned employers and workmen have jointly negotiated the matter covered by the above reference and have arrived at any overall

and amicable settlement on the following terms and conditions :—

- (a) It is agreed that the employers have constituted a Departmental Promotion Committee for selecting and promoting to post in Excavation Grade 'D' eligible persons from amongst the persons covered by the reference and promoted those actually found fit for the purpose with effect from 20-7-1985 (Twentyth July, Nineteen hundred eighty five).
- (b) It is agreed that in view of the above settlement the workmen will forgo all their claims arising out of the said reference.
- (c) It is agreed that in respect of workmen who could not qualify for promotion due to their not having the requisite qualification, but would obtain their requisite qualifications in July, 1986, their cases would be considered in due course of time and decision will be implemented from due date.
- (d) It is agreed that this is an overall settlement in respect of the matter covered by the above reference and the same is fair, just and reasonable to both the parties.

In the light of the above, the employers and workmen jointly pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to give an award in terms of the same and dispose of the reference accordingly.

(A. N. Jha),  
Vice-President,

Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Bharat Coking Coal Ltd.,  
Rajendra Path, Dhanbad.

(D. K. Paul),  
Secretary,

Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh,  
Lodna Fire Project Branch.

General Manager,  
Lodna Area,

For and on behalf of  
employers.

WITNESSES :

1. Sd/-

2. Sd/-

3. Sd/-

Dated : 13-4-1987.

नई दिल्ली, 22 मई, 1987

का. सा. 1375.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, गन कार्रिज फैक्ट्री जबलपुर के प्रबंधक से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5 मई 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 22nd May, 1987

S.O. 1375.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in

relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workmen which was received by the Central Government on the 5th May, 1987.

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(87) of 1985

PARTIES :

Employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workman Shri John Parera Rigger 'A' represented by G.C.F. Employees Union, T/92/2, Chitranganj Marg, G.C.F. Estate, Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Union—Shri P. S. Nair, Advocate.

For Management—Shri A. K. Chaudhary, Advocate.

INDUSTRY : Ordnance DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

AWARD

Dated, April 28, 1987

In exercise of the powers conferred by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2-A of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government in the Ministry of Labour vide Notification No. L-14012(13)/85-D.II(B) dated 23rd September, 1985 referred the following dispute, for adjudication :—

"Whether the action of the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (MP) in punishing the workman Shri John Parera, Rigger 'A' by orders of penalties dated 18-6-83 and 24-1-84 and also issuing charge-sheets dated 15-5-84 and 18-5-84 to him for his trade union activities is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. Parties have filed their respective pleadings and documents. The position that emerges out from the admitted and proved documents appears to be that the C.G.F. Employees Union (hereinafter referred to as the Union) was established and registered in the year 1970. Shri John Parera workman concerned, is the Vice President of the Union.

3. The case of the workman is that Shri B. K. Ghai joined as the General Manager of the Gun Carriage Factory, Jabalpur (hereinafter referred to as the Factory) on or about 9th July, 1980. The workman being the active Trade Union worker represented the matters of the workers/employees of the Factory, Jabalpur, for the peaceful settlement in the interests of the workmen. But due to the anti-industrial attitude of the General Manager, Shri B. K. Ghai, Jabalpur Factory, no settlement could be reached in the interests of the workmen. Instead Shri B. K. Ghai, the General Manager, took the vindictive and revengeful attitude against the office bearers and the executive members of the Union. The General Manager chosen the way of victimisation by imposing harsh punishments and transfers against the active and leading Trade Union leaders. The victims are Shri Rajendra Jha, General Secretary, Shri R. K. Jain, Organising Secretary and Office Secretary Shri R. S. Tripathi and others. The General Manager, Shri B. K. Ghai is the immediate controlling authority and Director General of Ordnance Factories, Calcutta is the appellate authority.

4. The workman has further contended that Shri B. K. Ghai, General Manager, has imposed the penalties and

issued following of charge-sheets with ill intention to victimise the Trade Union workers as mentioned below :—

Penalty	Date of order
1. Stoppage of next one increment for a period of one year vide GHF Order No. 372318/5/83/VO	18-6-83
2. Stoppage of next one increment for a period of one year vide GM GCF order No. 402318/2/83/VO	24-1-84
3. Charge-sheet No. 450318/10/84/VO under Rule 16 of the CCS (CCA) Rules, 1965.	15-5-84
4. Charge-sheet No. 461318/12/84/VO under Rule 16 of the CCS (CCA) Rules, 1965.	18-5-84

The above mentioned orders were passed without affording any reasonable opportunity. The workman concerned is illiterate and does not understand English language. He had made a request for supply of charge-sheet in Hindi but was denied without any justification. Shri B. K. Ghai, G.M. was an aggrieved party being a complainant himself. Therefore the action of the General Manager taken against the workman is illegal, unlawful, improper, unreasonable, malafide, ultra vires, bad, unfounded, arbitrary, biased, violative of principles of natural justice and amounts to victimisation and unfair labour practice. Therefore the workman prayed this Tribunal/Court to hold that the punishment orders of penalties dated 18-6-83 and 24-1-84 and also issuing charge-sheets dated 15-5-84 and 18-5-84 are illegal and the same be set aside and he be allowed all due promotions as per selection list.

5. The management's case is that Shri John Parera was punished for gross misconduct in the past, for which due enquiry was held and orders passed on consideration of material evidence against him. The penalties imposed on him were fully merited. The same were just and are not liable to be questioned. He is not entitled to any relief asked for by him.

6. Management's case further is that the penalty imposed in this case is strictly based on the statutory rules applicable to civilian employees of the Central Government and it is considered justified. In view of the above facts Shri John Parera is not entitled to claim any relief. Along with the statement of claim the management has submitted the record of punishments with respect to order dated 18-6-1983 and 24-1-1984. They are as under :—

Date of order	Offence	Penalty imposed
18-6-83	"Gross Misconduct—Subversive of Discipline"—in that on 8-2-83 at about 7.30 PM he unauthorisedly organised an assembly of workers outside the GM/GCF Bungalow No. 1 and shouted offensive slogans against Shri B.K. Ghai, G.M./GCF and thereby disturbed the peace and tranquility of the locality.	Stoppage of next one increment without cumulative effect from one year.
24-1-84	"Gross Misconduct—Subversive of Discipline"—in that (1) on 27-5-83 at about 11 A.M. when factory employ-	Stoppage of one increment w/o a. effect for one year.

1 2 3

workers were carrying out eviction operation at Qr. No. 1/7 Fatehgarh Line, GCF Estate he obstructed the workers who were doing their legitimate duty and (2) on 27-5-83 at about 11.30 A. M. he arranged an illegal assembly of workers in and also shouted slogans against GCF Management and officers in particular.

7. Parties have relied on the documents filed in this case and the applicant gave his own statement on affidavit.

8. The main challenge to the departmental punishment is that Shri B. K. Ghai was himself in the position of complainant and witness. Therefore he could have neither issued the charge-sheet nor could have imposed the punishment awarded by him. He was not supplied with the Hindi version of the charge-sheet in spite of his request.

9. I have gone through the record and I find that Ex. W/6 (order dated 18-6-83) goes to show that the punishment was awarded merely on "careful examination of prima facie evidence available on record". Similar is the order dated 24-1-1984 (Ex. W/11). In both the cases no domestic enquiries were held on the charges levelled against him. Ex. W/3, Ex. W/5, Ex. W/9, Ex. W/14, Ex. W/18 go to show that the workman requested the General Manager for the supply of Hindi version because he is illiterate and does not understand English. There is no document on record to show that he was supplied with Hindi version of the charge-sheets as asked for by him. However, there are documents letter dated 10-3-83, dated 13-12-83 (Ex. W/10), dated 6-7-84 (Ex. W/15), dated 7-7-84 (Ex. W/18) which go to show that the workman's request for supply of Hindi version of the charge-sheets were not acceded to, but he has been advised to contact Law Officer, Time Keeper or any of his literate friend to understand the contents of the charge-sheet.

10. On behalf of the management, it has been contended that active members of the union went beyond the legitimate activities of the union and they had absolutely no right to act in the manner as they did. Therefore they made themselves liable to the punishment awarded to them for their misconduct subversive of discipline as charge-sheeted. This may be true, but the law of natural justice bars as are subversive of discipline amounting to office bearers as are subversive of discipline amounting to misconduct has to be proved by legal evidence before a person could be punished. In the instant case, except the allegations in the charge-sheets there is nothing on record at least before this Tribunal to substantiate the allegations of the management. On the other hand, workman has filed an affidavit of his own and he has been cross-examined but nothing is brought out to discredit his plea in relation to the charges levelled against him. If the management wanted to rebut the allegations of his affidavit it should have either filed the counter-affidavit of Shri B. K. Ghai or at least of some responsible officer to refute or rebut the allegations but nothing has been done. I, therefore, see no reason to disbelieve the affidavit of the applicant workman (Pratap Singh Vs. State of Punjab, AIR 1964 SC 72 para 14, relied on).

10(a). The salient features of the affidavit of Shri John Parera are that he is working as Rigger A in G.C.F. for more than 26 years and he is one of the Vice President of the G.C.F. Employees Union which is registered under the Trade Union Act. He was an active Trade Union worker and represented the cause of the workers before the management of G.C.F. Jabalpur but because of the anti-industrial and anti-workers attitude of the General Manager, Shri B. K. Ghai, settlement could not be reached in most of the cases. Instead of taking initiative for main-

maintaining industrial peace and harmony Shri B. K. Ghai, G.M. G.C.F. Jabalpur took a vindictive and revengeful attitude against the office bearers and executive members of our Union by imposing extreme punishment and transfer order was issued to S/Shri R. K. Jain, R. Jha, A. R. Tiwari, M. Hussain etc. He was also issued charge-sheet. He submitted an application requesting for a copy of the Hindi translation because he does not understand English but the management did not supply Hindi version and issued orders of punishment without holding an enquiry. Furthermore all the charge-sheets were issued to him in connection with the agitation in which he had participated on the basis of the call given by his union. Shri B. K. Ghai, the General Manager was himself the complainant and he himself issued the punishment orders. He was personally biased against all the union office bearers.

11. Charge-sheets issued by the management against workman on 15-5-1984 and 18-5-1984 imputing allegations of misconduct are as under :—

Memorandum dated 15-5-84 (Ex. W/12 and Ex. W/13):—

It is alleged that on 4-5-84 Shri John Pareira T. No. 4939[IE, Rigger 'A', MM Section, G.C. Factory, Jabalpur, in contravention of instructions notified vide GCF order Pt. 1 No. 16, dated 6-1-83, shouted offensive slogans against GM/GCF during working hours near Tool Room from 8.00 A.M. to 8.10 A.M. This tantamounts to "Gross Misconduct—Subversive of Discipline".

Memorandum dated 18-5-84 (Ex. W/16 and Ex. W/17):—

It is alleged that on 11-5-1984 from 4.40 PM till 5.45 PM Shri John Pareira, T. No. 4939[IE, Rigger 'A', MM Section, G.C. Factory, Jabalpur, led the procession to incite the workers to join the illegal strike planned by him and his associates on 12-6-1984. This tantamounts to "Gross Misconduct—Subversive of Discipline" (Management imposed penalty of CENSURE).

12. Now I will briefly take up some of the glaring impropriety, illegality in the charge-sheet and punishment awarded to the workman. Documents Ex. W/7 to Ex. W/10 are the documents regarding the alleged misconduct dated 27-5-83 and Ex. W/6 is the order of punishment passed by the management, Ex. W-7 and Ex. W-3 are the Memorandum and imputation of misconduct of misbehaviour issued by Shri B. K. Ghai, General Manager, Ex. W/9 dated 18-8-1983 is the application of the workman, Shri John Pareira, requesting for supply of Hindi version of the charge-sheet since he does not understand English. Vide Memorandum dated 26-7-1983 (Ex. W/7) and imputations (Ex. W/8) in which two undermentioned charges were framed :—

Article of Charge No. 1.—It is alleged that on 27-5-83 at about 11.00 A. M. when factory employees were carrying out eviction operation at Quarter No. 1/7, Fathagarh Line GCF Estate, Shri John Pareira, T. No. 4949[IE Rigger 'S' MM Section, GCF obstructed the workers who were doing their legitimate duty. This tantamounts to "Gross Misconduct—Subversive of Discipline".

Article of Charge No. 2.—It is alleged that on 27-5-83 at about 11.00 A. M. Shri John Pareira, T. No. 4939[IE, Rigger 'A' MM section arranged an illegal assembly of workers in Or. No. 1/7, Fathagarh Line, GCF Estate and also shouted slogans against GCF Management and officers in particular. This tantamounts to "Gross Misconduct—Subversive of Discipline". On the above Article of Charge No. 1 the management passed an order dated 18-6-83 (Ex. W/6) and on Article of Charge No. 2 the order was passed on 24-1-1984 (Ex. W/11). In reply to the request of the workman for supply of Hindi version the management turned down his legitimate request and wrote to him that he can contact the Labour Officer, Time Keeper or any of his literate friend to understand the contents of the Memo (Ex. W/10). To my mind the management ought to have given him the requisite Hindi version so that the workman

could probably defend himself. Similarly is the attitude of the management regarding charge-sheets dated 15-5-84 and 18-5-84. Furthermore all these punishment orders go to show that the management considered certain evidence which was taken behind his back without supplying him copy of the same though he demanded the same. Secondly the orders do not disclose what was the prima facie evidence which was considered.

13. In the case of Gujarat Steel Tubes Ltd. Vs. Mazdoor Sabha (AIR 1980 SC 1896) facts were on all fours with the facts of the present case. Relevant extracts of the above case are being reproduced below :—

"The form of the order of termination or the language in which it is couched is not conclusive. The Court will lift the veil to see the true nature of the order .....

The Court will find out from other proceedings or documents connected with the formal order of termination what the true ground for the termination is .....

A disciplinary inquiry resulting in punishment of particular delinquents cannot but be illegal if the evidence is of mass misconduct by unspecified strikers led by leaders who are perhaps not even workman.

The workmen were no strike. The strike was illegal. The management was hurt because production was paralysed, the strikers allegedly indulged in objectionable activities. The exasperated management hit back by ordering their discharge for reason set out in several pages in the appropriate contemporaneous proceeding. Misconduct after misconduct was flung on the workers to justify the drastic action.

Held :—The orders of discharge were led on this score alone."

14. From the attitude of the disciplinary authority it appears that Shri Ghai was highly prejudiced to the workman and went out of the way to victimise him. For a contingency like this the Government framed instructions in C.C.S. (C.C.A.) Rules 1965 on page 60 item No. 3(ii) which reads as follows :—

"(3) When President's power for nominating an ad hoc disciplinary authority to be invoked—

(i).....

(ii) When the competent authority is unable to function as the disciplinary authority—

In a case where the prescribed appointing or disciplinary authority is unable to function as the disciplinary authority in respect of an official, on account of his being personally concerned with the charges or being a material witness in support of the charges, the proper course for that authority is to refer such a case to Government in the normal manner for nomination of an ad hoc disciplinary authority by a Presidential Order under the provisions of Rule 12(2) of the C. C. S. (C. C. A) Rules, 1965."

Under this Rule Shri Ghai should have referred the matter to the Government for appointment of an ad hoc disciplinary authority to conduct just, legal and impartial enquiry against the workman, but instead of doing so, he himself became the prosecutor and judge at the same time. It is now well settled that no person could be a judge in his own cause and no witness could testify that his own testimony is true as has been held in the case of 1980-II-LIJ p. 270 P.J. Warkam Vs. K. V. Karamikar; 1986 SLR(i)558 S. Tiwari Vs. State of M. P.; 1981 MPLJ 516. This is what has been done by Shri B. K. Ghai. Thus the entire proceedings are vitiated being contrary to law and against natural justice and all the orders passed and charge-sheets issued by the management i.e. orders dated 18-6-83 and 24-1-84 and charge-sheets dated 15-5-84 and 18-5-84, are set aside.

15. In the instant case, the management in their written statement has not sought an opportunity to prove misconduct before this Tribunal. Therefore they are not entitled to the same.

16. Consequently I hold that the action of the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (MP) in punishing the workman Shri John Parera Rigger 'A' by orders of penalties dated 18-6-83 and 24-1-84 and also issuing charge-sheets dated 15-5-84 and 18-5-84 to him for his

trade union activities is not justified. He is, therefore, entitled to all increments withheld and the charge-sheets dated 15-5-84 and 18-5-84 be withdrawn. Management is further directed to pay all his dues within three months from the date of this award failing which it will carry 9 per cent interest per annum. No order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer.

[No. L-14012/13/85-D II(B)]

HARI SINGH, Desk Officer

